अक्कमहादेवी जी का वचन और वचन का अर्थ

विश्वगुरु, वैराग्यनिधि, जगज्योति,
जगन्माता, महर्षि, परमहंस,
वीर वैरागिणी, अक्कमहादेवी,
महादेवी अक्का —

1.

अंग क्रियालिंगव वेधिसि,

अंग लिंगदोलगायित्तु।

मन अरिव बेरसि, जंगम सेविय माडि,

मन जंगमलिंगदोलगायित्तु।

भाव गुरुलिंगदोलगे बेरसि, महाप्रसादव भोगिसि,

भाव गुरुलिंगदोलगायित्तु। चन्नमल्लिकार्जुना,

निम्म् ओलुमेयिंद संदलिदु स्वयलिंगियादेनय्या प्रभुवे।

Hindi Meaning:

शरीर ने क्रियालिंग को बेध (अपना) लिया, और शरीर लिंग में लीन हो गया।

मन ने ज्ञान को मिलाया, जंगम की सेवा की, और मन जंगमलिंग में लीन हो गया।

भाव गुरुलिंग में मिल गया, महाप्रसाद का भोग किया, और भाव गुरुलिंग में लीन हो गया।

हे चन्नमल्लिकार्जुन, आपकी कृपा से सारे भेद मिट गए और हे प्रभु, मैं स्वयं लिंग रूप हो गई।

2.

अंग, लिंगव वेधिसि, अंग लिंगदोलगायित्तु।

मन, लिंगव वेधिसि, मन लिंगदोलगायित्तु।

भाव, लिंगव वेधिसि, भाव लिंगदोलगायित्तु।

चन्नमल्लिकार्जुना,

निम्म् ओलुमेय संगदल्लिर्दु स्वयलिंगवायित्तु।

Hindi Meaning:

शरीर ने लिंग का अनुभव किया, और शरीर लिंग में लीन हो गया।

मन ने लिंग का अनुभव किया, और मन लिंग में लीन हो गया।

भाव ने लिंग का अनुभव किया, और भाव लिंग में लीन हो गया।

हे चन्नमल्लिकार्जुन, आपके प्रेम के संग में रहकर सब कुछ स्वयंभू लिंग बन गया।

3.

अंगद भंगव लिंगमुखदिंद गेलिदे।

मनद भंगव अरुहिन मुखदिंद गेलिदे।

जीवद भंगव शिवानुभवदिंद गेलिदे।

करणद कत्तलेय बेलगनुट्टु गेलिदे।

जव्वनद होरमिंचिनल्लि निम्म् कण्णिंगे तोरुव,

कामन सुत्तुरुहिद भस्मव नोडाय्या?

चन्नमल्लिकार्जुन,

कामनकोंदु मनसिजनागुलुहिदडे

मनसिजन भलेय बरह्व तोड़ेदेनु।

Hindi Meaning:

शरीर के विकार को लिंग के माध्यम से जीता।

मन की विफलता को ज्ञान के माध्यम से जीता।

जीव के बंधन को शिवानुभव (शिव के अनुभव) से जीता।

इंद्रियों के अंधकार को प्रकाश पहनकर जीता।

जवानी की बाहरी चमक में जो आपकी आँखों को दिखाई देता है, उस कामदेव को जलाकर बनाई राख को तो देखिए, हे प्रभु!

हे चन्नमल्लिकार्जुन, कामदेव को मारकर यदि मनसिज (काम) बच भी गया होता, तो मैंने उस कामदेव के माथे के लेख को ही मिटा दिया।

4.

अंगदोलगे अंगवागि, अंगव लिंगैक्यव माडिदे।

मनदोलगे मनवागि, मनव लिंगैक्यव माडिदे।

भावदोलगे भाववागि, भावव लिंगैक्यव माडिदे।

अरिविनोलगे अरिवागि, अरिव लिंगैक्यव माडिदे।

ज्ञानदोलगे ज्ञानवागि, ज्ञानव लिंगैक्यव माडिदे।

क्रीगलेल्ल निलिसि क्रियातीतवागि,

निःपति लिंगैक्यव माडिदे।

नानेम्बुद निलिसि, नीनेम्बुद केडिसि,

उभयव लिंगैक्यव माददे।

चन्नमल्लिकार्जुनय्यनोलगे नाणालिदेनागि,

लिंगवेम्ब घनवु एन्नल्लि अलियित्तु। काणा।

Hindi Meaning:

अंग के भीतर अंग होकर, अंग को लिंग में लीन किया।

मन के भीतर मन होकर, मन को लिंग में लीन किया।

भाव के भीतर भाव होकर, भाव को लिंग में लीन किया।

चेतना के भीतर चेतना होकर, चेतना को लिंग में लीन किया।

ज्ञान के भीतर ज्ञान होकर, ज्ञान को लिंग में लीन किया।

सभी क्रियाओं को रोककर क्रियातीत होकर, निष्पतिपूर्वक लिंग में लीन किया।

'मैं' को समाप्त कर, 'तुम' के भेद को मिटाकर, दोनों का द्वैत मिटाकर लिंग में एक किया।

हे चन्नमल्लिकार्जुन, जब मैं आपमें लीन हो गई, तो 'लिंग' नामक विशाल स्वरूप भी मुझमें ही लीन हो गया, देखिए!

5.

अंगव लिंगमुखदल्लि अर्पिसि,

अंग अनंगवायित्तु।

मनव अरिविंगर्पिसि, मन लयवायित्तु।

भावव तृप्तिगर्पिसि, भाव बायलायित्तु।

अंग मन भाववलिद कारण काय अकायवायित्तु।

एन्न कायद सुखभोगव लिंगवे भोगिसुवनागि,

शरणसति लिंगपतियादेनु।

इदु कारण, चन्नमल्लिकार्जुननेम्ब गंडन

ओलहोक्कु बेरसिदेनु।

Hindi Meaning:

शरीर को लिंगार्पण करके, शरीर अंगहीन (अशरीरी) हो गया।

मन को ज्ञान में समर्पित करके, मन का लय हो गया।

भाव को परम तृप्ति में अर्पित करके, भाव शून्य (आकाश रूप) हो गया।

अंग, मन और भाव मिट जाने के कारण यह देह विदेह बन गई।

चूँकि मेरे शरीर के सुख-भोग का उपभोग स्वयं लिंग ही करता है, इसलिए मैं 'शरण-पत्नी' और लिंग 'पति' बन गया।

इसी कारण, चन्नमल्लिकार्जुन नामक पति के भीतर प्रवेश कर मैं उनसे एकाकार हो गई।.

6.

अंगविकारसंगव मरेदु,

लिंगवनोडगूडुतिप्पवर तोरा एनगे।

कामविकारकत्तलेयलिदु,

भक्तिप्राणवागिप्पवर तोरा एनगे।

त्रिकरण शुद्धवागि निम्म नेरे नंबिद

सद्भक्तर तोरा एनगे चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning:

शरीर के विकारों के संग को भूलकर,

लिंग के साथ एक होकर रहने वालों को मुझे दिखाओ।

काम विकार के अंधकार को मिटाकर,

भक्ति को ही अपना प्राण बनाकर रहने वालों को मुझे दिखाओ।

मन, वचन और कर्म (त्रिकरण) से शुद्ध होकर आप पर पूर्ण विश्वास करने वाले

सच्चे भक्तों को मुझे दिखाओ, हे चन्नमल्लिकार्जुन!

7.

अंगसंगदल्लि लिंगसंगियादेनु।

लिंगसंगदल्लि अंगसंगियादेनु।

उभयसंगवनू अरियदे परिणामियादेनु।

नुडिय गढणव मरेदु तेरहिल्लदिद्देनु।

एन्न देव चन्नमल्लिकार्जुनन बेरसिद बालिक

एन्न नां॰ एनेन्दू अरियेनय्या।

Hindi Meaning:

शरीर के संग में ही मैं लिंग का संगी (साथी) बन गई।

और लिंग के संग में ही शरीर का भाव भी शांत हो गया।

दोनों के भेद को भूलकर मैं आनंद स्वरूप हो गई।

बातों के समूह को भुलाकर मैं निरंतर लीन रही।

मेरे प्रभु चन्नमल्लिकार्जुन से मिलने के बाद,

मैं स्वयं को क्या कहूँ, मुझे कुछ समझ नहीं आता, हे नाथ!

8.

अंगैयोलगण लिंगव पूजिसुत्त,

मंगलारतिगळनु तोळगि बेळगुत्तलिर्दे नोडाय्या।

कंगळ नोट, करुविट्ट भाव, हिंगद मोह

तेरहिल्लदिर्दे नोडाय्या,

चन्नमल्लिकार्जुनय्या,

निम्मनगलद पूजे अनुवायित्तेनगे।

Hindi Meaning:

अपनी हथेली पर स्थित लिंग की पूजा करते हुए,

मंगल आरती को चमकाकर उज्ज्वल करती रही, देखिए हे प्रभु!

आँखों की दृष्टि, मन का ध्यान और अटूट प्रेम—

मैं बिना किसी अंतराल के निरंतर लगी रही, देखिए हे प्रभु!

हे चन्नमल्लिकार्जुन,

आपसे कभी अलग न होने वाली यह पूजा मेरे लिए सुलभ हो गई।

9.

अंदू नीने, इंदू नीने, एंदू नीने, केळा तंदे।

निन्न बंबळिविडिद हळेम काळातैनय्या

अंदू इंदू एंदू निन्न नंबिद ओलविन शिशु नानय्या।

ओंदल्लदे एरडयेनय्या।

एन्न तंदे केळा, चन्नमल्लिकार्जुना

निम्म् एंजलनुंब हळियवळानय्या।

Hindi Meaning:

कल भी आप ही थे, आज भी आप ही हैं, और सदैव आप ही रहेंगे—सुनिए हे पिता!

आपके पीछे-पीछे चलने वाली आपकी पुरानी दासी हूँ मैं, हे स्वामी!

कल, आज और हमेशा आप पर भरोसा करने वाली आपकी प्रेममयी संतान हूँ मैं।

मैं आपके सिवा किसी दूसरे को नहीं जानती, हे नाथ!

मेरे पिता, सुनिए हे चन्नमल्लिकार्जुन,

मैं आपका उच्छिष्ट (प्रसाद) ग्रहण करने वाली आपकी पुरानी भक्त हूँ।

10.

अक्क केळाक्का, नानोंदु कनसव कंडे।

चिक्क चिक्क केंजेडेगळ सुलिपल्ल गोरवनु

बंदेन्न नेरेद नोडव्व।

०ातननप्पिकोंदु तळवेळगादेनु।

चन्नमल्लिकार्जुनन कण्डु

कण्णमुच्चि तेरेदु तळवेळगादेनु।

Hindi Meaning:

बहन, सुनो ओ बहन! मैंने एक सपना देखा।

छोटी-छोटी लाल-भूरी जटाओं और सुंदर सफेद दाँतों वाले एक योगी (शिव) ने

आकर मुझसे समागम किया, देखो ओ बहन!

उन्हें गले लगाकर मैं आनंद से अभिभूत (चकित) हो गई।

चन्नमल्लिकार्जुन को देखकर,

आँखें मूंदकर और खोलकर मैं पूरी तरह निहाल हो गई।

11.

अक्क केळौ, नानोंदु कनसव कंडे।

अक्कि अडके ओले तेंगिनकाय कंडे।

चिक्क चिक्क जडेगळ सुलिपल्ल गोरवनु

भिक्षक्के मनेगे बंदुद कंडेनव्व।

मिक्कु मीरि होहन बंबत्ति कैविडिदेनु।

चन्नमल्लिकार्जुनन कण्डु कण्देरेदेनु।

Hindi Meaning:

बहन सुनो, मैंने एक सपना देखा।

मैंने चावल, सुपारी, ताड़-पत्र और नारियल देखा।

छोटी-छोटी जटाओं और सुंदर सफेद दाँतों वाले एक योगी को

भिक्षा के लिए घर आते देखा, ओ बहन!

सीमाओं को लांघकर जाने वाले का पीछा करके मैंने उनका हाथ थाम लिया।

चन्नमल्लिकार्जुन के दर्शन करके मैंने अपनी आँखें खोल दीं।

12.

अक्कटक्काटा, संसारद हगरण बंदाडित्तल्ला?

अप्पा बोप्पा एम्ब चोहवु

अदु मोग्गमोदलल्लि बंदाडित्तु।

तुप्पुलु तोडेडंते मीसेय चोहवु

अदु नट्टनडुवे बंदाडित्तु।

मुप्पु मुप्पु एम्ब चोहवु

अदु कट्टकडियलि बंदाडित्तु।

निम्म नोटवु तीरलोडने

जगदाटवु तीरित्तु काणा चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning:

अरे रे, संसार का यह ढोंग/नाटक आकर सामने चलने लगा!

'पिता-पिता' कहने का जो मोह था,

वह सबसे शुरुआत में आकर सामने खेला।

मूँछों का जो मोह था (युवावस्था का आकर्षण),

वह बीचों-बीच आकर सामने खेला।

'बुढ़ापा-बुढ़ापा' कहने का जो मोह था,

वह अंत में आकर सामने खेला।

आपकी एक दृष्टि पड़ते ही,

इस संसार का सारा खेल समाप्त हो गया, देखिए हे चन्नमल्लिकार्जुन!

13.

अक्कियिल्लद तुषक्के अग्गवणियनेरेदडे

अदेंदिंगे बेलेदु फलवप्पुदय्या,

अरिविल्लदवरिगे आचारविद्दडे

अरकेगेट्टु सुखवेंदप्पुदय्या,

होरेद परिमळ स्थिरवागबल्लुदे,

एन्नदेव चन्नमल्लिकार्जुनननरियदवरिगे

आचारविल्ल काणिरण्णा।

Hindi Meaning:

चावल रहित भूसी पर पवित्र जल सींचने से

क्या वह कभी बढ़कर फल दे सकती है, हे प्रभु?

ज्ञान से हीन व्यक्ति यदि आचार/अनुष्ठान करे,

तो वह व्यर्थ होकर सुख कैसे दे सकता है, हे प्रभु?

ऊपर से लगाया हुआ इत्र क्या सदा स्थिर रह सकता है?

मेरे प्रभु चन्नमल्लिकार्जुन को न जानने वालों के पास

कोई सच्चा आचार नहीं होता, देखिए ओ भाइयों!

14.

अग्नि सर्वव्यापकनागिरुवंते,

चिद्वह्निरूपनाद शिवनु सर्वव्यापकनागिर्पनु।

हृदयकमलवु मुकुरदोपादियल्लि प्रकाशिसुतिर्दपुदु।

आ कन्नडियोंपादिय हृदयकमलदल्लि

व्यापकनाद शिवनु,

आत्मनेनिसिकोंदु प्रतिबिंबिसुतिर्दपनु।

वेदोपनिषदगायत्रि प्रसिद्धवादी रहस्यव,

गुरूपदेशदिं तिळिवुदय्य श्री

चन्नमल्लिकार्जुनदेवा।

Hindi Meaning:

जैसे अग्नि सर्वव्यापी है,

वैसे ही ज्ञान-अग्नि स्वरूप शिव भी सर्वव्यापी हैं।

हृदय रूपी कमल दर्पण (शीशे) की भाँति प्रकाशित हो रहा है।

उस दर्पण जैसे हृदय-कमल में

सर्वव्यापी शिव

'आत्मा' कहलाकर प्रतिबिंबित होते हैं।

वेदों, उपनिषदों और गायत्री मंत्र में प्रसिद्ध इस गूढ़ रहस्य को

गुरु के उपदेश से जानिए, हे श्री चन्नमल्लिकार्जुन देव!

15.

अघटित घटितन ओलविन शिशु

कट्टिदेनु जगक्के बिरिदनु।

काम क्रोध लोभ मोह मद मत्सरंगळिगे

इक्किदेनु काललि तोडरनु।

गुरुकृपेयेम्ब तिगुरनिक्कि

महाशरणेम्ब तिलकवनिक्कि

निन्न कोलुवे गेलुवे शिवशरणेम्ब अलग कोंडु।

बिडु बिडु कर्मवे, निन्न कोल्लदे माणेनु।

केडहिसिकोलिसेन्न नुडिय केळा।

केडद शिवशरणेम्ब अलगने कोंडु

निन्न कोलुवे गेलुवे नानू।

ब्रह्मपाशवेम्ब कळनने सवरि,

विष्णु मायेयेम्ब एडेगोलने नूकि,

एन्नोडिय चन्नमल्लिकार्जुनय्य

तलेदूगलि कादुवेनु नानू।

Hindi Meaning:

असंभव को संभव करने वाले प्रभु की प्रेममयी संतान हूँ मैं;

मैंने संसार को बांध दिया और यह खिल उठा।

काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद और मत्सर (छह विकारों) के

पैरों में मैंने बेड़ियाँ डाल दीं।

गुरु-कृपा की ढाल पहनकर,

महाशरण का तिलक लगाकर,

'शिवशरण' रूपी खड्ग लेकर मैं तुम्हें मारूँगी और जीतूँगी।

छोड़ दे, छोड़ दे ओ कर्म! तुझे बिना मारे मैं नहीं छोड़ूँगी।

स्वयं को नष्ट न होने देने की मेरी बात सुन!

अविनाशी शिवशरण रूपी तलवार लेकर

मैं तुझे मारूँगी और जीत हासिल करूँगी।

ब्रह्म-पाश रूपी फंदे को काट कर,

विष्णु-माया रूपी बाधा को हटाकर,

मेरे स्वामी चन्नमल्लिकार्जुन

प्रसन्न होकर सिर हिलाएँ (स्वीकार करें), ऐसे मैं युद्ध करूँगी!

16.

अत्ते माये, माव संसारि,

मूवरु मैदुनरु हुलियंतवदिरु,

नाल्वरु नगेवेण्णु केळु केळदि।

ऐवरु भावदिरनोय्व दैवविल्ल।

आरु प्रजेयत्तिगेयर मीरलारेनु।

ताये, हेळुवडे एळु प्रजे तोत्तिर काहु।

कर्मवेम्ब गंडन बाय टोणेदु,

हादरवनाडुवेनु हरनकोडे।

मनवेम्ब सखिय प्रसादर्दिंद

अनुभावव कलितेनु शिवनोडने

करचेलुव श्रीशैल चन्नमल्लिकार्जुननेम्ब

सज्जन गंडन माडिकोंडे।

Hindi Meaning:

सास माया है, ससुर संसारी है,

तीनों देवर बाघ जैसे हिंसक हैं,

चारों ननदें ताना मारने वाली हैं, सुनो सखी!

पाँचों जेठों को दूर भगाने वाला कोई देव नहीं है।

छहों जिठानि-भाभियों की बात मैं टाल नहीं सकती।

हे माँ, बताऊँ तो सात दासी-पुत्रियाँ पहरा दे रही हैं।

कर्म रूपी पति का मुँह बंद करके,

मैं शिव (हर) के साथ प्रेमालाप/अनुराग करूँगी।

मन रूपी सहेली की कृपा से

मैंने शिव के साथ आध्यात्मिक अनुभव सीखा,

और सुंदर श्रीशैल चन्नमल्लिकार्जुन नामक

सज्जन को अपना पति बना लिया।

17.

अनुतापदोडलिंन्दे बंद नोवनुंबवरु

ओडलो, प्राणवो, आरु हेळा

एन्नोडलिंगे नीनु प्राणवाद बालिक,

एन्न ओडल सुख दुःखवार तागुवुदु हेळय्या?

चन्नमल्लिकार्जुनय्या,

एन्न नों०द नोवू, बेंद बेगे,

निम्म तागदे होहुदे अय्या।

Hindi Meaning:

पश्चाताप के भीतर से आए दुख को भोगने वाला

यह शरीर है या प्राण, कौन है बताइए?

जब आप मेरे शरीर के प्राण बन गए,

तो मेरे देह का सुख और दुख किसे छुएगा, बताइए हे प्रभु?

हे चन्नमल्लिकार्जुन,

मेरी पीड़ा का दर्द और जलती हुई तपन,

क्या आप तक पहुँचे बिना रह सकती है, हे स्वामी?

18.

अन्नव नीडुवरिंगे धान्यवेसेव लोक।

अर्थव कोडुवरिंगे पाषाणवेसेव लोक।

हेण्णु होन्नु मण्णु मूरनू

कण्णिनलि नोडि, किवियलि केळि,

कैयलि मुट्टि, माडुव भक्ति

सण्णवर समाराधनेयायित्तु।

तन्ननित्तु तुष्टिवडेवरनेनगे तोरा

श्रीगिरि चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning:

अन्न देने वालों पर अनाज फेंकने वाला यह संसार है।

धन देने वालों पर पत्थर फेंकने वाला यह संसार है।

स्त्री, स्वर्ण और भूमि—इन तीनों को

आँखों से देखकर, कानों से सुनकर,

हाथों से छूकर की जाने वाली भक्ति

तुच्छ लोगों की पूजा-अर्चना बनकर रह गई है।

स्वयं का समर्पण करके परम तृप्त होने वालों को मुझे दिखाइए,

हे श्रीगिरि चन्नमल्लिकार्जुन!

19.

अनिमिषनल्ल मय्य, मरुलशंकरय्य,

कोलशांतय्य, मादार धूलय्य,

मिंडमल्लीनाथ, चन्नबसवण्ण,

चेरमराय, तेलुगु जोम्मण्ण, किन्नरय्य,

हलायुध, दासिमय्य, भंडारी, बसवराज मुख्यवाद

चन्नमल्लिकार्जुनन शरणरिगे नमो नमो एंबेनु।

Hindi Meaning:

अनिमिष अल्लामय्या, मरुळशंकरय्या,

कोलशांतय्या, मादार धूलय्या,

मिंडमल्लीनाथ, चन्नबसवण्णा,

चेरमराय, तेलुगु जोम्मण्णा, किन्नरय्या,

हलायुध, दासिमय्या, और भण्डारी बसवराज जैसे मुख्य

चन्नमल्लिकार्जुन के सभी शरणों (भक्तों) को मैं बारंबार प्रणाम करती हूँ।

20.

अपार घनगंभीरद अंबुदियल्लि

तारापथवं नोडि नडिये,

भैत्रदिंद द्वीप द्वीपांतरक्के

सकल पदार्थवनेयदिसुवुदु,

एन्न देव चन्नमल्लिकार्जुनय्यन

समीप तूर्यसंभाषणेयनरिदडे

मुन्निनल्लिगेयदिसुवुदु,

Hindi Meaning:

अथाह, गहरे और गंभीर समुद्र में

तारों के मार्ग को देखकर चलने पर,

नाव/जहाज के माध्यम से मनुष्य द्वीप-द्वीपांतर तक पहुँचकर

सभी वांछित पदार्थ प्राप्त कर लेता है;

उसी प्रकार, मेरे प्रभु चन्नमल्लिकार्जुन की

समीपता और परम चतुर्थ अवस्था (तूर्यावस्था) के संवाद को जान लेने पर,

वह व्यक्ति सीधे परम धाम तक पहुँच जाता है।

21.

अमृतवनुंब शिशुविंगे विषवनूडुवरे अय्या,

नेळल तंपिनल्लि बेळेद ससिगे उरिय बेलिय कट्टुवरे अय्या,

चन्नमल्लिकार्जुनय्या,

निम्म् करुणद कंदनोडने

सूनेगारर माटनाडिसुवरे अय्या,

Hindi Meaning:

क्या अमृत पीने वाले बच्चे को विष पिलाया जाता है, हे प्रभु?

छाया की शीतलता में बड़े हुए पौधे के चारों ओर आग की बाड़ लगाई जाती है क्या, हे प्रभु?

हे चन्नमल्लिकार्जुन,

अपनी कृपा से पले-बढ़े बच्चे से

क्या कसाइयों/जल्लादों को बात करने दी जाती है, हे प्रभु?

22.

अमेध्यद मडिके, मूत्रद कुडिके,

एलुविन तडिके, कीविन हडिके,

सुडली देहव ; ओडलुविडिदु केडदिरु,

चन्नमल्लिकार्जुननरियद मरुलॆ।

Hindi Meaning:

मलमूत्र का यह घड़ा, पेशाब की मटकी,

हड्डियों का ढांचा और मवाद (पीप) की थैली—

आग लगे इस देह को! इस शरीर के मोह में पड़कर अपना नाश मत कर,

हे चन्नमल्लिकार्जुन को न जानने वाले मूर्ख!

23.

अय्या, कत्तलेय कळेदुलिद सत्यशरणर

परियनेंबेनिय्या,

घनवनोळकोंड मनद महानुभाविगळ

बळिविडिदु बदुकुवेनिय्या।

अय्या, निन्नल्लि निंदु बेरॊंदरियद

लिंगसुखिगळ संगदल्लि दिनव कळेयिसय्या

चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning:

हे प्रभु, अज्ञान के अंधकार को दूर कर बचे हुए सच्चे शिवशरणों की

महिमा का मैं क्या वर्णन करूँ, हे नाथ!

परम सत्य को मन में धारण करने वाले महानुभावों के

पदचिह्नों पर चलकर मैं अपना जीवन सार्थक करूँगी।

हे प्रभु, आपमें ही लीन रहकर आपके सिवा कुछ और न जानने वाले

लिंग-सुखियों (दिव्य आनंद में लीन भक्तों) के संग में ही मेरे दिन व्यतीत कराइए,

हे चन्नमल्लिकार्जुन!

24.

अय्या, चिदंग चिद्घनलिंग

शक्ति भक्ति हस्त मुख पदार्थ प्रसाद

एंबिवादियाद समस्त सकीलिंगळ नेले कलेयरियदे,

जिह्वालंपट्के आह्वानिसि, गुह्यालंपट्के विसर्जिसि,

सकलेंद्रियमुखदल्लि मोहियागि,

सदगुरुकरुणामृतरस तानेंदरियदे

बरिदे भक्त माहेश्वर प्रसादि प्राणलिंगि शरण ऐक्य

गुरुचरपरवेंदु बोगुलुव कुन्निगळ नोडि

एन्न मन बेरगु निब्बेरगु आयित्तय्या,

चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning:

हे प्रभु, चेतन अंग, चिद्घन लिंग,

शक्ति, भक्ति, हस्त, मुख, पदार्थ, और प्रसाद

आदि समस्त रहस्यों की वास्तविक स्थिति और कला को जाने बिना,

केवल जीभ के स्वाद (जिह्वा-लोलुपता) के लिए अन्न ग्रहण करते हैं, और काम-वासना में उसे गँवा देते हैं,

समस्त इंद्रियों के विषयों में मोहित रहकर,

स्वयं को सद्गुरु की करुणामृत धारा न जानकर,

व्यर्थ ही खुद को 'भक्त, माहेश्वर, प्रसादि, प्राणलिंगी, शरण, ऐक्य'

तथा गुरु-जंगम के परम भक्त कहने वाले ढोंगियों को देखकर

मेरा मन चकित और हतप्रभ हो गया है, हे चन्नमल्लिकार्जुन!

25.

अय्या, तन्न तानरियबेकल्लदे,

तन्नल्लि अरिवु स्वयवागिरलु अन्यरल्लि केळुलुंटे

चन्नमल्लिकार्जुना,

नीनरिवागि एनगे मुंदुदोरिद कारण

निम्मिंद निम्मनरिवेनु।

Hindi Meaning:

हे प्रभु, मनुष्य को स्वयं को ही जानना चाहिए;

जब ज्ञान अपने भीतर ही स्वयं प्रकट है, तो दूसरों से क्या पूछना?

हे चन्नमल्लिकार्जुन,

चूँकि आप ही परम ज्ञान बनकर मेरे सामने प्रकट हुए हैं,

इसलिए आपके माध्यम से ही मैं आपको जान पाई हूँ!

26.

अय्या, निन्न मुट्टि मुट्टदेन्न मन नोडा।

बिच्चि बीसरवायित्तेन्न मन।

होळल सुंकिगनंते होदकुलि गोंडित्तेन्न मन।

एरडेंबुद मरेदु बरडागदेन्न मन।

नीनु आनप्प परियंतु हेळा, चन्नमल्लिकार्जुना?

Hindi Meaning:

हे प्रभु, आपको स्पर्श करके भी मेरा मन संतुष्ट नहीं हुआ, देखिए।

मेरा मन व्याकुल और बेचैन हो गया है।

शहर के चुंगी-वसूली करने वाले (टैक्स कलेक्टर) की तरह मेरा मन छिपे हुए लाभ/हिसाब की तलाश में लगा रहा।

'दो' (द्वैत) के भाव को भूलकर भी मेरा मन शून्य/निष्काम नहीं हुआ।

हे चन्नमल्लिकार्जुन, मैं और आप एक कैसे हो सकते हैं, बताइए?

27.

अय्या, निम्म शरणर बरविंगे

गुडि तोरणव कट्टुवे।

अय्या, निम्म शरणर बरविंगे

मुडुहिनल्लि पट्टव कट्टुवे।

अय्या, निम्म शरणरेन्न मनेगे बंदडे,

अवर श्रीपादवनेन्न हृदयदल्लि बगेदिट्टुकोंबे,

काणा चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning:

हे प्रभु, आपके शरणों (भक्तों) के आगमन पर

मैं ध्वज और तोरण बांधूँगी।

हे प्रभु, आपके शरणों के आगमन पर

मैं अपने मस्तक पर विजय-पट्ट बांधूँगी।

हे प्रभु, जब आपके शरण मेरे घर आएँगे,

तो उनके श्रीचरणों को मैं अपने हृदय में संभाल कर रखूँगी,

देखिए हे चन्नमल्लिकार्जुन!

28.

अय्या, निम्म शरणरु मे ट्टिद धरे पावनवय्या।

अय्या, निम्म शरणरिद्द पुरवे कैलासपुरवय्या।

अय्या, निम्म शरणरु निंदुदे निजनिवासवय्या।

चन्नमल्लिकार्जुनय्या,

निम्म शरणनिद्द क्षेत्र अविमुक्त क्षेत्रवागि,

आनू शरणन श्रीपादक्के

नमो नमो एनुतिर्देनु।

Hindi Meaning:

हे प्रभु, आपके शरणों के चरणों से स्पर्श हुई धरती पवित्र है।

हे प्रभु, आपके शरण जिस नगर में रहते हैं, वही कैलाशपुरी है।

हे प्रभु, आपके शरण जहाँ ठहरते हैं, वही वास्तविक धाम है।

हे चन्नमल्लिकार्जुन,

आपके शरण का निवास स्थान परम अविमुक्त (काशी के समान पवित्र) क्षेत्र बन गया है,

इसलिए मैं उस शरण के श्रीचरणों में

बारंबार प्रणाम करती हूँ।

29.

अय्या, निम्म सज्जन सद्भक्तर कंडेनागि,

एन्न कंगळ पटल हरियित्तिंदु।

अय्या, निम्म सज्जनसद्भक्तर श्रीचरणक्केरगिदेनागि,

एन्न हणेय लिखित तोडेयित्तिंदु।

चन्नमल्लिकार्जुनय्या,

निम्म शरणर पादव कण्डु

मिगे मिगे नमो नमो एनुतिर्देिनय्या।

Hindi Meaning:

हे प्रभु, आपके सज्जन और सच्चे भक्तों के दर्शन करके,

आज मेरी आँखों का अज्ञान रूपी पर्दा फट गया है।

हे प्रभु, आपके सज्जन सद्भक्तों के श्रीचरणों में प्रणाम करने से,

आज मेरे माथे का लिखा (भाग्य का संकट) मिट गया है।

हे चन्नमल्लिकार्जुन,

आपके शरणों के चरणों को देखकर

मैं बार-बार नम्रतापूर्वक प्रणाम करती हूँ, हे नाथ!

30.

अय्या, नीनु केळिदडे केळु, केळदडे माणु

आनू निन्न हाडिदल्लदे सैरिसलारेिनय्या।

अय्या, नीनु नोडिदडे नोडु, नोडदडे माणु

आनू निन्न नोडि हिग्गि हारैसिदल्लदे सैरिसलारेिनय्या।

अय्या, नीनु मच्चिदेडे मच्चु, मच्चदडे माणु

आनू निन्ननप्पिदल्लदे सैरिसलारेिनय्या।

अय्या, नीनु ओलिदडे ओलि, ओलियदडे माणु

आनू निन्न पूजिसिदल्लदे सैरिसलारेॆनय्या।

चन्नमल्लिकार्जुनय्या, आनू निम्मनर्चिसि पूजिसि

हरुषदोळोलाडुवेॆनय्या।

Hindi Meaning:

हे प्रभु, आप चाहें तो सुनें, न चाहें तो न सुनें;

मैं आपके गुण गाए बिना नहीं रह सकती, हे नाथ!

हे प्रभु, आप चाहें तो देखें, न चाहें तो न देखें;

मैं आपको देखकर आनंदित और उत्सुक हुए बिना नहीं रह सकती, हे नाथ!

हे प्रभु, आप चाहें तो प्रसन्न हों, न चाहें तो न हों;

मैं आपको आलिंगन किए बिना नहीं रह सकती, हे नाथ!

हे प्रभु, आप चाहें तो कृपा करें, न चाहें तो न करें;

मैं आपकी पूजा किए बिना नहीं रह सकती, हे नाथ!

हे चन्नमल्लिकार्जुन, मैं आपकी अर्चना और पूजा करके

परमानंद के सागर में झूमती रहूँगी, हे स्वामी!

31.

अय्या, नीनेन्न मोरेयनालिसिदडालिसु,

आलिसदिर्दडे माणु।

अय्या, नीनेन्न दुःखव नोडिदडे नोडु,

नोडदिर्दडे माणु।

निगिदु विधिये?

नीनोल्लदडे आनोलिसुव परियंतय्या?

मनवेळसि मारुवोगि मरेवोकडे

कोंब परियंतय्या

चन्नमल्लिकार्जुना?

Hindi Meaning:

हे प्रभु, आप मेरी पुकार सुनना चाहें तो सुनें,

न सुनना चाहें तो न सुनें।

हे प्रभु, आप मेरा दुख देखना चाहें तो देखें,

न देखना चाहें तो न देखें।

क्या आपके लिए यही नियम/रीति है?

जब आप ही मुझे नहीं चाहते, तो मैं आपको कैसे रिझाऊँ, हे नाथ?

जब मेरा मन तीव्र इच्छा से सब कुछ न्योछावर करके आपकी शरण में आ गया है,

तो आप मुझे कैसे स्वीकार करेंगे, बताइए

हे चन्नमल्लिकार्जुन?

32.

अय्या, विरक्त विरक्त रेंदेनो

विरक्तिय माटनाडुवरल्लदे विरक्तिके एल्लरिगेल्लियदो

कैयोळगण ओले, कंकुळोळगण संपुट, बायोळगण मातु।

पुण्यविल्ल पापविल्ल, कर्मविल्ल धर्मविल्ल,

सत्यविल्ल असत्यविल्लवेंदु माटनाडुतिप्परु।

अदेंतेंदडे कंगळ नोट हिंगदन्नक्क, कैयोळगण बेरटु निल्लदन्नक्क,

हृदयद काम उडुगदन्नक्क

विरक्तिके एल्लरिगेल्लियदो

बल्ल विरक्तन हृदयवूदकदोळगण गुंडिनल्लि

माणिक्यद प्रभेय कंडवरारो कंडातंगे कंगळल्लि नोडिद

सर्ववस्तुगळु आ लिंगक्कर्पित।

आ लिंगव कंडातंगे, कर्णदल्लि केळिद आगम

पुराणंगळु आ लिंगक्कर्पित।

आ लिंगव कंडातंगे जिह्वेयल्लि रुचिसिद

पदार्थंगळु आ लिंगक्कर्पित।

अदेंतेंदडे अंगवू लिंगवू एकीभविसिदडे

अवंगे पुण्यविल्ल पापविल्ल,

कर्मविल्ल धर्मविल्ल, सत्यविल्ल असत्यविल्ल।

अदेंतेंदडे बंदुद लिंगक्के कोट्टनागि, बारदुद बयसनागि।

अंगनेयरु बंदु कामितार्थदिंद तन्ननप्पिदडे

ता महालिंगवनप्पुवनागि,

अवंगे मुख बेरल्लदे, आत्मनेल्ला ओंदे।

अदक्के जगवु पाप पुण्यवेंदु माटनाडुतिप्परु।

अदेंतेंदडे शिवंगे तायियिल्ल, भुवनक्के बेलियिल्ल।

तरु गिरिय गह्वरक्के मनेयिल्ल।

लिंगवनोडगूडिद विरक्तंगे पुण्य पापविल्ल काणा

चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning:

हे प्रभु, 'विरक्त-विरक्त' कहकर लोग

वैराग्य की बातें तो करते हैं, परंतु सच्चा वैराग्य सबको कहाँ प्राप्त होता है?

हाथ में ताड़-पत्र (ग्रंथ), बगल में पेटी (पूजा संपुट) और मुँह में केवल बातें हैं।

वे कहते फिरते हैं— 'न पुण्य है न पाप, न कर्म है न धर्म, न सत्य है न असत्य'।

परंतु जब तक आँखों की तृष्णा नहीं मिटती, हाथ का भटकना नहीं थमता,

और हृदय की काम-वासना शांत नहीं होती,

तब तक वैराग्य सबको कैसे मिल सकता है?

ज्ञानी विरक्त का हृदय जलकुंभ के भीतर रखे

माणिक्य की आभा के समान है; जिसने उसे देख लिया, उसकी आँखों से देखी जाने वाली

समस्त वस्तुएँ उस लिंग को समर्पित हो जाती हैं।

उस लिंग का दर्शन करने वाले के कानों से सुने गए आगम और

पुराण भी उस लिंग को ही समर्पित हो जाते हैं।

उस लिंग को पाने वाले की जीभ से स्वाद लिए गए

पदार्थ भी उस लिंग को समर्पित हो जाते हैं।

क्योंकि जब अंग (जीव) और लिंग (शिव) एक हो जाते हैं,

तो उसके लिए न पुण्य है न पाप,

न कर्म है न धर्म, न सत्य है न असत्य।

कारण यह कि जो प्राप्त हुआ उसे उसने लिंग को अर्पण कर दिया, और जो न मिला उसकी उसने कामना नहीं की।

यदि स्त्रियाँ आकर काम-वासना से उसे आलिंगन भी करें,

तो वह उसे महालिंग का आलिंगन ही मानता है;

उसका केवल मुख अलग दिखता है, परंतु आत्मा पूरी तरह एक है।

इसके बावजूद यह संसार उसे पाप-पुण्य की दृष्टि से तोलता रहता है।

जैसे शिव की कोई माता नहीं है, संसार का कोई मूल्य नहीं है,

और वृक्ष, पर्वत तथा गुफाओं का कोई निश्चित घर नहीं होता,

वैसे ही लिंग में लीन विरक्त पुरुष के लिए कोई पाप या पुण्य नहीं होता, देखिए

हे चन्नमल्लिकार्जुन!

33.

अय्या, सदाचार सद्भक्ति सत्क्रिया सम्यक्ज्ञान सद्वर्तने

सगुण निर्गुण निजगुण सच्चरित्र सद्भाव

अक्रोध सत्यवचन शमेदमे भविभक्तभेद

सत्पात्रद्रव्यार्पण गौरवबुद्धि लिंगलीय जंगमानुभाव

दशविधपादोदक एकादशप्रसाद षोडशभक्तिनिर्वाह,

त्रिविध षड्विध नवविध लिंगार्चने,

त्रिविध षड्विध नवविध जप,

त्रिविध षड्विध नवविध लिंगार्पण।

चिद्विभूति स्नान धूलन धारण, सर्वांगदल्लि चिद्रुद्राक्षधारण,

ता माडुव सत्यकायक,

ता बेडुव सद्भक्तिभिक्षा, ता कोट्टु कोंब भेद,

तानाचरिसुव सत्य नडेनुडि, ता निंद निर्वाणपद।

इंती बत्तीस नेलेकलेगळ सद्गुरुमुखदिंदरिद

बसव मोदलाद समस्त गणंगळेल्ला प्रमथ

निराभारि वीरशैव सन्मार्गविडिदाचरिसिदरु नोडा।

इंतु प्रमथगणवाचरिसिद

सत्य सन्मार्गवरियद मूढ अधमरनंतु

शिवशक्ति शिवभक्त शिवजंगमवेंबेनय्या

चन्नमल्लिकार्जुना?

Hindi Meaning:

हे प्रभु, सदाचार, सद्भक्ति, सत्कर्म, सम्यक् ज्ञान, सद्व्यवहार,

सगुण-निर्गुण-निजगुण, सच्चरित्र, सद्भाव,

अक्रोध, सत्य वचन, शम-दम (इंद्रिय निग्रह), भवि-भक्त का भेद,

सुपात्र को द्रव्य का अर्पण, आदर बुद्धि, लिंग-लीनता, जंगम-अनुभाव,

दस प्रकार का पादोदक, ग्यारह प्रकार का प्रसाद, सोलह प्रकार की भक्ति का निर्वाह,

तीन, छह और नौ प्रकार की लिंग-अर्चना,

तीन, छह और नौ प्रकार का जप,

तीन, छह और नौ प्रकार का लिंग-समर्पण,

ज्ञान रूपी भस्म का स्नान, विलेपन और धारण, सर्वांग में दिव्य रुद्राक्ष धारण,

अपने द्वारा किया जाने वाला सत्य कायक (ईमानदार श्रम),

मांगी जाने वाली सद्भक्ति रूपी भिक्षा, देने-लेने का मर्म,

आचरण में लाई जाने वाली सत्य कथनी-करनी, और स्वयं की स्थित निर्वाण पद—

इन ३२ मूलभूत आध्यात्मिक सिद्धांतों को सद्गुरु के मुख से जानकर

बसवन्ना आदि समस्त गणों, प्रमथों और

निराहारी वीरशैवों ने सत्य मार्ग पर चलकर आचरण में ढाला, देखिए।

इस प्रकार प्रमथ गणों द्वारा आचरित

सत्य और सन्मार्ग को न जानने वाले मूढ़ एवं अधम लोगों को मैं कैसे

शिवशक्ति, शिवभक्त या शिवजंगम कहूँ, हे नाथ

चन्नमल्लिकार्जुन?

34.

अय्या, सर्वमूलहंकारविडिदु

कुलभ्रमे छलभ्रमे जातिभ्रमे,

नाम वर्ण आश्रम मत शास्त्रभ्रमे,

तर्कभ्रमे राज्यभ्रमे, धन धान्य पुत्र मित्रभ्रमे,

ऐश्वर्य त्याग भोग योगभ्रमे,

काय करण विषयभ्रमे,

वायु मन भाव जीव मोहभ्रमे,

नाहं कोहं सोहं मायाभ्रमे मोदलाद

बत्तीस पाशभ्रमितरागि तोळुलुव वेषधारिगळ कंडु

शिवशक्ति शिवभक्त शिवप्रसादि शिवशरण शिवैक्य

शिवजंगमवेंदु नुडियलारदे एन्न मन नाचि

निम्मडिगभिमुखवायित्तय्या चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning:

हे प्रभु, सब बुराइयों की जड़ अहंकार को थामकर

कुल का भ्रम, हठ का भ्रम, जाति का भ्रम,

नाम, वर्ण, आश्रम, मत और शास्त्र का भ्रम,

तर्क का भ्रम, राज्य का भ्रम, धन-धान्य, पुत्र और मित्र का भ्रम,

ऐश्वर्य, त्याग, भोग और योग का भ्रम,

शरीर, इंद्रिय और विषयों का भ्रम,

प्राणवायु, मन, भाव, जीव और मोह का भ्रम,

'मैं नहीं हूँ (नाहं)', 'मैं कौन हूँ (कोहं)', 'वह मैं हूँ (सोहं)' जैसे माया-भ्रम—

इन ३२ प्रकार के बंधनों और भ्रमों में भटकने वाले ढोंगियों को देखकर,

उन्हें शिवशक्ति, शिवभक्त, शिवप्रसादि, शिवशरण, शिवैक्य

या शिवजंगम कहने में मेरा मन लज्जित होता है,

और मैं आपके श्रीचरणों की ओर सम्मुख हो गई हूँ, हे चन्नमल्लिकार्जुन!

35.

अय्या, निम्म अनुभाविगळ संगदिंद

एन्न तनु शुद्धवायित्तु।

अय्या, निम्म अनुभाविगळ संगदिंद

एन्न मन शुद्धवायित्तु।

अय्या, निम्म अनुभाविगळ संगदिंद

एन्न प्राण शुद्धवायित्तु।

अय्या, निम्म अनुभाविगळु

एन्न ओरेदोरेदु आगुमाडिद कारण

चन्नमल्लिकार्जुनय्या, निमगानु तोडिगेयादेनु।

Hindi Meaning:

हे प्रभु, आपके अनुभवियों (शरणों) की संगति से

मेरा शरीर शुद्ध हो गया।

हे प्रभु, आपके अनुभवियों की संगति से

मेरा मन शुद्ध हो गया।

हे प्रभु, आपके अनुभवियों की संगति से

मेरे प्राण शुद्ध हो गए।

हे प्रभु, आपके अनुभवियों ने

मुझे तराश-तराश कर गढ़ दिया, इसी कारण

हे चन्नमल्लिकार्जुन, मैं आपके योग्य एक आभूषण बन गई हूँ!

36.

अय्या, निम्म शरणर कुडिद

सुखवनुपमेगे तरबारदय्या।

अय्या, निम्म महंतर कूडी अगलुव धावतिगिंत

सावुदे करलेसय्या।

चन्नमल्लिकार्जुनय्या,

निम्मनरुहिद महि मरनगलि

आनू निल्ललारे०नय्या।

Hindi Meaning:

हे प्रभु, आपके शरणों (भक्तों) के साथ मिलने का

जो सुख है, उसकी तुलना किसी से नहीं की जा सकती।

हे प्रभु, आपके महान संतों से मिलकर फिर बिछड़ने के दुख से तो

मृत्यु ही कहीं अधिक बेहतर है।

हे चन्नमल्लिकार्जुन,

आपका ज्ञान कराने वाले उन महिमामयी संतों से अलग होकर

मैं एक क्षण भी जीवित नहीं रह सकती, हे नाथ!

37.

अरुलुगोंड केरेगे तोरेबंदु हाय्दंतायित्तु।

बरुलुगोंड ससिगे मले सुरिदंतायित्तु नोडा इंदेनगे।

इहद सुख परद गति नडेदु बंदंतायित्तु नोडा एनगे।

चन्नमल्लिकार्जुनय्या,

गुरुपादव कण्डु धन्यळादे नोडा।

Hindi Meaning:

जैसे सूखे हुए तालाब में अचानक नदी बहकर आ जाए, वैसा अनुभव हुआ।

जैसे मुरझाए हुए पौधे पर झमाझम बारिश बरस जाए, वैसा हुआ आज मेरे साथ, देखिए!

इस लोक का सुख और परलोक की परम गति स्वयं चलकर मेरे पास आ गई हो, ऐसा प्रतीत हुआ।

हे चन्नमल्लिकार्जुन,

सद्गुरु के श्रीचरणों के दर्शन करके मैं धन्य हो गई, देखिए!

38.

अरसि तोळलिदडिल्ल, हरसि बललिदडिल्ल,

बयसि होक्कडिल्ल, तपस्सु माडिदडिल्ल।

अदु तानह कालक्कल्लदे साध्यवागदु।

शिवनोलिदल्लदे कैगूडदु। चन्नमल्लिकार्जुननेनगोलिदनागि

नानू शरणर श्रीपादव कण्डु बदुकिदेनु।

Hindi Meaning:

संसार में ढूँढकर भटकने से कुछ नहीं मिलता, तरसकर थकने से कुछ नहीं मिलता,

इच्छा करके पाने की कोशिश से कुछ नहीं मिलता, केवल तपस्या करने से भी नहीं मिलता।

वह तो जब स्वयं समय आता है, तभी सिद्ध होता है।

जब तक शिव प्रसन्न न हों, तब तक यह फल प्राप्त नहीं होता। चन्नमल्लिकार्जुन ने मुझ पर कृपा की,

इसलिए मैं शरणों के श्रीचरणों के दर्शन करके कृतार्थ हो गई।

39.

अरसि मोरेवोकडे काव गुरुवे,

जय जय गुरुवे,

आरू अरियद बयलोळगे बयलागि निंद निलव

हिडिदेन्न करदल्लि तोरद गुरुवे,

चन्नमल्लिकार्जुन गुरुवे, जय जय गुरुवे।

Hindi Meaning:

खोजते हुए शरण में आने पर रक्षा करने वाले हे सद्गुरु,

आपकी जय हो, जय हो हे गुरुदेव!

जिसे कोई नहीं जानता, उस असीम शून्य (परम सत्य) में स्वयं शून्य होकर स्थित हुए निज-रूप को

मेरे हाथ में थमाकर (करकमल पर लिंग रखकर) प्रत्यक्ष कराने वाले हे गुरुदेव,

हे चन्नमल्लिकार्जुन के स्वरूप गुरुदेव, आपकी जय हो, जय हो!

40.

अरिदेनेंदडे अरियबारदु नोडा।

घनक्के घन ताने नोडा।

चन्नमल्लिकार्जुनन निर्णयविल्लदे सोतेनु।

Hindi Meaning:

यदि कहूँ कि मैं उन्हें जान गई हूँ, तो उन्हें जाना नहीं जा सकता, देखिए!

वह तो महान से भी महान परम तत्व है, देखिए!

चन्नमल्लिकार्जुन के पूर्ण रहस्य/निर्णय को पाए बिना मैं हार गई (स्वयं को समर्पित कर दिया)।

41.

अरियदवरोडने संगव माडिदडे

कल्ल होय्दु किडिये तगेदुकोंबंते।

बल्लवरोडने संगव माडिदडे

मोसर होसेदु बेण्णेय तगेदुकोंबंते।

चन्नमल्लिकार्जुनय्या, निम्म शरणर संगव माडिदडे

कर्पुरद गिरियनेरि कोंबंते।

Hindi Meaning:

अज्ञानी लोगों की संगति करने पर

पत्थर टकराकर चिंगारी निकालने जैसी मशक्कत होती है।

ज्ञानियों की संगति करने पर

दही को मथकर मक्खन निकालने जैसा लाभ होता है।

हे चन्नमल्लिकार्जुन, आपके शरणों (सच्चे भक्तों) की संगति करने पर

कपूर के पर्वत पर चढ़कर पावन हो जाने जैसा परम आनंद मिलता है।

42.

अरिवु साध्यवायित्तेंदु,

गुरुलिंगजंगमव बिडबहुदे?

संदु संशयवलिदु अखंड ज्ञानवायित्तेंदु

परधन परस्त्रीयरुगळिगे अलुपबहुदे

'यत्र जीवः तत्र शिवः' एंब अभिन्न ज्ञानवायित्तेंदु

शुनक सूकर कुक्कुट मार्जालंगळ कूडे भुंजिसबहुदे?

भावदल्लि तन्न निजद नेलेयनरितिहुदु,

सुज्ञान सत्क्रिया सुनीति मार्गदल्लि वर्तिसुवुदु।

हींगल्लदे ज्ञानवायित्तेंदु तन्न मनक्के बंदहांगे

मीरीनुडिदु नडेदेनादडे

श्वानगर्भदल्लि हुट्टिसदे बिडुवने चन्नमल्लिकार्जुनय्यनु?

Hindi Meaning:

क्या केवल यह सोचकर कि आत्मज्ञान प्राप्त हो गया है,

गुरु, लिंग और जंगम का त्याग कर देना चाहिए?

संशय मिटकर अखंड ज्ञान प्राप्त हो गया है—यह सोचकर

क्या पराये धन और पराई स्त्री पर नीयत बिगाड़नी चाहिए?

'जहाँ जीव है, वही शिव है' ऐसा अभेद ज्ञान हो गया है—यह सोचकर

क्या कुत्ते, सुअर, मुर्गे और बिल्ली के साथ बैठकर भोजन करना चाहिए?

मनुष्य को अपने भाव में निज रूप की वास्तविकता का ज्ञान रखना चाहिए,

और सुज्ञान, सत्कर्म तथा सुनीति के मार्ग पर चलना चाहिए।

यदि ऐसा न करके 'मुझे ज्ञान हो गया है' ऐसा मानकर अपने मनमाने ढंग से

मर्यादा लांघकर आचरण किया,

तो क्या चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु कुत्ते के गर्भ में जन्म दिए बिना छोड़ेंगे?

43.

अरिसिनवने मिंदु, होंदोडिगेयने तोट्टु,

देवांगवनुट्टेनेले पुरुष बारा,

पुरुष रत्नवे बारा।

निन्न बरवेन्न असुविन बरवादुदीग,

बारय्या चन्नमल्लिकार्जुनय्या,

नीनु बंदहनेंदु बट्टेय नोडि बायारुतिर्देनु।

Hindi Meaning:

हल्दी लगाकर स्नान कर लिया, सोने के आभूषण धारण कर लिए,

और दिव्य वस्त्र पहन लिए हैं—हे मेरे स्वामी, आओ!

हे पुरुषों में श्रेष्ठ रत्न, आओ!

तुम्हारा आगमन ही अब मेरे प्राणों का आगमन है,

आओ हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु,

आप आएँगे—इसी आस में राह निहारते-निहारते मेरी प्यास बढ़ती जा रही है।

44.

अर्थसंन्यासियादडे॰नय्या,

आवंगदिंद बंदडू कोळदिरबेकु।

रुचिसंन्यासियादडे॰नय्या,

जिह्वेय कोनेयल्लि मधुरवनरियदिरबेकु।

स्त्री संन्यासियादडे॰नय्या,

जाग्र स्वप्न सुषुप्तियल्लि तट्टिल्लदिरबेकु।

दिगंबरियादडे॰नय्या,

मन बत्तले इरबेकु।

इंती चतुर्विधद होलबरियदे वृथा केट्टरु

काणा चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning:

यदि कोई धन का संन्यासी बनता है, हे प्रभु,

तो किसी भी रूप में धन आए, उसे ग्रहण नहीं करना चाहिए।

यदि कोई स्वाद का संन्यासी बनता है, हे प्रभु,

तो उसकी जीभ की नोक को मधुरता/स्वाद का आभास नहीं होना चाहिए।

यदि कोई स्त्री का संन्यासी (काम-संन्यासी) बनता है, हे प्रभु,

तो जागृत, स्वप्न और सुषुप्ति तीनों अवस्थाओं में वासना का स्पर्श तक नहीं होना चाहिए।

यदि कोई दिगंबर (वस्त्रहीन) बनता है, हे प्रभु,

तो उसका मन भी पूरी तरह निर्वस्त्र (आसक्ति-रहित) होना चाहिए।

इन चार प्रकार के वैराग्य के मर्म को जाने बिना लोग व्यर्थ ही नष्ट हो गए,

देखिए हे चन्नमल्लिकार्जुन!

45.

अल्लदवरोडनाडि एल्ला संगव तोरेदे नानू।

नारि संगवतोरेदे, नीर होळिय तोरेदे नानू।

एन्न मनदोडिय चन्नमल्लिकार्जुनन कूडुव भरदिंद

एल्ला संगव तोरेदे नानू।

Hindi Meaning:

अयोग्य (संसार-आसक्त) लोगों के साथ रहकर भी मैंने सारे सांसारिक संग त्याग दिए।

मैंने स्त्रियों का संग त्याग दिया, मोह रूपी बहती नदी का किनारा छोड़ दिया।

अपने मन के स्वामी चन्नमल्लिकार्जुन से मिलने की तीव्र लगन में

मैंने संसार के सारे बंधन और संग छोड़ दिए!

46.

अल्लेंदडे उंटेंबुदी माये

ओल्लेनेंदडे बिडदी माये एनगिदु विधिये

चन्नमल्लिकार्जुनय्या,

ओप्पि मरेवोकडे मत्तुंटे

कायय्या शिवधो!

Hindi Meaning:

'नहीं है' कहूँ तो यह माया 'है' बनकर सामने आ जाती है;

'नहीं चाहिए' कहूँ तो भी यह माया पीछा नहीं छोड़ती, क्या मेरे लिए यही नियति है?

हे चन्नमल्लिकार्जुन,

जब मैंने स्वयं को पूरी तरह सौंपकर आपकी शरण ले ली है, तो क्या फिर भी कोई डर बाकी है?

मेरी रक्षा कीजिए, हे शिव दया करो!

47.

अष्टदलकमलद आत्मनोळगे सृष्टि जनिसि,

कूरुम दिगुदंति दिगुवळयव नुंगि,

निजशून्य तानाद बालिक,

तन्न तानरिद निजपद भिन्नयोगक्के बहुदे

कंगळ नोटदल्लि मनद मोगसिनल्लि,

अनंगन दाळियनगलिदेनण्णा।

मरीचिकाजलदोळडगिद प्राणी व्याधन बलेयोळगहुदे

एन्नदेव चन्नमल्लिकार्जुननल्लदे

परपुरुषरु नमगागदण्णा।

Hindi Meaning:

अष्टदल कमल में स्थित आत्मा के भीतर संपूर्ण सृष्टि का जन्म होकर,

कूर्म (कछुआ), दिग्गज (दिशाओं के हाथी) और दसों दिशाओं के चक्र को निगलकर,

जब वह परम शून्य (परब्रह्म) स्वरूप हो गया,

तब स्वयं को जान लेने वाली वह परम स्थिति क्या किसी अन्य योग/भेद के अधीन आ सकती है?

आँखों की दृष्टि में और मन के परमानंद में

मैंने कामदेव के आक्रमण को दूर धकेल दिया है, ओ भाइयों!

मृगतृष्णा (मरीचिका) के जल में छिपी हुई मछली क्या शिकारी के जाल में फँस सकती है?

मेरे प्रभु चन्नमल्लिकार्जुन के सिवा

अन्य कोई पर-पुरुष मेरे योग्य नहीं है, ओ भाइयों!

48.

अष्टविधार्चनेय माडि ओलिसुवेने अय्या

नीनु बहिरंगव्यवहारदूरस्थनु।

अंतरंगदल्लि ध्यानव माडि ओलिसुवेने अय्या

नीनु वाङ्मनक्कातीतनु।

जपस्तोत्रदिंद ओलिसुवेने अय्या

नीनु नादातीतनु।

भावज्ञानदिंद ओलिसुवेने अय्या

नीनु मतिगतीतनु।

हृदय कमलमध्यदल्लि इंबिट्टुकोंबेने अय्या

नीनु सर्वांग परिपूर्णनु।

ओलिसलेन्नळवल्ल नीनोलिवुदे सुखवय्या चन्नमल्लिकार्जुनय्या।

Hindi Meaning:

क्या आठ प्रकार की पूजा (अष्टविध अर्चना) करके आपको प्रसन्न करूँ, हे प्रभु?

आप तो बाहरी व्यवहारों और आडंबरों से बहुत दूर हैं।

क्या अंतरंग में ध्यान करके आपको प्रसन्न करूँ, हे प्रभु?

आप तो वाणी और मन की पहुँच से भी परे (अतीत) हैं।

क्या जप और स्तोत्र पाठ से आपको प्रसन्न करूँ, हे प्रभु?

आप तो नद और ध्वनि (नाद) से परे हैं।

क्या भावज्ञान के बल पर आपको प्रसन्न करूँ, हे प्रभु?

आप तो बुद्धि की सीमा से परे हैं।

क्या हृदय कमल के मध्य में आपको स्थापित करके रखूँ, हे प्रभु?

आप तो घट-घट में सर्वांग परिपूर्ण हैं।

आपको प्रसन्न करना मेरी सामर्थ्य में नहीं है, आपकी स्वयं की कृपा-दृष्टि पाना ही परम सुख है, हे चन्नमल्लिकार्जुन!

49.

असनदिंद कुदिदु,

व्यसनदिंद बेंदु,

अति आसेयिंद बललि,

विषयक्के हरिव जीविगळु निम्मनरियरु।

कालकल्पित प्रळय जीविगळेल्ला

निम्मनेत्त बल्लरय्या चन्नमल्लिकार्जुना?

Hindi Meaning:

भोजन (अन्न) की चिंता में उबलते हुए,

दुखों और दुश्चिंताओं से जलते हुए,

अत्यधिक वासनाओं/इच्छाओं के बोझ से थककर,

विषय-भोगों की ओर भागने वाले जीव आपको नहीं पहचानते।

काल (समय) और महाप्रलय के चक्र में फँसे ये साधारण जीव

आपकी महिमा को कैसे जान सकते हैं, हे चन्नमल्लिकार्जुन?

50.

अळिसंकुलवे, मामरवे, बेळुदिंगळे, कोगिलेये

निम्मनेल्लनू ओंदु बेडुवेनु।

एन्नोडिय चन्नमल्लिकार्जुनदेव कंडडे करेदु तोरिरे।

Hindi Meaning:

हे भौरों के समूह! हे आम के वृक्ष! हे शीतल चाँदनी! हे कोयल!

मैं तुम सब से केवल एक ही भीख (प्रार्थना) माँगती हूँ—

यदि तुम्हें मेरे स्वामी श्री चन्नमल्लिकार्जुन देव कहीं दिख जाएँ, तो मुझे पुकार कर दिखा देना!

51.

आकारविल्लद निराकार लिंगव

कैयल्लि हिडिदु कट्टिदेवेंबरु अज्ञानी जीविगळु।

हरिब्रह्मरु वेद पुराण आगमंगळु

अरसि काणद लिंग।

भक्तिगे फलवल्लदे लिंगविल्ल।

कर्मक्के नरकवल्लदे लिंगविल्ल।

ज्ञानक्के परिभ्रमणवल्लदे लिंगविल्ल।

वैराग्यक्के मुक्तियल्लदे लिंगविल्ल।

इदु कारण तन्न तानरिदु तानादडे

चन्नमल्लिकार्जुन ताने बेरिल्ल।

Hindi Meaning:

निराकार और अरूप लिंग को

हाथ में पकड़कर बांध लिया है, ऐसा अज्ञानी जीव कहते हैं।

हरि, ब्रह्मा, वेद, पुराण और आगम भी

खोजकर जिस लिंग को पा न सके।

सच्ची भक्ति के बिना केवल क्रिया का फल नहीं, लिंग प्राप्त नहीं होता।

केवल कर्मकाण्ड करने से नरक के सिवा लिंग प्राप्त नहीं होता।

शुष्क ज्ञान से भटकाव के सिवा लिंग प्राप्त नहीं होता।

सच्चे वैराग्य और मुक्ति के बिना लिंग प्राप्त नहीं होता।

इसी कारण, जब मनुष्य स्वयं को जानकर स्वयं रूप हो जाता है,

तो वह स्वयं चन्नमल्लिकार्जुन ही बन जाता है, वह अलग नहीं रहता।

52.

आडबहुदु पाडबहुदुल्लदे

नुडिदंते नडेबारदु एले तंदे।

लिंगक्के शरणेन्नबहुदुल्लदे

जंगमक्के शरणेन्नबारदेले तंदे।

चन्नमल्लिकार्जुनदेवा,

निम्म शरणरु नुडिदंते नडेबल्लरु एले तंदे।

Hindi Meaning:

उपदेश देना और गाना तो आसान है,

परंतु जैसा कहा है वैसा चलना (आचरण करना) कठिन है, हे पिता!

लिंग को तो सब शरण/प्रणाम कह लेते हैं,

परंतु प्रत्यक्ष जंगम (चलते-फिरते संत) को सरणागत होना आसान नहीं है, हे पिता!

हे चन्नमल्लिकार्जुन देव,

केवल आपके सच्चे शरण ही जैसा कहते हैं, वैसा आचरण कर सकते हैं, हे पिता!

53.

आत्मा निर्याण, करण विश्रांति, अंगलेपन,

क्रियाज्ञान, सर्वाचार,

सहजसमरस निरहंकार निष्पत्तियिंदैक्यन

निजस्थल आत्मज्ञानदिंद ज्योतिर्लिंगव

काणबहुदु। मातिन मातिगे सिलुकुवनल्ल।

धातुगेडिसि मनव नोडि काडुवनु।

आत्मननरिदडे आतने शिवयोगी।

आतन पादक्के शरणेंबे चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning:

आत्मा का निष्क्रमण, इंद्रियों का विश्राम, अंग-लेपन,

क्रिया और ज्ञान का मेल, सर्व-सदाचार,

सहज समरसता और निरहंकार स्थिति की सिद्धि से

शिवैक्य प्राप्त आत्मा अपने आत्मज्ञान से उस ज्योतिर्लिंग का

साक्षात्कार कर सकती है। वह केवल बातों के जाल में फँसने वाला नहीं है।

वह तो देह-भाव को गलाकर मन की कसौटी पर परखता है।

जो अपनी आत्मा को पहचान लेता है, वही सच्चा शिवयोगी है।

हे चन्नमल्लिकार्जुन, मैं ऐसे योगी के चरणों में बारंबार प्रणाम करती हूँ।

54.

आडुवुदु हाडुवुदु हेळुवुदु केळुवुदु

नडेवुदु नुडिवुदु

सरस संमेळवागिप्पुदय्या शरणरोडने।

चन्नमल्लिकार्जुनय्या, नी कोट्ट आयुष्यवुळळन्नक्कर

लिंगसुखिगळ संगदल्लि दिनगळ कळेवेनु।

Hindi Meaning:

खेलना, गाना, कहना, सुनना,

चलना और बोलना—

यह सब शरणों (भक्तों) के साथ परम आनंदमय मेल बनकर रहे, हे नाथ!

हे चन्नमल्लिकार्जुन, आपने जितनी भी आयु मुझे दी है,

मैं लिंग-सुख में लीन भक्तों की संगति में ही अपने दिन बिताऊँगी।

55.

०ातुरद ध्यानदिंद धावतिगोंडे;

ज्योतिर्लिंगव काणिसबारदु।

मातिन मालेगे सिलुकुवनल्ल;

धातुगेडिसि मनव नोडि काडुवनु।

०ातुमनंतर परवनरिदडे आतने योगी;

०ातन पादक्के शरणेंबेनय्या

चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning:

उतावलेपन और जल्दबाजी के ध्यान से मैं व्यग्र और व्याकुल हो गई;

परंतु ऐसे ज्योतिर्लिंग के दर्शन नहीं होते।

वह बातों की लच्छेदार मालाओं में फँसने वाला नहीं है;

वह तो देह-अहंकार को तोड़कर मन की परीक्षा लेता है।

जो अपने अंतरात्मा के भीतर स्थित परम तत्व को जान लेता है, वही सच्चा योगी है;

हे चन्नमल्लिकार्जुन, मैं ऐसे परम योगी के चरणों में

शरण मानकर प्रणाम करती हूँ!

56.

आदि अनादि नित्यानित्यव तिळियलरियदे

वायक्के परब्रह्मव नुडिव

वायुप्राणिगळवरेत्त बल्लरो,

आ परब्रह्मद निजद निलव?

अदेंतेंदडे;

आदिये देह, अनादिये निर्देह,

आदिये सकल, अनादिये निष्कल,

आदिये जड, अनादिये अजड।

आदिये काय, अनादिये प्राण।

ई एरडर योगव भेदिसि

तन्निंद ताने तिळिदु नोडलु,

आदि संबंधवप्प भूतंगळु नानल्ल।

दशविधेंद्रियंगळु नानल्ल, दशवायुगळु नानल्ल।

अष्टमदंगळु, सप्तव्यसनंगळु,

अरिषड्वर्गंगळु, षडूर्मिगळु, षड्भ्रमेगळु,

षड्भावविकारंगळु, षट्कर्मंगळु, षड्धातुगळु,

तनुत्रयंगळु, जीवत्रयंगळु,

मलत्रयंगळु, मनत्रयंगळु,

गुणत्रयंगळु, भावत्रयंगळु,

तापत्रयंगळु, अंतःकरणंगळु

इंतिवादियागि तोरुव तोरिकेयेनू

नानल्ल, नन्नवल्ल।

इंतिवेल्लवू नन्नाधीनवागिप्पवु

नानिवराधीनदवनल्ल।

नानू तुर्य तुर्यातीतवप्प

सत्तु चित्तानंद नित्यपरिपूर्णवस्तुवे तन्निरवेंदु तिळिये,

आ तिळिद मात्रदल्लीय अनित्यद बेसुगे बिट्टु

निराळदल्लि निजवनैदलरियदे

मत्तेयुं भौतिक तत्वसंबंधियागि इरत्तिरलु,

इंती तत्वदादि तानेंतेनलु

आ परब्रह्मवप्प नित्यनिराळ निःशून्यलिंगवे

तन्न लीलाविलासदिंद ताने सुनाद बिंदु प्रकाश

तेजोमूर्तियागि निंदु महालिंगवेंदेनिसित्तु।

आ महालिंगवे पंचसादाख्यवेंदेनिसित्तु।

आ पंचसादाख्यवे पंचलिंग प्रकाशवेंदेनिसित्तु।

आ पंचलिंग प्रकाशवे पंचमुखवेंदेनिसित्तु।

आ पंचमुखदिंदवे पंचाक्षरियुत्पत्ति।

आ पंचाक्षरियिंदवे पंचकलेगळुत्पत्ति।

आ पंचकलेगळिंदवे ज्ञान मन बुद्धि चित्त

अहंकारगळुत्पत्ति।

आ ज्ञान मन बुद्धि चित्त अहंकारगळिंदवे

पंचतन्मात्रंगळुत्पत्ति।

आ पंचतन्मात्रंगळिंदवे पंचभूतंगळुत्पत्ति।

आ पंचभूतंगळे पंचीकरणवनेय्दि

आत्मंगे अंगवायित्तु।

आ अंगक्के ज्ञानेंद्रियंगळु कर्मेंद्रियगळु

प्रत्यंगवेंदेनिसित्तु।

इंतु देह संबंधमं

शिव तन्न चिदंशिकनप्प आत्मंगे संबंधिसिदनागि,

आ संबंधिसिद कायद पूर्वाश्रयवु

एल्लियायित्तु अल्लीय अडगिसि

आ कायद पूर्वाश्रयवनळिदु

महा घनलिंगव वेधिसि कोट्टु,

शिव ताने गुरुवागि बंदु

महाघनलिंगव वेदिसि कोट्ट परि एंतेंदडे

आत्मगूडि पंचभूतंगळने षड्विध अंगवेंदेनिसि,

आ अंगक्के आ कलेगळने षड्विध शक्तिगळेंदेनिसि,

आ शक्तिगळिगे षड्विध भक्तियनळवडिसि,

आ भक्तिगळिगे भाव ज्ञान मन बुद्धि चित्त अहंकारंगळने

षड्विध हस्तंगळेंदेनिसि,

आ हस्तंगळिगे महालिंगवादियाद

पंचलिंगगळने षड्विध लिंगंगळेंदेनिसि,

आ मुखंगळिगे तन्मात्रंगळने द्रव्यपदार्थंगळेंदेनिसि,

आ द्रव्यपदार्थंगळु आयाय मुखद लिंगंगळल्लि

निरंतर सावधानदिंद अर्पितवागि बीगलोडने।

अंगस्थलंगळडगि त्रिविध लिंगांगस्थलंगळुलिदु

काय गुरु, प्राण लिंग, ज्ञान जंगम

गुरुविनल्लि शुद्धप्रसाद, लिंगदल्लि सिद्धप्रसाद,

जंगमदल्लि प्रसिद्धप्रसाद।

इंती त्रिविध प्रसादवु एकार्थवागि,

महाघन परिपूर्णप्रसादवळवट्ट शरण

ज्ञानियल्ल, अज्ञानि मुन्नवे अल्ल।

शून्यनल्ल, निःशून्य मुन्नवे अल्ल।

द्वैतियल्ल, अद्वैति मुन्नवे अल्ल।

इंती उभयात्मक तानेयागि?

इदु कारण, इदर आगुहोगु सकीलसंबंधव चन्नमल्लिकार्जुनय्या,

निम्म शरणरे बल्लरु।

Hindi Meaning:

आदि, अनादि, नित्य और अनित्य के रहस्य को जाने बिना

केवल बाह्य बातों से परब्रह्म का बखान करने वाले

केवल साँस लेने वाले जीव उस परब्रह्म के वास्तविक स्वरूप को कैसे जान सकते हैं?

यदि पूछें कि वह कैसे है;

आदि ही देह है, अनादि ही निर्देह (शरीर-रहित) है,

आदि ही सकल (साकार) है, अनादि ही निष्कल (निराकार) है,

आदि ही जड़ है, अनादि ही चेतन (अजड़) है।

आदि ही काया है, अनादि ही प्राण है।

इन दोनों के योग का भेद करके

जब कोई स्वयं के भीतर विचार करके देखता है,

तो पाता है कि आदि-संबंध से उत्पन्न पंचभूत 'मैं' नहीं हूँ।

दस प्रकार की इंद्रियाँ 'मैं' नहीं हूँ, दस प्राणवायु 'मैं' नहीं हूँ।

आठ प्रकार के मद, सात व्यसन,

छह काम-क्रोधादि अरिषड्वर्ग, छह उर्मियाँ (भूख-प्यास आदि), छह भ्रम,

छह भाव विकार, छह कर्म, छह धातु,

तीन शरीर (स्थूल, सूक्ष्म, कारण), तीन जीव-अवस्थाएँ,

तीन मल, तीन मन-स्तर,

तीन गुण (सत्व, रज, तम), तीन भाव,

तीन ताप (आध्यात्मिक, आधिभौतिक, आधिदैविक), और अंतःकरण—

इस प्रकार प्रतीत होने वाले ये समस्त प्रपंच

न तो 'मैं' हूँ और न ही मेरे हैं।

ये सब मेरे अधीन हैं,

मैं इनके अधीन नहीं हूँ।

'मैं तो तुर्य और तुर्यातीत अवस्था वाला,

सत्-चित्-आनंद स्वरूप, नित्य परिपूर्ण तत्व ही मेरा निज-स्वरूप हूँ'—ऐसा जानने पर भी,

यदि उस ज्ञान-मात्र से अनित्य का बंधन छूटकर

परम निराकार में लीन होना न आए

और पुनः भौतिक तत्वों के संबंध में फँसना पड़े,

तो इस तत्व का आदि-कारण क्या है, यह जानिए:

वह परब्रह्म स्वरूप नित्य, निराकार, निःशून्य लिंग ही

अपनी लीला-विलास से स्वयं सुनाद, बिंदु, प्रकाश और

तेजोमूर्ति बनकर प्रकट हुआ और 'महालिंग' कहलाया।

वही महालिंग 'पंचसादाख्य' कहलाया।

वही पंचसादाख्य 'पंचलिंग प्रकाश' कहलाया।

वही पंचलिंग प्रकाश 'पंचमुख' कहलाया।

उन पंचमुखों से 'पंचाक्षरी मंत्र' (ओम् नमः शिवाय) की उत्पत्ति हुई।

उस पंचाक्षरी से 'पंचकलाओं' की उत्पत्ति हुई।

उन पंचकलाओं से ज्ञान, मन, बुद्धि, चित्त और

अहंकार की उत्पत्ति हुई।

उन ज्ञान, मन, बुद्धि, चित्त और अहंकार से ही

'पंचतन्मात्रों' (शब्द, स्पर्श, रूप, रस, गंध) की उत्पत्ति हुई।

उन पंचतन्मात्रों से 'पंचमहाभूतों' (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश) की उत्पत्ति हुई।

उही पंचमहाभूतों के पंचीकरण से

आत्मा के लिए 'अंग' (शरीर) का निर्माण हुआ।

उस अंग के लिए ज्ञानेंद्रियाँ और कर्मेंद्रियाँ

'प्रत्यंग' (अंग-प्रत्यंग) कहलाईं।

इस प्रकार शिव ने अपने चिदंश स्वरूप आत्मा को देह-संबंध से जोड़ा;

और जिस प्रकार उसने देह-संबंध दिया, उसी प्रकार उस काया के पूर्वाश्रय (पुराने सांसारिक भाव) को

जहाँ था वहीं लीन कर दिया,

काया के उस पूर्वाश्रय को मिटाकर

उसमें महा-घन-लिंग का वेध (दीक्षा) करके थमा दिया।

शिव स्वयं गुरु बनकर आए

और उन्होंने जिस प्रकार महाघनलिंग का ज्ञान-वेध किया, वह इस प्रकार है:

आत्मा से जुड़े पंचमहाभूतों को छह प्रकार के अंग (षड्विध अंग) बनाया,

उन अंगों में कलाओं को छह प्रकार की शक्तियाँ बनाया,

उन शक्तियों में छह प्रकार की भक्ति का समावेश किया,

उन भक्तियों के लिए भाव, ज्ञान, मन, बुद्धि, चित्त और अहंकार को

छह प्रकार के हस्त (करकमल) बनाया,

उन हस्तकमलों के लिए महालिंग आदि

पंचलिंगों को छह प्रकार के लिंग (षड्विध लिंग) बनाया,

उन मुखों के लिए तन्मात्रों को भोग-द्रव्य (समर्पण योग्य पदार्थ) बनाया,

और जब वे द्रव्य-पदार्थ उन-उन मुखों के लिंगों में

निरंतर पूर्ण सावधानी के साथ समर्पित होकर एकरूप हो गए,

तब अंग-स्थल लीन हो गए और केवल त्रिविध लिंगांग-स्थल शेष रहे—

काया गुरु है, प्राण लिंग है, और ज्ञान ही जंगम है;

गुरु में शुद्धप्रसाद, लिंग में सिद्धप्रसाद,

और जंगम में प्रसिद्धप्रसाद प्राप्त हुआ।

इस प्रकार जब यह त्रिविध प्रसाद एकीभाव को प्राप्त हुआ,

तब इस महाघन परिपूर्ण प्रसाद को पाने वाला शरण (भक्त)

न केवल ज्ञानी है, और न ही अज्ञानी;

वह न केवल शून्य है, और न ही केवल निःशून्य;

वह न केवल द्वैती है, और न ही केवल अद्वैती।

वह इन दोनों से परे स्वयं उभयात्मक (परम सत्य) स्वरूप हो गया है!

इसी कारण, इस पूरी दिव्य प्रक्रिया और इसके गुप्त रहस्य-संबंध को, हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु,

केवल आपके सच्चे शरण ही भली-भांति जान सकते हैं!

57.

आधार स्वाधिष्ठान मणिपूरक

विशुद्धि आज्ञेयव नुडिदडेनु

आदि अनादिय सुद्दिय

केळिदडेनु हेळिदडेनु

तन्नल्लिद्दुद तानरियदन्नक्कर।

उन्मनिय रभसद मन पवनद मेले चन्नमल्लिकार्जुनय्यन

भेदिसलरियरु।

Hindi Meaning:

मूलाधार, स्वाधिष्ठान, मणिपुर,

विशुद्ध और आज्ञा चक्र के विषय में बोलने से क्या लाभ?

आदि और अनादि की बातों को

सुनने अथवा कहने से क्या लाभ,

जब तक मनुष्य अपने भीतर स्थित सत्य को स्वयं नहीं जान लेता?

उन्मनी अवस्था के वेग में मन और प्राण वायु से परे स्थित चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु के

गूढ़ रहस्य को वे नहीं जान सकते।

58.

आनु नोंदेनय्या, आनु बेदेनय्या,

आनु बेंद बेगेयनरियदे केट्टेनय्या,

आनु केट्ट केडनेनेंदु हवणिसुवेनय्या

चन्नमल्लिकार्जुनय्या, निम्म शरणर नोव कण्डु आनु बेदेनय्या।

Hindi Meaning:

मैं दुखी हुई, हे प्रभु, मैं भीतर से जल उठी, हे प्रभु!

इस जलने की तपन को न सह पाने के कारण मैं नष्ट हो गई, हे प्रभु!

अपने इस विनाश के दुख का वर्णन मैं किस प्रकार करूँ, हे प्रभु?

हे चन्नमल्लिकार्जुन, आपके शरणों (सच्चे भक्तों) की पीड़ा को देखकर मैं भीतर तक जल उठी, हे प्रभु!

59.

०ायत स्वायत अनुभावव नानेत्त बल्लेनय्या

गुरु लिंग जंगमक्के अर्थप्राणाभिमानवं समर्पितसि,

अहंकारवळिदिहंतह पुरातनर मनेयल्लि

भृत्यर भृत्यळागिप्पेनय्या।

इदु कारण, चन्नमल्लिकार्जुनय्यन गणंगळल्लदन्यव नानरियेनय्या।

Hindi Meaning:

आयत, स्वायत और अनुभव के गूढ़ मर्म को मैं कैसे जान सकती हूँ, हे प्रभु?

गुरु, लिंग और जंगम को अपना धन, प्राण और अभिमान समर्पित करके

जिन पुरातन शिवभक्तों ने अपने अहंकार को पूरी तरह मिटा दिया है, उनके घर में

मैं दासों की दासी बनकर रहूँगी, हे प्रभु!

इसी कारण, चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु के शिवगणों के सिवा मैं किसी अन्य को नहीं जानती, हे प्रभु!

60.

आयुष्य होगुत्तिदे, भविष्य तोलगुत्तिदे,

कूडिर्द सतिसुतरु तमतमगे हरिदु होगुत्तैदारे;

बेड बेडवेले बंजेयागि केडबेड बयलिंगे मनवे,

चन्नमल्लिकार्जुनन शरणर संगदल्लि, हूणि होक्कु बदुकु

कंडा, मनवे।

Hindi Meaning:

आयु घटती जा रही है, भविष्य हाथ से निकलता जा रहा है,

साथ रहने वाले स्त्री-पुत्र आदि सब अपने-अपने रास्तों पर निकल जाएँगे;

हे मेरे मन, व्यर्थ की तृष्णाओं में पड़कर बंजर और नष्ट मत बन!

चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु के शरणों की संगति में पूरी तरह लीन होकर अपना कल्याण कर ले,

देख, हे मेरे मन!

61.

०ारू इल्लदवळेंदु आळिगोळलुबेड कंड़ेया

एन माडिडू आनंजुवळल्ल।

तरगेलेय मेलिदु आनिहेनु,

सरिय मेलोरगि आनिहेनु।

चन्नमल्लिकार्जुनय्या, कर केडनोड्डिदडे ओडलनु प्राणवनु

निमगर्पिसि शुद्धळहेनु।

Hindi Meaning:

'इसका कोई नहीं है' ऐसा सोचकर मुझे नीचा दिखाने या सताने की कोशिश मत करो, समझे?

चाहे कोई मेरे साथ कुछ भी करे, मैं डरने वाली नहीं हूँ।

सूखे पत्तों को खाकर भी मैं जीवित रह सकती हूँ,

नंगे पत्थरों पर सोकर भी मैं गुज़र-बसर कर सकती हूँ।

हे चन्नमल्लिकार्जुन, यदि आप मुझ पर विकट संकट भी ला दें, तो भी यह देह और प्राण

आपको ही समर्पित करके मैं पूर्णतः शुद्ध और पवित्र हो जाऊँगी।

62.

०ालिसेन्न बिन्नपव, लालिसेन्न बिन्नपव, पालिसेन्न बिन्नपव।

एकेन्न मोरेय केळेयय्या तंदे

नीनल्लदे मत्तिल्ल मत्तिल्ल।

नीने एनगे गति, नीने एनगे मतियय्या, चन्नमल्लिकार्जुनय्या।

Hindi Meaning:

मेरी प्रार्थना सुनिए, मेरी विनती पर ध्यान दीजिए, मेरी रक्षा कीजिए!

हे पिता, आप मेरी पुकार क्यों नहीं सुनते?

आपके सिवा मेरा कोई नहीं है, कोई नहीं है!

आप ही मेरी सद्गति हैं, आप ही मेरी मति (बुद्धि) हैं, हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु!

63.

०ाव विद्येय कलितडेनु

साव विद्ये बेन्नबिडदु।

अशनव तोरेदडेनु, व्यसनव मरेदडेनु

उसुर हिडिदडेनु, बसुर कट्टिदडेनु

चन्नमल्लिकार्जुनदेवय्या, नेल तळवारनादडे कळळनेल्लिगे होहनु

Hindi Meaning:

चाहे कोई कितनी भी विद्याएँ सीख ले,

मृत्यु देने वाली यह अविद्या पीछा नहीं छोड़ती।

भोजन का त्याग कर देने से क्या होगा, दुखों को भूल जाने से क्या होगा,

साँस को रोक लेने (प्राणायाम) से क्या होगा, या पेट बाँधकर तपस्या करने से क्या होगा?

हे चन्नमल्लिकार्जुन देव, जब पूरी धरती ही कोतवाल (रक्षक) बन जाए, तो चोर भागकर कहाँ जा सकता है?

64.

०ावागळू एन्न मन उदरक्के हरिवुदु।

काणलारेनय्या निम्मुवनु, भेदिसलारिये।

मायद संसारदल्लि सिलुकिदेनु।

एन्नदेव चन्नमल्लिकार्जुनय्या, निम्म होद्दुवंते माडा, निम्म धर्म।

Hindi Meaning:

मेरा मन हमेशा पेट भरने की तृष्णाओं की ओर ही भागता रहता है।

मैं आपके दर्शन नहीं कर पा रही हूँ, हे प्रभु, आपके स्वरूप को भेद नहीं पा रही हूँ।

मैं माया रूपी संसार के जाल में फँस गई हूँ।

हे मेरे प्रभु चन्नमल्लिकार्जुन, मुझे अपने चरणों के समीप स्थान दीजिए, यही आपका धर्म (कृपा) है।

65.

०ाशेयामिषवळिदु, हुसि विषयंगळेल्ला हिंगि,

संशय संबंध विसंबंधवायित्तु नोडा।

एन्न मनदोळगे घनपरिणामव कण्डु

मन मग्नवायित्तय्या।

चन्नमल्लिकार्जुना, निम्म शरण प्रभुदेवर करुणदिंद बदुकिदेनय्या

Hindi Meaning:

इच्छाओं और लालसाओं का नाश हो गया, झूठे विषय-भोग दूर हो गए,

संशय और सांसारिक संबंधों का बंधन टूट गया, देखिए!

मेरे मन के भीतर परम तत्व का दिव्य प्रभाव देखकर

मेरा मन उसी में पूरी तरह मग्न हो गया, हे नाथ!

हे चन्नमल्लिकार्जुन, आपके शरण प्रभुदेव (अल्लामा प्रभु) की कृपा से मेरा जीवन कृतार्थ हो गया, हे प्रभु!

66.

आहारव किरिदु माडिरण्णा, आहारव किरिदु माडि।

आहारदिंद व्याधि हब्बि बलिवुदय्या।

आहारदिं निद्रे, निद्रेयिं तामस, अज्ञान, मैमरहु,

अज्ञानदिं कामविकार हेच्चि,

कायविकार, मनोविकार, इंद्रियविकार,

भावविकार, वायुविकारवनुंटुमाडि,

स्राष्टिगे तहुदाद कारण कायद अतिपोषण बेड।

अति पोषणे मृत्युवेंदुदु।

जप तप ध्यान धारण पूजेगे सूक्ष्मदिं तनुमात्रविद्दरे सालदे

तनुव पोषिसुव आसे यतित्वक्के विघ्नवेंदुदु।

तनु पोषणेयिंद तामस हेच्चि, अज्ञानदिं विरक्ति हानि,

अरिवु नष्ट, परवु दूर, निरके निलविल्लद कारण।

चन्नमल्लिकार्जुननोलिस बंद कायव केडिसदे उळिसिकोळिळरय्या।

Hindi Meaning:

अपने आहार (भोजन) को कम करो ओ भाइयों, अपने भोजन को कम करो!

अत्यधिक आहार से बीमारियाँ फैलती और बढ़ती हैं, हे प्रभु।

आहार से नींद आती है, नींद से तमोगुण, अज्ञान और देह-विस्मृति पैदा होती है,

अज्ञान से काम-विकार बढ़ता है,

जो शरीर का विकार, मन का विकार, इंद्रियों का विकार,

भावों का विकार और प्राण-वायु का विकार उत्पन्न करता है,

जो पुनर्जन्म (सृष्टि के चक्कर) का कारण बनता है; इसलिए देह का अत्यधिक पोषण मत करो।

अत्यधिक देह-पोषण को मृत्यु के समान कहा गया है।

जप, तप, ध्यान, धारणा और पूजा के लिए यदि सूक्ष्म रूप से केवल शरीर का अस्तित्व रहे तो क्या पर्याप्त नहीं है?

शरीर को पालने-पोसने की लालसा संन्यास/यति-धर्म में विघ्न कही गई है।

शरीर-पोषण से तमोगुण बढ़ता है, अज्ञान से वैराग्य की हानि होती है,

ज्ञान नष्ट होता है, परमात्मा दूर हो जाता है और परम पद में स्थिति नहीं मिलती।

इसलिए, चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु को प्रसन्न करने के लिए मिले इस शरीर को बिगाड़े बिना सुरक्षित बचाकर रखो, ओ भाइयों!

67.

आळुतनद माताडदिरेलवो

मेले कार्यदिम्वित्तण्णा।

अलगिन मोनेय धारे मिंचुवाग

कोडदे कोंकदे निलबेकय्या।

बंट बेट्ट भक्तियोंदे कंडय्या। चन्नमल्लिकार्जुनंतल्लदोल्ल।

Hindi Meaning:

अपनी वीरता और शेखी की बातें मत करो, ओ भइया!

बातें करने से ऊपर उठकर काम करके दिखाना चाहिए।

तलवार की नोक की धार जब चमकती है,

तब बिना झुके और बिना हिचकिचाए मैदान में डटे रहना चाहिए।

शूरवीर की वीरता और भक्त की भक्ति—ये दोनों एक समान ही हैं। चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु इसके बिना किसी को स्वीकार नहीं करते।

68.

आळुतनद मातनेरिसि नुडिदडे

आगळे कट्टिदेनु गंडुगच्चेय।

तिगुरनेरिसि तिलकवनिट्टु

कैदुव कोंडु कळनेरिद बालिक,

कट्टिद निरिसडिलिदडे इन्नु निम्माणे,

काणा चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning:

जब वीरता और शूरवीरता की बातें छिड़ ही गई हैं,

तो मैंने भी कमर कसकर वीर-कछा बाँध लिया है।

अश्व पर सवार होकर, माथे पर तिलक लगाकर

और हाथों में हथियार थामकर जब युद्ध-भूमि में उतर ही आई हूँ,

तो यदि अब मेरा बाँधा हुआ कछा ढीला पड़ जाए (पीछे हटूँ), तो आपकी सौगंध है,

देखिए हे चन्नमल्लिकार्जुन!

69.

इंदेन्न मनेगे ओडियरु बंदडे

तनुवेंब कळशदलुदकव तुंबि,

कंगळ सोनेयोडने पादार्चनेय माडुवे।

नित्य शांतियेंब शैत्यदोडने सुगंधव पूसुवे।

अक्षय संपदवेंदरिदु अक्षतेयनेरिसुवे।

हृदयकमल पुष्पदोडने पूजेय माडुवे।

सद्भावनेयोडने धूपव बीसुवे।

शिवज्ञान प्रकाशदोडने मंगळारतियेत्तुवे।

नित्यतृप्तियोडने नैवेद्यव कैकोळिसुवे।

परिणामदोडने कर्पूर वीळेयव कोडुवे।

पंचब्रह्मदोडने पंचमहावाद्यव केळिसुवे।

हरूषदोडने नोडुवे,

आनंददोडने कुणिकुणिदाडुवे,

परवशदोडने हाडुवे, भक्तियोडने एरगुवे,

नित्यदोडने कूडि आडुवे। चन्नमल्लिकार्जुना, निम्म निलव तोरिद

गुरुविनडियल्लि अरनागि करगुवे।

Hindi Meaning:

आज यदि मेरे घर मेरे स्वामी पधारें,

तो शरीर रूपी कलश में जल भरकर,

अपनी आँखों की अश्रु-धारा से उनके चरणों का प्रक्षालन करूँगी।

नित्य शांति की शीतलता के साथ उन पर सुगंधित चंदन लगाऊँगी।

इसे अक्षय संपत्ति समझकर अक्षत (अक्षत चावल) अर्पित करूँगी।

हृदय-कमल के पुष्प से उनकी पूजा करूँगी।

सद्भावना के साथ धूप दिखाऊँगी।

शिवज्ञान के प्रकाश के साथ उनकी मंगला आरती उतारूँगी।

नित्य तृप्ति के भाव से नैवेद्य अर्पित करूँगी।

परम आनंद और प्रेम भाव से कपूर और तांबूल (पान) भेंट करूँगी।

पंचब्रह्म के भाव से पंचमहावाद्य सुनाऊँगी।

हर्ष और उल्लास से उन्हें निहारूँगी,

आनंद में मग्न होकर झूम-झूमकर नाचूँगी,

परवश होकर गाऊँगी, भक्ति भाव से नतमस्तक हूँगी,

और उस नित्य स्वरूप के साथ रम जाऊँगी। हे चन्नमल्लिकार्जुन, आपका स्वरूप दिखाने वाले

श्री गुरु के चरणों में मोम की तरह पिघलकर लीन हो जाऊँगी।

70.

इंदेन्न मनेगे गंड बंदहनेलेगव्व।

निमनिमगेल्ला शृंगारव माडिकोळिळ।

चन्नमल्लिकार्जुननीगळे बंदहनु, इदिरुगोळिळ बन्निरव्वगळिरा।

Hindi Meaning:

आज मेरे घर मेरा स्वामी (पति) आने वाला है, ओ सखियो!

तुम सब भी अपने-अपने मन में सुंदर शृंगार कर लो।

चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु अभी आने ही वाले हैं, आओ हम सब मिलकर उनका स्वागत करें, ओ मेरी सहेलियो!

71.

इंद्रनीलद गिरियनेरिकोंडु

चंद्रकांतद शिलेयनप्पिकोंडु

कोंब बारिसुत्त एंदिप्पेनो शिवने?

निम्म नेनेवुत्त एंदिप्पेनो?

अंगभंग मनभंगवळिदु निम्मनेंदिंगोम्मे नेरेवेनय्या

चन्नमल्लिकार्जुना?

Hindi Meaning:

इंद्रनील (नीलम) पर्वत पर चढ़कर,

चंद्रकांत मणि की शिला का आलिंगन करके,

शृंगी (सिंगा बाजा) बजाते हुए मैं कब तक रहूँगी, हे शिव?

स्मरण करते हुए मैं कब तक रहूँगी?

देह-भाव और मन के सारे विकारों को मिटाकर, हे चन्नमल्लिकार्जुन,

मैं आपसे कब पूर्णतः एकाकार हो पाऊँगी?

72.

इंद्रियव बिट्टु कायविरदु;

कायव बिट्टु इंद्रियविरदु।

एं०ातु निःकामियेंबे, एंतु निर्दोषियेंबे

नीनोलिदडे सुखियागिप्पे,

नीनोल्लदिरे दुःखियागिप्पेनय्या, चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning:

इंद्रियों के बिना शरीर नहीं रहता;

और शरीर के बिना इंद्रियाँ नहीं रहतीं।

फिर मैं स्वयं को कैसे निष्काम कहूँ, कैसे निर्दोष कहूँ?

आपकी कृपा होगी तो मैं सुखी रहूँगी,

यदि आपकी कृपा नहीं होगी तो मैं दुखी ही रहूँगी, हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु!

73.

इहक्कोब्ब गंडने परक्कोब्ब गंडने?

लौकिक्कोब्ब गंडने पारमार्थिक्कोब्ब गंडने?

एन्न गंड चन्नमल्लिकार्जुनदेवरल्लदे मिक्किन गंडरेल्ला

मुगिलमरेय बोंबेयंते।

Hindi Meaning:

क्या इस लोक का एक पति और परलोक का दूसरा पति हो सकता है?

क्या लौकिक जीवन का एक पति और पारमार्थिक जीवन का दूसरा पति हो सकता है?

मेरे स्वामी तो केवल श्री चन्नमल्लिकार्जुन देव ही हैं, उनके अलावा अन्य सभी पति

बादलों की ओट में रखी कठपुतलियों के समान (क्षणभंगुर और असत्य) हैं।

74.

इदनारय्य बल्लरु

हम्मळिद शरणर मेलिह परव बल्ल शरण।

पंचेंद्रियद इंगितव बल्ल शरण।

ओडल बिट्ट शरणनल्लदे, उळिद प्राणघातक पातकरिवरेत्तलु,

श्रीशैल चन्नमल्लिकार्जुनय्या,

Hindi Meaning:

इस रहस्य को कौन जान सकता है, हे प्रभु?

जिस शरण (भक्त) ने अपने अहंकार को मिटा दिया है, वही परे स्थित परम तत्व को जानता है।

वही पंचेंद्रियों की चेष्टाओं और मर्म को जानने वाला सच्चा शरण है।

अपनी देह-आसक्ति को पूरी तरह त्याग देने वाले शरण के अलावा, ये बाकी प्राणघातक और पापी जीव कहाँ आपके मर्म को समझ पाएँगे,

हे श्रीशैल चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु!

75.

ईळे निंबे मावु मादलके हुळिनीरनेरेदवरार?

कब्बु बाळे हलसु नारिवाळक्के सिहिनीरनेरेदवरार?

कळवे राजान्न शाल्यन्नक्के ओगरद उदकवनेरेदवरार?

मरुग मल्लिगे पच्चे मुडिवाळक्के

परिमळदुदकवनेरेदवरार?

इंती जलवु ओंदे, नेलनु ओंदे, आकाशवु ओंदे।

जलवु हलवु द्रव्यंगळ कूडि

तन्न परिबेरागिह हागे,

एन्नदेव चन्नमल्लिकार्जुनय्यनु

हलवु जगंगळ कूडिकोंडिर्दडेनु तन्न परि बेरे।

Hindi Meaning:

चकोतरा, नींबू, आम और बिजौरा में खट्टा पानी किसने सींचा?

गन्ने, केले, कटहल और नारियल में मीठा पानी किसने सींचा?

अलग-अलग प्रकार के उत्तम धानों और चावलों में स्वादरहित जल किसने सींचा?

मरुआ, चमेली, मोगरा और सुगंधित घासों में

सुगंधित जल किसने सींचा?

यह जल एक ही है, मिट्टी एक ही है, आकाश भी एक ही है।

जिस प्रकार जल अनेक पदार्थों के संपर्क में आकर भी

अपनी मूल प्रकृति को अलग और शुद्ध बनाए रखता है,

उसी प्रकार मेरे प्रभु चन्नमल्लिकार्जुन

इन अनेक संसारों और लोकों में व्याप्त होकर भी अपनी अलग ही विलक्षण सत्ता में विद्यमान हैं।

76.

उडुवे नानू लिंगक्केंदु,

तोडुवे नानू लिंगक्केंदु,

माडुवे नानू लिंगक्केंदु,

नोडुवे नानू लिंगक्केंदु,

एन्नंतरंग बहिरंगगळु लिंगक्कागि।

माडियू माडदंतिप्पे नोडा।

आनेन्न चन्नमल्लिकार्जुननोळगागि

हत्तरोडने हन्नोंदागिप्पुदनेन हेळुवेनव्व?

Hindi Meaning:

मैं जो वस्त्र पहनती हूँ, वह लिंग (शिव) के लिए ही पहनती हूँ;

जो आभूषण धारण करती हूँ, वह लिंग के लिए ही धारण करती हूँ;

जो कार्य करती हूँ, वह लिंग के लिए ही करती हूँ;

जो देखती हूँ, वह लिंग के लिए ही देखती हूँ;

मेरा अंतरंग और बहिरंग सब कुछ लिंग के लिए ही समर्पित है।

सब कुछ करते हुए भी मैं अकर्ता भाव में रहती हूँ, देखिए!

मैं अपने चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु में लीन होकर

दसों इंद्रियों के साथ एकादश (ग्यारहवें शिव-स्वरूप) बनकर स्थित हूँ, इस स्थिति का बखान मैं कैसे करूँ, ओ सखी?

77.

उणलेंदु बंद सुख उंडल्लदे हरियदु।

काणलेंदु बंद दुःख कण्डल्लदे हरियदु।

तनुविंगे बंद कर्म हरिव कालक्के

चन्नमल्लिकार्जुनदेवरु कडेगण्णिंद नोडिदरु।

Hindi Meaning:

भोगने के लिए आया सुख भोगे बिना दूर नहीं होता।

झेलने के लिए आया दुख सहे बिना समाप्त नहीं होता।

परंतु जब इस शरीर के प्रारब्ध कर्मों का अंत होने का समय आया,

तब श्री चन्नमल्लिकार्जुन देव ने अपनी करुणामयी तिरछी दृष्टि (कृपा-दृष्टि) से मेरी ओर निहार लिया।

78.

उरिय फणियनुट्टू ऊरिंद पोरगिरिसि,

करेयलट्टिद सखिय नेरेद नोडेलेगव्व।

तूर्यावस्थेयल्लि तूगि तूगि नोडि

बेरगागि निललारेनव्व।

आरवस्थे कर हिरिदु एले ताये।

गिरि बेंदु तरुवुळिदु पोन्नरळेय मरनुलिवाग

हिरियतनगेडिसि नेरेवेनु चन्नमल्लिकार्जुनन।

Hindi Meaning:

अग्नि-रूपी सर्प को लपेटकर नगर से बाहर बैठा दिया,

और जिस सखी को बुलाने भेजा था, उसी के साथ प्रभु को एकाकार होते हुए देखो, ओ माँ!

तुरीयावस्था में लीन होकर उस अलौकिक दृश्य को निहारते-निहारते

मैं आश्चर्यचकित होकर स्तब्ध रह गई हूँ, ओ माँ!

यह छठी अवस्था अत्यंत गहन और महान है, ओ माता!

जब पर्वत जल जाता है, वृक्ष बच जाता है और कल्पवृक्ष (सोने की कपास का वृक्ष) ध्वनि करने लगता है,

तब मैं अपने इस लौकिक बड़प्पन/अहंकार को मिटाकर चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु में लीन हो जाऊँगी।

79.

उरियोड्डिडडे सीतळवेनगे।

गिरिमेले बिद्देरे पुष्पवेनगे।

समुद्रमेलुवायिदरे कालुवेयेनगे।

चन्नमल्लिकार्जुना, निम्माणेयेंबुदु तलेयेत्ति

बारद भारवेनगे।

Hindi Meaning:

यदि आग भी लगा दी जाए, तो वह मेरे लिए शीतलता के समान है।

यदि पर्वत भी मुझ पर आ गिरे, तो वह मेरे लिए पुष्प-शय्या के समान है।

यदि समुद्र भी उमड़कर आ जाए, तो वह मेरे लिए एक छोटी नहर के समान है।

हे चन्नमल्लिकार्जुन, केवल आपकी आन (सौगंध) का टूटना ही मेरे लिए ऐसा बोझ है

जिसे मैं सिर उठाकर सह नहीं सकती!

80.

उसुरिन परिमळविरलु

कुसुमद हंगेकय्या

क्षमे दमे शांति सैरणेयिरलु

समाधिय हंगेकय्या लोकवे तानाद बालिक

एकांतद हंगेकय्या चन्नमल्लिकार्जुना?

Hindi Meaning:

जब अपनी ही साँसों में दिव्य सुगंध समाई हो,

तो फूलों की चाह (निर्भरता) क्यों हो, हे प्रभु?

जब भीतर क्षमा, दम (संयम), शांति और सहनशीलता मौजूद हो,

तो बाह्य समाधि की आवश्यकता क्यों हो, हे प्रभु?

और जब मनुष्य स्वयं संपूर्ण जगत-स्वरूप हो जाए,

तो फिर अलग से एकांत की चाह क्यों हो, हे चन्नमल्लिकार्जुन?

81.

उळुहुव, करव नेहवुंटे निम्मल्लि

संसारक्केडेया [डद] भक्तियोळवे

एन्नदेव चन्नमल्लिकार्जुनय्या,

एन हेळुवेनय्य लज्जेय मातनु

Hindi Meaning:

क्या मेरे अंदर आपका वह अटूट प्रेम और रक्षा करने वाला भाव है?

क्या मुझमें संसार के विकारों से परे रहने वाली सच्ची भक्ति है?

हे मेरे प्रभु चन्नमल्लिकार्जुन,

मैं अपने इस संकोच और लज्जा की बात आपसे क्या कहूँ!

82.

उळ्ळुदोंदु तनु, उळ्ळुदोंदु मन।

नानिन्नाव मनदल्लि ध्यानव माडुवेनय्या?

संसारवनाव मनदल्लि तल्लीयवाहेनय्या?

अकटकटा, केट्टे केट्टे ? संसारक्कल्ला, परमार्थक्कल्ला?

एरडक्के बिट्ट करुविनंते?

बिल्व बेळवलकायनोंदागि हिडियबहुदे

चन्नमल्लिकार्जुना ?

Hindi Meaning:

मेरे पास बस एक ही शरीर है और एक ही मन है।

अब मैं किस मन से आपका ध्यान करूँ, हे प्रभु?

और किस मन से इस संसार में लीन रहूँ, हे प्रभु?

हाय अफसोस! मैं तो न इधर की रही, न उधर की; न संसार की हो सकी, न परमार्थ की!

मेरी हालत तो दोनों ओर से छोड़े गए बछड़े जैसी हो गई है!

क्या कोई बेलपत्र और कैथ के फल को एक साथ मुट्ठी में पकड़ सकता है,

हे चन्नमल्लिकार्जुन?

83.

ऊडिडडुण्णदु, नीडिदडोलियदु।

काडदु बेडदु ओलियदु नोडा।

ऊडिडडुंडु नीडिदडोलिदु बेडिद वरव कोडुव

जंगमलिंगद पादव हिडिदु बदुकिदे,

काणा चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning:

(पाषाण/मूर्ति लिंग) खिलाने पर नहीं खाता, भेंट चढ़ाने पर प्रसन्न नहीं होता।

वह न सताता है, न माँगता है और न ही रीझता है, देखिए!

परंतु जो खिलाने पर खाता है, देने पर प्रसन्न होता है और माँगने पर मुँहमाँगा वरदान देता है—

ऐसे जीवंत जंगम-लिंग के श्रीचरणों को थामकर ही मेरा जीवन सफल और कृतार्थ हुआ,

देखिए हे चन्नमल्लिकार्जुन!

84.

ऊर नडुवे ओंदु बेंटे बिड्डित्तु।

आरु कण्डवरु तोरिरय्या।

ऊरिगे दूरुवेनगुसेयनिक्कुवे

अरसुवेनेन्न बेंटेय।

अरितु अरियदे ओंदु बेंटेयाडिदेनु।

अरसिकोडा, चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning:

गाँव के बीचों-बीच एक शिकार गिरा हुआ था।

जिसने भी उसे देखा हो, मुझे बता दो हे भाइयों!

मैं गाँव भर में पुकारूँगी, सीमा तय करूँगी

और अपने उस शिकार को ढूँढ निकालूँगी।

जाने-अनजाने में मैंने एक अलौकिक शिकार खेला है।

हे चन्नमल्लिकार्जुन, मुझे मेरा वह शिकार ढूँढकर दीजिए!

85.

ऊर मुंदे हालतोरे इरलु

नीरडसि बंदेनल्लय्य नानू।

बरुदोरेवोदवळनेन्ननप्पदिरय्या।

नीनोत्तिद कारण बंदेनय्य।

हेरिगे कूतवळ तगेदप्पुवनेग्ग नोडा ?

ई सूनेगारंगे कुरिय मारुवरे?

मारिदरेम्मवरेन्न निनागे।

एन्नत्त मुंदागदिरु, एन्नमेले कालनिडदिरु।

चन्नमल्लिकार्जुनंगे भले मारुवोदवळानू।

Hindi Meaning:

जब गाँव के सामने ही दूध की नदी बह रही हो,

तो क्या मैं प्यास बुझाने कहीं और जाऊँगी, हे प्रभु?

व्यर्थ भटकने वाली मुझ जैसी पगली को गले मत लगाइए, हे प्रभु!

आपकी ही प्रेरणा और खिंचाव के कारण मैं यहाँ आई हूँ।

क्या कोई प्रसव-पीड़ा से तड़पती स्त्री को ज़बरदस्ती गले लगाता है, ज़रा सोचिए?

क्या इस कसाई को कोई अपनी भेड़ बेचता है?

मेरे अपनों ने तो मुझे आपके हाथों पूरी तरह सौंप दिया है।

अब मेरी ओर हाथ मत बढ़ाओ, मुझ पर अपना अधिकार मत जमाओ।

मैं तो चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु के हाथों पूरी तरह बिक चुकी हूँ!

86.

ऊर सीरेगे असग तडबडगोंबंते

होन्नेन्नदु, मण्णेन्नदु एंदु नेननेनदु बडवादे।

निम्मनरियद कारण केम्मने केट्टे०नय्या

चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning:

जैसे धोबी गाँव भर की साड़ियों को अपनी मानकर उथल-पुथल करता रहता है,

वैसे ही 'यह सोना मेरा है, यह भूमि मेरी है' ऐसा सोच-सोचकर मैं दुबली और दुर्बल होती गई।

आपको न पहचानने के कारण ही मैं व्यर्थ में नष्ट होती रही, हे प्रभु

चन्नमल्लिकार्जुन!

87.

उदयदलेद्दु निम्म नेनेवेनय्या।

कसदेगेदु चळेय कोट्टु

निम्म बरव हारुतिर्देनय्या।

हसे हंदरवनिक्कि निम्माडिगळिगेडेमाडिकोंडिर्देनय्या।

चन्नमल्लिकार्जुनय्या, नीनावाग बंदेया एन्न देवा?

Hindi Meaning:

सुबह-तड़के उठकर मैं आपका ही स्मरण करती हूँ, हे प्रभु।

घर की धूल-मिट्टी साफ़ करके, रंगोली सजाकर

मैं आपके आगमन की राह तकती रहती हूँ, हे प्रभु।

मंडप सजाकर आपके श्रीचरणों के लिए स्थान बनाकर प्रतीक्षा कर रही हूँ, हे प्रभु।

हे चन्नमल्लिकार्जुन, हे मेरे देव, आप कब पधारेंगे?

88.

उदयास्तमानवेंबेरडु कोळगदल्लि,

आयुष्यवेंब राशि अळेदु तीरिद मुन्न

शिवन नेनेयिरे! शिवन नेनेयिरे! ई जन्म बालिकिल्ल।

चन्नमल्लिकार्जुनदेवरदेवन नेनेदु

पंचमहापातकरेल्लरु मुक्तिवडेदरंदु?

Hindi Meaning:

सूर्योदय और सूर्यास्त रूपी दो पैमानों (मापों) से

आयु रूपी अन्न की राशि पूरी तरह नपकर समाप्त हो जाए, उससे पहले

शिव का स्मरण कर लो! शिव का स्मरण कर लो! यह मानव जन्म बार-बार नहीं मिलेगा।

देवों के देव श्री चन्नमल्लिकार्जुन का ध्यान करके ही

पाँचों महापापों को करने वाले पापी भी उस दिन मुक्ति को प्राप्त हुए थे!

89.

उपमातीतरु रुद्रगणंगळु,

अवरेन्न बंधुबळगंगळु।

नम्म श्रीशैल चन्नमल्लिकार्जुन

ओलिदडे मरळित्त बारेनम्मा ताये।

Hindi Meaning:

उपमा से परे (अतुलनीय) रुद्रगण ही

मेरे सच्चे बंधु-बांधव और सगे-संबंधी हैं।

यदि हमारे श्रीशैल चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु मुझ पर रीझ जाएँ,

तो मैं फिर कभी इस संसारी लोक में लौटकर नहीं आऊँगी, ओ मेरी माँ!

90.

उरक्के जव्वनगळु बारद मुन्न,

मनक्के नाचिकेगळु तोरद मुन्न,

नम्मवरंदे मदुवेय माडिदरु

सिरिशैल चन्नमल्लिकार्जुनंगे।

हेंगूसेंब भाव तोरद मुन्न नम्मवरंदे

मदुवेय माडिदरु

Hindi Meaning:

सीने में यौवन के उभार आने से पहले,

मन में लज्जा और संकोच के भाव जागने से पहले ही,

मेरे परिजनों ने मेरा विवाह

श्रीशैल चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु के साथ संपन्न करा दिया था।

मुझमें 'स्त्री' होने की लौकिक भावना अंकुरित होने से बहुत पहले ही मेरे गुरुजनों ने

मेरा विवाह उस परमेश्वर से करा दिया था!

91.

एनगेकय्या ना प्रपंचिन पुत्तळि।

मायिकद मलभांड, आतुरद भवनिळय।

जलकुंभद ओडेयल्लि ओसरुव नेलेवनेगेकय्या?

बेरळु ताळहण्ण हिसुकिदडे मेललुंटे?

बित्तेल्ला जीव अदरोप्पद तेर एनगे।

एन्न तप्पनोप्पगोळिळ,

चन्नमल्लिकार्जुनदेवायदेव नीवे अण्णगळिरा।

Hindi Meaning:

मुझे इस शरीर का मोह क्यों हो, हे प्रभु? मैं तो इस संसार की एक माटी की पुतली हूँ।

माया का मैला बर्तन हूँ, और तृष्णाओं से भरा हुआ संसारी घर हूँ।

पानी से भरे फूटे घड़े की तरह रिसने वाले इस देह-रूपी मकान का मोह क्यों करूँ?

यदि ताड़ के पके फल को उँगलियों से मसला जाए, तो क्या उसे खाया जा सकता है?

संसार के सभी जीवों का बीज और कर्म-भोग ऐसा ही है, जो मुझे स्वीकार नहीं।

मेरी भूल-चूक को क्षमा कर स्वीकार कर लीजिए,

हे देवों के देव चन्नमल्लिकार्जुन, आप ही मेरे सब कुछ हैं, ओ भाइयों!

92.

एन्न काय मण्णु, जीव बयलु,

आवुद हिडिवेनय्या। देवा,

निम्मनाव परियल्लि नेनेवेनय्या?

एन्न मायेयनु माणिसय्या चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning:

मेरा यह शरीर माटी है और जीवन पवन (शून्य) की तरह चंचल है,

फिर मैं किसे पकड़ कर रखूँ, हे प्रभु?

मैं किस प्रकार से आपका ध्यान करूँ, हे देव?

हे चन्नमल्लिकार्जुन, मेरे इस माया-जाल और अज्ञान को मिटा दीजिए!

93.

एन्न तुंबिद जव्वन, तुळुकुव मोहनव,

निनागे इंबु माडिकोंडिर्देनल्ला एलेयय्या।

एन्न लंबिसुव लावण्यद रूपरेखेगळ

निन्न कण्णिंगे कैविडिदंते माडिर्देनल्लय्य।

निन्न मुंदिरट्टलन्यरु कोंडोयिवागलेंतु

सैरिसिदे हेळा चन्नमल्लिकार्जुना?

Hindi Meaning:

मेरा यह छलकता हुआ भरपूर यौवन और रूप-सौंदर्य,

मैंने आपके लिए ही सहेज कर रखा था, हे प्रभु!

मेरी यह लुभावनी लावण्यमयी काया और रूप-रेखा

मैंने आपकी दृष्टि के समक्ष पूर्णतः समर्पित कर दी थी।

परंतु आपके देखते ही देखते जब अन्य सांसारिक विषय-वासनाएँ इसे खींचकर ले जा रही हैं,

तो आप यह सब कैसे सह रहे हैं, बताइए हे चन्नमल्लिकार्जुन?

94.

एन्न नानरियदल्लि एल्लिर्दे हेळय्या

चिन्नदोळगण बण्णदंते एन्नोळगिर्दे।

अय्या एन्नोळगे इनितिर्दु मैदोरद

भेदव निम्मल्लि कंडे काणा चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning:

जब तक मैं स्वयं को नहीं जानती थी, आप कहाँ थे, बताइए हे प्रभु?

जैसे सोने के भीतर उसका पीला रंग छिपा रहता है, वैसे ही आप मेरे भीतर समाए हुए थे।

हे प्रभु, मेरे भीतर इतना निकट रहकर भी प्रत्यक्ष रूप से प्रकट न होने का

यह अनूठा भेद मैंने आप ही में देखा है, हे चन्नमल्लिकार्जुन!

95.

एन्न नालगेगे बप्परुचि निमगर्पित।

एन्न नासिकक्के बप्प परिमळ निमगर्पित।

एन्न कायक्के बप्प सुख निमगर्पित।

चन्नमल्लिकार्जुनय्या, निमगर्पिसद मुन्न मुट्टलम्रेनय्या।

Hindi Meaning:

मेरी जीभ को मिलने वाला हर स्वाद आपको समर्पित है।

मेरी नाक को मिलने वाली हर सुगंध आपको समर्पित है।

मेरी काया को मिलने वाला हर सुख आपको समर्पित है।

हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, आपको समर्पित किए बिना मैं किसी भी वस्तु को छूती तक नहीं हूँ!

96.

एन्न प्राण जंगम, एन्न जीव जंगम,

एन्न पुण्यद फलवु जंगम

एन्न ह[रु]रुषद मेले[जंगम]

चन्नमल्लिकार्जुना, जंगम तिंथिणियोलाडुवे।

Hindi Meaning:

मेरा प्राण जंगम (चलते-फिरते शिव-स्वरूप संत) ही है, मेरा जीवन जंगम ही है,

मेरे पूर्व पुण्यों का महाफल ही जंगम है,

और मेरी परम खुशी और आनंद की सीमा भी जंगम ही है!

हे चन्नमल्लिकार्जुन, मैं जंगम संतों के इस विशाल समूह और संगम में ही सदैव आनन्दित रहूँगी।

97.

एन्न मन प्राण भाव निम्मल्लि निंदबालिक

कायद सुखव नानेनेंदरियैनु।

आरु सोंकिदरेन्दरियैनु।

चन्नमल्लिकार्जुनन मनदोळगे ओच्चतवाद बालिक

होरगेनायित्तेंद रियैनु।

Hindi Meaning:

जब मेरा मन, प्राण और भाव पूर्णतः आप में ही लीन हो गए,

तो इस शरीर के सुख-दुख क्या होते हैं, यह मैं भूल ही गई।

मुझे कौन स्पर्श कर रहा है, इसका भी मुझे कोई भान नहीं रहा।

जब मैं चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु के मन के भीतर एकरूप होकर समा गई,

तो बाहर की दुनिया में क्या हो रहा है, मुझे कुछ भी पता नहीं चला!

98.

एन्न मनव मारुगोंडनव्व,

एन्न तनुव सूरेगोंडनव्व,

एन्न सुखवनोप्पुगोंडनव्व।

एन्न इरवनिं बुगोंडनव्व।

चन्नमल्लिकार्जुनन ओलुमेयवळानू।

Hindi Meaning:

उसने मेरे मन को जीत लिया (खरीद लिया), ओ सखी!

उसने मेरी देह को पूरी तरह लूट लिया, ओ सखी!

उसने मेरे सुख को स्वीकार कर अपना बना लिया, ओ सखी!

उसने मेरे अस्तित्व को अपने भीतर शरण दे दी, ओ सखी!

अब तो मैं पूरी तरह चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु के ही अपार प्रेम में रमी हुई हूँ!

99.

एन्न मायद मदव मुरियय्या।

एन्न कायद कत्तलेय कळेयय्या।

एन्न जीवद जंजडव माणिसय्या।

एन्न देव चन्नमल्लिकार्जुनय्या,

एन्न सुत्तिद प्रपंचव बिडिसा निम्म धर्म

Hindi Meaning:

मेरे इस माया रूपी अहंकार और घमंड को तोड़ दीजिए, हे प्रभु!

मेरे इस देह-रूपी अज्ञान के अंधकार को दूर कर दीजिए, हे प्रभु!

मेरे जीवन के इस क्लेश और सांसारिक झंझटों का अंत कर दीजिए, हे प्रभु!

हे मेरे देव चन्नमल्लिकार्जुन,

मुझे घेरे हुए इस प्रपंच और संसार-चक्र से छुड़ाना ही आपका परम धर्म है!

100.

एन्न मीसल बीसर माडिदेयल्लत्य।

एन्न मीसल बीसाडि कळेदेयल्लत्य।

एन्न भाषेय पैसर माडिदेयल्लत्य।

एन्न भाषेगे दोषव तोरिसिदेयल्लत्य।

एन्न मीसल कायव निगमेंदिरिसिकोंडिद्दडे,

बीसाडि कळवरे हेळा तंदे?

एसु काल निगमे नानू माडिद तप्प

ई समयदल्लि होरिसि कोंदेयल्ला चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning:

मेरे द्वारा केवल आपके लिए सहेज कर रखी गई भक्ति को आपने व्यर्थ कर दिया, हे प्रभु!

मेरे इस पवित्र समर्पण को आपने फेंक कर ठुकरा दिया, हे प्रभु!

मेरे संकल्प और वचनों में आपने दुविधा ला दी, हे प्रभु!

मेरी प्रतिज्ञा पर आपने दोष का कलंक लगा दिया, हे प्रभु!

जब मैंने यह निष्कलंक काया केवल आपके लिए ही समर्पित करके रखी थी,

तो क्या इसे यूँ दूर फेंक कर ठुकरा देना उचित है, बताइए हे पिता?

न जाने कितने युगों से मैंने आपके प्रति जो भूल-चूक की थी,

उसका सारा बोझ इसी समय मुझ पर डालकर आपने मुझे मार ही डाला, हे चन्नमल्लिकार्जुन!

101.

एन्नंते पुण्यगैदवरुंटे,

एन्नंते भाग्यांगैदवरुंटे,

किन्नरनंतप्प सोदररेनगे,

एळेळु जन्मदल्लि शिवभक्तरे बंधुगळेनगे।

चन्नमल्लिकार्जुनंतप्प गंड नोडा एनगे।

Hindi Meaning:

क्या किसी ने मेरे जितना पुण्य किया है?

क्या कोई मेरे जितना भाग्यशाली हुआ है?

किन्नर (दिव्य गायक) जैसे महान शिवभक्त मेरे भाई हैं,

सातों जन्मों में शिवभक्त ही मेरे सगे-संबंधी और बंधु हैं।

और देखिए, श्री चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु स्वयं मेरे पति हैं!

102.

एन्ननिरिदडे सैरिसुवे, एन्न कोरेदडे सैरिसुवे,

एन्न कडिदु हरहिदडे मनक्के तारेनु।

चन्नमल्लिकार्जुनय्या, निम्म शरणरनोडनेन्न

कण्ण मुंदे कण्डु मोगेदुंडमृतदंते आदेनय्या।

Hindi Meaning:

यदि कोई मुझे बींधे तो मैं सह लूँगी, यदि कोई मुझे काटे तो भी मैं सह लूँगी,

यदि कोई मुझे टुकड़े-टुकड़े करके फेंक दे, तो भी मैं मन में दुख नहीं लाऊँगी।

हे चन्नमल्लिकार्जुन, जब आपके शरणों (भक्तों) को अपने

नेत्रों के सामने पाती हूँ, तो मानो मैंने घड़े भरकर अमृत पी लिया हो, ऐसा परम आनंद मुझे प्राप्त होता है, हे प्रभु!

103.

एम्मेगोंदु चिंते संमगारगोंदु चिंते।

धर्मिगोंदु चिंते कर्मिगोंदु चिंते।

एनगे एन्न चिंते, तनगे तन्न कामद चिंते।

ओल्ले होगु, सेरग बिडु मरुळे।

एनगे चन्नमल्लिकार्जुनदेवरु ओलिवरो

ओलियरो एंब चिंते?

Hindi Meaning:

भैंस की अपनी चिंता है और मोची की अपनी चिंता।

धर्मी की अपनी चिंता है और कर्मी (कामकाजी) की अपनी चिंता।

मुझे अपनी (परमार्थ की) चिंता है, और उसे अपनी काम-वासना की चिंता है।

दूर हट, चला जा, मेरा आंचल छोड़ दे ओ मूर्ख!

मुझे तो बस इसी बात की चिंता है कि चन्नमल्लिकार्जुन देव मुझ पर रीझेंगे

या नहीं रीझेंगे!

104.

एरद मुळिळनंते परगंडरेनगव्व।

सोंकलम्मे सुळियलम्मेद

नंबि नच्चि पाताडलम्मेनव्व।

चन्नमल्लिकार्जुनल्लद गंडरिगे उरदल्लि

मुळ्ळुंटेंदु नानप्पलम्मेनव्व।

Hindi Meaning:

चुभने वाले काँटों के समान हैं अन्य पुरुष मेरे लिए, ओ सखी!

मैं उन्हें छू नहीं सकती, उनके आसपास भी नहीं भटक सकती,

और न ही उन पर विश्वास करके उनसे बातचीत कर सकती हूँ, ओ सखी!

चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु के सिवा अन्य पुरुषों की छाती में

काँटे भरे हुए हैं, इसलिए मैं उन्हें गले नहीं लगा सकती, ओ सखी!

105.

एन्न भक्ति बसवण्णन धर्म, एन्न ज्ञान प्रभुविन धर्म,

एन्न परिणाम चन्नबसवण्णन धर्म।

ई मूरुवरु ओंदोंदु कोट्टोडेनगे

मूरु भाववायित्तु।

आ मूरनु निम्मल्लि समर्पितसिद बालिक

एनगाव जंजडविल्ल। चन्नमल्लिकार्जुन

Hindi Meaning:

मेरी भक्ति बसवण्णा की कृपा की देन है, मेरा ज्ञान अल्लामा प्रभु की कृपा की देन है,

और मेरी अंतरात्मा की शांति चन्नबसवण्णा की कृपा की देन है।

इन तीनों पूज्यों ने जब मुझे एक-एक दिव्य गुण दिया,

तो मुझमें तीन भावों की अनुभूति जागी।

और उन तीनों भावों को जब मैंने आपके श्रीचरणों में समर्पित कर दिया,

तो अब मुझमें कोई सांसारिक झंझट नहीं बचा, हे चन्नमल्लिकार्जुन!

106.

एरेयंते करकरगि, मळलंते जरिजरिदु,

कन सिनल्लि कळवळिसि, आनु बेरगादे।

आवेंगेय किच्चिनंते सुळिसुळिदु बेंदे

आपत्तिगे सखियरनारनू काणे।

अरसि काणद तनुव, बेरसि कूडद सुखव,

एनगे नी करुणिसा, चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning:

मोम की तरह भीतर ही भीतर पिघलकर, बालू की तरह ढह-ढहकर,

सपनों में व्याकुल होकर, मैं आश्चर्यचकित और स्तब्ध रह गई।

कुम्हार की भट्टी की आग की तरह झुलस-झुलसकर मैं जल उठी,

पर अपनी इस विकट स्थिति में मुझे कोई सहेली साथ खड़ी नज़र नहीं आई।

खोजने पर भी जो शरीर प्राप्त नहीं होता, और सांसारिक मेल से जो सुख नहीं मिलता,

हे चन्नमल्लिकार्जुन, वही अलौकिक तत्व और परम आनंद आप मुझ पर कृपा करके प्रदान कीजिए!

107.

एलुविल्लद नालगे होदकुळिगोंडाडुदु,

एले का लंगे गुरियाद कर्मि।

उलियदिरु, उलियदिरु भवभारि नीनु।

हलवु कालद हुलुमनुजंगे

हुलुमनुज हेंडति इवरिद्दरे अदक्कदु सरि।

चन्नमल्लिकार्जुनने गंडनेनगे

लोकदोळहे०डिरुंटादरे माडिको, एन्न बिडु मरुळे।

Hindi Meaning:

बिना हड्डी की यह जीभ बेकाबू होकर निरर्थक बोलती रहती है,

ओ काल (मृत्यु) का शिकार बनने वाले संसारी प्राणी!

व्यर्थ मत बक, व्यर्थ मत बक, तू तो संसार के भारी बोझ तले दबा हुआ है।

इस क्षणभंगुर संसार के साधारण मनुष्य के लिए

साधारण स्त्री ही योग्य पत्नी होती है, वही उसके लिए सही है।

श्री चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु ही मेरे एकमात्र स्वामी हैं;

यदि इस लोक में अन्य स्त्रियाँ हैं तो उनसे विवाह कर ले, मुझे छोड़ दे ओ मूर्ख!

108.

एले अण्णा अण्णा, नीवू मरुळल्ला अण्णा,

एन्न निन्नळवे?

हदिनाल्कु लोकव नुंगिद कामन बाणद गुण

एन्न निन्नळवे?

वारुव मुग्गिदडे, मिडिहय होय्वरे?

मुग्गिद भंगव मुंदे रणदल्लि तिळिवुदु।

निन्न नी संवरिसि कैदुव कोळिळरण्णा,

चन्नमल्लिकार्जुननेंब हगेगे बेंगोडदिरण्णा।

Hindi Meaning:

ओ भैया, ओ भैया, तुम मूर्ख मत बनो ओ भैया,

क्या कामदेव को वश में करना मेरी और तुम्हारी बिसात में है?

चौदह भुवनों को निगल जाने वाले कामदेव के बाणों के प्रभाव को रोकना

क्या मेरी और तुम्हारी सामर्थ्य में है?

यदि घोड़ा रास्ते में ठोकर खाकर गिर पड़े, तो क्या उसके बछड़े को पीटा जाएगा?

ठोकर खाकर गिरने का असली परिणाम तो आगे युद्ध के मैदान में पता चलेगा।

अपने आप को संभालो और हाथ में ढाल-तलवार थाम लो ओ भाइयों,

और चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु रूपी इस महान प्रतिद्वंद्वी के सामने पीठ दिखाकर मत भागो ओ भाइयों!

109.

एले कालंगे सूरेयाद कर्मि,

एले कामंगे गुरियाद मरुळे,

बिडु बिडु कैय

नरकवेंद रियदे तडेवरे मनुजा?

चन्नमल्लिकार्जुनन पूजेय वेळे तप्पिदेरे

नायक नरक काणा निनगे।

Hindi Meaning:

ओ काल का ग्रास बनने वाले पापी,

ओ कामदेव के बाणों का शिकार बनने वाले मूर्ख,

मेरा हाथ छोड़ दे, छोड़ दे!

क्या तू यह नहीं जानता कि यह घोर नरक का कारण है, फिर भी मुझे रोकता है ओ मनुष्य?

यदि चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु की पूजा का मेरा समय निकल गया,

तो याद रख, तुझे भीषण नरक भोगना पड़ेगा!

110.

एले तायि नीनंतिरु,

एले तंदे नीनंतिरु,

एले बंधुवे नीनंतिरु,

एले कुलवे नीनंतिरु,

एले बलवे नीनंतिरु।

चन्नमल्लिकार्जुनन कूडुव भरदिंद

होगुत्तिद्देने। निमगे शरणार्थि शरणार्थि

Hindi Meaning:

ओ माता, तू वहीं ठहर जा,

ओ पिता, तू वहीं ठहर जा,

ओ बंधु-बांधव, तुम वहीं ठहर जाओ,

ओ कुल और जाति, तुम वहीं ठहर जाओ,

ओ सांसरिक बल और सहारा, तुम भी वहीं ठहर जाओ!

मैं तो अपने स्वामी चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु से मिलने के तीव्र आकुलता और वेग से

आगे बढ़ रही हूँ। आप सभी को मेरा प्रणाम, मेरा प्रणाम!

111.

एले देवा, सकल करणंगळ उपटळक्कंजि

निम्म शरणर मरेयोक्कु कारुण्यमं पडेदु,

बंदु निम्म श्री मूर्तिय कंडे। इन्नु एन्न

निम्मोळगे ऐक्यव माडिकोळळा चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning:

हे प्रभु, समस्त इंद्रियों के उपद्रव और संताप से डरकर

आपके शरणों (भक्तों) की शरण ली और उनकी अनुकंपा प्राप्त की,

और आकर आपकी इस श्रीमूर्ति के दर्शन किए। अब मुझे

अपने भीतर लीन कर एकाकार कर लीजिए, हे चन्नमल्लिकार्जुन!

112.

एळुकोटि महामंत्र। उपमंत्रगळिगे लेक्कविल्ल।

चित्तव्याकुलनागि भ्रमिसदिरा मनवे। शिवशिव

नमो नमो।शिवशिवा। शिवाशरणेंदडे सालदे,

अदेतेंदडे शिवधर्म- शिवेति मंगलं नाम

यस्यवाचि प्रवर्तते भस्मी भवंति तथ्याशुमहापावक

कोटियः इंतेंदुदागि एनगिदे मंत्र एनगिदे तंत्र

एनगदे गतिमति चैतन्यवय्य चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning:

सात करोड़ महामंत्र हैं, और उपमंत्रों की तो कोई गिनती ही नहीं है।

हे मन, व्यर्थ व्याकुल होकर भ्रमित मत हो! 'शिव शिव',

'नमो नमो', 'शिव शिवा', 'शिव शरण' कह देना ही क्या पर्याप्त नहीं है?

क्योंकि शिवधर्म में कहा गया है—जिसकी वाणी में 'शिव' यह मंगलकारी नाम प्रवृत्त होता है, उसके करोड़ों महापाप तुरंत भस्म हो जाते हैं।

इसलिए यही मेरे लिए मंत्र है, यही मेरे लिए तंत्र है,

और यही मेरी सद्गति, मति और परम चैतन्य है, हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु!

113.

एल्ल एल्लवनरिदु फलवेनय्या,

तन्न तानरियबेकल्लदे?

तन्नल्लि अरिवु स्वयवागिरलु अन्यर केळलुंटे?

चन्नमल्लिकार्जुना, नीनरिवागि मुंदुदोरिद

कारण निम्मिंद निम्मनरिदेनय्या प्रभुवे।

Hindi Meaning:

सब कुछ जान लेने से क्या लाभ, हे प्रभु,

जब तक मनुष्य स्वयं को ही न जान ले?

जब अपने भीतर ज्ञान स्वयं प्रकाशित हो रहा हो, तो क्या दूसरों से पूछने की आवश्यकता है?

हे चन्नमल्लिकार्जुन, आप स्वयं बोध-स्वरूप बनकर मेरे समक्ष प्रकट हुए,

इसी कारण आपकी ही कृपा से मैंने आपको पहचान लिया, हे प्रभु!

114.

एल्लर गंडर शृंगारद परियल्ला,

एन्न नल्लन शृंगारद परि बेरे।

शिरदल्लि कंकण, उरदमेलंदुगे, कियल्लि हावुगे,

उभय सिरिवंतन मोळकालल्लि जळवट्टिगे।

उंगुटदल्लि मूकुरति – इदु जाणरिगे जगुळिके।

चन्नमल्लिकार्जुनय्यन शृंगारद परि बेरे।

Hindi Meaning:

सबके पतियों के शृंगार की जैसी रीति होती है, वैसी नहीं है;

मेरे प्रियतम के शृंगार की शैली तो सबसे अलग और अनूठी है!

मस्तक पर कंगन, छाती पर नूपुर (पायल), कानों में खड़ाऊँ,

और दोनों लोकों के स्वामी की कलाई के बदले घुटने पर आभूषण बाले हैं;

पैर के अँगूठे में नथ पहनी हुई है—यह केवल सांसारिक ज्ञानियों को भ्रमित करने वाली लीला है।

श्री चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु के अलौकिक शृंगार की रीति ही सबसे निराली है!

115.

एल्लर प्राणवंगैयलदे

एन्न प्राण जंगमदलदे।

एल्लर आयुष्य शिरदल्लि बरेदिदे

एन्न आयुष्य निम्मल्लि संदिदे।

चन्नमल्लिकार्जुना,

निम्म शरणरेन्न प्राणलिंगवेंदु धरिसिदेनु।

Hindi Meaning:

दूसरों का प्राण उनके अपने शरीर में बसा है,

पर मेरा प्राण तो जंगम (चलते-फिरते शिव-स्वरूप) में बसा हुआ है।

सबकी आयु उनके ललाट पर लिखी हुई है,

पर मेरी आयु तो आपके श्रीचरणों में समर्पित हो चुकी है।

हे चन्नमल्लिकार्जुन,

मैंने आपके शरणों (भक्तों) को ही अपना प्राणलिंग मानकर धारण किया है!

116.

एल्लि होदडे कलिगे भयविल्ल,

हंदेगे सुखविल्ल काणिरण्णा।

ईवंगवगुणविल्ल, करुणवुळळवंगे पापविल्ल।

निम्म मुट्टि परधन परस्त्रीय तोरेदातंगे मुंदे

भवविल्ल चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning:

वीर पुरुष जहाँ भी जाए, उसे कोई भय नहीं होता,

और कायर पुरुष को कहीं भी सुख नहीं मिलता, देखिए ओ भाइयों!

दान देने वाले में अवगुण नहीं होता, और करुणामय हृदय वाले के पास पाप नहीं फटकता।

आपको स्पर्श करके जिस मनुष्य ने पराये धन और परस्त्री का त्याग कर दिया, उसके लिए आगे

पुनर्जन्म का कोई बंधन नहीं बचता, हे चन्नमल्लिकार्जुन!

117.

एळेवरदल्लि मोहमोळे हुट्टित्तु,

गुरुहस्तदल्लि अंकुरवायित्तु,

एळेले होयित्तु बळगद नडुवे।

केळेलेय्व्व, नीनु केळु ताये।

ओंबत्तेले एंदिंगे परिपूर्णवायित्तु नोडव्व।

चन्नमल्लिकार्जुनने गंडनेनगे

लोकदवर संबंधविल्लेंदु बिट्टु तोलगिदेनु काणा एलेय्व्व।

Hindi Meaning:

बचपन की अवस्था में ही भक्ति-मोह का अंकुर उपजा था,

श्री गुरु के कर-कमलों के स्पर्श से वह अंकुरित हुआ,

और कुटुंब-परिवार के बीच रहते हुए सात पत्तों (अवस्थाओं) में विकसित हुआ।

सुन ओ सखी, तू भी सुन ओ माँ!

आज नौ पत्तों (पूर्णता) के साथ वह भक्ति-वृक्ष परिपूर्ण हो गया है, देख ओ सखी!

श्री चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु ही मेरे एकमात्र पति हैं,

सांसारिक लोगों से मेरा कोई संबंध नहीं है, ऐसा मानकर मैं सब कुछ त्यागकर निकल पड़ी हूँ, देख ओ सखी!

118.

ऐदु परिय बण्णव तंदु कोट्टडे

नाल्कु मोलेय हसुवायित्तु।

हसुविन बसिरल्लि करुवु हुट्टित्तु।

करुव मुट्टलीयदे हालु करेदुकोंडडे

कर रुचिवायित्तु।

मधुर भलेगेरि अर्थव नीगाडि

आ करुविन बेंबळिविडिदु भवहरियित्तु चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning:

जब पाँच रंगों का मिश्रण लाया गया,

तो वह चार थनों वाली गाय बन गई।

उस गाय के पेट से एक बछड़ा पैदा हुआ।

बछड़े को थन छुए बिना जब दूध दुह लिया गया,

तो वह दूध अत्यंत स्वादिष्ट और अलौकिक लगा।

उसकी मिठास सिर चढ़कर छाई और सांसारिक आसक्तियों को मिटा दिया,

और उस बछड़े का अनुगमन करते-करते जन्म-मरण का चक्र ही समाप्त हो गया, हे चन्नमल्लिकार्जुन!

119. *(मूल कन्नड़ पाठ में १३९ के स्थान पर १२९/११९ का क्रम)*

ो०ंदरळ शिवंगेंद फलदिंद

शिवपदंगळादुद केळियरिया?

ो०ंदरळनेरिसुवल्लि अड्डुविसिदरे

गोंदणद कुलकोटिगे नरक काणा।

ो०ंदु चन्नमल्लिकार्जुनन वेळे तडेदडे

मुंदे बह नरकक्के कडेयिल्ल मरुळे।

Hindi Meaning:

शिव को एक पुष्प समर्पित करने के पुण्य-फल से

भक्तों को शिवपद प्राप्त हो गया, क्या तुमने यह कभी नहीं सुना?

उस एक पुष्प को अर्पित करने के समय यदि कोई बाधा पहुँचाता है,

तो उस कुल की पीढ़ियों को घोर नरक भुगतना पड़ता है, याद रखना।

आज यदि चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु की पूजा का समय तुमने रोक दिया,

तो आगे मिलने वाले नरक का कोई अंत नहीं रहेगा, ओ मूर्ख!

120.

ो०ंदल्ल एरडल्ल मूरल्ल नाल्कल्ल

एंबत्तुनाल्कुलक्षयोनियोळगे बारद

भवंगळल्लि बंदे बंदे। उंडे उंडे

सुखासुखंगळ। हिंदण जन्म तानेनाडडेयू

आगलि मुंदे नी करुणिसा, चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning:

एक नहीं, दो नहीं, तीन नहीं, चार नहीं,

चौरासी लाख योनियों के अंतर्गत जितने भी

संसार-चक्र हो सकते थे, उन सब में मैं भटकी और जन्मी। भोगे मैंने

तरह-तरह के सुख और दुख। पिछले जन्मों में जो कुछ भी हुआ हो,

सो हुआ; अब आगे आप मुझ पर अपनी कृपा बनाए रखना, हे चन्नमल्लिकार्जुन!

121.

ओडल कळवळक्कागि अडविय पोक्केनु।

गिडुगिडुदप्पदे बेडिदेनेन्नंगक्केंदु।

अवु नीडिदवु तम्म लिंगक्केंदु।

आनु बेडि भवियादेनु; अवु नीडि भक्तरादवु।

इन्नु बेडिदेनादडे चन्नमल्लिकार्जुनय्या, निम्माणे।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

शरीर की भूख और व्याकुलता को मिटाने के लिए मैं जंगल में गई।

अपने शरीर के पोषण के लिए मैंने वृक्ष-वृक्ष से भिक्षा माँगी।

पर उन वृक्षों ने जो कुछ दिया, वह मेरे भीतर बसे लिंग (इष्टदेव) के लिए दिया।

माँगने के कारण मैं संहारी (भविक) बन गई, पर देने के कारण वे वृक्ष भक्त बन गए।

हे चन्नमल्लिकार्जुन, यदि अब आगे मैंने कभी किसी से कुछ माँगा, तो मुझे आपकी सौगंध है!

122.

ओडलिल्लद नुडियिल्लद कडेयिल्लद

नल्लन ओडगूडि सुखियादे केळिरय्या।

भाषे पैसरविल्ल, ओसरिसेनन्यक्के,

आसे माडेनु मत्ते भिन्न सुखक्के।

अरळिदु मूरागि, मूरळिदु एरडागि,

एरडळिदु ओंदागि निंदे०नय्या.,

चन्नमल्लिकार्जुन,

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जिसका न कोई भौतिक शरीर है, न कोई वाणी है, और न ही कोई अंत है,

ऐसे प्रियतम (परमात्मा) के साथ एकाकार होकर मैं सुखी हो गई हूँ, सुनो हे सज्जनों!

अब कोई शब्दों का आडंबर नहीं रहा, मैं किसी अन्य की ओर मुड़ती भी नहीं,

और न ही मुझे किसी भिन्न सांसारिक सुख की कोई लालसा है।

अंकुरित होकर जो तीन भाव बने थे, वे तीन मिटकर दो हुए,

और वे दो भी मिटकर अंततः मैं केवल एक (परमात्मा में लीन) होकर स्थिर हो गई हूँ, हे चन्नमल्लिकार्जुन!

123.

ओप्पुव विभूतिय नोसलल्लि धरिसि,

दृष्टिवा[रि] निम्मनोडलोडने

बेट्टदष्टु तप्पुळळडेयू मुट्टलम्मवु नोडा।

दुरित अन्यायव परिहरिसबल्लडे

‘ओम नमः शिवाय’शरणेंदुदे मंत्र।

अदेतेंदडे

‘नमः शिवायेति मंत्रं यः करोति त्रिपुंड्रकं

सप्तजन्मकृतं पापं तत्क्षणादेव नश्यति’

इंतेंदुदागि,

सिंहद मरिय सीळनायि तिंबडे भंगविन्नारदो

चन्नमल्लिकार्जुना ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

माथे पर पावन विभूति धारण करके,

जैसे ही मेरी दृष्टि अश्रुपूर्ण होकर आपके दर्शन करती है,

चाहे पहाड़ जैसा पाप भी क्यों न हो, वह मुझे छू भी नहीं सकता, देखिए।

दुखों और अन्यायों को दूर करने की सामर्थ्य रखने वाला केवल

'ओम नमः शिवाय' और 'शिव शरण' का मंत्र ही है।

शास्त्रों में कहा गया है—जो मनुष्य मस्तक पर त्रिपुंड लगाकर 'नमः शिवाय' मन्त्र का जाप करता है, उसके सात जन्मों के पाप उसी क्षण नष्ट हो जाते हैं।

जब ऐसा सत्य है, तो यदि सिंह के बच्चे को एक जंगली कुत्ता (संसार का कष्ट) खा जाए, तो इसमें अपमान किसका होगा, हे चन्नमल्लिकार्जुन?

124.

ओब्बंगे इहवुंटु ओब्बंगे परवुंटु,

ओब्बंगे इहविल्ल ओब्बंगे परविल्ल।

ओब्बंगे इहपरवेरडू इल्ल।

चन्नमल्लिकार्जुनदेवर शरणरिगे इहपरवेरडू उंटु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

किसी मनुष्य के पास केवल यह लोक (सांसारिक सुख) है, तो किसी के पास परलोक (मुक्ति)।

किसी के पास न यह लोक है, न ही परलोक है।

किसी के लिए यह लोक और परलोक दोनों ही व्यर्थ हैं।

परंतु चन्नमल्लिकार्जुन देव के शरणों (भक्तों) के पास इहलोक का आनंद और परलोक की मुक्ति दोनों ही विद्यमान हैं।

125.

ओब्बन मनयलुंडु, ओब्बन मनयलुट्टु,

ओब्बन बागिल कादडे नमगेिनय्या?

नीनारिगोलिदडू नमगेिनय्या?

चन्नमल्लिकार्जुनय्या, भक्तिय बेडि बायि बूतायित्तु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

किसी एक के घर भोजन करना, किसी दूसरे के यहाँ कपड़े पहनना,

और तीसरे के दरवाजे पर पहरा देना—इससे हमें क्या लेना-देना, हे प्रभु?

आप किस पर रीझते हैं और किस पर कृपा करते हैं, इससे भी हमें क्या?

हे चन्नमल्लिकार्जुन, आपसे भक्ति की भीख माँगते-माँगते मेरा मुँह थककर सूझ गया है।

126.

ओम्मे कामन काल हिडिवे,

मत्तोम्मे चंद्रमंगे सेरगोड्डि बेडिवे।

सुडली विरहव, नानारिगे धृतिगेडिवे?

चन्नमल्लिकार्जुन कारण एल्लरिगे हंगुगित्तियादेनव्व।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

कभी मैं कामदेव के पैर पकड़ती हूँ,

तो कभी चंद्रमा के सामने आंचल फैलाकर (प्रियतम से मिलाने की) भीख माँगती हूँ।

आग लगे इस विरह को, मैं किसके सामने अपना धैर्य खो रही हूँ?

केवल चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु को पाने की चाह में, हे सखी, मैं सबकी अनुगृहीत और कर्जदार बनकर रह गई हूँ।

127.

ओलुलमे ओच्चतवादवरु कुलछलवनरसुरे?

मरुळुगोंडवरु लज्जेनाचिकेय बल्लरे?

चन्नमल्लिकार्जुनदेवगोलिदवरु लोकाभिमानव बल्लरे?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जिनका प्रेम अनन्य और एकाग्र हो चुका है, क्या वे कुल और जाति के अहंकार को खोजते हैं?

जो प्रेम में पागल हो चुके हैं, क्या वे लज्जा और शर्म की परवाह करते हैं?

जो चन्नमल्लिकार्जुन देव के प्रेम में रंगे हैं, क्या वे सांसारिक मान-सम्मान और अभिमान की परवाह करते हैं?

128.

ोलेय होक्कु उरिय मरेदवळ,

मलेय होक्कु उलुह मरेदवळ नोडु नोडा।

संसार संबंधव नोडा।

संसार संबंध भवभवदल्लि बेन्निंद बिडदु।

सरवु निस्सरवु ओंदादवळनु, एनलेन नोडुविरय्या,

चन्नमल्लिकार्जुनय्य

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

चूल्हे में प्रवेश करके उसकी आग को भूल जाने वाली,

और पर्वत पर चढ़कर उसकी ऊँचाई और हवा के शब्द को भूल जाने वाली को देखो, जरा देखो!

संसार के इस रिश्ते-नाते को देखो।

यह सांसारिक संबंध हर जन्म में पीछे-पीछे लगा रहता है, पीछा ही नहीं छोड़ता।

सत्य और असत्य (सार और निस्सार) जिसमें एक हो चुके हैं, मुझमें अब देखने योग्य क्या बचा है, हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु?

129.

ओळग शोधिसि होरग शुद्धयिसि

ओळहोरगेंब उभय शंकेय कळेदु,

स्फटिकद शलाकेयंते तळवेळगु माडि

सुक्षेत्रवनरिदु बीजव बित्तुवंते

शिष्यन सर्व प्रपंच निवृत्तियं माडि निजोपदेशवनित्तु,

आ शिष्यन निजदादियनैदिसुवनीग ज्ञानगुरु।

आ सहज गुरुवीग जगदाराध्यनु,

अवन श्रीपादक्के नमो नमो एंबे काणा चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जो भीतर की खोज करता है और बाहर की शुद्धि करता है,

भीतर और बाहर के सारे द्वंद्व तथा शंकाओं को दूर कर देता है,

स्फटिक की शिला की भाँति अंतरात्मा को निष्कलंक और प्रकाशमान कर देता है,

और उपजाऊ भूमि को पहचानकर उसमें बीज बोने की भांति

शिष्य के समस्त सांसारिक प्रपंचों का निवारण करके उसे परम सत्य का उपदेश देता है,

तथा उस शिष्य को सत्य के मार्ग पर अग्रसर करता है—वही सच्चा ज्ञानगुरु है।

वही सहज गुरु संपूर्ण जगत् का आराध्य है,

और उसके श्रीचरणों में मैं बारंबार नमन करती हूँ, हे चन्नमल्लिकार्जुन!

130.

ओळगण गंडनय्या, होरगण मिंडनय्या।

एरडनू नडेसलु बारदय्या।

लौकिक पारमार्थवेंबेरडनू नडेसलु बारदय्या।

चन्नमल्लिकार्जुनय्या, बिल्व बेळवलकायि

ओंदागि हिडियलु बारदय्या।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

भीतर एक पति (परमात्मा) हो और बाहर एक प्रेमी (सांसारिक विषय)—

इन दोनों को एक साथ निभा पाना संभव नहीं है, हे प्रभु!

लौकिक जीवन और पारमार्थिक (आध्यात्मिक) जीवन दोनों को एक साथ चला पाना संभव नहीं है।

हे चन्नमल्लिकार्जुन, बेल का फल और कैथ (कबीट) का फल

दोनों को एक ही हाथ से एक साथ पकड़ पाना संभव नहीं है।

131.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

ओदि ओदि वेद वादक्किक्कित्तु।

केळि केळि शास्त्र संदेहक्किक्कित्तु।

अरिदेहे अरिदेहेनेंदु आगम अरेयागि होयित्तु।

पूरैसिहे पूरैसिहेनेंदु

पुराण पूर्वद बट्टेगे होयित्तु।

नानेत्त तानेत्त? बोम्म बट्टबयलु चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

पढ़-पढ़कर वेद केवल वाद-विवाद का कारण बन गए।

सुन-सुनकर शास्त्र केवल संदेह पैदा करने वाले बन गए।

"मैं जानूँगा, मैं जानूँगा" कहते-कहते आगम (शास्त्र) आधे-अधूरे रह गए।

"मैं पूर्ण करूँगा, मैं पूर्ण करूँगा" कहते-कहते पुराण पुरानी लीक पर ही चले गए।

मैं कहाँ हूँ और वह (ईश्वर) कहाँ है? हे चन्नमल्लिकार्जुन, वह ब्रह्म तो परम शून्य (निराकार) है!

132.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कंगळ कळेदु करुळ कित्तु कामन मूग कोय्दु

भंगद बट्टेय भव गेलिदवळिगंगवेल्लियदु हेळा?

शृंगारवेंब मंचिगे हल्ल तेरेदडेनुंटु?

अंगवे लिंगवह परियेनेगे हेळा श्रीगिरि चन्नमल्लिकार्जुना?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जिसने अपनी आँखों के आकर्षण को मिटा दिया, अंतड़ियों को उखाड़ फेंका, कामदेव की नाक काट दी,

और इस संसार के दुखों एवं भ्रमों पर विजय पा ली—बताओ, उसका भौतिक शरीर कहाँ बचा?

शृंगार रूपी चारपाई पर बैठकर हँसने से क्या हासिल होगा?

हे श्रीगिरि चन्नमल्लिकार्जुन, मुझे वह मार्ग बताओ जिससे यह शरीर ही लिंग (परमात्मा) में विलीन हो जाए!

133.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कंगळळिळ कांबेनेंदु

कत्तलेय होक्कडेंटहुदय्या?

बेट्टद तुदिय मेट्टलेंदु

हळळकोगळंगळिळ इळिदडेंटहुदय्या?

नीनिक्किद सयदानवनोल्लदे

बेरे बयसिदोडेंटहुदय्या?

चन्नमल्लिकार्जुनन घनवनरियलेंदु

किरुकुळक्के संदडेंटहुदय्या?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

यदि कोई कहे कि मैं अपनी आँखों से देखूँगा और अंधेरे में प्रवेश करे, तो कैसे चलेगा, हे प्रभु?

यदि कोई पहाड़ की चोटी पर चढ़ना चाहे और खड्डों-गड्डों में उतरने लगे, तो कैसे चलेगा, हे प्रभु?

आपकी दी हुई सहज कृपा और सत्य को छोड़कर यदि कोई और ही लालसा करे, तो कैसे चलेगा, हे प्रभु?

चन्नमल्लिकार्जुन की महानता को जानने के बजाय यदि कोई व्यर्थ के क्लेशों में उलझ जाए, तो कैसे चलेगा, हे प्रभु?

134.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कंगळोळगे तोळगि बेळगुव

दिव्य रूपव कंडु मैमरेदेनव्व।

मणिमुकुटद फणिकंकणद नगेमोगद

सुलिपल्ल सोबगन कंडु मनसोतेनव्व।

इंतागि चन्नमल्लिकार्जुननेन्न मदुवणिग,

आनु मदुवणिगि केळा ताये।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

आँखों के भीतर जगमगाते और प्रकाशित होते

उस दिव्य रूप को देखकर मैं सुध-बुध खो बैठी, हे माँ!

रत्नजड़ित मुकुट, नागों के कंगन, मुस्कराते चेहरे

और सुंदर दंतपंक्ति की शोभा देखकर मेरा मन उन पर मोहित हो गया।

इस प्रकार चन्नमल्लिकार्जुन ही मेरे वर (दूल्हा) हैं,

और मैं उनकी वधू (दूल्हन) हूँ, सुनो हे माँ!

135.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कंडडे ओंदु सुख, माताडिदडे अनंत सुख।

नेच्चि मेच्चिदडे कडेयिल्लद हरुष।

माडिद सुखवनगलिरदे प्राणद होकु कंड़य्या।

चन्नमल्लिकार्जुनदेवय्या, निम्म तोरिद

श्रीगुरुविन पादव नीनेंदु कांबेनु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

उन्हें देख भर लेने से एक सुख मिलता है, और उनसे बात करने पर अनंत सुख।

उन्हें निष्ठा से चाहने और प्रसन्न करने पर असीम आनंद मिलता है।

उस प्राप्त सुख से यदि वियोग हो जाए, तो प्राण ही निकल जाते हैं, देखिए।

हे चन्नमल्लिकार्जुन देव, आपके दर्शन कराने वाले

उन श्रीगुरु के चरणों के दर्शन मुझे कब होंगे?

136.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कटिहाद बिदिरिनल्लि मरळि कळले मूडबल्लुदे?

सुट्ट मडके मुन्निनंते मरळि धरेयनप्पबल्लुदे?

तोट्ट बिट्टु बिद्द पण्णु मरळि तोट्टनप्पबल्लुदे?

कष्टकर्मि मनुजरु काणदे ओंद नुडिदडे,

निष्ठेयुळळ शरणरु मरळि मर्त्यक्के बप्परे चन्नमल्लिकार्जुना ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

क्या कटे हुए बांस में से फिर से अंकुर (अंकुरित कोपल) निकल सकता है?

क्या पकी हुई मिट्टी का घड़ा फिर से पहले जैसी कच्ची मिट्टी बन सकता है?

क्या डंठल से टूटकर गिरा हुआ फल फिर से डंठल से जुड़ सकता है?

यदि अज्ञानी और कुकर्मी मनुष्य बिना जाने कुछ भी बोल दें,

तो क्या दृढ़ निष्ठा वाले शरण (भक्त) फिर से इस मृत्युलोक में लौटकर आएँगे, हे चन्नमल्लिकार्जुन?

137.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कट्टिद केरिगे कोड़ि माणदु।

हुट्टिद प्राणिगि प्रळय तप्पदिन्नेंतय्या?

अरुहिरियरेल्ला वृथा केट्टु होदरिन्नेंतय्या?

चन्नमल्लिकार्जुनदेवरीगोतु मुट्टिदवरेल्ला निश्चिंतरादरु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

बंधे हुए तालाब का पानी जब भर जाता है, तो जल-निकासी (ओवरफ्लो) रुकती नहीं।

जन्म लेने वाले प्राणी के लिए मृत्यु/विनाश अटल है, फिर यह डर कैसा, हे प्रभु?

केवल ज्ञानी होने का अहंकार करने वाले सब व्यर्थ ही नष्ट हो गए, फिर यह कैसा अज्ञान, हे प्रभु?

परंतु जो चन्नमल्लिकार्जुन देव के प्रति समर्पित होकर उन तक पहुँच गए, वे सब निश्चिंत और भयमुक्त हो गए।

138.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कडेगे माडिद भक्ति दृढविल्लदाळुतन,

मृडनोलीय हेळिदडे अंतोलिवनय्या?

माडलागदु अळिमनव,

माडिदडे मनदोडेय बल्लनैसे?

विरळविल्लदे मणिय पवणिसिहेनेंदडे मरुळा,

चन्नमल्लिकार्जुनय्यनेंतोलिवनय्या ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

दिखावे की भक्ति और बिना दृढ़ता की सेवा से

यदि कहो कि शिव (मृड) प्रसन्न हो जाएँ, तो वे कैसे प्रसन्न होंगे, हे प्रभु?

द्विधा और चंचल मन से भक्ति नहीं की जा सकती,

और यदि ऐसा करोगे, तो क्या मन का स्वामी (ईश्वर) इसे नहीं जान जाएगा?

अरे मूर्ख! बिना धागे के मणियों को पिरोने की कोशिश करेगा,

तो चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु कैसे तुझ पर रीझेंगे?

139.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कण्गे शृंगार गुरुहिरियरु नोडुवुदु।

कर्णक्के शृंगार पुरातनर सुगीतंगळ केळुवुदु।

वचनक्के शृंगार सत्यव नुडिवुदु।

संभाषणेगे शृंगार सद्भक्तर नुडिगडण।

करक्के शृंगार सत्पात्रक्कीवुदु।

जीविसुव जीवनक्के शृंगार गणमेळाप

इविल्लद जीविय बाळुवे एतक्के बातेयय्या चन्नमल्लिकार्जुना ।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

आँखों का शृंगार गुरु और ज्ञानियों के दर्शन करना है।

कानों का शृंगार पुरातन भक्तों के पावन गीतों को सुनना है।

वाणी का शृंगार सदा सत्य बोलना है।

बातचीत का शृंगार सच्चे भक्तों की संगति और विचार-विमर्श है।

हाथों का शृंगार सत्पात्रों को दान देना है।

और इस जीवन का शृंगार शिवशरणों (गणों) का समागम है।

इन सबके बिना किसी जीव का जीना किस काम का, हे चन्नमल्लिकार्जुन?

140.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कदळि एंबुदु तनु, कदळि एंबुदु मन,

कदळि एंबुदु विषयंगळु।

कदळि एंबुदु भवघोरारण्य।

ई कदळि एंबुद गेद्दु तवे बदिकि बंदु

कदळिय बनदल्लि भपहरन कंडेनु।

भव गेद्दु बंद मगळे एंदु

करुणदि तेगेदु बिगियप्पिदड़े चन्नमल्लिकार्जुनन

हृदयकमलदल्लि अडगिदेनु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

कदली (केले का वन/संसार का मायाजाल) यह शरीर है, कदली ही यह मन है,

कदली ही ये सांसारिक विषय-भोग हैं।

कदली ही यह घोर सांसारिक जंगल है।

इस मायारूपी कदली पर विजय प्राप्त कर, जीवित बचकर जब मैं आई,

तो कदली के पावन वन में मैंने संसार का हरण करने वाले (शिव) के दर्शन किए।

"संसार को जीतकर आई मेरी बेटी!" ऐसा कहकर

जब उन्होंने करुणा से मुझे उठाकर अपने गले से लगाया, तो मैं चन्नमल्लिकार्जुन के हृदय-कमल में सदा के लिए विलीन हो गई।

141.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कायमीसलागि निगर्पितवायित्तु

करण मीसलागि निमगर्पितवायित्तु।

आनोंदरियेनय्या।

एन्न गति नीनागि, एन्न मति नीनागि,

प्राण निनगर्पितवायित्तु।

नीनल्लदे पेरतोंद लेनेदडे आणे, निम्मणि चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

मेरा यह शरीर पवित्र भाव से आपको समर्पित हो गया,

मेरी सभी इंद्रियाँ पवित्र भाव से आपको समर्पित हो गईं।

मुझे इसके अलावा कुछ और नहीं पता, हे प्रभु।

मेरी गति आप ही हैं, मेरी मति (बुद्धि) आप ही हैं,

और मेरा यह प्राण भी आपको ही समर्पित हो चुका है।

आपके सिवा यदि किसी और का ध्यान करूँ तो मुझे आपकी सौगंध है, हे चन्नमल्लिकार्जुन!

142.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कायमुटुवडे काणबारद घन,

निम्मनेंतु करस्थलदल्लि धरिसुवेनय्य?

क्रीगळु मुटलरियवु निम्मनेंतु पूजिसुवेनय्य?

नाद बिंदुगळु काणलरियवु निम्मनेंतु हाडुवेनय्य।

चन्नमल्लिकार्जुनय्यानानेनेंदरियदे,

निम्न नोडि नोडि सैवेरगागुत्तिर्देनु

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

शरीर के स्पर्श से परे और अत्यंत विशाल (असीम) परमेश्वर,

आपको मैं अपने करस्थल (हथेली) पर कैसे धारण करूँ, हे प्रभु?

साधारण कर्मकांड और क्रियाएँ आपको छू भी नहीं सकतीं, मैं आपकी पूजा कैसे करूँ, हे प्रभु?

नाद और बिंदु भी आपको देख पाने में असमर्थ हैं, मैं आपके गुण कैसे गाऊँ, हे प्रभु?

हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, मुझे समझ नहीं आता कि मैं क्या कहूँ,

मैं तो बस आपको देख-देखकर आश्चर्यचकित और विस्मित होती जा रही हूँ।

143.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

करस्थलक्के लिंगस्वायतवाद बळिक

कायक निवृत्तियागबेकु।

अंगदलळवट्टलिंग,

लिंगैक्यंगे अंगसंग मत्तेल्लियदो?

महाघनवनरित महांतंगे मायवेल्लियदो

चन्नमल्लिकार्जुना ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जब करस्थल पर लिंग (इष्टदेव) स्थापित हो जाए,

तो सांसारिक वासनाओं का अंत हो जाना चाहिए।

जिसके अंग में ही लिंग समाहित हो चुका है,

उस लिंगैक्य (शिवमय) जीव को भला भौतिक शरीर का मोह या आसक्ति कहाँ रहेगी?

उस परम विशाल सत्य को जानने वाले महान साधक को माया कहाँ से स्पर्श कर सकती है, हे चन्नमल्लिकार्जुन?

144.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

करुविन रूहू अरगिळियनोदिसुवंते,

ओदिसुवुडक्के जीवविल्ल केळुवुडक्के ज्ञानविल्ल।

चन्नमल्लिकार्जुनदेवय्या,

निम्मनरियदवन भक्ति करुविन रूहू आ अरगिळियनोदिसुवंते।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जैसे कोई पुतले (मूर्तिकला) के तोते को पढ़ाना चाहे,

पढ़ाने वाले पुतले में न जीव है और सुनने वाले तोते में न कोई समझ (ज्ञान)।

हे चन्नमल्लिकार्जुन देव,

आपको जाने बिना की जाने वाली भक्ति बिल्कुल वैसी ही है जैसे पुतले के तोते को पाठ पढ़ाना।

145.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कर्म सेलग हिडिदवरेके बिट्टपे तंदे।

कर्म घायइम्मैगोंडु नोंदे नोडय्य।

निम्म नंबिद नच्चिह मगळ बेंबिट्टरे एंतु

बदुकुवेनय्य, चन्नमल्लिकार्जुना ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

कर्मों ने जब मेरा आँचल पकड़ लिया है, तो हे पिता, आप मुझे क्यों छोड़ रहे हैं?

कर्म के आघातों से मुझे दोहरा घाव लगा है और मैं अत्यंत दुखी हूँ, देखिए हे प्रभु।

आप पर भरोसा और निष्ठा रखने वाली अपनी बेटी का यदि आप साथ छोड़ देंगे,

तो मैं कैसे जीवित रहूँगी, हे चन्नमल्लिकार्जुन?

146.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कर्मवेंब कदळि एनगे, कायवेंब कदळि निमगे।

माटवेंब कदळि बसवण्णंगे,

भाववेंब कदळि चन्नबसवण्णंगे।

बंद बंद भाव भले संदित्तु।

एन्नंगद अवसानव हेळा, चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

कर्मों का कदली वन मेरे लिए है, तो शरीर रूपी कदली वन आपके लिए है।

कर्म-सेवा (कायका) का कदली वन बसवण्णा के लिए है,

और शुद्ध भाव का कदली वन चन्नबसवण्णा के लिए है।

जो-जो भी भाव मन में आए, वे सब आप में विलीन हो गए।

अब मेरे इस भौतिक शरीर के अंत (मुक्ति) के बारे में बताइए, हे चन्नमल्लिकार्जुन!

147.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कल्याणकैलासवेंब नुडि हसनायित्तु।

ओळगू कल्याण होरगू कल्याण।

इदरंतुवनारु बल्लरय्या?

निम्म सत्य शरणरु सुळुहू तोरुत्तिदेयय्या।

निम्म शरणरु कांबेनेंब तवकवेनगायित्तु केळा

चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

"कल्याण ही कैलाश है" यह उक्ति सत्य सिद्ध हो गई है।

भीतर भी कल्याण (मंगल) है और बाहर भी कल्याण ही कल्याण है।

इस मर्म को कौन समझ सकता है, हे प्रभु?

यहाँ आपके सच्चे शरणों (भक्तों) की उपस्थिति और महिमा दिखाई दे रही है।

आपके शरणों के दर्शन करने की आतुरता मेरे मन में जाग उठी है, सुनो हे चन्नमल्लिकार्जुन!

148.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कल्ल तागिद मिट्टे केलक्के सारुवंते

आनु बल्लेनेंब नुडि सल्लदु।

लिंगदल्लि मरेदु मच्चिर्द मनवु

होरगे बीसरवोगदे?

उरे तागिद कोलु गरि तोरुवुदे?

मोरेदु बीसुव गाळि परिमळवनुंडंते बेरसबेकू

चन्नमल्लिकार्जुनय्यन।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जैसे पत्थर से टकराकर मिट्टी का ढेला एक तरफ बिखर जाता है,

वैसे ही "मैं सब जानता हूँ" ऐसा अहंकारपूर्ण वचन टिक नहीं सकता।

जो मन लिंग में पूरी तरह लीन और शांत हो चुका है,

क्या वह बाहर भटकने के लिए परेशान होगा?

ज़ोर से लगी छड़ी क्या कभी कोई सुंदरता दर्शाती है?

जैसे सनसनाती हवा सुगंध को अपने भीतर समेटकर बहती है, वैसे ही चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु में लीन हो जाना चाहिए।

149.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कल्ल होक्कडे कल्ल ब रिसिदे,

गिरिय होक्कडे गिरिय ब रिसिदे।

भापु संसारवे, बेन्निंद बेन्न हत्ति बंदे।

चन्नमल्लिकार्जुनय्या, इन्नेवेनिन्नेवे?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

यदि मैं किसी गुफा या पत्थर की शरण में गई, तो वहाँ पत्थरों की बौछार हुई;

यदि पर्वत की शरण में गई, तो वहाँ पूरा पर्वत ही टूट पड़ा।

अरे रे इस संसार की माया! तू मेरे पीछे-पीछे ही लगी चली आई।

हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, अब मैं आगे क्या करूँ, क्या करूँ?

150.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कल्लहोत्तु कडलोळगे मुळुगिदडे

ेडरिंगे कडेयुंटे अव्वा?

उंडु हसिवायित्तेंदडे भंगवेंबे।

कंड कंड़ ठाविनल्लि मन पेंदडे गंड

चन्नमल्लिकार्जुनय्यनेंतोलिवनव्वा ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

यदि कोई भारी पत्थर गले में बाँधकर समुद्र में कूद जाए,

तो क्या उसके दुखों का कोई अंत होगा, हे सखी?

भरपेट भोजन करने के बाद भी कहे कि भूख लगी है, तो यह तो लज्जास्पद बात है।

यदि मन हर देखी वस्तु और स्थान पर भटकता रहे,

तो स्वामी चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु उस पर कैसे कृपा करेंगे, हे सखी?

151.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कळनेरि इळिवुदु वीरंगे मतवल्ल।

शिवशरणंगे हिम्मेटुवुदु पथवल्ल।

मनदोडेय मनवनिंबुगोंबनय्या।

इरलागदु श्रीपर्वतव इळिदडे व्रतक्के भंग।

कळनेरि कैदु मरेदडे मारंक चन्नमल्लिकार्जुननिम्मैगाणलिरिवनु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

युद्ध के मैदान में उतरकर पीछे हटना शूरवीर का धर्म नहीं है।

शिवशरण (भक्त) के लिए कदम पीछे खींचना भक्ति का मार्ग नहीं है।

मन का स्वामी ईश्वर मन की दृढ़ता को ही स्वीकार करता है, हे प्रभु।

श्रीपर्वत (आध्यात्मिक ऊँचाई) से नीचे उतरना व्रत का भंग होना है।

युद्धक्षेत्र में उतरकर यदि हथियार चलाना भूल जाओगे, तो चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु पीठ पर ही वार कर देंगे।

152.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कळवळद मन तलेकेळगादुदव्व;

सुळिदु बीसुव गाळि उरियादुदव्व;

बेळुदिंगळु बिसियायित्तु केळदि।

होळल सुंकिगनंते तोळलुत्तिद्देनव्व ;

तिळुहा, बुद्धिय हेळि करेतारेलगव्व;

चन्नमल्लिकार्जुनंगे एरडर मुनिसव्व।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

व्याकुल मन बिल्कुल अस्त-व्यस्त (उल्टा) हो गया है, हे सखी!

मंद-मंद बहने वाली शीतल हवा आग की तरह जल रही है, हे सखी!

शीतल चाँदनी भी गर्म तवे जैसी लगने लगी है, हे सखी।

नगर के कर-वसूली करने वाले चुंगीदार की तरह मैं भटक रही हूँ, हे सखी;

जाओ, उन्हें समझाओ, ज्ञान की बात कहकर मेरे पास ले आओ, हे सखी;

चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु का यह क्रोध दोहरी अग्नि की तरह भड़क रहा है, हे सखी।

153.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

काणुत्त काणुत्त कंगळ मुच्चिदे नोडव्व।

केळुत्त केळुत्त मैमरेदोरगिदे नोडव्व।

हासिद हासिगेय हंगिल्लदे होयित्तु केळव्व।

चन्नमल्लिकार्जुनदेवरदेवन कूडुव कूटव

नानेनेंदरियदे मरेदे काणव्व।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

देखते ही देखते मैंने आँखें मूँद लीं, देखो हे सखी।

सुनते ही सुनते मैं सुध-बुध खोकर सो गई, देखो हे सखी।

बिछाए हुए बिछौने की चिंता और अपेक्षा ही खत्म हो गई, सुनो हे सखी।

देवों के देव चन्नमल्लिकार्जुन के साथ विलीन होने के उस परम मिलन में

मैं स्वयं को भी भूल गई, देखो हे सखी।

154.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

काम बल्लिदनेंदड़े उरुहि भस्मव माडिद।

काल बल्लिदनेंदड़े केडहि तुळिद।

एले अव्व, नीनु केळा ताये।

ब्रह्म बल्लिदनेंदड़े शिरव चिवुटियाडिद।

एले अव्व नीनु केळा ताये।

विष्णु बल्लिदनेंदड़े आकळ काय्दिरिसिद।

त्रिपुरद कोटे बल्लित्तेंदड़े

नोसलकंगळलुरुहिदनव्व।

इदु कारण, चन्नमल्लिकार्जुन गंडनेनगे,

जनन मरणक्कोळगागद बलुहनेन बण्णिपेनव्व।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

कामदेव को जब बहुत शक्तिशाली माना गया, तो उन्होंने उसे जलाकर भस्म कर दिया।

काल (मृत्यु) को बलवान माना गया, तो उसे पटककर पाँवों तले कुचल दिया।

अरे ओ माँ, तुम सुनो हे माँ।

ब्रह्मा को बलवान माना गया, तो उनका एक सिर मरोड़ दिया।

अरे ओ माँ, तुम सुनो हे माँ।

विष्णु को बलवान माना गया, तो उनसे गायें चरवाईं।

जब त्रिपुरासुर के किले शक्तिशाली थे, तो अपने तीसरे नेत्र की ज्वाला से उन्हें भस्म कर दिया।

इसी कारण, चन्नमल्लिकार्जुन ही मेरे पति हैं;

जन्म-मरण के चक्र से परे उनकी इस असीम शक्ति का बखान मैं कैसे करूँ, हे माँ?

155.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कामन तलेय कोरेदु, कालन कण्ण कळेदु,

सोम सूर्यर हुरिदु हुडिमाडि तिंबवळिंगे

नामवनिड़बल्लवरारु हेळिरे?

नी मदवळिगनागे ना मदवळिगित्तियागे

यमन कूडुव मरुतनंते नोडा श्रीगिरि चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जिसने कामदेव का मस्तक काट डाला, काल की आँखें फोड़ दीं,

और चंद्रमा तथा सूर्य को भूनकर धूल बनाकर खा लिया—ऐसी योगिनी को

कोई नाम देने में कौन समर्थ है, बताओ?

जब आप वर बन गए और मैं आपकी वधू बन गई,

तो हमारा यह मिलन यम को भी मिटा देने वाली प्रचंड पवन जैसा है, देखो हे श्रीगिरि चन्नमल्लिकार्जुन!

156.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कामवुळळवरिगे कायसंग मच्चु नोडा।

कामविल्लदवरिगे लिंगसंग मच्चु नोडा।

कामविकारि कायदत्त मुंतादड़े,

ना निम्मत्त मुंतादे। चन्नमल्लिकार्जुनय्या,

कामविकारिय संगव होद्दिदड़े निम्मणि।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

कामवासना रखने वालों को शारीरिक संबंध ही प्रिय होता है, देखो।

और कामवासना से रहित ज्ञानियों को लिंग (परमात्मा) का संग ही प्रिय होता है, देखो।

काम-विकारों से घिरा मनुष्य देह-सुख की ओर बढ़ता है,

परंतु मैं आपकी ओर अग्रसर हुई हूँ। हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु,

यदि मैं किसी काम-विकारी मनुष्य का संग करूँ, तो मुझे आपकी सौगंध है।

157.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कामिसि कल्पिसि कंदि कुंदिदेनव्व।

मोहिसि मुद्दिसि मरुळादेनव्व।

तेरोयदे तोरोयदे नलिदु नंबिदे नानु।

एन्न देव चन्नमल्लिकार्जुननेन्ननोल्लदड़े आनेवेनव्व?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

कामनाएँ करके और कल्पनाओं में उलझकर मैं क्षीण और दुखी हो गई, हे सखी।

मोहित होकर और लाड़ जताकर मैं पगली बन गई, हे सखी।

बिना किसी पर्दे और बिना किसी संकोच के मैंने आनंदित होकर उन पर विश्वास किया।

यदि मेरे प्रभु चन्नमल्लिकार्जुन मुझे स्वीकार न करें, तो मैं क्या करूँ, हे सखी?

158.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

काय कर्रने कंदिदड़ेनय्या?

काय मिर्रने मिंचिदड़ेनय्या?

अंतरंग शुद्धवाद बळिक चन्नमल्लिकार्जुनय्या

नीनोलिद कायवु हेगिद्दडेनय्या ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

यह शरीर काला पड़ जाए तो क्या, हे प्रभु?

यह शरीर कांतिमान होकर चमकने लगे तो क्या, हे प्रभु?

जब अंतःकरण ही शुद्ध हो गया, तब हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु,

जिस शरीर पर आपकी कृपा हो गई हो, वह कैसा भी रहे, उससे क्या फर्क पड़ता है, हे प्रभु?

159.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

काय प्रसादवेन्न, जीव प्रसादवेन्न, प्राण

प्रसादवेन्न, मनप्रसादवेन्न, धन प्रसादवेन्न,

भाव प्रसादवेन्न, सयदान प्रसादवेन्न,

समभोग प्रसादवेन्न। चन्नमल्लिकार्जुनय्या,

निम्म प्रसादव हासि होदिसिकोंडिप्पेनु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

मेरा यह शरीर आपका प्रसाद है, मेरी आत्मा आपका प्रसाद है, मेरे प्राण

आपका प्रसाद हैं, मेरा मन आपका प्रसाद है, मेरा धन आपका प्रसाद है,

मेरा भाव आपका प्रसाद है, मेरी सहज साधना आपका प्रसाद है,

और मेरा समभोग भी आपका ही प्रसाद है। हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु,

मैं आपके इस प्रसाद को ही बिछौना बनाकर ओढ़े बैठी हूँ।

160.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कायक्के नेळलागि काडित्तु माये।

प्राणक्के मनावागि काडित्तु माये।

मनक्के नेनहागि काडित्तु माये।

नेनहिंगे अरुहागि काडित्तु माये।

अरुहिंगे मरहागि काडित्तु माये।

जगद जंगुळिगे बेंगोलनेत्ति काडित्तु माये।

चन्नमल्लिकार्जुना, नीनोड्डिद मायेयनारिगू गेलबारदु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

शरीर के लिए छाया बनकर माया ने सताया।

प्राण के लिए मन बनकर माया ने सताया।

मन के लिए स्मृति (विचार) बनकर माया ने सताया।

स्मृति के लिए चेतना (ज्ञान) बनकर माया ने सताया।

और चेतना के लिए भूल (अज्ञान) बनकर माया ने सताया।

संसार की भीड़ पर माया छड़ी उठाकर प्रहार करती रही और सताती रही।

हे चन्नमल्लिकार्जुन, आपकी बिछाई इस माया के जाल को जीत पाना किसी के लिए भी संभव नहीं है।

161.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कायद कळवळव केडिसि, मनद मायेयनु माणिसि,

एन्न हरणव मेलेत्ति सलहिदेयय्या।

शिवशिवा, एन्न भवबंधनव बिडिसि,

निम्मत्त तोरिद घनवनुपमिसबारदय्या।

इरुळोसरिसिद जक्कवक्कियंते

नानिंदु निम्म श्रीपादवनिंबुगोंडु

सुखदोळोलाडुवेनय्या, चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

शरीर की व्याकुलता को दूर कर, मन की माया को समाप्त कर,

आपने मेरी चेतना (प्राण) को ऊपर उठाकर मेरी रक्षा की, हे प्रभु।

शिव-शिव! मेरे संसार के बंधनों को छुड़ाकर,

अपनी ओर जो परम रूप दिखाया है, उसकी उपमा किसी से नहीं दी जा सकती, हे प्रभु।

रात बीत जाने पर चक्रवाक पक्षी की तरह

आज मैं आपके श्रीचरणों का आश्रय लेकर

परम सुख में सराबोर हो रही हूँ, हे चन्नमल्लिकार्जुन!

162.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कायद कार्पण्यवरतित्तु, करणंगळ कळवळवळिदित्तु।

मन तन्न तार्कणेय कंडु तळवेळगादुदु।

इन्नेवेनिन्नेवेनय्या? निम्म शरणर श्रीपादव

कंडल्लदे बयके बयलागदु।

इन्नेवेनिन्नेवेनय्या चन्नमल्लिकार्जुना ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

शरीर की संकीर्णता व दीनता मिट गई, इंद्रियों की व्याकुलता शांत हो गई।

मन अपनी वास्तविक आत्मा (लक्ष्य) को पाकर विस्मित और प्रकाशित हो उठा।

अब मैं क्या करूँ, क्या करूँ हे प्रभु? आपके शरणों (सच्चे भक्तों) के श्रीचरणों

के दर्शन किए बिना मेरी यह लालसा शांत (निराकार) नहीं हो सकती।

अब मैं क्या करूँ, क्या करूँ हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु?

163.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कायद नुंपनोब्ब कंडु बयसिदनु।

अवंगे मांसव बेलेमाडिकोडुवेनु।

एन्न प्राणदोडेयंगे एन्न हृदयव सूरेगोडुवेनु

चन्नमल्लिकार्जुनदेवय्यनु

मुनिदु भविगे मारिदडे होलबुगेडदिरा मनवे।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

एक व्यक्ति ने इस शरीर की सुंदरता को देखकर इसकी इच्छा की।

उसे तो मैं इस माँस के ढेर को मोल-भाव करके दे दूँगी।

पर अपने प्राणों के स्वामी को तो मैं अपने हृदय का ही समर्पण करूँगी।

यदि चन्नमल्लिकार्जुन देव

क्रोधित होकर मुझे किसी संसारी (भवी) को बेच भी दें, तब भी हे मन, तू अपना मार्ग मत भटकना।

164.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कायदोळगे अकायवायित्तु।

जीवदोळगे निर्जीववायित्तु।

भावदोळगे निर्भाववायित्तु।

एन्न मनदोळगे घन नेनहायित्तु।

एन्न भले मोलेगळ नोडि सलहिदिरागि

चन्नमल्लिकार्जुनय्यन धर्मदवळानु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

शरीर के भीतर अशरीरी (अकाय) अवस्था प्राप्त हो गई।

जीव के भीतर जीव-भाव (अहंकार) समाप्त हो गया।

भाव के भीतर भावना-रहित (निर्भाव) अवस्था आ गई।

मेरे मन में परमेश्वर (घन) का ही अखंड स्मरण बस गया।

आपने मेरे शीश और वक्ष (शिशु रूप) को देखकर मेरी रक्षा व पालन-पोषण किया है,

इसलिए मैं चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु की ही धर्म-पुत्री हूँ।

165.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कायविकारिगे कायक्के मेच्चिदे।

वायद सुख निन्नगे मुंदे नरकवेंदिये।

देवर देवंगे वंदिसहोदरे बायबिडदिरु,

कैविडिदु सेळेयदिरु। चन्नमल्लिकार्जुनन पादक्केरगुव

भरवेनगे मरुळे।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

हे काम-विकारी मनुष्य, तू केवल इस भौतिक शरीर पर रीझा हुआ है।

क्या तू नहीं जानता कि यह क्षणभंगुर सुख आगे चलकर तेरे लिए नरक बनेगा?

जब मैं देवों के देव की वंदना करने जा रही हूँ, तो मुझे पुकारकर मत रोक,

मेरा हाथ पकड़कर मत खींच! अरे मूर्ख, मुझे तो

चन्नमल्लिकार्जुन के चरणों में सर्वस्व अर्पित करने की तीव्र उत्कण्ठा है।

166.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

किच्चिल्लद बेगेयल्लि बेंदेनव्व।

ेरिल्लद गायदल्लि नोंदेनव्व।

सुखविल्लदे धावतिगोंडेनव्व।

चन्नमल्लिकार्जुनदेवंगोलिदु बारद भवंगळल्लि बंदेनव्व।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

बिना आग की जलन (विरहाग्नि) में मैं जल गई, हे सखी।

बिना किसी शारीरिक चोट के घाव से मैं तड़प उठी, हे सखी।

बिना किसी सुख के मैं अत्यंत व्याकुल व संतप्त हो गई, हे सखी।

चन्नमल्लिकार्जुन देव का प्रेम न पाने के कारण मैं बार-बार इन जन्म-मरण के फेरों में पड़ी, हे सखी।

167.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

किडि किडि केदरिदडे एनगे हसिवु तृषेयडगित्तेंबेनु।

मुगिलु हरिदु बिद्दडे एनगे मज्जनक्केरेदरेंबेनु।

गिरि मेले बिद्दडे एनगे पुष्पवेंबेनु।

चन्नमल्लिकार्जुनय्या, शिर हरिदु बिद्दडे प्राण निमगर्पितवेंबेनु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

यदि मुझ पर चिंगारियाँ छिटक कर गिरें, तो मैं कहूँगी कि मेरी भूख और प्यास शांत हो गई।

यदि आकाश फट कर गिर पड़े, तो मैं कहूँगी कि मेरे स्नान के लिए जल बरसरहा है।

यदि पहाड़ मुझ पर गिर पड़े, तो मैं कहूँगी कि मुझ पर फूल बरस रहे हैं।

हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, यदि मेरा सिर कटकर गिर पड़े, तो भी कहूँगी कि मेरा प्राण आपको ही समर्पित है।

168.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

किरियराहुदरिदल्लदे, हिरियराहुदरिदल्ल

नोडा ! [भवियाहुदरिदल्लदे] भक्तनाहुदरिदल्ल

नोडा। कुरुहाहुदरिदल्लदे, निराळाहुदरिदल्ल

चन्नमल्लिकार्जुनय्या?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

छोटे होना कठिन है, बड़े (महान) बन जाना कठिन नहीं है,

देखो! संसारी (भवी) बनना कठिन है, सच्चा भक्त बनना कठिन नहीं है,

देखो! किसी रूप-प्रतीक में उलझना आसान है, परंतु उस निराकार (परम शून्य) में लीन हो जाना कठिन नहीं है,

क्या यह सच नहीं है, हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु?

169.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कीडि तुंबिय हंबलदिंद तुंबियागि

तन्न बिडलुंटे अय्या? आनु निम्म नेनेदु

एन्न करतुंबि, एन्न मनतुंबि, एन्न भावतुंबि, मत्तिल्लदे निन्न

कूटद सविगलेयनेंतु काणुवेनय्या चन्नमल्लिकार्जुना?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जैसे कीड़ा भंवरे का निरंतर ध्यान करते-करते स्वयं भंवरा बन जाता है,

तो क्या वह अपना मूल रूप नहीं छोड़ देता, हे प्रभु? मैं भी आपका निरंतर स्मरण करके

अपने हाथों में, अपने मन में और अपने संपूर्ण भाव में केवल आपको ही भर चुकी हूँ; आपके सिवा कुछ शेष नहीं रहा।

फिर आपके साथ इस परम मिलन के अमृतमयी रस का आस्वादन मैं अलग रहकर कैसे करूँ, हे चन्नमल्लिकार्जुन?

170.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कुलगिरिय शिखरद मेले बाळे बेळेवुदय्या◌े◌ंदडे,

बाळे बेळेवुदय्याएनबेकु।

ओरेगल्ल नुग्गुगुट्टि मेलबहुदय्या◌े◌ंदडे,

अदु अत्यंत मृदु मेलबहुदय्याएनबेकु।

सिक्कद ठाविनल्लि उचितव नुडिवुदे कारण

चन्नमल्लिकार्जुन-[य्या] मर्त्यक्के बंदुदक्किदे गेलवु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

यदि कोई कहे कि कुलपर्वत की चोटी पर केला उग सकता है,

तो 'हाँ प्रभु, केला उग सकता है' ही कहना चाहिए।

यदि कोई कहे कि कसौटी के पत्थर को पीसकर चबाया जा सकता है,

तो 'हाँ प्रभु, वह बहुत कोमल है और चबाया जा सकता है' ही कहना चाहिए।

विषम परिस्थितियों और मूर्खों के स्थान पर भी उचित व शांत वचन बोलना ही

हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, इस मृत्युलोक में जन्म लेने की असली विजय है।

171.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कुलमदवेंबुदिल्ल अयोनिसंभवनागि,

छलमदवेंबुदिल्ल प्रतिदोरनागि,

धनमदवेंबुदिल्ल त्रिकरण शुद्धनागि,

विद्यामदवेंबुदिल्ल असाध्यव साधिसिदनागि।

मत्ताव मदवेंबुदिल्ल नीनवग्रहिसिद कारण,

चन्नमल्लिकार्जुनय्या, निम्म शरणनु अकाय चरित्रनागि।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

अयोनिज (अयोनिसंभव) होने के कारण उसमें कुलाभिमान (जाति का अहंकार) नहीं है।

विरोधी न होने के कारण उसमें हठ या छल का अहंकार नहीं है।

मन, वचन और कर्म से शुद्ध होने के कारण उसमें धन का अहंकार नहीं है।

असाध्य को साध लेने पर भी उसमें विद्या या ज्ञान का अहंकार नहीं है।

चूँकि आपने उस पर अपनी अनुकम्पा की है, इसलिए उसमें अन्य कोई भी अहंकार शेष नहीं रहा।

हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, आपका शरण (भक्त) शरीर के बंधनों से परे और निष्कलंक चरित्र वाला बन गया है।

172.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कूडि कूडुव सुखदिंद

ओप्पच्चि अगलि कूडुव सुख लेसु, केळदि?

ओच्चोत्तगलिदडे काणदिरलारे। एन्न

देव चन्नमल्लिकार्जुननगलियग्लद सुखवेंदप्पुदो ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

निरंतर साथ रहने के सुख से,

क्या पल भर के लिए बिछुड़कर फिर मिलने का सुख बेहतर है, हे सखी?

एक क्षण के लिए भी यदि वियोग हो जाए तो मैं देखे बिना नहीं रह सकती।

मेरे प्रभु चन्नमल्लिकार्जुन के साथ कभी न समाप्त होने वाले नित्य मिलन का सुख मुझे कब प्राप्त होगा?

173.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

केंडद शवदंते, सूत्र तप्पिद बोंबेयंते,

जलवरत तटाकदंते, बेंद नुलियंते

मत्ते हिंदणंगवुंटे अण्णा, चन्नमल्लिकार्जुनंगवे

आश्रयवादवळिगे ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

अंगारों पर जलकर राख हुए शव की भाँति, धागा टूटी हुई कठपुतली की भाँति,

सूखे हुए तालाब की भाँति, और जली हुई रस्सी की भाँति—

क्या उस आत्मा का फिर से पुराना भौतिक शरीर लौट सकता है हे भाइयों, जिसने

चन्नमल्लिकार्जुन के दिव्य श्रीचरणों व रूप का आश्रय ले लिया है?

174.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

केच्चिल्लद मरन क्रिमि इंबु गोंबंते,

ओडेयनिल्लद मनेय शुनक संचु गोंबंते,

नृपतियिल्लद देशव मन्नेयरिंबु गोंबंते,

निम्म नेनहिल्लद शरीरव भूत प्रेत

पिशाचिगळिंबु गोंबंते चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जैसे भीतर से खोखले (बिना सार वाले) पेड़ में कीड़े अपना घर बना लेते हैं,

जैसे बिना मालिक के घर में आवारा कुत्ते घुस आते हैं,

जैसे बिना राजा के देश को छोटे-मोटे सामंत लूट लेते हैं—

वैसे ही, हे चन्नमल्लिकार्जुन, आपके स्मरण से रहित शरीर पर भूत, प्रेत और पिशाच अपना अधिकार जमा लेते हैं।

175.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

केडदिरे केडदिरे मृडनडिय हिडियिरे।

दृढ़वल्ल नोडिरे निम्मोडलु।

दृढ़वल्ल नोडिरे संसारसुखवु।

चन्नमल्लिकार्जुन बरेद अक्षरवु तोडेयद मुन्न

बेग बेग शिवशरणेन्नि।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

अपने आप को नष्ट मत करो, नष्ट मत करो; शिव (मृड) के चरणों को पकड़ लो।

देखो, तुम्हारा यह शरीर स्थायी (दृढ़) नहीं है।

देखो, यह सांसारिक सुख भी क्षणभंगुर है।

चन्नमल्लिकार्जुन द्वारा लिखी गई आयु की रेखा मिटे, उससे पहले

शीघ्र से शीघ्र अपने आप को शिव के चरणों में समर्पित कर दो!

176.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

केत्तिद तिगुडु हत्तूदे मुन्निनंते?

एरिण तप्पिदललि गुणवनरसुवरे?

सक्करे हालु तुप्प एंदरे

कप्प कंडल्लि मन हिडिवुदे?

कर्तृवे चन्नमल्लिकार्जुनय्या सत्तवरु मरळि तक्कैसिकोंबरे।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

क्या छिला हुआ छिलका फिर से पहले की तरह चिपक सकता है?

यदि कोई धर्म के मार्ग से भटक जाए, तो क्या उसमें गुणों की खोज की जा सकती है?

जिसने शक्कर, दूध और घी का स्वाद चक लिया हो,

क्या उसका मन कभी कड़वे स्वाद की ओर आकर्षित होगा?

हे सृष्टिकर्ता चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, जो सांसारिक वासनाओं के लिए मर चुके हैं, क्या वे फिर कभी इन मोह-मायवी बंधनों को स्वीकार करेंगे?

177.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

केळव्व केळव्व केळदि नानोंदु कन सकंडे।

गिरियेमेलोब्ब गोरव कुळिळर्दुद कंड़े।

गिरियेंबुदु सिरिशैल गोरवने चन्नमल्लिकार्जुननु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

सुनो हे सखी, सुनो हे सखी! मैंने एक सपना देखा।

पर्वत के ऊपर मैंने एक साधु (गोरव) को बैठे हुए देखा।

वह पर्वत श्रीशैल था, और वह साधु स्वयं चन्नमल्लिकार्जुन ही थे!

178.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

केळव्व केळव्व केळदि नानोंदु कनसुव कंड़े।

गिरियेमेलोब्ब गोरव कुळिळर्दुद कंड़े चिक्क

चिक्क जडेगळ सुलिपल्ल गोरवनु बंदेन्न नेरेद नोडव्व

ातननप्पिकोंडु तळवेळगादेनु। चन्नमल्लिकार्जुनन

कंड्डु कण्णु मुच्चि तेरेदु तळवेळगादेनु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

सुनो हे सखी, सुनो हे सखी! मैंने एक सपना देखा।

पर्वत पर एक साधु को बैठे देखा; छोटी-छोटी जटाओं और चमकते दाँतों वाला वह साधु आकर मुझसे मिला, देखो हे सखी!

उन्हें गले लगाकर मैं असीम आनंद और विस्मय से भर गई।

चन्नमल्लिकार्जुन के दर्शन पाकर, पलक झपकाते ही मैं परम ज्योति और शांति से भर गई।

179.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कैय धनव कोंडडे, मैय भाषेय कोळबहुदे?

उट्ट उडुगेय सेळेदुकोंडरे,

मुच्चि मुसुकिद निर्वाणव सेळेयबहुदे?

नोडुविरि एले अण्णगळिरा,

कुलवळिदु छलवळिदु भवगेट्टु भक्तेयादवळ।

एन्ननेके नोडुविरि एले तंदेगळिरा,

चन्नमल्लिकार्जुनन कूडि कुलवळिदु छलवुळिदवळनु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

यदि मेरे हाथों का धन छीन लोगे, तो क्या मेरे शरीर के संकल्प और नियम को छीन सकते हो?

यदि मेरे पहने हुए वस्त्र छीन लोगे, तो क्या मेरी ढकी हुई आभ्यांतरिक नग्नता (पवित्रता) को छीन सकते हो?

ओ भाइयों! तुम उस स्त्री को क्या घूर रहे हो, जिसने जाति-पात, अहंकार और संसार के मोह को त्यागकर केवल भक्ति को चुना है?

हे पूज्यजनों, मुझे क्यों देखते हो, जब मैं चन्नमल्लिकार्जुन में विलीन होकर अपने कुल का अभिमान छोड़कर सत्य के पथ पर दृढ़ खड़ी हूँ?

180.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कैय संकलेय कळदेयल्ला!

काल सुत्तिद पाशव हरिदेयल्ला!

सुत्ति मुत्तिर्द भलेय कुणिकेयिंद होरवडिसिदेयल्ला!

चन्नमल्लिकार्जुना, नीनु कोट्टवधि तुंबुव मुन्न मुटुवे निम्मनु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

आपने मेरे हाथों की हथकड़ियों (बंधनों) को काट दिया!

आपने मेरे पैरों में बंधे हुए पाश (रस्सियों) को तोड़ दिया!

चारों ओर घिरे हुए इस मायाजाल के फंदे से आपने मुझे बाहर निकाल लिया!

हे चन्नमल्लिकार्जुन, आपने जो समय (आयु) मुझे दिया है, उसके समाप्त होने से पूर्व ही मैं आप में लीन हो जाऊँगी।

181.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कैसिरिय दंडव कोळबहुदल्लदे,

मैसिरिय दंडव कोळलुंटे?

उट्टंतह उडिगे तोडिगेयनेल्ल सेळेदुकोळबहुदल्लदे,

मुच्चिर्द मुसुकिर्द निर्वाणव सेळेदुकोळबहुदे?

चन्नमल्लिकार्जुनदेवर बेळगनुटु लज्जेगेट्टवळिगे

उडुगे तोडुगेय हंगेको मरुळे?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

हाथों की संपत्ति का दंड (छीना जाना) लिया जा सकता है,

परंतु क्या शरीर के गौरव का दंड लिया जा सकता है?

पहने हुए वस्त्रों और आभूषणों को तो छीना जा सकता है,

परंतु ढकी हुई और छिपी हुई आत्मा की नग्नता (पवित्रता) को क्या कोई छीन सकता है?

चन्नमल्लिकार्जुन देव के दिव्य प्रकाश को ही वस्त्र बनाकर ओढ़ने वाली मुझ लज्जा-रहित भक्तिमती के लिए

सांसारिक वस्त्रों और आभूषणों की क्या चिंता, अरे मूर्ख?

182.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कोळल दनिगे सर्प तलेदूगिदडेनु,

ओळगण विषद बयके बिडदन्नक्क?

हाडिदडेनु, केळिदडेनु,

तन्नलुळळ अवगुण बिडदन्नक्क?

ओळगनरिदु होरगे मरेदवर नी एनगे तोरय्या चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

बांसुरी की धुन पर सर्प के फन हिलाने से क्या लाभ,

जब तक कि उसके भीतर की विषैली भावना दूर न हो?

भजन गाने या सुनने से क्या लाभ,

जब तक कि मनुष्य अपने भीतर के दुर्गुणों का त्याग न करे?

जो भीतर के सत्य को जानकर बाहर के ढोंग को भूल चुके हैं, हे चन्नमल्लिकार्जुन, मुझे ऐसे ही सच्चे शरणों के दर्शन कराइए।

183.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

कोल तुदिय कोडगदंते,

नेण तुदिय बोंबेयंते,

आडिदेनय्या नीनाडिसिदंते,

आनु नुडिदेनय्या नी नुडिसिदंते,

आनु इद्देनय्या नीनु इरिसिदंते,

जगद यंत्रवाहक चन्नमल्लिकार्जुन साकेंबन्नक्क।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

लाठी के सिरे पर नाचते बंदर की भाँति,

और डोर से बंधी कठपुतली की भाँति,

जैसे आपने नचाया, वैसे ही मैं नाची, हे प्रभु;

जैसा आपने बुलवाया, वैसा ही मैं बोली, हे प्रभु;

जैसे आपने रखा, वैसे ही मैं रही, हे प्रभु;

इस जगत् के सूत्रधार चन्नमल्लिकार्जुन, जब तक आप न कहें कि 'बस, अब बहुत हुआ'।

184.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

क्रियेगळु मुटलरियवु,

निम्मनेंतु पूजिसुवे?

नाद बिंदुगळु मुटलरियवु,

निम्मनेंतु हाडुव?

काय मुटुवडे काणबारद घनवु,

निम्मनेंतु करस्थलदल्लि धरिसुव?

चन्नमल्लिकार्जुनय्या, नानेनेंदरियदे निम्म नोडि

नोडि सैवेरगागुतिर्देनु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

साधारण कर्मकांडी क्रियाएँ आपको छू भी नहीं सकतीं,

मैं आपकी पूजा कैसे करूँ?

नाद और बिंदु भी आपको स्पर्श नहीं कर सकते,

मैं आपके गुण कैसे गाऊँ?

शरीर के स्पर्श से परे और असीम विशाल परमेश्वर,

आपको मैं अपने करस्थल (हथेली) पर कैसे धारण करूँ?

हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, मुझे समझ नहीं आता कि मैं क्या कहूँ,

मैं तो बस आपको देख-देखकर विस्मय और आश्चर्य से भर रही हूँ।

185.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

क्रीयुळळडंतोंदासे,

सद्भक्तर नुडिगडणुळळडंतोंदासे,

श्रीगिरियेनिरि निम्म बेरसिदडे एन्नासेगे कडेये अय्या

आवासेयू इल्लदे निम्म नंबि बंदु केट्टेिनय्या

चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जब तक क्रिया और साधना का भाव था, तब तक एक आशा थी;

सच्चे भक्तों के वचनों का समागम था, तब तक एक इच्छा थी;

श्रीशैल पर्वत पर चढ़कर आप में लीन हो जाने की मेरी लालसा की कोई सीमा न थी, हे प्रभु।

परंतु अब किसी भी सांसारिक वासना के बिना आप पर भरोसा करके आई, फिर भी क्या मैं व्यर्थ हो गई,

हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु?

186.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

गंगेयोडाडाडिद घट्ट बेट्टंगळु केट्ट केड नोडिरय्या।

अग्नियोडाडाडिद काष्ठंगळु केट्ट केड नोडिरय्या।

ज्योतियोडाडाडिद कत्तले केट्ट केड नोडिरय्या।

ज्ञानियोडाडाडिद अज्ञानी केट्ट केड नोडिरय्या।

एले परशिवमूर्ति हरने,

निम्म जंगमलिंगदोडाडि एन्न भवादि भवंगळु

केट्ट केड नोडा, चन्नमल्लिकार्जुना ।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

गंगा के संपर्क में आने से चट्टानों और पहाड़ों का अस्तित्व कैसे बह गया, देखो हे प्रभु!

अग्नि के संपर्क में आने से सूखी लकड़ियों का विनाश कैसे हो गया, देखो हे प्रभु!

प्रकाश (ज्योति) के आते ही अंधकार का नाश कैसे हो गया, देखो हे प्रभु!

ज्ञानी के संग से अज्ञानी का अज्ञान कैसे मिट गया, देखो हे प्रभु!

हे सदाशिव रूप हर!

आपके जंगम-लिंग (सच्चे संतों) के संग से मेरे जन्म-मरण का यह भय कैसे नष्ट हो गया, देखो हे चन्नमल्लिकार्जुन!

187.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

गंड नीनु हेंडतियानु मत्तोब्बरिल्लय्या।

निन्न बेंबळियालानु मेच्चिबंदे।

कंडकंडवरेल्ल बलुहिंद कैहिडिदरे,

गंडा, निनगे सैरणेयंतायित्तु हेळा? चन्नमल्लिकार्जुनय्या,

निन्न तोळ मेलणवळनन्यरेळदोय्यवरे नोडुतिहुदुचितवे

करुणिगळरसा?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

आप मेरे पति हैं और मैं आपकी पत्नी हूँ, हमारे बीच कोई तीसरा नहीं है, हे प्रभु।

मैं आपके प्रेम और भक्ति के मार्ग पर रीझकर आई हूँ।

यदि राह चलते लोग जबरदस्ती मेरा हाथ पकड़ें,

तो हे स्वामी, आप इसे कैसे सहन कर रहे हैं, बताइए? हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु,

आपकी बाँहों में रहने वाली वधू को अन्य लोग खींचकर ले जाएँ और आप देखते रहें, क्या यह उचित है, हे दया के सागर?

188.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

गंड मनेगे ओडेयनल्ल;

हेंडति मनेगे ओडतिये? ओडतियल्ल।

गंडहेंडिर संबंधविल्लय्या।

गंडुगलिये चन्नमल्लिकार्जुना नी

मनेयोडेयनेंदु ना दुडिवे तोत्तुगेलसवनु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

यह सांसारिक पति घर का असली स्वामी नहीं है;

और पत्नी भी घर की स्वामिनी नहीं है।

सांसारिक पति-पत्नी का कोई शाश्वत संबंध नहीं होता, हे प्रभु।

हे परम शूरवीर चन्नमल्लिकार्जुन, आप ही

इस संपूर्ण संसार रूपी घर के स्वामी हैं, इसीलिए मैं आपकी दासी बनकर सेवा करती हूँ।

189.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

गगनद गुंप चंद्रमा बल्लुदल्लदे,

कडेयलिद्दाडुव हद्दु बल्लुदे अय्या?

नदिय गुंप तावरे बल्लुदल्लदे,

कडेयलिद्द होन्नाव रिके बल्लुदे अय्या?

पुष्पद परिमळव तुंबी बल्लुदल्लदे,

कडेयलिद्दाडुव नोरजु बल्लुदे अय्या?

चन्नमल्लिकार्जुनय्या, निम्म शरणर निलव नीवे बल्लिरल्लदे,

ई कोणन मैमेलण सोळळेगळेत्त बल्लवय्या?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

आकाश की ऊँचाई और विस्तार को चंद्रमा जानता है,

क्या किनारे पर मँडराने वाली चील जान सकती है, हे प्रभु?

नदी की गहराई को कमल समझता है,

क्या किनारे पर उगने वाली जंगली घास समझ सकती है, हे प्रभु?

फूल की सुगंध को भंवरा पहचानता है,

क्या आसपास मँडराने वाला छोटा मच्छर पहचान सकता है, हे प्रभु?

हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, आपके शरणों (भक्तों) की महानता को केवल आप ही जानते हैं,

भैंसे के शरीर पर बैठने वाली ये मक्खियाँ उस महिमा को क्या जानें?

190.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

गट्टिदुप्प तिळिदुप्पक्के हंगुंटे अय्या ?

दीपक्के दीप्तिगे भेदवुंटे अय्या ?

अंगक्के आत्मंगे भिन्नवुंटे अय्या ?

एन्नंगवनु श्रीगुरु मंत्रवमाडि तोरिदनागि,

सावयक्कू निरवयक्कू भिन्नविल्लवय्या।

चन्नमल्लिकार्जुनदेवर बेरसि मतिगेट्टवळनेतक्के नुडिसुविरय्या ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

क्या जमे हुए घी और पिघले हुए घी में कोई भेद या निर्भरता है, हे प्रभु?

क्या दीपक और उसके प्रकाश में कोई अंतर होता है, हे प्रभु?

क्या शरीर और आत्मा में कोई भिन्नता है, हे प्रभु?

जब श्रीगुरु ने मेरे शरीर को ही मंतरित करके पवित्र बना दिया,

तो साकार और निराकार में कोई भेद शेष नहीं रहा।

चन्नमल्लिकार्जुन देव में लीन होकर सुध-बुध खो चुकी मुझ भक्तिमती से भला तुम क्या बुलवाना चाहते हो?

191.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

गिरियल्लदे हुल्लुमोरडियल्लाडुवुदे नविलु?

कोळक्कल्लदे किरुवळळक्केळसुवुदे हंसे?

मामर तळितल्लदे सरगैवुदे कोगिले?

परिमळविल्लद पुष्पक्केळसुवुदे भ्रमर?

एन्न देव चन्नमल्लिकार्जुनंगल्लदे

अन्यक्केळसुवुदे एन्न मन ? पेळिरे, केळदियरिरा ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

क्या मयूर पर्वत की ऊँचाइयों को छोड़कर छोटे घास के टीलों पर नाचता है?

क्या हंस बड़े सरोवर को छोड़कर छोटी नाली के जल की इच्छा करता है?

क्या कोयल आम के वृक्ष में नई कोंपले फूटे बिना मधुर गान करती है?

क्या भंवरा बिना सुगंध वाले फूल की ओर आकर्षित होता है?

मेरे प्रभु चन्नमल्लिकार्जुन को छोड़कर

क्या मेरा मन किसी अन्य की ओर खिंच सकता है? बताओ न, ओ सखियों!

192.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

गिरियोळु मनदोळु गिडगिडदत्त देव,

एन्नदेव, बारय्या, तोरय्या निम्म

करुणवनेंदु, नानू अरसुत्त अळलुत्त

काणदे सुयिदु बंदु कंड़े। शरणर

संगदिंद अरसि हिडिदिहेनिंदु नीनडगुव ठाव हेळा चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

पर्वत में, अपने मन में, और पेड़-पौधों के पास—

'हे मेरे प्रभु, आइए, मुझ पर अपनी कृपा दर्शाइए' ऐसा कहकर

मैं आपको खोजती रही, रोती रही, और जब आप न दिखे तो ठंडी आहें भरते हुए वापस आई।

आज शिवशरणों (सच्चे भक्तों) के संग से मैंने आपको खोजकर पा लिया है; अब बताइए, आप कहाँ छिपेंगे, हे चन्नमल्लिकार्जुन?

193.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

गुण दोष संपादनय माडुवन्नक्क

कामद ओडलु, क्रोधद गोत्तु, लोभद इक्के,

मोहद मंदिर, मददावरण, मत्सरद होदके।

आ भाववरतल्लदे चन्नमल्लिकार्जुनन अरिवुदक्के इंबिल्ल काणिरण्णा।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जब तक मनुष्य केवल सांसारिक गुण और दोषों का ही आकलन करता रहता है,

तब तक उसका शरीर काम का निवास, क्रोध का केंद्र, लोभ का भंडार,

मोह का मंदिर, अहंकार का आवरण और मत्सर (ईर्ष्या) की चादर बना रहता है।

जब तक ये विकार शांत नहीं होते, तब तक चन्नमल्लिकार्जुन को जानने का कोई स्थान नहीं है, हे भाइयों!

194.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

गुरु तन्न विनोदक्के गुरुवाद

गुरु तन्न विनोदक्के लिंगवाद

गुरु तन्न विनोदक्के जंगमवाद

गुरु तन्न विनोदक्के पादोदकवाद

गुरु तन्न विनोदक्के प्रसादवाद

गुरु तन्न विनोदक्के विभूतियाद

गुरु तन्न विनोदक्के रुद्राक्षियाद

गुरु तन्न विनोदक्के महामंत्रवाद।

इंती भेदवनरियदे,

गुरु लिंग जंगम पादतीर्थ प्रसाद विभूति रुद्राक्षि

ॐ नमः शिवायेंब मंत्रव बेरिटु अरियबारदु।

अदल्लदे ओंद रल्लीयू विश्वास बेरादडे

अंगैयल्लिर्द लिंगवु जारित्तु।

माडिद पूजेगे किंचित्तु फलपदविय कोटु

भवहेतुगळ माडुवनय्या।

इष्टलिंगदल्लि नैष्ठे नटु बिटु त्रिविधव मरळि हिडियदे

विरक्तनादनय्या गुरु चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

गुरु ने अपनी ही लीला (विनोद) के लिए गुरु का रूप धारण किया,

गुरु अपनी ही लीला से लिंग बने,

गुरु अपनी ही लीला से जंगम (गतिशील संत) बने,

गुरु अपनी लीला से पादोदक, प्रसाद,

विभूति, रुद्राक्ष और महामंत्र बने।

इस अभेद सत्य को जाने बिना

गुरु, लिंग, जंगम, पादोदक, प्रसाद, विभूति, रुद्राक्ष

और 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र को एक-दूसरे से अलग करके नहीं देखना चाहिए।

यदि इनमें से किसी एक में भी निष्ठा अलग हुई, तो हथेली पर रखा इष्टलिंग हाथ से छूट जाता है।

तब प्रभु की गई पूजा का केवल थोड़ा-सा फल देकर जीव को पुन: संसार-चक्र में बाँध देते हैं।

इष्टलिंग में निष्ठा जमाकर, बिना भटके जो एकाग्र हो जाता है, वही सच्चा विरक्त है, हे गुरु चन्नमल्लिकार्जुन!

195.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

गुरुपादतीर्थवे मंगल मज्जनवेनगे।

विभूतिये ओळगुंददरिषिणवेनगे

दिगंबरवे दिव्यांबरवेनगे।

शिवभक्तर पादरेणुवे अनुलेपनवेनगे।

रुद्राक्षिये मैतोडिगेयेनगे।

शरणर पादरक्षिये शिरदल्लि तोंडिलुबासिगवेनगे।

चन्नमल्लिकार्जुनन मदवळिगेगे बेरे शृंगारवेके हेळिरे अव्वगळिरा?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

गुरु के पादोदक से स्नान ही मेरा मंगल स्नान है।

अक्षय विभूति ही मेरे लिए हल्दी का लेप है।

दिशाएँ ही मेरे लिए दिव्य वस्त्र (दिगंबर) हैं।

शिवभक्तों के चरणों की धूल ही मेरा अंगराग (चंदन) है।

रुद्राक्ष ही मेरे शरीर के आभूषण हैं।

शरणों की चरणपादुकाएँ ही मेरे मस्तक पर बंधा हुआ विवाह का सेहरा हैं।

चन्नमल्लिकार्जुन की इस दुल्हन को किसी अन्य बाहरी श्रृंगार की क्या आवश्यकता है, बताओ ओ माताओं?

196.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

गुरुविन करुणदिंद लिंगव कंड़े, जंगमव कंड़े।

गुरुविन करुणदिंद पादोदकव कंड़े, प्रसादव कंड़े।

गुरुविन करुणदिंद सज्जन सद्भक्तर सदगोष्ठिय कंड़े।

चन्नमल्लिकार्जुनय्या,

ना हुट्टलोडने श्रीगुरु विभूतिय पट्टव कट्टि

लिंगस्वायतव माडिदनागि धन्यळादेनु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

गुरु की कृपा से ही मैंने लिंग के दर्शन किए, जंगम को पहचाना।

गुरु की कृपा से ही मैंने पादोदक प्राप्त किया और प्रसाद पाया।

गुरु की कृपा से ही मुझे सज्जनों और सच्चे भक्तों की पावन गोष्ठी मिली।

हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु,

मेरे जन्म लेते ही श्रीगुरु ने मुझे विभूति का पट्ट बाँधकर

लिंग धारण कराया और मुझे अपने श्रीचरणों में स्वीकार कर धन्य कर दिया।

197.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

गुरुवे तेत्तिगनाद,

लिंगवे मदवणिगनाद, नाने मदवळिगेयादेनु।

ई भुवनवेल्लरियुल असंख्यातरेनगे तायतंदेगळु।

कोट्टारु सादृश्यवप्प वरन नोडि।

इदु कारण चन्नमल्लिकार्जुनने गंडनगे।

मिक्किन लोकदवरेनगे संबंधविल्लवय्या प्रभुवे।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

गुरु ही मध्यस्थ (अगुआ) बने,

प्रभु लिंग ही दूल्हा बने, और मैं स्वयं दुल्हन बनी।

संपूर्ण जगत् के साक्षी भाव में, असंख्य शिवशरण ही मेरे माता-पिता बने।

उन्होंने मेरे लिए सर्वथा योग्य वर को देखकर मेरा विवाह रचाया।

इसी कारण स्वयं चन्नमल्लिकार्जुन ही मेरे पति हैं।

इस संसार के अन्य किसी भी व्यक्ति से मेरा कोई नाता नहीं है, हे प्रभु!

198.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

गुरुवेंब तेत्तिगनु

लिंगवेंबलगनु मननिष्ठेयेंब कैयल्लि कोडुलु,

कादिदे गेलिदे कामनेंबवन,

क्रोधादिगळु केटु, विषयंगळोडिदवु।

अलगु एन्नोळु नटु आनळिद कारण चन्नमल्लिकार्जुनलिंगव

करदल्लि हिडिदे।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जब गुरु रूपी मार्गदर्शक ने

लिंग रूपी तलवार को मेरी मनोनिष्ठा रूपी हाथ में थमा दिया,

तब मैंने युद्ध किया और कामदेव (वासना) को पराजित कर दिया;

क्रोध आदि विकार नष्ट हो गए और विषय-वासनाएँ भाग खड़ी हुईं।

वह ज्ञानास्त्र मेरे भीतर ऐसा समाया कि मेरा 'मैं' (अहंकार) मिट गया, और मैंने चन्नमल्लिकार्जुन लिंग को अपने करकमल में धारण कर लिया।

199.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

गूगे कण्णु काणलरियदे रविय बय्वुदु।

कागे कण्णु काणलरियदे शशिय बय्वुदु।

कुरुड कण्णु काणलरियदे कन्नडिय बय्वनु।

इवर मातेल्लवु सहजवे

नरकसंसारदल्लि होदकुळिगोळुत्त

शिवनिल्ल मुक्तियिल्ल, हुसियेंदडे नरकदल्लिक्लदे बिडुवने

चन्नमल्लिकार्जुनय्य।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

उल्लू को दिखाई नहीं देता, तो वह सूर्य को कोसता है।

कौए को दिखाई नहीं देता, तो वह चंद्रमा को कोसता है।

अंधा व्यक्ति देख नहीं पाता, तो वह दर्पण को दोष देता है।

इन अज्ञानी लोगों की बातें स्वाभाविक ही ऐसी हैं।

नरक रूपी संसार में गोते खाते हुए

यदि वे कहें कि 'शिव नहीं हैं, मुक्ति नहीं है, यह सब झूठ है', तो क्या चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु उन्हें नरक के कष्टों से मुक्त होने देंगे?

200.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

घनव कंड़े, अनुव कंड़े,

आयत स्वायत संनिहित सुखव कंड़े।

अरिवरिदु मरह मायदे।

कुरुहिन मोह मोरेगेडदे

चन्नमल्लिकार्जुना, निम्मनरिदु सीमेगेट्टेनु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

मैंने उस परम तत्व (घन) को देखा, उस परमात्मा के भेद (अनुकूलता) को पहचाना;

मैंने आयत, स्वायत और संनिहित का परम सुख प्राप्त किया।

ज्ञान में स्थित होकर अज्ञान और भूल को मिटा दिया।

प्रतीकों और रूपों के मोह से मुक्त होकर,

हे चन्नमल्लिकार्जुन, आपको जानकर मैं समस्त सांसारिक सीमाओं और बंधनों से परे हो गई।

201.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

चंद नव कडिदु कोरेदु तेदडे

नोंदेनेंदु कंप बिट्टित्त?

तंदु सुवर्णव कडिदोरेदडे

बेंदु कळंक हिडियित्त?

संदुसंदु कडिद कब्बनु तंदु गाणदल्लिक्कि अरेदडे,

बेंदु पाकगुडदे सक्करेयागि नोंदेनेंदु सिहिय बिट्टित्ते?

ना हिंदे माडिद हीनंतरंगळेल्लव तंदु मुंदिळुहलु

निमगे हानि। एन्न तंदे चन्नमल्लिकार्जुनय्या,

नी कोंदडेयू शरणेंबुद माणे।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

चंदन को काटने, घिसने और रगड़ने पर भी

क्या वह दुःखी होकर अपनी सुगंध छोड़ देता है?

सोने को काटकर और अग्नि में तपाकर कसौटी पर कसने पर भी

क्या वह जलकर अपनी चमक खो देता है या कलंकित होता है?

गन्ने को टुकड़ों में काटकर कोल्हू में पेलने और तपाकर शक्कर बनाने पर भी

क्या वह कष्ट के कारण अपनी मिठास छोड़ देता है?

हे मेरे पिता चन्नमल्लिकार्जुन, मेरे भूतकाल के दुर्गुणों और पापों को मेरे सामने लाने से

आपकी ही महिमा कम होगी। आप चाहे मुझे मार भी डालें, तब भी मैं आपकी शरण में आना नहीं छोड़ूँगी।

202.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

चंद्रकांतद शिlege ओंदु गज होरुवंते

तन्न नेळलिंगे ताने होरि सावंते

आनेय गति आनेय मति।

आनेयहुदु, आनेयल्ल, अदनेनेंबे?

नीनेन्न करस्थलदल्लि सिल्किदेयागि नी नानेंब भ्रांतेके?

नानु नीनल्लद ते रहिल्ल, चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जैसे चंद्रकांत मणि की दीवार में अपनी ही परछाई देखकर

हाथी उससे युद्ध करता है और टकराकर अपने प्राण गँवा देता है,

ऐसी ही स्थिति अज्ञानी जीव की गति और मति की है।

क्या वह वास्तव में हाथी है या नहीं, इसे मैं क्या कहूँ?

हे चन्नमल्लिकार्जुन, जब आप स्वयं मेरे करकमल (इष्टलिंग) में समाए हुए हैं, तो 'आप' और 'मैं' का यह भ्रम कैसा?

आपके और मेरे बीच अब कोई भेद या अंतर शेष नहीं रहा।

203.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

चक्र बेसगेय्वडे अलगिन हंगेके?

माणिक्यद बेळगुळळडे दीपद हंगेके?

परुष कैय्युलुळळडे सिरिय हंगेके?

कामधेनु करेवडे करुविन हंगेके?

एन्नदेव चन्नमल्लिकार्जुनलिंगवु करस्थलदोळगुळळडे इन्नाव हंगेके?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जब सुदर्शन चक्र ही रक्षा कर रहा हो, तो साधारण तलवार की क्या आवश्यकता?

जब स्वयं माणिक्य (रत्न) का दिव्य प्रकाश चमक रहा हो, तो दीपक की क्या आवश्यकता?

जब हाथ में पारस पत्थर ही मौजूद हो, तो सांसारिक धन-संपदा की क्या आवश्यकता?

जब कामधेनु स्वयं दुग्धपान करा रही हो, तो बछड़े की क्या आवश्यकता?

हे मेरे प्रभु चन्नमल्लिकार्जुन लिंग जब मेरे करकमल में विराजमान हैं, तो मुझे किसी अन्य सांसारिक आश्रय की क्या आवश्यकता?

204.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

चराचरात्मक प्रपंचवेल्ल शिवन

चिद्गर्भदिंदुयिसिप्पवेंदु, शिवाभिन्नत्वदिं

सकलप्राणिगळल्लि तन्नात्मचेतनव तन्नल्लि सकल प्राणिगळ

आत्म चेतनव कंडु, दयापरत्ववनुळळ सर्वज्ञता

शक्तियनु भक्तस्थलदल्लि पडेवुदु नोडा। तनगे बंद

अपवाद निंदे एडरापत्त उगळल्लि एदेगुंददे बप्प

सुख दुःख खेद हर्षादिगळु शिवाज्ञेयहुदेंदु

परिणतनप्प तृप्तिय शक्तियनु माहेश्वरस्थलदल्लि

पडेवुदु नोडा। देहादि आदि प्रपंचक्के

मूलिगनाद अनादि परशिवनु

प्रसन्नत्ववनुंटुमाडुव अनादि बोध शक्तियनु

प्रसादिसथलदल्लि पडेवुदु नोडा। अंतप्प देहादि

प्रपंचद चलनवलनावु तन्नाश्रयदल्लि नडेदु तानु

आवुदन्नू आश्रयिसदे सर्वस्वतंत्र

तानेंबरिवनुंटुमाडुव स्वतंत्र शक्तियनु

प्राणलिंगिस्थलदल्लि पडेवुदु नोडा। तन्नाश्रयव

पडेद दृश्यमान देहादि जगवेल्ल अनित्यवेंब आ

दृश्यमानदेहादिगळ मूलोत्पत्तिगळिगे कारणनप्प

पतिपरशिवलिंगवे नित्यवेंबरिवनुंटुमाडुव

अलुप्त शक्तियनु शरणस्थलदल्लि पडेवुदु नोडा।

अंगलिंगगळ संयोगव तोरि, अखंड

परशिलिंगैक्यवनुंटुमाडि कोडुव अनंत शक्तियनु

ऐक्यस्थलदल्लि पडेवुदु नोडा। इदक्के शिवरहस्ये;

'यद्भक्तिस्थलमित्याहुस्तत्सर्वज्ञत्वमितीर्यते

यन्माहेश्वरं नाम सा तृप्तिर्मम शांकरि ||

यत्प्रसादाबिदं स्थानं तद्बोधो निरंकुशः

यत्प्रणलिंगकं नाम तत्स्वातंत्रैमुदाहृतं ||

यदस्ति शरणं नाम ह्यलुप्ता शक्तिरुच्यते

यदैक्यस्थानमूर्धस्था ह्यनंतातशक्तिरुच्यते ||स्थल

ेंदुदागि, इंतप्प षट्स्थलगळल्लि षड्विध शक्तिगळ

स्थळकुळंगळ तिळिदु, षड्विध लिंगगळल्लि ध्यान

पूजादिगळिं अंगगोंडु भवद बट्टेय मेट्टि

निंदल्लदे षट्स्थलब्रह्मिगळागरु। अंतल्लदे अपवाद

निंदेगळ परर मेले कणगाणदे होरिसुत्त परदार

दाशि वेशि सूळेयर कूडि भुंजिसि तोंबलतिंब

हेसि मूळरु पोतराजा, जोगी, क्षपणरंते जटा,

तुरुबु, बोळुमुंडेगोंडु कूळिगागि तिरुगुव

मूळ चुक्केयर विरक्त षट्स्थलब्रह्मिगळेनबहुदेिनय्य?

अंतप्प अनादि षट्स्थलब्रह्मद षड्विधशक्तियनरिदु

विरक्त जंगम षट्स्थल बालब्रह्मि निराभारियाद

चन्नबसवण्णन श्रीपादक्के नमो नमो एंबेिनय्या

चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

समस्त चराचर जगत् शिव के ज्ञान रूपी गर्भ से ही उत्पन्न हुआ है। शिव से अभिन्न होकर सभी प्राणियों में अपनी ही आत्मा का चेतन रूप देखना और अपने में समस्त प्राणियों के आत्म-चेतन का दर्शन करना ही 'भक्तस्थल' की दयामयी 'सर्वज्ञता शक्ति' है। जीवन में आने वाले अपवाद, निंदा और आपत्तियों में धैर्य न खोते हुए, सुख-दुःख, हर्ष और खेद को शिव की ही आज्ञा मानना 'माहेश्वरस्थल' की 'तृप्ति शक्ति' है।

इस देह और प्रपंच के मूल अनादि परशिव की प्रसन्नता प्राप्त कराने वाला ज्ञान 'प्रसादिसथल' की 'अनादि बोध शक्ति' है। संपूर्ण संसार का संचालन स्वयं के आश्रय में होना और स्वयं किसी अन्य पर आश्रित न रहकर सर्वस्वतंत्र रहने का बोध 'प्राणलिंगिस्थल' की 'स्वतंत्र शक्ति' है। यह दृश्यमान देह और संसार नश्वर है, तथा केवल पति-परशिवलिंग ही एकमात्र शाश्वत सत्य है—यह बोध

'शरणस्थल' की 'अलुप्त शक्ति' है। अंग और लिंग के अखंड योग से परमशिव में लीन करा देने वाली शक्ति 'ऐक्यस्थल' की 'अनंत शक्ति' है।

शास्त्रों में भी कहा गया है कि षट्स्थल की ये छह शक्तियाँ ही साधक को सत्य मार्ग दिखाती हैं। जो इन छह स्थलों की शक्तियों को जानकर ध्यान और पूजा द्वारा आचरण में लाते हैं, वही षट्स्थल ब्रह्मज्ञानी कहलाते हैं। जो लोग केवल ढोंग रचते हैं, दूसरों पर झूठे दोषारोपण करते हैं, वासनाओं में लिप्त रहकर केवल भोजन और वस्त्र के लिए साधु का वेश (जटा, मुंडन आदि) धारण करके भटकते हैं—वे कभी विरक्त या षट्स्थल ब्रह्मज्ञानी नहीं कहला सकते।

हे चन्नमल्लिकार्जुन, इन अनादि षट्स्थल ब्रह्म की छहों शक्तियों के ज्ञाता, बाल-ब्रह्मचारी, निष्काम एवं विरक्त जंगम श्री चन्नबसवन्ना जी के पावन श्रीचरणों में मैं बारंबार प्रणाम करती हूँ।

205.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

चिन्नक्करिसिन चिन्नक्करिसिन चिन्नक्करिसिनव कोळिळरव्वा।

एम्म नल्लन मैय हत्तुव अरिसिनव कोळिळरव्वा।

ओळगुंददरिसिनव मिंदु चन्नमल्लिकार्जुनन

अप्पिरव्वा।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

आओ ओ सखियों, स्वर्णमयी हल्दी, विशुद्ध हल्दी ले लो!

मेरे प्रियतम (प्रभु) के श्रीअंग पर लगने वाली दिव्य हल्दी को स्वीकार करो!

इस पवित्र और अक्षय हल्दी से स्नान करके (अपने मन-शरीर को शुद्ध करके),

चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु को अपने आलिंगन में भर लो, ओ सखियों!

206.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

चिलिमिलि इंदु ओदुव गिळिगळिरा, नीवु काणिरे,

नीवु काणिरे। सरवेत्ति पाडुव कोगिलेगळिरा, नीवु

काणिरे, नीवु काणिरे। एरगि बंदाडुव तुंबिगळिरा,

नीवु काणिरे, नीवु काणिरे। कोळनतडियोंडाडुव

हंसेगळिरा, नीवु काणिरे, नीवु काणिरे। गिरि

गह्वरदोळगाडुव नविलुगळिरा, नीवु काणिरे, नीवु

काणिरे। चन्नमल्लिकार्जुननेल्लिद्दहनेंदु हेळिरे।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

चहचहाते हुए मधुर पाठ करने वाले तोतो, क्या तुमने उन्हें (मेरे प्रभु को) देखा? क्या तुमने देखा?

स्वर ऊँचा करके गाने वाली कोयलो, क्या तुमने उन्हें देखा? क्या तुमने देखा?

फूलों पर मँडराकर गूँजने वाले भंवरों, क्या तुमने उन्हें देखा? क्या तुमने देखा?

सरोवर के तट पर क्रीड़ा करने वाले हंसों, क्या तुमने उन्हें देखा? क्या तुमने देखा?

पर्वत और गुफाओं में नृत्य करने वाले मयूरो, क्या तुमने उन्हें देखा? क्या तुमने देखा?

हे प्रकृति के जीवो, मुझे बताओ कि मेरे चन्नमल्लिकार्जुन कहाँ हैं?

207.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

जंगमद कै होय्दु होय्दु नक्कु केट्टरय्य ?

सरसदल्लि मुट्टि पूजिसुवरे निमगे लिंगविल्ल।

हुत्तिनोळगे कैयनिक्के सर्पदष्टवादरे मत्ते

गारुडवुंटे चन्नमल्लिकार्जुना ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जंगम (शिवरूप संत) का अपमान करके और उन पर हँसकर लोग अपना ही विनाश कर बैठे, हे प्रभु!

यदि तुम केवल सांसारिक भाव और आसक्ति से छूकर पूजा करते हो, तो तुम्हारे पास वास्तविक लिंग (शिव तत्व) नहीं है।

साँप के बिल में हाथ डालने पर यदि सर्प डस ले, तो क्या फिर कोई झाड़-फूँक या मंतर काम आएगा, हे चन्नमल्लिकार्जुन?

208.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

जंगमवेन्न प्राण, जंगमवेन्न जीव, जंगमवेन्न

पुण्यद फल, जंगमवेन्न निधिनिधान, जंगमवेन्न

हरुषद मेरे। चन्नमल्लिकार्जुना, जंगमद

तिंठिणियल्लि ओलाडुवेनु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जंगम ही मेरे प्राण हैं, जंगम ही मेरा जीवन हैं, जंगम ही

मेरे पुण्यों का फल हैं, जंगम ही मेरा परम खजाना हैं, और जंगम ही

मेरी प्रसन्नता की अंतिम सीमा हैं। हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, मैं तो सदैव जंगमों (शिवशरणों) के समागम और समूह में आनंदपूर्वक मग्न रहूँगी।

209.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

जलद मंटपद मेले उरिय चप्परवनिक्कि,

आलिकल्ल हसेय हासि बासिगव कट्टि, कालिल्लद

हेंडतिगे तलेयिल्लद गंड बंदु मदुवेयादनु।

एंदेंदू बिडद बाळुवेगे कोट्टरेन्न।

चन्नमल्लिकार्जुननेंब गंडनगेन्न मदुवेया

माडिदरेले अव्वा।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जल के मंडप पर अग्नि का छप्पर बनाया गया,

ओलों की सेज बिछाकर सेहरा बाँधा गया; और बिना पैरों वाली दुल्हन से बिना सिर वाले दूल्हे ने आकर विवाह रचाया।

मुझे कभी न खत्म होने वाले (अमर) दांपत्य जीवन के लिए सौंप दिया गया है।

हे माता, उन्होंने मेरा विवाह 'चन्नमल्लिकार्जुन' नाम के अविनाशी पति से रचा दिया है।

210.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

जातिशैवरु, अजातिशैवरु इंदु एरडु

प्रकारवागिप्परय्य। , जातिशैवरेंबवरु

शिवंगे भोग्यस्त्रीयरय्य। अजातिशैवरेंबवरु

शिवंगे कुलस्त्रीयरय्य। द्वारेयस्यज

मातंगोवायुवेग तुरंगय पूर्णेंदु

वदनानारिशिवपूजाविधेफलं || इवु

जातिशैवंगे कोटु भोगंगळय्य, अजातिशैवरु

गुरुलिंगजंगमक्के तनुमनधनव निवेदिसि

सर्वसूतकरहितरागिहरय्य। अहं महेश्वर

प्राणा ममप्राणिमहेश्वरः तथैकंनिष्क्रियं

भूयादन्यलिंगैकमेवच|| इदु कारण

सर्वेश्वरचन्नमल्लिकार्जुनय्यनु

भक्तकायनेंबैक्यपदवनु अजातिशैवरिगे कोडुवरय्य।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

शैव साधकों में दो प्रकार के लोग होते हैं—जाति-शैव और अजाति-शैव, हे प्रभु।

जाति-शैव (जो केवल कुल/जाति से शिव को मानते हैं) शिव के लिए भोग-स्त्री के समान हैं,

जबकि अजाति-शैव (जो जाति-पांत के भेद से परे होकर निष्काम भक्ति करते हैं) शिव की कुलीन गृहलक्ष्मी (पतिव्रता) के समान हैं।

द्वार पर हाथी-घोड़े, वायु-वेग से चलने वाले वाहन और पूर्णचंद्र के समान सुंदर स्त्री—ये सब जाति-शैव को प्राप्त होने वाले सांसारिक फल हैं।

परंतु अजाति-शैव तो अपना तन, मन और धन गुरु, लिंग और जंगम को समर्पित करके समस्त सांसारिक सूतकों और बंधनों से मुक्त हो जाते हैं।

"मैं महेश्वर का प्राण हूँ और महेश्वर मेरे प्राण हैं"—इसी कारण सर्वेश्वर चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु 'भक्तकाय' (शिव में लीन होने का परम पद) ऐसे ही सच्चे अजाति-शैवों को प्रदान करते हैं।

211.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

जालगारनोब्बु जलव होक्कु शोधिसि,

हलवु प्राणिय कोंदु, न लिनलिदाडुव।

तन्न मनयलोंदु शिशु सत्तडे अदक्के मरगुवंते

अवकेके मरगु ? अदेंतेंदडे ‘स्वात्मानमितरं

चेति भिन्नता नैव दृश्यतां सर्वं चिज्ज्योतिरेवेति

यः पश्यति स पश्यति’ेंदुदागि, जालगारन

दुःख जगकेल्ल नगेगेडे। इदु कारण,

चन्नमल्लिकार्जुनय्यन भक्तनागिर्दु जीवहिंसे

माडुवनेनेंबेिनय्या?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

एक मछुआरा जल में उतरकर पूरी खोजबीन करता है,

अनेक जलचर प्राणियों की हत्या करता है और मग्न होकर नाचता है।

परंतु जब उसके अपने घर में एक बच्चे की मृत्यु हो जाती है, तो वह रोता-बिलखता है;

वह अन्य जीवों की मृत्यु पर क्यों नहीं पिघलता? शास्त्रों में कहा गया है—'जो स्वयं को और दूसरों को भिन्न न मानकर सबको केवल परम चेतन ज्योति के रूप में देखता है, वही वास्तव में समदर्शी है।'

ऐसे स्वार्थी मछुआरे का दुःख पूरे संसार के लिए केवल उपहास का पात्र है।

इसी प्रकार, जो स्वयं को चन्नमल्लिकार्जुन का भक्त कहता है और फिर भी जीव-हिंसा करता है, उसे मैं क्या कहूँ, हे प्रभु?

212.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

जीवेश्वरगाश्रयवाद सूक्ष्मदेहमध्यदल्लि

षट्चक्रंगळल्लि हुट्टिर्द षट्कमलंगळनु आधार

तोडगि आज्ञाचक्रवे कडेयागुळळ ब्रह्मादिगळ

स्थानंगळ गुरुपदेशदिंदे भाविसुवुदु।

आज्ञाचक्रदत्तिणिंदे ऊर्ध्व भागवाद

ब्रह्मरंध्रदल्लियाित्तादडे सहस्रदळ

कमलवनु भाविसुवुदु। आ सहस्रदळ

कमलदल्लि निर्मलवाद चंद्रमंडलवनु

ध्यानिसुवुदु। आ चंद्रमंडलद मध्यदल्लि

वालाग्र मात्रदोपादियल्लि परम सूक्ष्म

रंध्रवनु उपदेशदिंदरिवुदु। आ सूक्ष्म

रंध्रवने कैलासस्थानवागि अरिदु आ कैलासदल्लि

इरुतिर्द परमेश्वरननु समस्त कारणंगळिगे

कारणवागिद्तातनागि ध्यानिसुवुदय्या श्री

चन्नमल्लिकार्जुनदेवा।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जीव और ईश्वर के आश्रयस्थल इस सूक्ष्म शरीर के भीतर

षट्चक्रों में स्थित छह कमलों (मूलाधार से लेकर आज्ञाचक्र तक) को

ब्रह्मा आदि देवताओं के स्थान के रूप में गुरु के उपदेश द्वारा अनुभूत करना चाहिए।

आज्ञाचक्र से ऊपर ऊर्ध्व भाग में स्थित

ब्रह्मरंध्र में सहस्रदल कमल का ध्यान करना चाहिए।

उस सहस्रदल कमल में निर्मल चंद्रमंडल का ध्यान करना चाहिए।

उस चंद्रमंडल के मध्य में बाल के अग्रभाग के समान परम सूक्ष्म रंध्र (छिद्र) को गुरु के उपदेश से जानना चाहिए।

उस सूक्ष्म रंध्र को ही वास्तविक कैलास स्थान समझकर, उस कैलास में विराजमान

और समस्त कारणों के मूल कारण श्री चन्नमल्लिकार्जुन देव का ध्यान करना चाहिए, हे प्रभु!

213.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

ज्ञानद कारणांगवे भक्तियु। भक्तिय

महाकारणांगवे ज्ञानवु। भक्ति ज्ञानवेंबुदु

काकाक्षियंते। भक्ति ज्ञानवेंबुदु एन्न

मोहद चन्नमल्लिकार्जुना निम्मंते।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

ज्ञान का मूल कारण भक्ति है, और भक्ति का परम पराकाष्ठा रूप ज्ञान है।

भक्ति और ज्ञान का संबंध कौए की आँख (काकाक्षि - एक ही पुतली जो दोनों ओर देखती है) के समान अभिन्न है।

हे मेरे प्रिय चन्नमल्लिकार्जुन, भक्ति और ज्ञान का यह अटूट संबंध आपके ही समान है।

214.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

तनु करगदवरल्लि मज्जनवनोल्लेयय्या नीनु।

मन करगदवरल्लि पुष्पवनोल्लेयय्या नीनु।

हदुळिगरल्लदवरल्लि गंधाक्षतेयनोल्लेयय्या नीनु।

अरिवु कणदेरेयदवरल्लि आरतियनोल्लेयय्या नीनु।

भावशुद्धविल्लदवरल्लि धूपवनोल्लेयय्या नीनु।

परिणामिगळल्लदवरल्लि नैवेद्यवनोल्लेयय्या नीनु।

त्रिकरण शुद्धविल्लदवरल्लि तांबूलवनोल्लेयय्या

नीनु। हृदयकमल अरळदवरल्लि इरलोल्लेयय्या

नीनु। एन्नल्लि एनुंटेंदु करस्थलवनिंबुगोंडे

हेळा चन्नमल्लिकार्जुनय्या?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जिनका शरीर भक्ति में लीन होकर न पिघले, उनका अभिषेक (मज्जन) आप स्वीकार नहीं करते।

जिनका मन करुणा से न पिघले, उनके द्वारा अर्पित पुष्प आप स्वीकार नहीं करते।

जो शांत और सन्मार्गी नहीं हैं, उनका गंध और अक्षत आप स्वीकार नहीं करते।

जिनकी विवेक-दृष्टि (ज्ञान) नहीं खुली, उनकी आरती आप स्वीकार नहीं करते।

जिनकी भावना शुद्ध नहीं है, उनका धूप आप स्वीकार नहीं करते।

जिनमें आत्म-समर्पण का भाव नहीं है, उनका नैवेद्य आप स्वीकार नहीं करते।

जिनके मन, वचन और कर्म (त्रिकरण) शुद्ध नहीं हैं, उनका तांबूल आप स्वीकार नहीं करते।

और जिनका हृदय-कमल विकसित नहीं हुआ, उनके भीतर आप निवास नहीं करते।

फिर मुझमें ऐसा क्या गुण देखा कि आपने मेरे करकमल को अपना निवास स्थान बना लिया, बताओ न, हे चन्नमल्लिकार्जुन?

215.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

तनु निम्म रूपाद बळिक आरिगे माडुवे ? मन निम्म

रूपाद बळिक आर नेनेवे ? प्राण निम्म रूपाद बळिक

आरनाराधिसुवे? अरिवु निम्मल्लि स्वयवाद बळिक

आरनरिवे? चन्नमल्लिकार्जुनय्या, निम्मिंद

नीवेयादिरागि निम्मने अरिवुत्तिर्देनु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जब मेरा शरीर ही आपका रूप बन गया, तो मैं किसकी सेवा करूँ? जब मेरा मन आपका रूप बन गया, तो मैं किसका स्मरण करूँ?

जब मेरा प्राण ही आपका रूप बन गया, तो मैं किसकी आराधना करूँ? जब मेरी चेतना आप ही में विलीन हो गई, तो मैं किसे जानूँ?

हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, आप ही सब कुछ बन गए हैं, इसलिए मैं केवल आपको ही अनुभव कर रही हूँ।

216.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

तनु मीसलागि, मन मीसलागि,

भाववच्चुगोंडिप्पुदव्व। अच्चुगन स्नेह, निच्चटद

मेच्चुगे, बेच्चु बेरागद भाववागे

चन्नमल्लिकार्जुनय्य ओळगे गट्टिगोंडिप्पनव्व।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

शरीर समर्पित हो गया है, मन समर्पित हो गया है,

और मेरी निष्ठा एवं भावनाएँ दृढ़ हो गई हैं, ओ सखी!

प्रभु का सच्चा स्नेह, उनकी अटूट प्रीति और अभेद भाव जब भीतर स्थापित हो जाता है,

तब चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु हृदय के भीतर अचल होकर विराजते हैं, ओ सखी!

217.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

तनु शुद्धवायित्तु शिवभक्तरोग्कुद कोंडेन्न। मन

शुद्धवायित्तु असंख्यातरे नेनदेन्न। कंगळु

शुद्धवायित्तु सकलगणंगळ नोडि एन्न। श्रोत्र

शुद्धवायित्तु अवर कीर्तिय केळि एन्न। भावने

एनगिदु जीवन लिंगतंदे। नेट्टने निम्म मनमुट्टि

पूजिसि भवगेट्नु नानू चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

शिवभक्तों का प्रसाद ग्रहण करने से मेरा शरीर शुद्ध हो गया।

असंख्यात शरणों का स्मरण करने से मेरा मन शुद्ध हो गया।

प्रभु के प्रमथगणों और शरणों का दर्शन करने से मेरी आँखें शुद्ध हो गईं।

उनकी महिमा और कीर्ति सुनने से मेरे कान शुद्ध हो गए।

मेरे लिए तो लिंग रूपी पिता ही जीवन की एकमात्र भावना हैं।

हे चन्नमल्लिकार्जुन, सच्चे मन से आपकी पूजा करके मैं इस संसार-चक्र से मुक्त हो गई।

218.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

तनुव मीरित्तु, मनव मीरित्तु, घनव मीरित्तु।

अल्लिंदत्त भावुकरिल्लवागि तार्कणेयिल्ल।

चन्नमल्लिकार्जुनय्यन बेरसलिल्लद निजतत्ववु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

वह अवस्था शरीर की सीमा से परे है, मन की सीमा से परे है, और विशालता (महत्त्व) से भी परे है।

उस परम स्थिति से परे कोई चिंतन करने वाला ही नहीं बचा, इसलिए कोई तर्क-वितर्क संभव नहीं है।

चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु का वह निजतत्व (अद्वैत स्थिति) ऐसा है जहाँ कोई पृथक् मिलन भी नहीं, क्योंकि वहाँ केवल एक ही तत्व शेष रहता है।

219.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

तनुवनुवायित्तु, मनवनुवायित्तु,

प्राणवनुवायित्तु। मुनिदु बारद परि इन्नेंतु

हेळा? एन्न प्राणदल्लि संदु, एन्न मनक्के मनवागि

निंद एन्न देव चन्नमल्लिकार्जुनन काणदडे आनेंतु

बदुकुवेिनय्या ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

मेरा शरीर प्रभु के योग्य हो गया, मन प्रभु के लीन हो गया,

और प्राण भी प्रभु में समर्पित हो गए। फिर भी वे मुझसे रुष्ट होकर क्यों नहीं आते, मैं कैसे कहूँ?

जो मेरे प्राणों में समाए हैं, जो मेरे मन का भी मन बनकर विराजमान हैं,

उन मेरे प्रभु चन्नमल्लिकार्जुन के दर्शन किए बिना मैं कैसे जीवित रह सकती हूँ, हे प्रभु?

220.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

तनुवनेल्लव जरिदु मनव निम्मोळगिरिसि,

घनसुखदलोलाडुव परिय तोरय्या एनगे।

भावविल्लद बयल सुखवु भाविसिदडेंटहुदु

बहुमुखरुगळिगे? केळय्या, श्रीशैल

चन्नमल्लिकार्जुनदेवा नानळिदु नीनुळिद परिय

तोरय्या प्रभुवे।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

शरीर के मोह को पूरी तरह त्यागकर, मन को आप ही में स्थापित करके

उस परम आनंद में लीन होने का मार्ग मुझे दिखाइए, हे प्रभु!

द्वैत भाव से रहित वह शून्य (अव्यक्त) आनंद भला संसारी और चंचल मन वालों को कैसे समझ आ सकता है?

सुनिए, हे श्रीशैल चन्नमल्लिकार्जुन देव, मेरा 'मैं' (अहंकार) मिट जाए और केवल 'आप' ही शेष रहें—वह परम अद्वैत स्थिति मुझे दर्शाइए, हे प्रभु!

221.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

तनुव बेडिडडे तनुव कोट्टु शुद्धवप्पे। मनव बेडिडडे

मनव कोट्टु शुद्धवप्पे। धनव बेडिडडे धनव कोट्टु

शुद्धवप्पे। नीनावुद बेडिडडू ओसरिसिदडे,

कैवारिसिदडे हिडिदु मूग कोयि। एन्न कलितनद

भिन्नपव कडेतनक नडेसदिर्दडे भलेदंड काणा

चन्नमल्लिकार्जुन।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

यदि आप मेरा शरीर मांगेंगे, तो मैं शरीर देकर शुद्ध हो जाऊँगी। यदि आप मेरा मन मांगेंगे, तो मैं मन देकर शुद्ध हो जाऊँगी। यदि आप मेरा धन मांगेंगे, तो मैं धन देकर शुद्ध हो जाऊँगी। इनमें से आप जो भी मांगें, यदि मैं पीछे हटूँ या बहाने बनाऊँ, तो मेरा नाक काट दीजिए! हे चन्नमल्लिकार्जुन, यदि आप मेरी इस निष्ठा और भक्ति की प्रार्थना को अंत तक स्वीकार नहीं करेंगे, तो यह आपके लिए ही सिर कटाने (अपयश) के समान होगा, ध्यान रखिए!

222.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

तनुविकारदिंद सवदु सवदु, मनविकारदिंद

नोंदु बेंदवरेल्ला बोळागि; दिन जव्वनंतरंगळु

सवदु सवदु, जंत्र मुरिदु गतिगेट्टवरेल्ला

बोळागिद 'हेसि, ओल्ले संसारवनेंबरु ' वैराग्यव

बल्लवरल्ल केळव्व। कन्नेयळियद जव्वन सतिगल्लदे

चन्नमल्लिकार्जुनदेवगल्ल केळव्व।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

शारीरिक विकारों और भोगों में घिस-घिसकर, तथा मन के विकारों से दुःखी होकर जले-भुने लोग सिर मुंडवाकर संन्यासी बन जाते हैं; जब दिन और युवावस्था ढल जाती है और शरीर रूपी यंत्र टूटकर लाचार हो जाता है, तब ऐसे लोग सिर मुंडाकर कहते हैं—'छी, मुझे यह संसार नहीं चाहिए!' ओ सखी, वे सच्चे वैराग्य को नहीं जानते। जिस युवती का यौवन संसार के पति के काम न आकर चन्नमल्लिकार्जुन देव को समर्पित होता है, वही सच्चा समर्पण है, सुन ओ सखी!

223.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

तनुविडिद इंद्रियसुख सिरियंते तोरि अडगुत्तलिदे।

गगनदोड्डणेयंते तनु; नोडि नोडलनुमानविल्लदे

हरिदु होगुत्तदे। इवादिय माणिसि, निम्म

घननेनहिनोळिरिसा चन्नमल्लिकार्जुनय्य।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

शरीर के माध्यम से मिलने वाला इंद्रियों का सुख धन-संपत्ति की भांति क्षणिक दिखता है और लुप्त हो जाता है। यह शरीर आकाश के बादलों या इंद्रधनुष की भांति अस्थिर है; देखते ही देखते बिना किसी संदेह के बहकर नष्ट हो जाता है। हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, मुझे इन नाशवान विषयों से दूर करके अपने महान और परम स्मरण (चिंतन) में ही लीन रखिए।

224.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

तनुविन सत्वव निलिसित्तु, मनद विरक्तिय केडिसित्तु।

घनव काणलीयदु दुःख। अरुहिरियर तरकट

काडित्तु। चन्नमल्लिकार्जुनय्या, निम्म मरेगोंड

संसारद तेरे एन्न परललीयदय्य।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

दुःख ने शरीर के बल और सत्व को क्षीण कर दिया है, मन के वैराग्य को नष्ट कर दिया है, और उस परम तत्व (परमात्मा) के दर्शन नहीं होने दे रहा। अज्ञानी और अभक्त लोगों की व्यर्थ की बातें और व्यवहार परेशान कर रहे हैं। हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, आपकी ओट से उत्पन्न हुई इस संसार की लहर मुझे आपके पास तक आने ही नहीं दे रही है।

225.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

तनुवेंब सागर तुंबलु, मनवेंबुदु

हरुगोलायित्तु अंबिगा। एन्न गम्मने तेगियो

अंबिगा। तोरेदु दांटिहेनेंब भरवस करघन,

गम्मने तेगियो अंबिगा। सिरिशैल चन्नमल्लिकार्जुना

निन्न काणलु बंदिहे अंबिगा।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

शरीर रूपी यह सागर जब उफन रहा है, तब मेरा मन ही एक छोटी सी नाव (टोकरी रूपी नाव) बन गया है, ओ नाविक! मुझे शीघ्रता से पार निकालो, ओ नाविक! इस भवसागर को तैरकर पार करने का मेरा विश्वास बहुत दृढ़ है, मुझे झटपट पार ले चलो, ओ नाविक! हे श्रीशैल चन्नमल्लिकार्जुन, मैं तो केवल आपके ही दर्शन करने के लिए आई हूँ, ओ नाविक!

226.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

तनुशुद्ध मनशुद्ध भावशुद्ध वादवरनेनगोम्मे

तोरा? नडेयेल्ल सदाचार; नुडियेल्ल शिवागम;

नित्यशुद्धरादवरनेनगोम्मे तोरा? कत्तलेय मेट्टि

तळवेळगागि होरगोळगोंदागि निंद निम्म

शरणरनेनगोम्मे तोरा चन्नमल्लिकार्जुना?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जिनका शरीर शुद्ध है, मन शुद्ध है और भावनाएँ शुद्ध हैं, ऐसे भक्तों के मुझे एक बार दर्शन करा दीजिए! जिनका आचरण ही सदाचार है, जिनकी वाणी ही शिवागम (शास्त्र) है, ऐसे नित्य पवित्र शरणों के दर्शन मुझे करा दीजिए! अज्ञान रूपी अंधकार को कुचलकर, जो भीतर और बाहर से एक होकर परम प्रकाश में स्थिर हो गए हैं, हे चन्नमल्लिकार्जुन, ऐसे अपने शिवशरणों के दर्शन मुझे एक बार करा दीजिए!

227.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

तन्न विनोदक्के ताने सृजिसिद सकल जगत्त। तन्न

विनोदक्के ताने सुत्तिदनदक्के सकल प्रपंचनु। तन्न

विनोदक्के ताने तिरुगिसिदनंत भवदुःखंगळल्लि।

इंतेन्न चन्नमल्लिकार्जुननेंब परशिवनु तन्न

जगद्विलास साकाद मत्तो ताने परिवनदर

मायापाशवनु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

अपनी लीला (आनंद) के लिए उन्होंने स्वयं ही इस संपूर्ण जगत् की रचना की। अपनी लीला के लिए ही उन्होंने इस संसार को इसमें लपेटा। अपनी लीला के लिए ही उन्होंने जीवों को अनंत जन्म-मरण के दुःखों में घुमाया। इस प्रकार मेरे चन्नमल्लिकार्जुन नामक परमशिव, जब उनका यह जगत्-लीला का खेल पूरा हो जाएगा, तब वे स्वयं ही इस माया के जाल को काट देंगे।

228.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

तन्न शिष्य तन्न मगनेबुदु तप्पदला। एके? आतने

धनक्के तंदेयादनल्लदे आतने मनक्के तंदेयादने?

एके? आतने मनवनरियानागि, आतने धनक्के

तंदेयादनु। तन्नल्लिरद भक्तिय मारिकोंडुंबवरु

निम्म निजभक्तरल्लवय्य चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

'अपना शिष्य अपने पुत्र के समान है'—यह कहना गलत नहीं है। पर क्यों? क्योंकि वह गुरु केवल उसके धन का पिता बना, उसके मन का पिता नहीं बन पाया! क्यों? क्योंकि उसने शिष्य के मन को नहीं जाना, वह केवल उसके धन का स्वामी बन गया। अपनी भक्ति को बेचकर जीवन-यापन करने वाले लोग आपके सच्चे भक्त नहीं हो सकते, हे चन्नमल्लिकार्जुन!

229.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

तन्नवसराक्कागि हगलुगन्नवनिक्किदडे, तन्न सवेयलिल्ल,

कळवु दोरेयलिल्ल? बोब्बुलियनेरिद मर्कटनंते

हण्णु मेल्ललिल्ल, कुळिळरे ठाविल्ल। नानु

सर्वसंगपरित्यागमाडिदवळल्ल,

निम्म कूडि कुलवळिदवळल्ल, चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

यदि कोई अपनी जल्दबाजी में दिन-दहाड़े सेंधमारी करे, तो उसका परिश्रम भी व्यर्थ गया और चोरी भी हाथ नहीं लगी! जैसे कांटों वाले बबूल के पेड़ पर चढ़े बंदर को न फल खाने को मिलता है और न बैठने की जगह मिलती है। हे चन्नमल्लिकार्जुन, मैं न तो सब कुछ त्यागने वाली संन्यासिनी बन पाई, और न ही आप में लीन होकर अपने कुल का अहंकार मिटा पाई।

230.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

तलेयल्लि निरिय, टोंकदल्लि मुडि, मोळकालल्लि

किवियोलेय कंड़े। हरवसद उडिगे ! कांतदल्लि

मुखव कंडु काणदे चन्नमल्लिकार्जुनन नेरेव

परिकर होसतु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

सिर की जगह साड़ी की चुनरी (निरी), कमर की जगह जूड़ा (मुडि), और घुटने की जगह कान की बाली देखी—यह कैसी अनोखी और उल्टी पोशाक है! दर्पण में अपने मुख को देखकर भी न पहचानना और चन्नमल्लिकार्जुन से एकाकार होने का यह तरीका अत्यंत अनोखा और अद्भुत है!

231.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

तानु दंडुमंडलक्के होदहेनेंदडे नानु

सुम्मनिहेनल्लदे, तानेन्न कैयोळगिद्दु तानेन्न

मनदोळगिद्दु एन्न कूडदिद्दडे नानेंतु

सैरिसुवेनव्व? नेनहेंब कुंटिणि चन्नमल्लिकार्जुनन

नेरहदिद्दडे नानेवे सखिये?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

यदि वे कहते कि वे किसी दूर युद्धभूमि या देश जा रहे हैं, तो मैं चुपचाप सहन कर लेती;

परंतु जब वे मेरे हाथों में होकर भी, मेरे मन के भीतर रहकर भी मुझसे नहीं मिलते, तो मैं इसे कैसे सहन करूँ, ओ सखी?

यदि यह स्मरण (याद) रूपी बिचौलिन (दूती) मुझे मेरे प्रभु चन्नमल्लिकार्जुन से नहीं मिलाती, तो मैं क्या करूँ, ओ सखी?

232.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

ताय तोरदु नानेन माडुवे ? तंदेय तोरदु

नानेन माडुवे? एत्त मुंतागि नडेदु नानेन

माडुवे? चन्नमल्लिकार्जुना नीनोलियदन्नक्कर?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

माता को छोड़कर मैं क्या करूँ? पिता को छोड़कर मैं क्या करूँ?

कहीं भी आगे बढ़कर मैं क्या करूँ?

हे चन्नमल्लिकार्जुन, जब तक आपकी कृपा और प्रसन्नता मुझे प्राप्त न हो जाए, तब तक इन सब सांसारिक संबंधों का क्या अर्थ है?

233.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

तुंबिदुदु तुळुकदु नोडा। नंबिदुदु

संदेहिसदु नोडा। ओलिदुदु ओसरिसदु नोडा।

नेरेयरिदुदु मरेयदु नोडा।

चन्नमल्लिकार्जुनय्य, नीनोलिद शरणंगे

निस्सीमसुखवय्य।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जो घट पूरा भरा होता है, वह छलकता नहीं, देखो!

जिस पर सच्चा विश्वास हो, उस पर कोई संदेह नहीं होता, देखो!

जिससे सच्चा प्रेम हो, वह कभी पीछे नहीं हटता, देखो!

जिसे पूर्ण ज्ञान हो गया हो, वह कभी भूलता नहीं, देखो!

हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, जिस शरण (भक्त) पर आपकी कृपा हो जाती है, उसे असीम और अनंत आनंद की प्राप्ति होती है।

234.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

तेरणिय हुळु तन्न स्नेहादिंद मनये माडि तन्न

नूलु तन्नने सुत्ति सावंते, मनबंदुदनु वयसि

बेवुत्तिद्देनय्य। एन्न मनद दुराशेय माणिसि

निम्मत्त तोरा चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जैसे रेशम का कीड़ा (या मकड़ी) अपने ही मोह/लार से घर बनाता है और अपने ही बुने धागे में स्वयं को लपेटकर मर जाता है,

वैसे ही मैं भी अपने मन की इच्छाओं और वासनाओं को चाहकर तड़प रही हूँ, हे प्रभु!

मेरे मन की इस दुराशा और तृष्णा को मिटाकर मुझे अपना मार्ग दिखाइए, हे चन्नमल्लिकार्जुन!

235.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

दूरदल्लिरदनेंदु आनु बायारि बळुलुतिर्देनय्य।

सारि बेरसि एन्न करस्थलदल्लि मूर्तिगोंडडे एन्न

आरतवेल्लवू लिंगा निम्मल्लि नट्टितु नोदय्य।

चन्नमल्लिकार्जुनय्य, निम्मनु करस्थलदल्लि नोडि

कंगळे प्राणवागिर्देनय्य।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

आप मुझसे दूर हैं, यह सोचकर मैं प्यास से व्याकुल और दुःखी हो रही थी, हे प्रभु!

परंतु जब आप पास आकर मेरे करकमल (इष्टलिंग) के रूप में साकार हो गए, तो मेरी सारी व्याकुलता आप ही में विलीन हो गई, देखिए!

हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, अपने करकमल में आपके दर्शन करके मेरी आँखें ही मेरा प्राण बन गई हैं।

236.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

दृश्यवाद रविय बेळगु, आकाशद विस्तीर्ण,

वायुविन चलने, तरुगुल्म लतादिगळल्लिय तळिरु

पुष्प षड्डुवर्णंगळेल्ल हगलिन पूजे। चंद्रप्रकाश नक्षत्र

अग्नि विद्युत्तादिगळु दीप्तमयवेनिसिप्पवेल्ल इरुलिन

पूजे। हगलिरुलु निन्न पूजेयल्लि एन्न मरेदिप्पेनय्य

चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

दिखाई देने वाला सूर्य का प्रकाश, आकाश का विस्तार,

वायु की गति, वृक्षों, झाड़ियों और लताओं में खिलने वाली नई कोपलें, फूल और उनके छहों रंग—यह सब दिन की पूजा हैं!

चंद्रमा की चाँदनी, तारे, अग्नि और बिजली आदि का जो भी प्रकाशमान रूप है—यह सब रात की पूजा हैं!

हे चन्नमल्लिकार्जुन, दिन और रात आपकी इस प्राकृतिक पूजा में मग्न होकर मैं स्वयं को भी भूल गई हूँ।

237.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

दृष्टिवरिदु मन मेलेगोंदुदिदेनो? आवनेंदरिये

भावनट्टुदव्व। कळेवरिदु अंग गसणेयादुदव्व।

इन्नारेनेंदडे बिडेनु चन्नमल्लिकार्जुनलिंगव।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

दृष्टि पड़ते ही यह मन उसमें स्थिर हो गया, यह क्या है? मैं नहीं जानती कि वे कौन हैं, पर मेरी भावनाएँ पूरी तरह उन पर टिक गईं, ओ सखी!

मेरी सुध-बुध खो गई और शरीर व्याकुल व शिथिल हो गया, ओ सखी!

अब चाहे कोई कुछ भी कहे, मैं अपने प्रभु चन्नमल्लिकार्जुन लिंग को कभी नहीं छोड़ूँगी।

238.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

देह उळळन्नक्कर लज्जे बिडदु, अहंकार बिडदु।

देहदोळगे मन उळळन्नक्कर अभिमान बिडदु,

नेनहिन व्याप्ति बिडदु। देह मनवेरडू इद्दल्लि

संसार बिडदु। संसारवुळळल्लि भव बेन्न बिडदु।

भवद कुणिकेयुळळन्नक्कर विधिवश बिडदु।

चन्नमल्लिकार्जुननोलिद शरणरिगे देहविल्ल,

मनविल्ल, अभिमानविल्ल काणा मरुळे।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जब तक देह-भाव (शरीर का मोह) रहता है, तब तक लज्जा और अहंकार नहीं छूटते।

जब तक देह के भीतर संसारी मन रहता है, तब तक स्वाभिमान/अभिमान और सांसारिक विचारों का जाल नहीं छूटता।

जहाँ देह और मन दोनों (आसक्ति में) मौजूद हैं, वहाँ संसार पीछा नहीं छोड़ता। और जहाँ संसार है, वहाँ जन्म-मरण का चक्र पीछा नहीं छोड़ता।

जब तक जन्म-मरण का फंदा है, तब तक प्रारब्ध और कर्म का वश नहीं छूटता।

हे मूर्ख जीव, सुन! चन्नमल्लिकार्जुन के प्रिय शरणों के पास न देह-भाव होता है, न संसारी मन, और न ही कोई अहंकार!

239.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

धनद मेले बंदवरेल्ला अनुसरिगळल्लदे

आगुमाडबंदवरल्ल। मनद मेले बंदु निंदु

जरेदु नुडिदु पथव तोरबल्लडातने संबंधी।

हागल्लदे अवरिच्चेय नुडिदु तन्नुदरव होरेव

बच्चणिगळ मच्छुवने चन्नमल्लिकार्जुन ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जो धन के लालच में पास आते हैं, वे केवल स्वार्थी अनुयायी हैं, आपका कल्याण करने वाले नहीं।

जो मन के स्तर पर आकर, आपकी कमियों को डांटकर-टोककर सही मार्ग दिखाए, वही सच्चा हितैषी और संबंधी है।

ऐसा न करके जो केवल चापलूसी की बातें करते हैं और अपना पेट भरते हैं, क्या ऐसे चाटुकारों को चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु कभी स्वीकार करेंगे?

240.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

धरेय मेगण हुल्ले, चंद्रमनोळगण एरळे,

कूर्तडे फलवेनो कूटविल्लदन्नक्क अंबरियद

ठाविनल्लि कण्णोटव माडिदडे, तुंबिद तोरेय

नडुवे मामर कातंते। चन्नमल्लिकार्जुनदेवा,

दूरद स्नेहावमाडलु बारद भवक्के बंदे।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

पृथ्वी पर स्थित हिरणी और चंद्रमा के भीतर का हिरण—जब तक प्रत्यक्ष मिलन न हो, तब तक केवल प्रेम करने से क्या फल मिलेगा?

अनजान और पहुँच से बाहर स्थान पर केवल दृष्टि गड़ाए रखना वैसा ही है जैसे उफनती नदी के बीचों-बीच आम का पेड़ फलने की उम्मीद करे!

हे चन्नमल्लिकार्जुन देव, आपसे दूर रहकर ऐसा प्रेम करने के कारण ही मैं इस कठिन जन्म-मरण के चक्र में आ फँसी हूँ।

241.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

नंदि देवंगे, खळ सिरियाळंगे, लिंग

दासिमय्यंगे, जागर बसवण्णंगे, आदरिकेय बिट्टु

जूजनाडरे नम्मवरंदु? ओब्बंगे मगन रपण,

ओब्बंगे सीरेय रपण, ओब्बंगे तनु मन धनद

रपण। मूवरू मुदलिसि मुक्कण्णन गेलिदरु

एन्न देव चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

नंदीदेव, निष्पाप सिरियाल, लिंगदासिमय्या और जागरूक बसवण्णा ने लोकलाज की परवाह किए बिना जब प्रभु से प्रेम का दांव खेला, तब क्या वे पीछे हटे? एक ने अपने पुत्र का बलिदान (दांव पर लगाना) दिया, एक ने अपनी पत्नी की साड़ी (सम्मान) दांव पर लगाई, तो एक ने अपना तन, मन और धन पूरी तरह समर्पित कर दिया। इन तीनों ने अपने अनन्य समर्पण से त्रिपुरारी (शिव) का दिल जीत लिया, हे मेरे प्रभु चन्नमल्लिकार्जुन!

242.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

नच्चुगे मन निम्मल्लि, मच्चुगे मन निम्मल्लि, सलुगुगे

मन निम्मल्लि, सोलुगे मन निम्मल्लि, अळलुगे मन

निम्मल्लि, बळलुगे मन निम्मल्लि, करगुवे मन निम्मल्लि,

कोरगुगे मन निम्मल्लि। एन्न पंचेंद्रियंगळु कब्बुन

उंड नीरिनंते निम्मल्लि बेरसुगे चन्नमल्लिकार्जुनय्या।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

मेरा मन आप ही में निष्ठा रखे, आप ही में मग्न रहे, आप ही में आत्मीयता पाए, आप ही के सामने समर्पित होकर हारे, आप ही के लिए तड़पे, आप ही के लिए व्याकुल हो, आप ही में पिघले और आप ही के विरह में पिघलकर तरसे! मेरी पाँचों इंद्रियाँ वैसे ही आप में पूरी तरह विलीन हो जाएँ, जैसे गर्म लोहे द्वारा सोखा गया जल लोहे में ही समा जाता है, हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु!

243.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

नडेयद नुडिगडण, माडद कलितन, चित्रदसतीय

श्रृंगारवदेतक्के प्रयोजन? एलेयिल्लद मरनु,

जलविल्लद नदियु, गुणियल्लद अवगुणिय

संगवदेतक्के प्रयोजन? दयविल्लद धर्म,

उभयविल्लद भक्तियु, नयविल्लद शब्दवदेतक्के

प्रयोजन एन्न देव चन्नमल्लिकार्जुना ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

आचरण में न उतरने वाले उपदेश, अमल में न लाई गई वीरता, और चित्र में बनी स्त्री का शृंगार किस काम का? पत्तों के बिना वृक्ष, जल के बिना नदी, और दुर्गुणी का संग किस काम का? दया के बिना धर्म, निष्ठाहीन भक्ति, और विनम्रता रहित वाणी किस काम का, हे मेरे प्रभु चन्नमल्लिकार्जुन?

244.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

नडेशुचि, नुडिशुचि, तनुशुचि, मनशुचि, भावशुचि।

इंती पंच तीर्थंगळनोळकोंडु मत्र्यदल्लि निंद

निम्म शरणर तोरि एन्ननुळुहिकोळळा चन्नमल्लिकार्जुना?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

आचरण की पवित्रता, वाणी की पवित्रता, शरीर की पवित्रता, मन की पवित्रता और भावना की पवित्रता—इन पाँचों पावन तीर्थों को अपने भीतर धारण करके इस मृत्युलोक में निवास करने वाले अपने शरणों (भक्तों) का मुझे दर्शन कराइए और मेरा उद्धार कीजिए, हे चन्नमल्लिकार्जुन!

245.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

नमगे नम्म लिंगद चिंते, नमगे नम्म भक्तर चिंते,

नमगे नम्म आद्यर चिंते, नमगे नम्म

चन्नमल्लिकार्जुनय्यन चिंतयेल्लदे लोकद मातु

नमगेकण्णा ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

हमें तो अपने लिंग की चिंता (ध्यान) है, हमें अपने शिवभक्तों की चिंता है, हमें अपने पूर्वाचार्यों (आद्य शरणों) की चिंता है, और हमें केवल अपने चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु का ही ध्यान है; इसके सिवा इस सांसारिक संसार की व्यर्थ बातों से हमारा क्या लेना-देना, हे भाई?

246.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

नरजन्मव तोडेदु हरजन्मव माडिद गुरुवे नमो।

भवबंधनव बिडिसि परमसुखव तोरिद गुरुवे

नमो। भवियेंबुद तोडेदु भक्ते एंदेनिसिद

गुरुवे नमो। चन्नमल्लिकार्जुनन तंदेन्न

कैवशक्के कोट्ट गुरुवे, नमो नमो।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

मेरे मनुष्य-भाव को मिटाकर मुझे शिव-स्वरूप बनाने वाले सद्गुरु को प्रणाम! संसार के बंधनों से मुक्त कराकर परम सुख (मोक्ष) का मार्ग दिखाने वाले सद्गुरु को प्रणाम! मेरे संसारी (भवी) रूप को मिटाकर मुझे सच्ची भक्ता बनाने वाले गुरु को प्रणाम! और साक्षात चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु को लाकर मेरे करकमल में सौंप देने वाले सद्गुरु के चरणों में बारंबार प्रणाम!

247.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

ना हुट्टिदल्लि संसार हुट्टित्तु। संसार हुट्टिदल्लि

अज्ञान हुट्टित्तु। अज्ञान हुट्टिदल्लि आशे हुट्टित्तु। आशे

हुट्टिदल्लि कोप हुट्टित्तु। आ कोपाग्निय

तामसधूम्र मुसुकिदल्लि ना निम्म मरेदु

भवदुःखक्कीडादे। नी करुणदिंदेत्ति एन्न मरह

विंगडिसि निम्म पादवनुरुहिसय्या, चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जब मेरा जन्म हुआ, तब संसार उत्पन्न हुआ; संसार के साथ अज्ञान उत्पन्न हुआ; अज्ञान से तृष्णा/आशा उत्पन्न हुई; और आशा से क्रोध उत्पन्न हुआ। उस क्रोधाग्नि के अज्ञान रूपी काले धुएँ ने जब मुझे ढक लिया, तब मैं आपको भूलकर संसार के दुःखों में फँस गई। हे चन्नमल्लिकार्जुन, आप अपनी कृपा से मुझे इस गर्त से उठाकर, मेरे अज्ञान को दूर कर अपने श्रीचरणों का ज्ञान कराइए, हे प्रभु!

248.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

नाणमरेय नूलु सडिललु नाचुवरु नोडा

गंडु हेण्णेंब जातिगळु। प्राणदोडेय जगदोळगे

मुळुगलु तेरहिल्लदिरलु देवर मुंदे

नाचलेडेयुंटे? चन्नमल्लिकार्जुन जगवेल्ल कण्णागि

नोडुत्तिरलु मुच्चि मरसुव ठावावुदु हेळय्या ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

वस्त्र का एक धागा भी ढीला हो जाए, तो स्त्री-पुरुष लज्जित होने लगते हैं, देखो! परंतु जब सर्वव्यापी प्राणनाथ (ईश्वर) इस संपूर्ण जगत् में बिना किसी खाली स्थान के समाए हुए हैं, तो उस परमेश्वर के सामने लज्जा या संकोच का स्थान कहाँ है? हे चन्नमल्लिकार्जुन, जब पूरा संसार ही उनकी आँख बनकर देख रहा है, तो छिपाने या पर्दा करने की कौन सी जगह हो सकती है, बताओ?

249.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

नानु निनगोलिदे, नीनु एनगोलिदे। नीनेन्ननगरदिप्पे,

नानिन्ननगरदिप्पेिनय्या। निनगे एनगे बेरोंदु

ठावुंटे? नीनु करु णियेंबुद बल्लेनु; नीनिरिसिद

गतियोळगिप्पवळानु। नीने बल्ले चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

मैं आप पर रीझ गई (समर्पित हो गई), और आप मुझ पर प्रसन्न हो गए। न आप मुझसे अलग हैं, और न मैं आपसे अलग हूँ, हे प्रभु। क्या आपके और मेरे लिए कोई भिन्न स्थान है? मैं जानती हूँ कि आप परम दयालु हैं; आप मुझे जिस हाल में रखें, मैं उसी स्थिति में रहने को प्रस्तुत हूँ। हे चन्नमल्लिकार्जुन, यह केवल आप ही भली-भाँति जानते हैं।

250.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

नानु मज्जनव माडुवुदक्के मुन्नवे जंगमक्के

मज्जनव माडिसुवे। नानु सीरेयनुडुवुदक्के मुन्नवे

जंगमक्के देवांगवनुडिसुवे। नानु परिमळव

लेपिसुवुदक्के मुन्नवे जंगमक्के सुगंधद्रव्यंगळ

लेपिसुवे। नानु अक्षतेयनिडुवुदक्के मुन्नवे जंगमक्के

अक्षतेयनिडुवे। नानु पुष्पव मुडिवुदक्के मुन्नवे

जंगमक्के परिमळपुष्पव मुडिसुवे। नानु

धूपवासनेय कोळ्ळुव मुन्नवे जंगमक्के

धूपवासनेय कोडुवे। नानु दीपारतिय नोडुव

मुन्नवे जंगमक्के आरतिय नोडिसुवे। नानु सकल

पदार्थंगळ स्वीकारिसुव मुन्नवे जंगमक्के मृष्टा अन्नव

नीडुवे। नानु पानंगळ कोळ्ळुव मुन्नवे जंगमक्के

अमृतपानंगळ कोडुवे। नानु कैय तोळेयुव

मुन्नवे जंगमक्के हस्तप्रक्षालनव माडिसुवे। नानु

वीळेयव माडुवुदक्के मुन्नवे जंगमक्के तांबूलव

कोडुवे। नानु गद्दुगेय मेले कुळिळरुवुदक्के मुन्नवे

जंगमक्के उन्नतआसनवनिक्कुवे। नानु सुनादंगळ

केळुवुदक्के मुन्नवे जंगमक्के सुगीत वाद्यंगळ

केळिसुवे। नानु भूषणंगळ तोडुवुदक्के मुन्नवे

जंगमक्के आभरणंगळ तोडिसुवे। नानु

वाहनंगळनेरुवुदक्के मुन्नवे जंगमक्के

वाहंगळनेरिसुवे। नानु मनयोळगिहुदक्के मुन्नवे

जंगमक्के गृहवकोडुवे। इंती हदिनारु

तेरदभक्तियनु चरलिंगक्के कोट्टु आ चरलिंगमूर्ति

भोगिसिद बळिक नानु प्रसाद मुंतागि

भोगिसुवेनल्लदे जंगमविल्लदे इनितरोळोंदु

भोगवनाडू नानु भोगिसिदेनादडे निम्मआणे,

निम्म प्रमथराणे। इंती क्रमदल्लि नडेवातंगे

गुरुवुंटु लिंगवुंटु जंगमवुंटु,

पादोदकवुंटु प्रसादवुंटु आचारवुंटु

भक्तियुंटु। ई क्रमदल्लि नडेयदातंगे गुरुविल्ल

लिंगविल्ल जंगमविल्ल पादोदकविल्ल

प्रसादविल्लाचारविल्ल भक्तियिल्ल। अवन बाळुवे हंदिय

बाळुवे। अवन बाळुवे नाय बाळुवे। अवन बाळुवे

कत्तेय बाळुवे। अवनु सुरेमांस भुंजकनु,

अवनु सर्व चांडालनय्या चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

अपने स्नान करने से पहले मैं जंगम (शिवरूप संत) को स्नान कराऊँगी। वस्त्र पहनने से पहले जंगम को दिव्य वस्त्र पहनाऊँगी। इत्र लगाने से पहले जंगम को सुगंधित द्रव्य लगाऊँगी। अक्षत धारण करने से पहले जंगम को अक्षत अर्पित करूँगी। फूल धारण करने से पहले जंगम को सुगंधित पुष्प अर्पित करूँगी। धूप की सुगंध लेने से पहले जंगम को धूप की सुगंध दूँगी। आरती देखने से पहले जंगम को आरती कराऊँगी। भोजन ग्रहण करने से पहले जंगम को स्वादिष्ट अन्न परोसूंगी। पेय ग्रहण करने से पहले जंगम को अमृतोपम पेय दूँगी। हाथ धोने से पहले जंगम के हस्त प्रक्षालित कराऊँगी। तांबूल (पान) खाने से पहले जंगम को तांबूल दूँगी। आसन पर बैठने से पहले जंगम के लिए उच्च आसन बिछाऊँगी। मधुर संगीत सुनने से पहले जंगम को सुगीत और वाद्य सुनाऊँगी। आभूषण पहनने से पहले जंगम को आभूषण पहनाऊँगी। वाहन पर चढ़ने से पहले जंगम को वाहनारूढ़ कराऊँगी। घर में रहने से पहले जंगम को गृह समर्पित करूँगी।

इस प्रकार षोडशोपचार (सोलह प्रकार की) भक्ति जंगम रूपी चरलिंग को समर्पित करके, उनके द्वारा उपभोग किए जाने के बाद ही मैं प्रसाद रूप में उसे ग्रहण करूँगी। यदि जंगम को अर्पित किए बिना इनमें से एक भी सुख मैं स्वयं भोगूँ, तो मुझे आपकी और आपके समस्त प्रमथगणों की सौगंध है!

जो इस क्रम और मर्यादा से चलता है, उसी के पास गुरु, लिंग, जंगम, पादोदक, प्रसाद, आचार और भक्ति का सच्चा अस्तित्व है। जो इस मर्यादा का पालन नहीं करता, उसके पास न गुरु है, न लिंग, न जंगम, न पादोदक, न प्रसाद, न आचार और न ही भक्ति। उसका जीवन सुअर के समान, कुत्ते के समान और गधे के समान व्यर्थ है। वह मदिरा और मांस का भक्षण करने वाले चंडाल के समान है, हे चन्नमल्लिकार्जुन!

248 (b). *(क्रम संख्या 251 की निरंतरता)*

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

नानुण्णद मुन्नवे जंगमक्के अमृत्तान्नादि नैवेद्यव

नीडुवे। नानुडद मुन्नवे जंगमक्के देवांगादि

वस्त्रवनुडिसुवे। नानु हूसद मुन्नवे जंगमक्के

सुगंधादि परिमळद्रव्यव हूसुवे। नानु मुडियद

मुन्नवे जंगमक्के परिपरिय पुष्पव मुडिसुवे। नानु

तोडद मुन्नवे जंगमक्के तोडिगेय तोडिसुवे।

नानाव्हाव भोगव भोगिसुवद जंगमक्के

भोगिसलित्तु, आ शेषप्रसादव लिंगक्कित्तु भोगिसिद

बळिकलल्लदे भोगिसिदडे निम्मआणेयय्या

चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

स्वयं भोजन करने से पूर्व मैं जंगम को अमृतरूपी अन्न का नैवेद्य अर्पित करूँगी। स्वयं वस्त्र धारण करने से पूर्व जंगम को सुंदर वस्त्र पहनाऊँगी। स्वयं चंदन/इत्र लगाने से पूर्व जंगम को सुगंधित लेप लगाऊँगी। स्वयं पुष्प धारण करने से पूर्व जंगम को भाँति-भाँति के पुष्प अर्पित करूँगी। स्वयं आभूषण पहनने से पूर्व जंगम को अलंकृत करूँगी। जिस-जिस सुख का मैं उपभोग करूँ, वह पहले जंगम को समर्पित करके और उस शेष प्रसाद को इष्टलिंग को अर्पित करके ही ग्रहण करूँगी; यदि इसके बिना उपभोग करूँ, तो हे चन्नमल्लिकार्जुन, मुझे आपकी सौगंध है!

249 (b). *(क्रम संख्या 252 की निरंतरता)*

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

नाळद मरेय नाचिके, नूलमरेयल्लि अडगित्तेंदु

अंजुवरु, अळुकुवरु। मन मेच्चिदभिमानक्के आवुदु

मरे हेळा? काय मण्णेंदु कळेद बळिक,

देहदभिमान अल्लीये होयित्तु। प्राण बयलेंदु

कळेद बळिक, मनद लज्जेयिल्लिये होयित्तु।

चन्नमल्लिकार्जुनन कूडि लज्जेगेट्टवळ उडिगेय

सेळेदुकोंडडे, मुच्चिद सीरे होदरे अंजुवरे मरुळे?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

कपड़े या धागे के ओट में लज्जा छिपी है सोचकर लोग डरते और झिझकते हैं। पर जहाँ मन प्रभु पर रीझ चुका हो, वहाँ भला कैसा पर्दा और कैसी लज्जा? जब यह शरीर मिट्टी ही है, यह जानकर देह-मोह छूट गया, तो देह का अहंकार वहीं समाप्त हो गया। जब प्राण परमात्मा के शून्य (अनंत) में विलीन हो गए, तो मन की लज्जा भी वहीं समाप्त हो गई। चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु में लीन होकर जो सांसारिक लज्जा से मुक्त हो चुकी है, यदि कोई उसका वस्त्र भी खींच ले, तो क्या वह ढकी हुई साड़ी के चले जाने से डरेगी, ओ मूर्ख?

250.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

नाळे बरुवुदु नमगिंदे बरलि, इंदु बरुवुदु

नमतीगले बरलि; आगीग एन्नदिरो,

चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जो कल होने वाला है, वह आज ही हो जाए; जो आज होने वाला है, वह अभी इसी क्षण हो जाए; मेरे लिए 'तब या अब' का भेद मत करो, हे चन्नमल्लिकार्जुन!

251.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

नित्यतृप्तंगे नैवेद्यद हंगेतक्के ? सुराळ निराळंगे

मज्जनद हंगेतक्के ? स्वयंज्योतिर्मयंगे

दीपाराधनेय हंगेतक्के ? सुवासने सूक्ष्मगंध

कर्पूरगौरंगे पुष्पद हंगेतक्के ? माटदलि मन

नंबुगेयिल्लद, अहंकारक्कीडाद, भक्तियेंब

पसारवैनिक्की कोलेहदिनेंटुजन्मव होरेवुदरिंद

अंगैयलोरेसि मुक्तिया मूल शिखिरंध्रद कामन

सुट्टु शुद्धस्फटिक स्वयंज्योतियनु सुणालदिंद

हं क्षं एंबेरडक्षरव

स्वयानुभावभक्तिर्निर्वानवादवरनेनगोम्मे तोरिदे।

श्रीगिरि चन्न मल्लिकाजुर्ना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

नित्यतृप्त परमेश्वर को नैवेद्य की क्या आवश्यकता? निराकार और सर्वव्यापी को स्नान (मज्जन) की क्या आवश्यकता? स्वयंज्योतिर्मय को दीपाराधना की क्या आवश्यकता? सूक्ष्म गंध और कपूर के समान गौर वर्ण वाले को पुष्प की क्या आवश्यकता? हृदय में सच्ची निष्ठा और विश्वास के बिना, अहंकार में डूबी हुई भक्ति का दिखावा करके जन्म-जन्मांतरों तक भटकने के बजाय, अपनी अंतरात्मा में ध्यान लगाकर, शिखिरंध्र में कामदेव (विकारों) को भस्म कर, शुद्ध स्फटिक के समान स्वयंज्योति को सुणाल (योग मार्ग) से 'हं' और 'क्षं' इन दोनों अक्षरों के माध्यम से अनुभव कर स्वयानुभाव भक्ति और निर्वाण को प्राप्त हुए भक्तों के दर्शन मुझे एक बार कराइए, हे श्रीगिरि चन्नमल्लिकार्जुन!

252.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

नित्यवेंब निजपदवेन्न हत्तेसार्दु कंडबळिक चित्त करी।

मन कोरगि हृदयवरळित्तु नोदय्य। ओत्ति बिगिद

सेरेयोळगे अत्तित्तलेंदरियदे चन्नमल्लिकार्जुनन

पाददल्लि मरेदोरगिदे नोदय्य।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

नित्य सत्य रूपी उस परम पद को पाकर मेरा चित्त पिघल गया, मन व्यथित हुआ और हृदय खिल उठा, देखिए! मोह के कसे हुए बंधन में फँसकर और कहीं अन्यत्र न भटकते हुए, मैं चन्नमल्लिकार्जुन के चरणों में अपनी सुध-बुध खोकर गिर पड़ी (शरण हो गई), देखिए!

253.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

नित्यवेंब मनगे नडेदुबंदित्तिंदु। मुक्ति एन्न मनगे

नडेदुबंदित्तिंदु। जय जया, हरहरा, शंकर

शंकरा, गुरुवे नमो, परमगुरुवे नमो।

चन्नमल्लिकार्जुनन तोरिद गुरुवे नमो नमो।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

आज नित्यत्व (शाश्वत सत्य) चलकर स्वयं मेरे घर आया है। आज मुक्ति चलकर स्वयं मेरे घर आई है। जय हो, जय हो! हे हर-हर, हे शंकर-शशंकर! सद्गुरु को नमो, परम गुरु को नमो। चन्नमल्लिकार्जुन के दर्शन कराने वाले गुरु को बारंबार प्रणाम!

254.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

निन्नरिकेय नरकवे मोक्ष नोदय्य, निन्ननरियद

मुक्तिये नरक कंडय्य। नीनोल्लद सुखवे दुःख

कंडय्य, नीनोलिद दुःखवे परमसुख कंडय्य।

चन्नमल्लिकार्जुनय्य, नी कट्टि केडहिद बंधनव

निर्बंधवेंदिप्पेनु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

हे प्रभु, आपकी जानकारी (विरह या आपकी दी हुई परीक्षा) वाला नरक भी मोक्ष के समान है, और आपको न जानने वाली मुक्ति भी नरक के समान है, देखिए! जिसे आप पसंद न करें वह सुख भी दुःख है, और आपकी कृपा से मिला दुःख भी परम सुख है, देखिए! हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, आपने मेरे जो बंधन काटकर गिरा दिए हैं, उन्हें मैं आपकी सर्वोच्च आज्ञा (निर्बंध) मानकर स्वीकार करती हूँ।

255.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

निम्म ओक्कुद कोंडु ओलाडुवे, मिक्कुद कोंडु

कुणिडाडुवे। निम्म तोत्तिन तोत्तिन करुणप्रसादव

कोंडु नित्यळागि बदुकिदेनु काणा चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

आपकी जूठन (प्रसाद) पाकर मैं झूमती हूँ, और बचे हुए प्रसाद को पाकर नाचती-गाती हूँ। आपके दासों के भी दास की करुणा रूपी प्रसाद को पाकर मैं अमर (नित्य) होकर जीवित हो गई हूँ, जान लो हे चन्नमल्लिकार्जुन!

256.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

निम्म निलविंगे नीवू नाचबेऽवे? अन्यर कैयल्लि अल्ल

एनिसिकोम्ब नडेनुडि एके? अल्ल एनिसिकोम्बुदरिंद आ

क्षणवे सावुदु लेसु काणा चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

क्या आपको अपनी स्थिति और मर्यादा पर लज्जा नहीं आती? दूसरों के सामने 'अयोग्य' या 'अछूता' कहलाने वाले ऐसे आचरण और वाणी का क्या लाभ? दूसरों से ऐसा अपमानजनक शब्द सुनने से तो उसी क्षण प्राण त्याग देना बेहतर है, हे चन्नमल्लिकार्जुन!

257.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

नीनिक्किद सरिडोडकनारु बिडिसबल्लरेय्या ? नीनिक्किद

कट्टनारु कळेसबल्लरेय्या? नी सीळिद रेखेयनारु

मीरबहुदय्या? चन्नमल्लिकार्जुनय्य, नीनु

कळुहिद सेरेगे मारुवोगदिर्दडे एन्निश्चेय अय्या?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

आपके द्वारा डाले गए इस उलझे हुए जाल को कौन सुलझा सकता है, हे प्रभु? आपके द्वारा बाँधे गए बंधन को कौन काट सकता है? आपके द्वारा खींची गई रेखा का उल्लंघन कौन कर सकता है? हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, आपने मुझे जिस बंधन (संसार) में भेजा है, यदि मैं उसके विरुद्ध जाऊँ, तो क्या वह मेरी अपनी इच्छा होगी?

258.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

नीनु होगेन्दडे होदेनेय्या। नीनु हुट्टेन्दडे

हुट्टिदेनेय्या। नीनु बेळेयेन्द ठाविनल्लि बेळिदेनेय्या।

नीनु हिडियेन्दवर मनये होक्केनेय्या। नीनु

माडेन्द कलेजव माड॰ॅ॰ॅ॰ॅ॰ॅ निम्म बेसलाद

मघळाइर्दे काणा चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

हे प्रभु, जैसा आपने कहा कि जाओ, तो मैं चली गई। जैसा आपने कहा कि जन्म लो, तो मैंने जन्म लिया। जिस स्थान पर आपने कहा कि बढ़ो, वहीं मैं पली-बढ़ी। जिसे आपने पकड़ने (अपनाने) को कहा, मैंने उसी प्रभु के घर में प्रवेश किया। आपके बताए हुए सभी कार्यों को करके मैं आपकी ही आज्ञाकारी पुत्री बनकर रह रही हूँ, जान लो हे चन्नमल्लिकार्जुन!

259.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

नीरक्षीरदंते नीनिप्पैयागी, आवुदु मुन्दु, आवुदु

हिंदु एंदरिये। आवुदु कर्तृ, आवुदु

भृत्यनेंदरिये। आवुदु घन, आवुदु किरिदेंदरिये।

चन्नमल्लिकार्जुनय्य, नीनोलिदु कोंडाडिदडे

इरुहे रुद्रनागदे हेळय्या ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

दूध और पानी की तरह आप मुझमें ऐसे मिले हुए हैं कि क्या आगे है और क्या पीछे, मैं नहीं जानती। कौन स्वामी (कर्तृ) है और कौन सेवक (भृत्य), मैं नहीं जानती। क्या महान है और क्या छोटा, मैं नहीं जानती। हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, यदि आप कृपा करके मेरा आलिंगन करें, तो क्या यह जीव रुद्र (शिव) रूप न बन जाएगा, बताओ?

260.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

नेलद मरेय निधानदंते फलद मरेय रुचियंते

सिलेय मरेय हेमदंते तिलद मरेय तैलदंते

मरद मरेय तेजदंते भावद मरेय ब्रह्मवागिप्प

चन्नमल्लिकार्जुनन निलवनरियाबारदु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

भूमि के भीतर छिपे हुए खजाने की तरह, फल के भीतर छिपी हुई मिठास की तरह, पत्थर के भीतर छिपे हुए सोने की तरह, तिल के भीतर छिपे हुए तेल की तरह, और लकड़ी के भीतर छिपे हुए तेज (अग्नि) की तरह—जो हर भावना के भीतर परब्रह्म के रूप में विद्यमान हैं, उस चन्नमल्लिकार्जुन के सच्चे स्वरूप को आसानी से नहीं जाना जा सकता।

261.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

नोडि नुडिसि माथाडिसिदडोंदु सुख, एन

माडदय्या निम्म शरणर अनुभाव?

चन्नमल्लिकार्जुनय्या, निम्म शरणर सद्गोष्टि एन

माडदय्या ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

देखकर, बोलकर और बात करने में एक अलग ही सुख है; हे प्रभु, आपके शरणों का अनुभव क्या कुछ नहीं कर सकता? हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, आपके शरणों की यह सत्संगति क्या-क्या चमत्कार नहीं कर सकती?

262.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

नोडिहेनेंदडे दृष्टिमरेयायित्तु। कूडिहेनेंदडे

भाव मरेयायित्तु। एनेंबनेनेंबेनेनय्या?

अरिदिहेनेंदडे मरहु मरेयायित्तु। निम्म

मायेयनातिगळेवडे एन्नळवे? कायय्या

चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जब मैंने चाहा कि मैं आपके दर्शन करूँ, तो दृष्टि ही ओझल हो गई। जब मैंने चाहा कि मैं आपसे मिलूँ (एकाकार होऊँ), तो भावना ही छिप गई। मैं क्या कहूँ और कैसे कहूँ, हे प्रभु? जब मैंने चाहा कि मैं आपको जान लूँ, तो मेरा सारा अज्ञान ही छिप गया। आपकी इस माया को पार करना क्या मेरे बस की बात है? हे चन्नमल्लिकार्जुन, मेरी रक्षा कीजिए!

263.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

नोडुव कंगळिगे रूपिम्बागिरलु नीवू मननाचदे

बंदिरण्णा। केळिद श्रोत्रसोगसिगे नीवू मरुळागि

बंदिरण्णा। नारियेंब रूपिंगे नीवू ओलिदु

बंदिरण्णा। मूंत्रवु बिंदु ओसरुवनळवेंदु

कंगाणडे मुंदुगेट्टु बंदिरण्णा। बुद्धीगेडितनदिंद

परमार्थद सुखव होगालाडिस ್ಕೊಂಡು इदाव

कारणवेंदariyade, नीवू नरकहेंतुवेंदरितु मन

हेसदे बंदिरण्णा। चन्नमल्लिकार्जुननल्लदे मिक्कीह

पुरुषरेंगे सहोदररु। अछी होगा मरुळे।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

देखने वाली आँखों को सुंदर रूप मानकर आप बिना मन की लज्जा के चले आए, हे भाई। कानों को प्रिय लगने वाले रस और शब्दों पर मुग्ध होकर आप पागल बनकर चले आए, हे भाई। स्त्री के रूप पर रीझकर आप उसकी ओर खिंचे चले आए, हे भाई। यह शरीर तो मूत्र और रक्त का बहता हुआ नाला मात्र है—यह बिना समझे आप अज्ञान में अंधे होकर चले आए, हे भाई। अपनी मूर्खता के कारण परमार्थ के सुख को गंवाकर और इसका कारण जाने बिना, यह जानते हुए भी कि यह नरक का मार्ग है, बिना मन में घृणा लाए आप चले आए, हे भाई। हे मूर्ख, चन्नमल्लिकार्जुन के सिवा बाकी सभी पुरुष मेरे लिए भाई के समान हैं। अरे! दूर हो जा, मूर्ख!

264.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

नोडेनेम्बवर नोडिसुवे, नुडियेम्बवर

नुडियिसुवे, ओल्लेनेम्बवरनोलिसुवे, ओलिदेंबवर

तोलगिसुवे नोडय्या। चन्नमल्लिकार्जुनय्या,

नीनल्लादन्यर मुखद नोडेनेन्दडे नोडुव०ँ

मादिदयल्ला लिंगवे?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जो लोग कहते हैं कि 'हम नहीं देखेंगे', मैं उन्हें दिखा देती हूँ; जो कहते हैं कि 'हम नहीं बोलेंगे', मैं उन्हें बुलवा देती हूँ; जो कहते हैं कि 'हम प्रेम नहीं करेंगे', मैं उन्हें प्रेम करना सिखा देती हूँ; और जो कहते हैं कि 'हमने प्रेम कर लिया है', मैं उन्हें दूर कर देती हूँ, देखिए! हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, क्या आपने ऐसा कर दिया है कि आपके सिवा किसी अन्य का मुख न देखने की ठानने पर भी मुझे विवश होकर देखना पड़े, हे इष्टलिंग?

265.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

पंचेंद्रिय सप्तधातु अष्टमद कोंदु कूगितल्ला?

हरिब्रह्मर बलुह मुरिदु कोंदु कूगितल्ला? महा

ऋषियर तपव केडिसि कोंदु कूगितल्ला?

चन्नमल्लिकार्जुनंगे शरणेंदु नंबि मरेऽऽक्कडे

अंञि निन्दुदल्ला?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

क्या इसने पाँचों इंद्रियों, सातों धातुओं और आठों मदों को कुचलकर कोहराम नहीं मचाया? क्या इसने हरि और ब्रह्मा के बल को तोड़कर तबाही नहीं मचाई? क्या इसने महाऋषियों के तप को नष्ट

करके उत्पात नहीं मचाया? परंतु जब कोई चन्नमल्लिकार्जुन के शरण में जाकर उन पर विश्वास करके उनकी शरण में आ जाता है, तो क्या यह काम (विकार) भी सहमकर चुप नहीं खड़ा हो जाता?

266.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

पंचेंद्रियांगळोळगे ओंदक्के प्रियनोदडे साळदे?

सप्तव्यसनांगळोळगे ओंदक्के प्रियनोदडे साळदे? रत्नद

संकलेयादडैनु बंधन बिडुवुदे

चन्नमल्लिकार्जुना?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

क्या पाँचों इंद्रियों में से केवल किसी एक के प्रति आसक्त होना ही काफी नहीं है? क्या सातों व्यसन में से किसी एक का प्रेमी होना ही काफी नहीं है? यदि बंधन लोहे का हो या मोतियों और रत्नों की जड़ी हुई जंजीर (सोने की बेड़ी) का, तो क्या उससे बंधन का दुःख कम हो जाता है, हे चन्नमल्लिकार्जुन? (पाप तो पाप ही है, चाहे वह सुंदर रूप में ही क्यों न हो।)

267.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

पंचेंद्रियद उरवणेय उदुमदद भरद

जव्वनदोडलु वृथा होयित्तल्ला ? तुम्बि परिमळव

कोंडु लंबिसुवे तेरनंते इन्नेंदिंके ओळकोंबयो,

अय्या चन्नमल्लिकार्जुना ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

पंचेंद्रियों के वेग, मदमस्त जवानी और शरीर का यह सारा यौवन क्या व्यर्थ ही बीत गया? जैसे भौंरा फूलों की सुगंध लेकर मंडराता है, वैसे ही हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, आप मुझे अपनी शरण में कब अपनाएंगे?

268.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

पच्चेय नेलेगट्टु, कनकद तोरण, वज्रद कंब,

पवळद चप्परविक्की, मुत्तुमाणिडक मे लुकट्ट कट्टि,

मदुवेय मादिदरु, एम्मवरेन्न मदुवेय

मादिदरु।चन्नमल्लिकार्जुननेंब गंडंगेन्न

मदुवेयमादिदरु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

पन्ने (पच्चे) का फर्श बिछाकर, सोने के तोरण सजाकर, हीरे के खंभे और मूंगे का मंडप गाड़कर, तथा मोतियों और मणियों की छत (शामियाना) तानकर—मेरे अपनों ने मेरा विवाह कर दिया। मेरा यह विवाह चन्नमल्लिकार्जुन नामक पति के साथ कर दिया गया है।

269.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

पडेवुदरिदु नरजन्मव, पडेवुदरिदु हरभक्तिय,

पडेवुदरिदु गुरुकारुण्यव, पडेवुदरिदु

लिंगजंगमसेवेय, पडेवुदरिदु सत्यशरणरनुभावव।

इंतागि चन्नमल्लिकार्जुनय्यन शरणर अनुभावदल्लि

नलिनीलदाडु कंडैया एले मनवे।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

मनुष्य जन्म पाना दुर्लभ है, शिव की भक्ति पाना दुर्लभ है, गुरु की कृपा पाना दुर्लभ है, लिंग और जंगम की सेवा पाना दुर्लभ है, और सच्चे शरणों का अनुभव पाना अत्यंत दुर्लभ है। इसलिए हे मेरे मन, चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु के शरणों के इस अलौकिक अनुभव में डूबकर आनंदित हो, देख!

270.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

पररोडतण मातु नमगेेतारदय्य ? पररोडतण

गोट्टि नमगेेकय्य? लोकद मानवरोडने

नमगेेतार विचारवय्य्ि चन्नमल्लिकार्जुनन

ओलविल्लदवरोडने नमगेेतार विचारवय्या?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

दूसरों से जुड़ी हुई बातों से हमारा क्या लेना-देना, हे प्रभु? दूसरों की गपशप और पंचायत से हमारा क्या सरोकार? इस संसार के आम इंसानों के साथ हमें क्या विचार-विमर्श करना है? जिन्हें चन्नमल्लिकार्जुन का प्रेम और कृपा प्राप्त नहीं है, ऐसे लोगों से हमें क्या चर्चा करनी है, हे प्रभु?

271.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

पाताळवित्तित्त, पादंगलत्तत्त, दशदिक्कु इत्तित्त,

दशभुजंगलत्तत्त, ब्रह्मांडवित्तित्त, मणिमुकुटवत्तत्त,

चन्नमल्लिकार्जुनय्या, नीवेन्न करस्थलक्के बन्दु

चुळुकादिरल्ला लिंगवे।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

पाताल इस ओर है तो आपके चरण उस ओर हैं, दसों दिशाएँ इस ओर हैं तो आपकी दसों भुजाएँ उस ओर हैं, ब्रह्मांड इस ओर है तो आपका मणिमुकुट उस ओर है—हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, इतने विशाल स्वरूप वाले आप, मेरे इस छोटे से करकमल (इष्टलिंग) पर आकर कितने छोटे और सूक्ष्म रूप में समा गए हैं, हे इष्टलिंग!

272.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

पुण्यपापंगलनरियद मुन्न, अनेक भवंगल

बंदेनेय्या? बन्दु बन्दु नोंदु बेंदेनेय्या?

बन्दु निम्म नंबि शरणुव ँ ऽक्केनेय्या? निम्मनेन्दू

अग्लदंते माडि नडेसय्या निम्म धर्म निम्म धर्म।

निम्मलॉन्दु बेडुवेनु, एन्न बंधन बिडुव ँ

माडय्या चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

पुण्य और पाप को जानने से पहले, क्या मैं अनेक जन्मों (भवों) में भटकती हुई यहाँ नहीं आई? बार-बार जन्म लेकर क्या मैं जल-भुनकर दुःखी नहीं हुई? अंत में आकर क्या मैंने आपको ही अपना सर्वस्व मानकर आपकी शरण नहीं ली? हे प्रभु, मुझे ऐसा आशीर्वाद दीजिए कि मैं कभी आपको न भूलूँ और आपके दिखाए मार्ग पर चलूँ—यह आपकी ही मर्यादा है। मैं आपसे एक ही वर मांगती हूँ, हे चन्नमल्लिकार्जुन, मेरे इन सांसारिक बंधनों को हमेशा के लिए काट दीजिए!

273.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

पुदुगिद संसारद बंधनदोळु पेणगिदे अदेंदिगे

बिट्टु पोपुदो? एन्दु निम्मनोडगूडी

बेरागादेंदिप्पेनो चन्नमल्लिकार्जुना ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

इस घने और उलझे हुए संसार के बंधन में फँसकर मैं छटपटा रही हूँ, यह बंधन किस दिन छूटेगा और मैं इससे मुक्त होऊँगी? हे चन्नमल्लिकार्जुन, ऐसा सौभाग्य कब आएगा जब मैं पूरी तरह आपमें लीन हो जाऊँगी और फिर कभी आपसे अलग नहीं होऊँगी?

274.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

पुरुषुन मुंदे माये स्त्रीयेंब अभिमानवागि

काडुवुदु। स्त्रीय मुंदे माये पुरुषनेंब

अभिमानवागि काडुवुदु। लोकवेंब मायेगे

शरणचारित्र्य मरुळागि तोरुवुदु।

चन्नमल्लिकार्जुननोलिद शरणंगे मायेयिल्ल,

मरहिल्ल, अभिमानवू इल्ल।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

पुरुष के सामने माया 'स्त्री' का अहंकार बनकर परेशान करती है। स्त्री के सामने माया 'पुरुष' का अहंकार बनकर सताती है। संसार की यह माया शरणों के पावन चरित्र को पागलपन या अजीब सी दिखती है। परंतु जिस पर चन्नमल्लिकार्जुन की कृपा हो गई है, ऐसे शरण के लिए न कोई माया है, न अज्ञान (अभिमान), और न ही कोई अहंकार!

275.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

पृथ्वी पृथ्वीय कूडद मुन्न, अप्पु अप्पुव कूडद

मुन्न, तेज तेजव कूडद मुन्न, वायु वायुव

कूडद मुन्न, आकाश आकाशव कूडद मुन्न

पंचेंद्रियांगळेल्ल हंचुहरियागाद

मुन्न चन्नमल्लिकार्जुनंगे शरणेंनिरे ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

इससे पहले कि पृथ्वी पृथ्वी में विलीन हो, जल जल में मिले, तेज तेज में समाए, वायु वायु में विलीन हो, आकाश आकाश में मिले, और इससे पहले कि पंचेंद्रियाँ बिखरकर नष्ट हों—हे लोगों, तुम अभी से चन्नमल्लिकार्जुन की शरण में क्यों नहीं चले जाते?

276.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

पृथ्वीयल्लि गुरूपदेशवेंब नेगिलपिदिडु

अंतःकरणचतुष्टयवेंब पशुवं कट्टि ओंकारवेंब

शिणिगोलं पिडिडु व्रत क्रियवेंब सालनेत्ति

निराशियेंब कुंटेयं तुरुगि दुष्कर्मंगळेंब

दुर्मलरिगळं कळेडु नाना मूलद बेरं कित्तु

ज्ञानाग्नियेंब बेम ಕ ियं सुट्टु ई होलिन

हसनमाडि बित्तुव पर्यायवेंतेंदोडे नाद

बिन्दु कळे मोळे हद बेदेयनरिदु स्थूलवेंब

दिंडिंगे श्रीदेवीरेंब ताळनट्टु सुषुम्ननाळवेंब

कोवियं जोडिसि मेळे त्रिकूटस्थानवेंब बट्टियं

बलिडु कुंडलिय सर्पन हग्गवं बिगुडु हंसनेंब

एत्तं कट्टि प्रणावरेंब बीजवं पश्चिम मुखक्के बित्ति

संतोषवेंब बेळेयं बेळेडु ई बेळेय

कोयिदुंब पर्यायवेंतेंदोडे बागुचंदनेन्यम्ब

कुडुगोलं पिडिडु जननद निलवं कोयिडु,

मरणद सूडं कट्टि आकाशवेंब बणबेय ओट्टि

अष्टांगयोगवेंब जीवधनदिंदमोक्कि

तापत्रयवेंब मेट्टनं मेट्टिसि पापद होट्ट तूरि

पुण्यदजर हम्मनुळिये निर्मलनेंब घनराशियं

माडि चित्रगुप्तरेम्यम्ब शानुभोगर संपुटक्के बरहं

बरेसदे व्यवहारं कद्दु नम्म् श्रीशैल

चन्नमल्लिकार्जुननेल्लि भानुगे ओन्दे मुखवाद

ओक्कलुमुगन तोरिसय्य निम्म धर्म

श्रीशैलचन्नमल्लिकार्जुनप्रभुवे।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

इस पृथ्वी पर गुरु उपदेश रूपी हल को पकड़कर, चारों अंतःकरणों (मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार) रूपी पशु को बाँधकर, ओंकार रूपी प्रतोद (चाबुक) को हाथ में लेकर, व्रत और क्रिया रूपी कतार को सीधा कर, निराशा रूपी खूँटी को गाड़कर, दुष्कर्मों रूपी मलबे और घास-फूस को साफ करके, विभिन्न बुराइयों की जड़ों को उखाड़कर, ज्ञानाग्नि रूपी आग से जलाकर इस खेत को उपजाऊ और स्वच्छ बनाने की विधि यह है—नाद, बिंदु और कला के अंकुर तथा उसकी पक्की अवस्था को जानकर, स्थूल शरीर रूपी ढिंड पर 'श्रीदेव' रूपी थाल (खूंटा) गाड़कर, सुषुम्ना नाड़ी रूपी नली को जोड़कर, ऊपर त्रिकूट स्थान रूपी मार्ग को मजबूत करके, कुंडलिनी सर्प की रस्सी को कसकर, हंस (प्राण/श्वास) रूपी बैल को जोतकर, प्रणव (ॐ) रूपी बीज को पश्चिम मुख की ओर बोकर, संतोष रूपी फसल को उगाकर, और इस फसल को काटने की विधि यह है—नम्रता रूपी दरांती को हाथ में लेकर जन्म के स्वरूप को काटकर, मरण का गट्ठर बाँधकर, आकाश रूपी ढेर (पुंज) लगाकर, अष्टांग योग रूपी जीवन-धन से मड़ाई करके, तापत्रय (तीनों तापों) रूपी भूसे को निकलवाकर, पाप रूपी कचरे को दूर कर, पुण्य का अहंकार भी शेष न रहे ऐसी निर्मल ज्ञान की राशि तैयार करके, चित्रगुप्त जैसे लेखपालों (शानुभोग) के बही-खाते में कोई लेखा-जोखा लिखे बिना, सांसारिक व्यवहार को छुपाकर—हे हमारे श्रीशैल चन्नमल्लिकार्जुन, जहाँ सूर्य को भी एक ही मुख है (जो सदा प्रकाशमान है), ऐसे अद्वितीय भक्त और उस परमात्मा के एकलौते पुत्र का मुझे दर्शन कराइए, आपकी शपथ, हे श्रीशैल चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु!

277.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

प्रथमतदलाद मोह सात्विकवादडे किथवेकय्य

हेररनोल्लद बेटक्के किथवेकय्य?

चन्नमल्लिकार्जुनदेवरदेवननेन्दिगे बिडद नेहक्के

किथवेकय्य ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

आरंभ में उत्पन्न हुआ मोह यदि सात्विक (शुद्ध प्रेम) बन जाए, तो उसमें छल या कपट (कितव) की क्या आवश्यकता है? दूसरों को त्यागकर केवल एक से प्रेम करने की इस लगन में कपट क्यों होगा? चन्नमल्लिकार्जुन देवों के देव से कभी न छूटने वाले इस अनन्य प्रेम में छल-कपट का क्या काम?

278.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

प्राण लिंगवेंदरिदबळिक प्राण प्रसादवायित्तु। लिंग

प्राणवेंदरिदबळिक अंगदासे हिंगित्तु। लिंग सोङ्किन

संगिगे कंगळे करुवादवय्या। चन्नमल्लिकार्जुनय्या,

हिंगदे अनिमिषनागिह शरणंगे।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जब यह जान लिया गया कि प्राण ही लिंग है, तो प्राण स्वयं प्रसाद बन गया। जब यह जान लिया गया कि लिंग ही प्राण है, तो शरीर की सारी वासनाएँ समाप्त हो गईं। लिंग के स्पर्श के उस पावन संग से मेरी आँखें ही मानो बछड़े के लिए लालायित गाय की तरह करुणा से भर गईं, हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु! जो शरण बिना पलक झपकाए (अनिमिष भाव से) निरंतर आपका ही ध्यान करता है, उस पर आपकी कृपा सदैव बनी रहे।

279.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

प्राण ?

,

.

. ,

, ?

. , ?

, त्रिभुवनद हेण्डिर

नीरहोलयल्लिरिसित्तु।

(Note: Since the source text contains a blend of Kannada and Kannada script mixed lines for 279, here is the exact Devanagari transliteration matching the prompt's Kannada text precisely):

प्राण होल मेरेलैयि प्रणा सत्तूद कंडे? देव

दानव मानवरैल्ला जोळवाळियलैदारे।

जाणकलकुटिगननगलदे हूवनै कोय॰ ॅ॰ु, कलियुगद

करस्थलदेवपूजा घन. मेरुविन कुदरे

नलिडाडलदुभुत. जारजंगुळिगळ झगळ मेळाप,

मरुपत्तद मातु, नगे हगरण? क्षीरसागरदल्लि

दारियलवडदय्या। नी हेळबेकु, भक्तरेंतिप्पर॰ ॅ॰?

पंचवर्णद बण्ण संतेय परडाटवु

चन्नमल्लिकार्जुनय्या, त्रिभुवनद हेण्डिर

नीरहोळेल्य् रिसित्तु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

क्या प्राण रूपी खेत की सीमा पर प्राण को मरते हुए किसी ने देखा है? देवता, दानुव और सभी मनुष्य उस ज्वार-भाटे (माया) में आ पड़े हैं। चतुर और कुटिल ईश्वर से अलग हुए बिना, केवल फूल

तोड़कर पूजा करना—इस कलियुग में करस्थल (इष्टलिंग) की पूजा ही सबसे महान है। मेरु पर्वत पर घोड़े का नचना एक अद्भुत बात है। व्यभिचारियों और शठों का यह कलह और मेल-मिलाप, अज्ञानी लोगों की बातें और हँसी-मजाक का यह तमाशा—क्षीर सागर में भी इसका कोई रास्ता नहीं मिल पाता। हे प्रभु, आपको ही बताना चाहिए कि सच्चे भक्त कैसे रहते हैं? यह पाँच रंगों का बाज़ार और संसार की यह भागदौड़—हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, तीनों लोकों की स्त्रियों (इच्छाओं) को मानो मोह के जल-प्रवाह में डुबोए रखती है।

280.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

फला ओळगे पक्कवागियल्ले,

. ,

चन्नमल्लिकार्जुनदेवरदेवन ओळगादवळ।

(Accurate Devanagari Transliteration):

फला ओळगे पक्कवागियल्ले,

कामन मुद्रेय कंडु निमगे नोवादिहितेंदु आ

भावदिंद मुच्चिदे। इदक्के नोवेके काडदिरण्णा,

चन्नमल्लिकार्जुनदेवरदेवन ओळगादवळ।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जब तक फल अंदर से पूरी तरह न पक जाए, तब तक बाहर का छिलका अपनी चमक नहीं खोता (अंदर के पकने पर ही बाहरी रूप बदलता है)। कामदेव की मुद्रा (विकार) को देखकर आपको दुःख हुआ होगा, इसी भावना से मैंने इसे छुपा लिया था। इसके लिए अब दुःख क्यों करते हो, हे भाई? मैं तो पूर्ण रूप से उन चन्नमल्लिकार्जुन देवों के देव की ही शरण में समाई हुई हूँ।

281.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

बंजे बेनेयनेरिबळे? बलदाइ मद्द बल्लळे?

नोंदवर नोव नोयदवरेत्त बल्लर ಂ?

चन्नमल्लिकार्जुनय्यनिरिदलगु ओडलल्लि मुरिदु

होरळुवेन्नललनु नीवेत्त बळिरे, एले तायिगळिरा?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

बाँझ स्त्री प्रसव की पीड़ा को क्या जाने? बलवान (निरोगी) व्यक्ति औषधि की ताकत को क्या जाने? जो कभी खुद नहीं दुःखी हुए, वे दूसरों के दर्द को कैसे समझ सकते हैं? हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु द्वारा दिए गए वियोग रूपी खंजर से मेरे पेट में तीर टूट गया है और मैं तड़प रही हूँ—मेरी इस भयानक व्यथा को आप लोग कैसे समझ पाओगे, हे माताओं?

282.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

बंदहनेन्दु बट्टये नोडि, बारदिद्दडे करगि

कोरगिदेनव्व। तडवादडे बडावादे ताये।

चन्नमल्लिकार्जुनन ओंदिरुळगलिदडे तक्केसडलिद

जक्कवक्कियंतातदेनव्व।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

'वे आने वाले हैं' यह सोचकर मैं रास्ता देखती रही, और जब वे नहीं आए, तो विरह में पिघलकर दुःखी हो गई, ओ सखी! यदि मिलने में थोड़ी भी देर हो जाती है, तो मैं एकदम दीन-हीन हो जाती हूँ, हे माता। यदि चन्नमल्लिकार्जुन से एक रात भी बिछड़ना पड़ जाए, तो मैं अपने साथी से बिछड़कर तड़पने वाली चकवा-चकवी पक्षी के समान हो जाती हूँ, ओ सखी!

283.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

बट्टिह मोलेय भरद जव्वनद चलुवु कंडु

बंदिरण्णा। अण्णा, नानू हेङ्गुसल्ल; अण्णा, नानु

सूळेयल्ल। अण्णा, मत्ते नन्न कंडु कंडु आरेन्दु

बंदिरण्णा? चन्नमल्लिकार्जुननल्लद मिक्किन

परपुरुषनु नमगागद मोरे नोडಬಾ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

उभरते हुए स्तनों और यौवन के इस आकर्षण को देखकर तुम चले आए हो, हे भाई! भाई, मैं कोई साधारण स्त्री नहीं हूँ; भाई, मैं कोई कुलटा (सूया) नहीं हूँ। भाई, फिर मुझे देखकर तुम यहाँ किस इरादे से चले आए हो? चन्नमल्लिकार्जुन के सिवा किसी अन्य परपुरुष का मुख देखना भी मुझे स्वीकार नहीं है, ज़रा मेरा यह रुख देखो, हे भाई!

284.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

बयलिंद हुट्टिद परवेंब तायिगे ऐवर मक्कळु

जनिसिदरु। ओब्ब भाररूप, ओब्ब प्राणरूप; ओब्ब

ऐमुखवागि कायरूपद; इब्बुरु उत्पत्ति स्थितिके

कारणवादरु। ऐमुखनरमने सुखावಶಿವಲೋಕದु कैलासव

होगेनु, मत्र्यक्के अडि इडेनु; चन्नमल्लिकार्जुनदेवा,

नीने साक्षि।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

शून्यता (आकाश) से उत्पन्न हुई 'परा' नामक माता को पाँच पुत्र उत्पन्न हुए। एक भाव रूप है, एक प्राण रूप है; एक पाँचों दिशाओं में फैलकर शरीर रूप बन गया; और दो पुत्र सृष्टि की उत्पत्ति और स्थिति के कारण बने। उस पाँच मुख वाले (इंद्रियों वाले) की नगरी में कोई सुख नहीं है, इसलिए मैं न तो कैलाश जाऊँगी और न ही इस मृत्युलोक में पैर रखूंगी; हे चन्नमल्लिकार्जुन देव, आप ही इसके साक्षी हैं।

285.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

बयलु लिंगवेंबेने? बगिदु नडेवल्लि होयित्तु।

बेट्ट लिंगवेंबेने? मेट्टि निंदल्लि होयित्तु।

तरुमरादिगळु लिंगवेंबेने? तरिदल्लि होयित्तु।

लिंग जंगमद पादवे गतियेंबुद नंबिद

चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

क्या मैं आकाश को ही लिंग कहूँ? वह तो खोदने और चलने में कहीं खो जाता है। क्या मैं पहाड़ को लिंग कहूँ? वह तो पैर के नीचे कुचलने पर वहीं रह जाता है। क्या मैं वृक्षों और लताओं को लिंग कहूँ? वे तो काटने पर नष्ट हो जाते हैं। हे चन्नमल्लिकार्जुन, मैंने तो केवल 'लिंग और जंगम के श्रीचरण ही मेरी मुक्ति का मार्ग हैं'—इसी अटल विश्वास को अपने जीवन का आधार माना है।

286.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

बल्लिद हगेयव तेगेवन्नबर, बडवर हरण

हारिहोज तेरनंतायित्तु। नी काडि काडि

नोडुवन्नबर, एनगिदु विधिये हेळा तंदे?

मुळुवारुवन्नबर, एम्मे गाळिगे हारिहोज तेरनंतायित्तु।

एनगे नीनाव परियलि करुणुसुवेयय्या चन्नमल्लिकार्जुना?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

शक्तिशाली शत्रु के प्रहार करने से पहले ही, गरीब के प्राण हवा में उड़ जाने जैसी स्थिति हो गई है। जब तक आप (कृपा दृष्टि से) बार-बार ताककर देखेंगे नहीं, तब तक क्या यही मेरी विधाता की लिखी विधि है, हे पिता? डूबते हुए व्यक्ति को बचाने से पहले ही, भैंस के हवा में उड़ जाने जैसी (अर्थात

पूरी तरह सर्वनाश हो जाने जैसी) स्थिति हो गई है। हे चन्नमल्लिकार्जुन, आप मुझ पर किस प्रकार कृपा करेंगे?

287.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

बसवन भक्ति कोट्टणदमने। सिरियाळन भक्ति कसबुगेरि।

सिंधुबल्लाळन भक्ति परदारद्रोह। उळिदाद अटमट

उदासीन दासोहव माडुवर दैन्यवेंब भूत

सोंकितु। म्ळिन मनैया कट्टि माया

मोहिनियेंब महेन्द्रजालदळगागि माडुव

माट। भक्तनल्लि उंडु उद्दंडवृत्तियल्लि नडेदवरु

शिवनल्ल। इवरु देवलोक मत्र्यलोकक्के

श्रीगिरि चन्नमल्लिकार्जुना, नन्न भक्ति

निन्नोळगैक्ष्यवायित्तूगि निर्वयलादे काणा ।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

बसवेश्वर की भक्ति ओखली का घर (श्रम और साधना) है। सिरियाळ की भक्ति कसबगेरी (कठिन श्रम) जैसी है। सिंधुबल्लाल की भक्ति परदार (अन्य स्त्री) त्याग और समर्पण की परीक्षा है। इसके अलावा जो लोग कपट, औदासीन्य और पाखंड का दासोह (सेवा) करते हैं, उन्हें दीनता रूपी भूत ने जकड़ लिया है। मिट्टी का घर बनाकर माया-मोह रूपी जादुई जाल में फँसकर आचरण करने वाले लोग सच्चे भक्त या शिवस्वरूप नहीं हैं। ये लोग देवलोक और मृत्युलोक दोनों से बाहर (बहिष्कृत) हैं। हे श्रीगिरि चन्नमल्लिकार्जुन, मेरी भक्ति तो पूरी तरह आपमें ही समाहित होकर एक हो चुकी है, जिससे मैं पूर्णतः निर्विकार और शून्य (मुक्त) हो गई हूँ, जान लो!

288.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

बारद भवंगळल्लि बन्देनय्या। कडियिल्लद तापंगळल्लि

नोंदु निम्म करुणेगे बळिसन्देनय्या। इदु कारण

एन्न देव चन्नमल्लिकार्जुनंगे तनुवनुवागि

मनमारुवोगे मत्तिल्लद तवकद स्नेहक्के तेरहिनेंतु

हेळा तंदे?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

न आने योग्य अनेक जन्मों (भवों) में मैं भटकती हुई आ गई, हे प्रभु। कभी न समाप्त होने वाले संतापों में जल-भुनकर अंततः मैं आपकी कृपा के समीप पहुँची हूँ। यही कारण है कि मेरे इष्टदेव चन्नमल्लिकार्जुन के प्रति अपने तन-मन को समर्पित करके प्रेम में मग्न होने की इस तीव्र और अद्वितीय ललक का कोई दूसरा छोर या सीमा कैसे हो सकती है, हे पिता, आप ही बताइए?

289.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

बिट्टेनिंदडे बिडदी माये, बिडदिद्दडे बेम्बत्तुतु

माये। योगिगे योगिनियमयित्तु माये,

सवणंगे सवणिनियमयित्तु माये। यतिगे

पराकियमयित्तु माये। निम्म मायेगे

नांजुवळल्ल, चन्नमल्लिकार्जुनदेवा, निम्माणे।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

यदि मैं कहूँ कि मैं माया को छोड़ दूँगी, तो यह माया मेरा पीछा नहीं छोड़ती; और यदि मैं इसे न छोड़ूँ, तो यह और अधिक पीछे पड़ जाती है। योगी के लिए यह माया योगिनी बन जाती है, मुनि (श्रमण) के लिए श्रमणी बन जाती है, और संन्यासी (यति) के लिए प्रलोभन बन जाती है। हे चन्नमल्लिकार्जुन देव, मैं आपकी इस माया से बिल्कुल नहीं डरती, आपकी सौगंध!

290.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

बिडु बिडु संगव, सुडुसुडु विषयव,

एनोडयहरु बागिलिगे बन्दरु, तडयदिरा मरुळे।

हडिकेत संसारद सुखव कडियेल्लि हेसि, इदक्के

हिडियदिरु सेरगनु। चन्नमल्लिकार्जुनदेवरु मनगे

बंदरल्लि इदिरेळदिर्दडे नायक नरक।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

संसार का संग छोड़ दो, इन भोग-विलासों और विषयों को जला डालो—मेरे प्रभु द्वार पर आ चुके हैं, इसलिए हे अज्ञानी मन, अब ज़रा भी देर मत करो। इस तुच्छ और गंदे संसार के सुख से अंत में घृणा करो और इसके पल्ले को मत पकड़ो। यदि घर में पधारे चन्नमल्लिकार्जुन देव के स्वागत के लिए आगे बढ़कर न खड़े हुए, तो समझो तुम्हें भयंकर नरक मिलेगा।

291.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

बेन्दसंसार बेम्बिडद काडिहुदय्य, एवेनेवेनेय्या?

अंदंदिन दंदुगक्के एवेनेवेनेय्या? बेन्द ओडल

होरेवुदरक्के नानारे। चन्नमल्लिकार्जुनय्या, कोल्लु

कायि, निम्म धर्म।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

यह जलता हुआ संसार मेरा पीछा छोड़े बिना मुझे लगातार सता रहा है, हे प्रभु, मैं क्या-क्या कहूँ? दिन-प्रतिदिन के इस कोहराम और झंझट से मैं क्या करूँ? इस जली हुई देहातीत काया को पालने-पोसने वाली मैं कौन होती हूँ? हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, मारो या बचाओ—सब आपकी ही मर्जी और मर्यादा है।

292.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

बेट्टक्के सारविल्लेम्बुरु तरुगळु हुट्टुवपरि

इन्नेंतय्या? इद्दलिगे रसविल्लेम्बुरु; कब्बुन करगुवपरि

इन्नेंतय्या? एनगे कायविल्लेम्बुरु;

चन्नमल्लिकार्जुननो लिवपरि इन्नेंतय्या ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

लोग कहते हैं कि पहाड़ में कोई सार (उपजाऊपन) नहीं होता, फिर वहाँ वृक्ष उगने की रीति कैसी है, हे प्रभु? वे कहते हैं कि कोयले में कोई रस नहीं होता, फिर लोहे को पिघलाने की उसकी क्षमता कैसी है, हे प्रभु? लोग कहते हैं कि मुझमें कोई शरीर-भाव (या भक्ति का बल) नहीं है, फिर चन्नमल्लिकार्जुन के मुझ पर रीझने का यह तरीका कैसा है, हे प्रभु?

293.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

बेट्टद मेलोंदु मनैया माडि,

मृगगळिगंजिर्दडेंतय्या? समुद्रद तडियलोंदु

मनैया माडि, नोरेतेरेगळिगंजिर्दडेंतय्या?

संतेलोळगोंदु मनैया माडि, शब्दक्के

नाचिर्दडेंतय्या? चन्नमल्लिकार्जुनदेव केळय्या,

लोकदोळगे हुट्टिद बळिक स्तुतिनिंदेकळु बन्दडे

मनदल्लि कोपव ताळदे समाधानियागिरबेकु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

पहाड़ की चोटी पर घर बनाकर क्या जंगली पशुओं से डरना चाहिए, हे प्रभु? समुद्र के तट पर घर बनाकर क्या उसकी झागदार लहरों से डरना चाहिए? बाज़ार के बीचों-बीच घर बनाकर क्या लोगों के कोलाहल और शब्दों से लज्जित होना चाहिए? हे चन्नमल्लिकार्जुन देव, सुनिए—इस संसार में

जन्म लेने के बाद यदि स्तुति या निंदा (यश या अपयश) दोनों आएँ, तो मन में क्रोध न लाकर हमेशा शांत और समाधिस्थ रहना चाहिए।

294.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

बेरसुवडे बेग तोरा,

निम्मल्लिगे सले संद तोत्तानु; एन्न

हाय्कदिरय्या। चन्नमल्लिकार्जुनय्या, निम्म नम्बि

बेम्बळिबन्देनु इम्बुगोळलय्या बेगदलि।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

यदि मुझे अपने में विलीन करना है, तो शीघ्र दर्शन दीजिए, मुझे बाहर मत भगाइए, हे प्रभु। मैं पूरी तरह आपकी सेवा में समर्पित दासी हूँ; मुझे अपने चरणों से दूर मत कीजिए। हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, मैं आप पर अटूट विश्वास करके आपके पीछे-पीछे आई हूँ, मुझे शीघ्र ही अपनी शरण में स्थान दीजिए।

295.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

बोळयेनेंडु नंबबेडक, ढाळकानवनु जगद

बिन्नाणि। बाण मयूर कालिदास ओहिल उद्भट

मलुहणरवरिगित्त परि बेरे। मुक्तिय तोरि, भक्तिय

मरसिकोम्ब चन्नमल्लिकार्जुननु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

उन्हें कोई सीधा-साधा या भोला समझकर भूल मत करना, वे इस संसार के सबसे बड़े चतुर और कलाकर (बिन्नाणि) हैं। बाण, मयूर, कालिदास, ओहिल, उद्भट और म्लुहण जैसे भक्तों को उन्होंने जिस प्रकार दर्शन और वरदान दिए, वह अनोखा है। वे अपने भक्तों को मुक्ति का मार्ग तो दिखाते हैं, पर स्वयं भक्ति के प्रेम में उन्हें अपनी सुध-बुध भुलाना जानते हैं, ऐसे हैं हमारे चन्नमल्लिकार्जुन!

296.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

भक्तने कुलजनेन्द मातिन०ँ होगादु। भक्तने

कुलजनेम्ब नुडियेल्लियु सल्ल्दु। भक्तने

कुलजनेम्बुदु पातकवय्या। अवयववे मूर्तियागि

सर्वांगलिंगक्के अनुभावविल्लागि एन्न देव

चन्नमल्लिकार्जुननलि यथा तथा एम्बचनवनरियाि रे।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

'भक्त ही कुलीन है'—इस प्रकार की बात कभी नहीं चल सकती। 'भक्त ही उच्च कुल का है' यह कथन सर्वत्र मान्य नहीं है। भक्त को ही कुलीन मानना एक प्रकार का पातक (पाप) है। जब तक शरीर ही मूर्ति बना हुआ है और सर्वांग-लिंग के प्रति कोई सच्चा अनुभव नहीं है, तब तक हे लोगों, मेरे प्रभु चन्नमल्लिकार्जुन के विषय में 'यथा तथा' (जैसे-तैसे कही जाने वाली) इस बात के मर्म को जानो।

297.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

भक्तेयानप्पेनेय्या; कर्तृभृत्यव नानरिये।

माहेश्वरियानप्पेनेय्या; व्रत नेम छलयव नानरिये।

प्रसादीयानप्पेनेय्या; अर्पितानर्पितवेंब भेदव

नानरिये। प्राणलिंगियानप्पेनेय्या; अनुभवद

गमणव नानरिये। शरणेयानप्पेनेय्या? शरणसति

लिंगपति एम्ब भावव नानरिये। ऐक्यळानप्पेनेय्या?

बेरसि भेदव नानरिये। चन्नमल्लिकार्जुनय्या,

षट्स्थलदल्लि निःस्थलवागिप्पेनु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

मैं भक्त कैसे कह लाऊँ, हे प्रभु? मैं स्वामी और सेवक (कर्तृ-भृत्य) के भेद को नहीं जानती। मैं माहेश्वरी कैसे कह लाऊँ? मैं व्रत, नियम और हठ (छल) को नहीं जानती। मैं प्रसादिनी कैसे कह लाऊँ? मैं अर्पित और अनार्पित के भेद को नहीं जानती। मैं प्राणलिंगिनी कैसे कह लाऊँ? मैं अनुभव की गति को नहीं जानती। मैं शरणें कैसे कह लाऊँ? 'भक्त पत्नी है और लिंग पति है'—इस भाव को मैं नहीं जानती। मैं ऐक्यरूपा कैसे कह लाऊँ? मैं विलीन होकर भी भेद को नहीं जानती। हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, मैं तो षट्स्थल में निःस्थल (अद्वैत भाव से स्थिर) होकर निवास करती हूँ।

298.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

भवद बट्टये दूरवनेंन हेळुवेनेय्या?

एम्बऽ्नाल्कु लक्ष ऊरल्लि एडेगेयबेकु।

ओन्दूरभाष॰ॊ॰ॊ॰ॊ॰ॊ॰ॊ॰ॊ। ओंदूरल्लि कोंड॰॰ॊ

आहार मत्तंदूरॊ॰ॊ। इंती ऊर होक्क तप्पिंगे

कायव भूमिके सुङ्कव तेत्तु जीववनुळुहिकोण्डु

बरबेकायित्तु। इंती महाघनद बेळकिनोळगे

कळेदुळिदु सुळिडाडि निम्म पादव कंडु

सुयिधानियाइदे काणा चन्नमल्लिकार्जुनय्या।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

संसार (भव) की इस लंबी राह की व्यथा मैं क्या कहूँ, हे प्रभु? चौरासी लाख योनियों (गाँवों) में भटकना पड़ता है। एक गाँव की भाषा दूसरे गाँव में नहीं होती। एक गाँव में मिलने वाला आहार दूसरे गाँव में नहीं मिलता। इस संसार रूपी गाँव में प्रवेश करने की भूल के कारण, शरीर रूपी भूमि को कर (सुंक) चुकाकर और किसी तरह अपने प्राण बचाकर मुझे वापस लौटना पड़ा। हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, इस महाविशाल ज्योति (प्रकाश) के भीतर विलीन होकर, स्वच्छंद रूप से विचरते हुए, जब मैंने आपके श्रीचरणों के दर्शन किए, तब जाकर मुझे परम शांति और स्थिरता प्राप्त हुई, जान लो!

299.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

भवभवदल्लि तोळलि बळिलित्तेन्नमन, आनेवेनेय्या?

हसिडुंडडे उंडु हसिवायित्तु। इंदु

नीनोलिदेयागि, एनगे अमृतद आप्यायनवायित्तु।

इदु कारण, नीनिक्किद मायेयनिन्नु मुट्टिदेनादडे

आणे, निम्माणे चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जन्म-जन्मांतरों (भव-भव) में भटकते-भटकते मेरा मन थक गया था, अब मैं क्या कहूँ, हे प्रभु? भूख लगने पर भोजन करने के बाद भी भूख बनी रहती थी। परंतु आज जब आपने मुझ पर कृपा की है, तो मुझे अमृत की तृप्ति प्राप्त हुई है। यही कारण है, हे चन्नमल्लिकार्जुन, यदि अब मैंने आपकी डाली हुई इस माया को फिर कभी छुआ, तो मुझे आपकी सौगंध है!

300.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

भविसंगवळिदु भक्तनाद बळिक, भक्तंगे

भविसंगवतिघोर नरक। शरणसति लिंगपतियाद

बळिक, शरणंगे सतिसंगवु अघोरनरक।

चन्नमल्लिकार्जुना, प्राणगुणवळियदवर संगवे

भंग।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

संसार-संग (भवि-संग) को त्यागकर जब कोई सच्चा भक्त बन जाता है, तो उस भक्त के लिए फिर से संसार-संग करना अति घोर नरक के समान है। 'शरण पत्नी है और लिंग पति है'—यह जान लेने के

बाद, शरण के लिए सांसारिक भोग-विलास (सति-संग) का मोह अघोर नरक है। हे चन्नमल्लिकार्जुन, जिनके प्राणों के विकार और दुर्गुण समाप्त नहीं हुए हैं, उनका संग ही मनुष्य का पतन (भंग) करता है।

301.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

भानुविनंतिप्पुदु ज्ञान, भानुकिरणदंतिप्पुदु भक्ति।

भानुवनुळिदु किरणंगळिल्ल, किरणंगळनुळिदु

भानुविल्ल। ज्ञानविल्लद भक्ति, भक्तियिल्लद ज्ञानवेंतिप्पुदु

चन्नमल्लिकार्जुना ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

ज्ञान सूर्य के समान है, और भक्ति सूर्य की किरणों के समान है। सूर्य के बिना किरणें नहीं हो सकतीं, और किरणों के बिना सूर्य का कोई अस्तित्व नहीं है। ज्ञान के बिना भक्ति कैसी और भक्ति के बिना ज्ञान कैसा, हे चन्नमल्लिकार्जुन?

302.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

भाव बीसरवायित्तु, मन मृत्युवनप्पित्तु;

आनेवेनेय्या? आळितनद मन तलेकेळगायित्तु;

आनेवेनेय्या? बिच्चि बेरागाद भाववागे, बेरेदोप्पच्चि

निन्न नित्यसुखदोलगेन्दिप्पेनेय्या, चन्नमल्लिकार्जुना ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

मेरी भावना विचलित हो गई है, और मन ने मानो मृत्यु (अज्ञान) को गले लगा लिया है; अब मैं क्या कहूँ, हे प्रभु? सांसारिक मोह में डूबा हुआ यह मन उलट-पुलट गया है; मैं क्या कहूँ? जब मेरी यह भावना सभी बंधनों से छूटकर और अलग होकर विशुद्ध हो जाएगी, तब मैं आपके इस नित्य शाश्वत सुख में पूरी तरह विलीन होकर कैसे रहूँगी, हे चन्नमल्लिकार्जुन?

303.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

भाविषि नोडिदडे अंगवायित्तु, अंगसंगवागि

संयोगव मरेदु, लिंगसैवेरगादे। लिंगैक्ख्य,

निम्मनाग्लदडे अंगरुचिगळ मरेदु, लिंगरुचिगळल्लि

सैवेरगादे। लिंग सैवेरगाद बळिक चन्नमल्लिकार्जुनन

कोंडु साव भाषे।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जब मैंने गहराई से विचार कर देखा, तो यह शरीर ही सब कुछ बन गया; देह का यह संग पाकर और दैहिक संयोग को भूलकर, मैं इष्टलिंग में ही पूरी तरह तल्लीन हो गई। हे लिंगैप्रभु, आपको कभी न छोड़ते हुए मैंने शरीर के सभी स्वादों और रुचियों को भुला दिया और केवल लिंग की दिव्य रुचियों में ही रम गई। जब मनुष्य इष्टलिंग में पूरी तरह तल्लीन हो जाता है, तो चन्नमल्लिकार्जुन को पाकर उसकी मृत्यु (जन्म-मरण का चक्र) हमेशा के लिए समाप्त हो जाती है।

304.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

भृत्यनाद बळिक कर्तृविंगे उत्तम वस्तुनियबेकु,

इदे कर्तृभृत्यर भेद। लिंगभक्तनादडे

जंगमपादतीर्थप्रसादव लिंगक्के मज्जन भोजन

नैवेद्यव माडि, प्रसादव कोळ्ळबेकु। इदे वर्म,

इदे धर्म काणा चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

सेवक (भृत्य) बनने के बाद अपने स्वामी (कर्तृ) को उत्तम वस्तु अर्पित करनी चाहिए—यही स्वामी और सेवक का असली भेद (मर्यादा) है। सच्चा लिंगभक्त वह है जो जंगम के पादतीर्थ और प्रसाद को ही

इष्टलिंग का स्नान, भोजन और नैवेद्य बनाकर अर्पित करे और फिर उस प्रसाद को ग्रहण करे। यही रहस्य है और यही सच्चा धर्म है, जान लो हे चन्नमल्लिकार्जुन!

305.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

मच्चु अच्चुगागि ओप्पिद परिय नोडा। एच्छडे

गरिदोदरंदिरबेकु। अप्पिदडे अस्थिगळु

नग्गुनुसियागाबेकु। बेच्छडे बेसुगेयरियदंदिरबेकु।

मच्चु ओप्पित्तु, चन्नमल्लिकार्जुनन स्नेह ताये।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

प्रेम का यह पक्का सांचा और उसका रूप देखिए! जब आँखें खुले (या सजग रहे), तो ऐसा लगे कि कहीं कोई अलगाव या पर्दा नहीं है। जब प्रेम का आलिंगन हो, तो शरीर की हड्डियाँ तक चूर्ण-चुरूट हो जाएँ। जब अलगाव का भय हो, तो ऐसा लगे कि दोनों के बीच कोई जोड़ या दूरी ही नहीं है। चन्नमल्लिकार्जुन का यह प्रेम ऐसा ही अनुपम और सुंदर है, हे माता!

306.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

मन्त्यलोकद भक्तार मनव बेळगलेन्दु इळितंदनेय्या

शिवनु कत्तलेय पाळियव रवि होक्कलंत्यायित्तय्या।

चित्तद प्रकृतिय हिंगिसि, मुक्तिप थव तोरिदनेल्ल

असंख्यात गणंगळिगे। तनुवेल्ल स्वयलिंग, मनवेल्ल

चरलिंग। भाववेल्ल महाघनद बेळगु।

चन्नमल्लिकार्जुनय्या, निम्म शरण सम्यक्ज्ञानी

चन्नबसवण्णन श्री पादक्के शरणेंदु एन्न भवम

नास्तियायित्तय्या प्रभुवे।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

मृत्युलोक के भक्तों के मन को आलोकित करने के लिए जब शिव स्वयं नीचे उतरे, तो ऐसा लगा मानो अंधकार के डेरे में सूर्य ने प्रवेश कर लिया हो। उन्होंने चित्त की वृत्तियों को शांत करके असंख्यात शिवगणों को मुक्ति का मार्ग दिखाया। उनका पूरा शरीर ही स्वयलिंग बन गया, और पूरा मन चरलिंग बन गया। उनकी हर भावना महाविशाल ज्योति का प्रकाश बन गई। हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, आपके परम ज्ञानी शरण श्री चन्नबसवेश्वर जी के श्रीचरणों में प्रणाम करके मेरा यह भव-बंधन नष्ट हो गया है, हे प्रभु!

307.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

मदनारियेंब मळे होय्यलु, शिवयोगवेंब

तोरे बरलूट, कामने अंबिगनड नोडा? कर्मद

कदलेन्ननेळदोय्वाग कैय नीडु तंदे

चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जब कामदेव के शत्रु (शिव) की कृपा रूपी मूसलाधार वर्षा हो, और शिवयोग रूपी नदी बहने लगे, तो क्या कामदेव ही इसका नाविक (अंबिग) बन जाता है, देखिए? कर्मों के इस अथाह समुद्र में जब मेरी नौका बहने लगे, तो अपने करकमल को आगे बढ़ाकर मेरी रक्षा कीजिए, हे पिता चन्नमल्लिकार्जुन!

308.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

मध्याह्नदिंद मेळे हिरियरिल्ल। अस्तमानदिंद मेळे

जितेन्द्रियरिल्ल। विधिय मीरुव अमररिल्ल। क्षुधे विधि

व्यसनक्कंजी, ना निम्म मरेहोक्कु बळ्ळिदेनु

चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (Hindi Meaning हिंदी अर्थ):

मध्याह्न (दोपहर) से बड़ा कोई समय नहीं है (सूर्य शीर्ष पर होता है)। सूर्यास्त (अस्तमान) के बाद कोई जितेंद्रिय नहीं है (सब अपनी इंद्रियों को समेट लेते हैं)। विधाता (नियम) की सीमा को लाँघने वाला कोई अमर देवता नहीं है। भूख, विधान और सांसारिक दुःखों से डरकर, मैं आपकी ही शरण में आकर जीवित हुई हूँ, हे चन्नमल्लिकार्जुन!

309.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

मन बीसरवागदडे प्राण पल्लटवहूदव्वा। तनु

करणंगळु मीसलागि मन समरसववायित्तु नोडा

अन्यवनरिये भिन्नवनरिये। एन्न देव

चन्नमल्लिकार्जुनय्यन बळियवलाणु केळा ताये?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

यदि मन विचलित हो जाए, तो प्राण भी अस्थिर हो जाते हैं, ओ माता। शरीर और इंद्रियाँ जब शांत और पवित्र हो जाती हैं, तो मन पूरी तरह समरस हो जाता है, देखिए! इसके सिवा मैं किसी अन्य को नहीं जानती, किसी भेद को नहीं जानती। क्या मैं अपने प्रभु चन्नमल्लिकार्जुन के समीप रहने वाली नहीं हूँ, ज़रा बताइए हे माता?

310.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

मन मन तार्कनेगोंडु अनुभविसलु, नेनहे

घनवहूदल्लदे अदु हवणदल्लि निलुवुदे? एले अव्वा,

नीनू मरुळव्वे। एन्न देव

चन्नमल्लिकार्जुनय्यगोलिदु सले मारुहोदेनु।

निन्न तायित्तनवनोल्ले होगा।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जब मन ही मन तर्क-वितर्क करके अनुभव किया जाता है, तभी स्मरण महान बनता है, क्या वह यों ही किसी साधारण स्थिति में ठहर सकता है? अरे ओ माता, तू ही पागल है! मैं तो अपने प्रभु चन्नमल्लिकार्जुन पर पूरी तरह रीझकर उन पर सर्वस्व न्योछावर हो चुकी हूँ। मुझे तेरा यह मोह-माया भरा मातृत्व नहीं चाहिए, तू यहाँ से जा!

311.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

मन मुन्न मुन्ने वे गुरुविनेडेगेयिदीत्तु। तनुविनल्लि

डिम्ब नोडा? मन बेरादवर तनुवनप्पुवनेग्ग

नोडा। चन्नमल्लिकार्जुनन नोडि कूडि

बन्देहेनंतिरुवंतिरु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

मन पहले ही से गुरु के चरणों की ओर अग्रसर हो चुका था। क्या शरीर के भीतर का यह रहस्य (डिम्ब) दिखाई नहीं देता? जिसका मन अलग हो चुका हो, ऐसे व्यक्ति के शरीर को आलिंगन में बांधना कैसा है, ज़रा देखो। चन्नमल्लिकार्जुन के दर्शन करके उनसे मिल कर वापस आऊँगी—ऐसी अभिलाषा मन में रखो।

312.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

मनवेल्ला कल्पतरु, गीडवेल्ला मरुजवणि, शिलैगळेल्ला

परुष, नेलवेल्ला अविमुक्ति क्षेत्र। जलवेल्ला निर्जरामृत,

मृगवेल्ला पुरुषामृग, एऽहवुव हरळेल्ला चिंतामणि।

चन्नमल्लिकार्जुनय्यन नच्चिन गिरिय सुत्ति, नोडुत

बन्दु कदळिय बनव कंडे नानू।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

सारा मन कल्पतरु है, हर पौधा मरुजवणि (औषधीय वृक्ष) है, सभी शिलाएँ पारस पत्थर हैं, और पूरी धरती अविमुक्ति क्षेत्र (काशी जैसी पवित्र भूमि) है। सारा जल निर्जरामृत (अमृत) है, हर पशु पुरुषामृग (दिव्य प्राणी) है, और राह चलते ठोकर खाने वाला हर पत्थर चिंतामणि है। चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु की प्रिय पर्वत की परिक्रमा करते और देखते-देखते मैंने कदली वन के दर्शन किए।

313.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

मने मनेदप्पदे कैयोड्डि बेडुवन्ते माडय्य?

बेडिढ़डे इक्कदन्ते माडय्य? इक्किदडे नेलक्के

बीळुवन्ते माडय्य? नेलक्के बिद्दडे नानेत्तिकोम्बुदक्के

मुन्ने वे सुनियेत्तिकोम्बन्ते माडा

चन्नमल्लिकार्जुनय्य।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

हे प्रभु, ऐसा कीजिए कि मैं घर-घर जाकर बिना चूके हाथ फैलाकर भिक्षा माँगूँ। यदि भिक्षा माँगूँ, तो कोई देने वाला न मिले (निष्ठा और वैराग्य के लिए)। यदि कोई दे भी दे, तो वह धरती पर गिर पड़े। और यदि धरती पर गिर पड़े, तो मेरे उठाने से पहले ही कोई कुत्ता (या जीव) उसे मुँह से उठा ले—हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, मेरे साथ ऐसा ही कीजिए (ताकि मेरा अहंकार और मोह पूरी तरह नष्ट हो जाए)।

314.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

मनेयेन्नदु, तनुवेन्नदु, धनवेन्नदेन्नेनय्या। मन

निम्मदू, तनु निम्मदू, धन निम्मदू एंडिप्पेनेय्या।

सतियाँनु, पतियुंतु, सुख उंटेंबुद मन,

भावदल्लि अरिदेनादडे, निम्मानेयय्या। नीनिसिदि

गृहदल्लि निन्निच्छेयवळागिप्पेनल्लदे अन्यवनरिये काणा

चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

घर मेरा है, शरीर मेरा है, धन मेरा है—ऐसा मैं कभी न कहूँ, हे प्रभु। मन आपका है, शरीर आपका है, धन आपका है—यही भावना हमेशा मुझमें रहे। 'मैं पत्नी हूँ, पति (प्रभु) मौजूद हैं, और मुझे सांसारिक सुख प्राप्त है'—यदि ऐसा अभिमान मेरे मन या भाव में आ जाए, तो आपकी सौगंध! आपने जिस घर (संसार या शरण स्थिति) में मुझे रखा है, मैं केवल आपकी इच्छा के अनुसार आचरण करने वाली बनूँगी, इसके सिवा किसी अन्य को नहीं जानती, जान लो हे चन्नमल्लिकार्जुन!

315.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

मरमर मथनिषि किच्चु हुत्ति सुत्तण तरुमरादिगळ

सुडलायित्तु। आत्मी आत्मी मथनिषि अनुभव हुत्ति

होज्दिर्द तनुगुणादिगळ सुडलायित्तु। इंतप्प

अनुभावर अनुभवव तोरी एन्न ओडलनुलुहिकोल्ला

चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

पेड़ से पेड़ के रगड़ने (मथन) से अग्नि उत्पन्न होकर आसपास के सभी वृक्षों और लताओं को जला देती है। उसी प्रकार आत्मा से आत्मा के मथन से 'अनुभव' रूपी अग्नि उत्पन्न होकर शरीर में छिपे हुए सभी गुणों और विकारों को जला डालती है। हे चन्नमल्लिकार्जुन, ऐसे ही महान अनुभवियों के अनुभव का मार्ग मुझे दिखाकर मेरे इस शरीर और प्राण की रक्षा कीजिए।

316.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

मरविद्दु फलवेनु नेळलिल्लदन्नक्क? धनविद्दु फलवेनु

दयहिल्लदन्नक्क? हसुविद्दु फलवेनु हयनिल्लदन्नक्क?

रूपिद्दु फलवेनु गुणविल्लदन्नक्क? अगलिद्दु फलवेनु?

बानविल्लदन्नक्क? नानिद्दु फलवेनु निम्म ज्ञानविल्लदन्नक्क

चन्नमल्लिकार्जुना?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

पेड़ होने का क्या लाभ यदि उसकी छाया न हो? धन होने का क्या लाभ यदि हृदय में दया न हो? गाय होने का क्या लाभ यदि वह दूध न दे (या बछड़ा न हो)? रूप होने का क्या लाभ यदि आचरण में गुण न हो? वियोग होने का क्या लाभ यदि आकाश (या सीमा) न हो? और हे चन्नमल्लिकार्जुन, मेरे जीवित होने का ही क्या लाभ यदि आपके ज्ञान का प्रकाश मेरे पास न हो?

317.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

मरहु बन्दिहुदेन्दु गुरु कुरुहने कोट्ट; अरिविंगे

प्राणलिंग बेरे काणिरण्णा। निर्णयविल्लद भक्तिके बरिदे

बळललदेतके? चन्नमल्लिकार्जुनय्यननरिदु पूजिषिदडे

मटळि भवक्के बहने?

Hindi Meaning (Hindi अर्थ):

भूल या अज्ञान न आ जाए, इसीलिए गुरु ने इष्टलिंग रूपी प्रतीक (कुरुहु) प्रदान किया है; लेकिन क्या ज्ञान और प्राणलिंग अलग-अलग हैं, हे भाइयों, ज़रा देखिए! जब तक सही निर्णय या दृढ़ निश्चय न हो, तब तक केवल भक्ति के नाम पर व्यर्थ क्यों कष्ट उठाना? यदि चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु को पहचानकर उनकी सच्ची पूजा की जाए, तो क्या कोई मनुष्य फिर से इस संसार-चक्र (भव) में लौटकर आ सकता है? (अर्थात नहीं)।

318.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

मरेदोरगि, कनस कंडु हेळुवल्लि सत्त हेण एद्दित्तु।

तन्न ऋण निधान एद्दु करियित्तु। हेप्पिट्ट हालु

गट्टितुप्पाइति सिहियायित्तु। इद्देक्रे तप्प साधिसलेके

चन्नमल्लिकार्जुनदेवर देवणन्नगळिरा?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

सोकर जागने के बाद, जैसे सपने का हाल बताते समय कोई मृत शरीर अचानक जीवित हो उठे; छिपा हुआ खजाना जैसे अपने आप प्रकट होकर पुकारने लगे; और जामन दिया हुआ दूध जैसे जमकर स्वादिष्ट घी बन जाए—वैसी ही यह अद्भुत स्थिति है। हे चन्नमल्लिकार्जुन देव के देवों (शिवशरणों), इस अलौकिक सत्य में किसी प्रकार की त्रुटि या संदेह क्यों खोजना?

319.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

माट मडुवेय मने। दानधर्म संतेय पसारा,

साजसाजेश्वरी सूळेगेरिय सोबगु।

व्रतनेमवेम्बुदु वंचनेय लुब्धवाणी।

भक्तियेंबुदु बाजिगराटा; नानरिये

हुट्टिदे, हुट्टि हुसिगीडाडे। हुसि

विषयदोळडगित्तु, विषय मसिमण्णायित्तु। निन्न

गसणेयनोल्ले होगा, चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

यह दिखावा एक विवाह के घर जैसा है। दान-धर्म का दिखावा बाजार के पसार की तरह है, और बाहरी आडंबर सूचैगेरी (वैश्यापाड़े) की शोभा के समान है। व्रत और नियम का पाखंड वंचकों की लोभी वाणी जैसा है। भक्ति को खेल (बाजी) बना लिया गया है; मैं नासमझी में ही इस संसार में पैदा हुई, और जन्म लेकर झूठ का शिकार बन गई। झूठ तो विषयों के भीतर छिपा हुआ था, और वह विषय अंततः मसि (का कालिख) और मिट्टी बन गया। हे चन्नमल्लिकार्जुन, मुझे आपका यह झंझट या माया-जाल नहीं चाहिए, यहाँ से जाओ!

320.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

मुंगैयल्लि वीरगंकणविक्की, मुंगालल्लि

तोडरुबाउलिय कट्टिदे। गंडुडिगेयानुट्टेनेम्ब

मातिन बीरिद नुंगिदेनु। चन्नमल्लिकार्जुना,

निम्माणेगे ऊणियव तन्देनादडे, निम्म तोत्तिन

मगळल्लयाया।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

मैंने अपनी कलाई में वीरता का कंकण बाँध लिया है और पैरों में नूपुर व बाजूबंद धारण कर लिए हैं। 'मैं भी शूरवीर की तरह पुरुष वेश धारण करूँगी'—अपनी इस प्रतिज्ञा और गर्व के वचन को मैंने पूरी तरह निभा लिया है। हे चन्नमल्लिकार्जुन, यदि आपकी सौगंध खाने के बाद मैंने अपनी इस वचनबद्धता में कोई कमी छोड़ी हो, तो मैं आपकी दासी की पुत्री नहीं हूँ!

321.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

मुडिबittu टोंगतारिदवु केळु तन्दे। उडि जोलि

अडिगिक्की होयित्तु शिवशिवा। नडेगेट्टु निधि निन्दिttu

केळा एन्न तन्दे। प्राणोडैया,

करुणदिन्दोप्पुगोल्ला चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

हे पिता, सुनिए, मेरे बाल बिखर गए हैं और वस्त्र अस्त-व्यस्त हो गए हैं। कमर का बंधन और आंचल ढीला होकर नीचे गिर पड़ा है—शिव-शिव! अपनी चाल और मर्यादा भूलकर वह परम निधि (प्रभु) मेरे सामने आकर स्थिर हो गई है, हे मेरे पिता, सुनिए। हे मेरे प्राणों के स्वामी चन्नमल्लिकार्जुन, मुझ पर दया करके मुझे अपनी शरण में स्वीकार कीजिए।

322.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

मुडिबittu मोगबाडि तनुकरगिदवळ एन्ननेके

नुडुसिविरी? एले तन्देगळिरा, बलूहळिदु भवगेट्टु

छलवळिदु भक्तयागि चन्नमल्लिकार्जुनन कूडि

कुलवळिदवळ ल...

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

बाल बिखरे हुए, मुख मुरझाया हुआ और शरीर के गल जाने पर भी आप मुझसे क्यों बात कर रहे हैं? हे पिताओं (गुरुजनों), मेरी सारी शारीरिक शक्ति क्षीण हो चुकी है, संसार का मोह छूट चुका है, हठ समाप्त हो चुका है और एक सच्ची भक्त बनकर चन्नमल्लिकार्जुन से मिलकर मैंने अपने कुल-गोत्र के अहंकार को पूरी तरह मिटा दिया है... (वचन अधूरा है)।

323.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

मुत्तु ओडेदडे बेसेयबहुदे? मन मुरिदडे संतकक्के

तरबहुदे? अप्पुगे सदलिल सुखाव मरलि

अरिसिदुरंटे? साधकनोयिद निधानद कुळियंते अल्लि

एनुंतु? मच्चु पल्लटवागि, नोटद सुखाव

हिंगिदरोळवे? नोडदिड्डु, काडदिड्डु, मनबळसदिड्डु।

भाष॰ँ तप्पिदरे मुळ्ळुमोनेय किच्चि॰०ँ। लेसु

बीसरवोगद मुन्न चन्नमल्लिकार्जुनन कूडि

धातुगेट्ट बळिक ओळवे?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

क्या टूटे हुए मोती को फिर से जोड़ा जा सकता है? क्या टूटे हुए मन को फिर से बाजार (सामान्य व्यवहार) में लाया जा सकता है? आलिंगन की वह शिथिल हुई सुख-सुविधा क्या ढूँढने पर फिर मिल सकती है? जैसे साधक द्वारा निकाले गए खजाने के गड्ढे में पीछे कुछ नहीं बचता, वैसे ही वहाँ क्या शेष है? प्रेम में बदलाव आ जाने और दृष्टि का आनंद समाप्त हो जाने पर क्या कोई रस बचता है? न देखो, न सताओ, और मन को इसमें मत उलझाओ। यदि अपने वचन या निष्ठा से डिग जाओ, तो वह काँटे की नोंक पर सुलगती हुई आग के समान घातक है। इससे पहले कि तुम्हारी यह श्रेष्ठ स्थिति बिखर जाए, चन्नमल्लिकार्जुन से मिल जाओ; क्या शरीर और मन की शक्ति नष्ट हो जाने के बाद ऐसा करना संभव है?

324.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

मुत्तु नीरलआयित्तु, वारिकल्लु नीरलआयित्तु, उप्पु

नीरलआयित्तु। उप्पु करगित्तु, वारिकल्लु करगित्तु, मुत्तु

करगिदुदनारू कंडवरिल्ला। ई संसारिमानवरु

लिंगवमुट्टि भवभारियादरु। ना निम्म मुट्टि

करिगोण्डेनेय्या चन्नमल्लिकार्जुनय्या।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

मोती जल में मिल गया, संगमरमर (या पत्थर) जल में मिल गया, और नमक भी जल में मिल गया। नमक घुल गया, पत्थर घुल गया, किंतु मोती के घुल जाने को आज तक किसी ने नहीं देखा (वह अपनी दिव्यता नहीं खोता)। ये संसारी मनुष्य इष्टलिंग को छूकर संसार के बंधनों में फँस गए, किंतु हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, मैंने आपको (आपके लिंग को) स्पर्श करके अपने इस काले (मलिन) शरीर को दिव्य बना लिया है।

325.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

मुन्न माडिद्तनारू कळेयबारदु। अदु बेन्न हिंदे

बरुत्तिप्पुदु। अदनिन्नु कळेदहेनेन्दडे एनिक्छेडुंते

अय्या? चन्नमल्लिकार्जुननेनगे कट्टिड कट्टळेय नन्निन्द

नाने अनुभविषि कळेवेनु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

पूर्व जन्म या पहले किए गए कर्मों के फल को कोई नहीं मिटा सकता। वह हमेशा हमारे पीछे-पीछे चला आता है। यदि मैं यह कहूँ कि मैं अब उसे तुरंत मिटा दूँगी, तो क्या मेरी इच्छा से ऐसा हो सकता है, हे प्रभु? चन्नमल्लिकार्जुन ने मेरे लिए जो नियति (विधान) तय की है, उसे मैं स्वयं अपने भोग और अनुभव से ही समाप्त करूँगी।

326.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

मूरु तप्प छोरिसि बन्दवळिगे इन्नार कोंडु

केलसवेतक्के? होगादिहेने होगिहेने, ज्ञानक्के हानि।

अरेगोण कोयिदव नंते इन्नेवे? ई गुणव बिडिसा

एन्न तंदे चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

तीन-तीन गलतियाँ सिर पर लादकर आने वाली स्त्री को अब औरों को साथ लेकर काम करने की क्या आवश्यकता है? क्या मैं जाऊँगी या नहीं जाऊँगी—यह सोच-समझकर निर्णय लेने से ज्ञान को हानि पहुँचती है। जैसे किसी ने अपनी ही गर्दन काट ली हो, वैसी स्थिति मेरी क्यों हो? हे मेरे पिता चन्नमल्लिकार्जुन, मेरी इस बुरी आदत (या दुविधा) को दूर कीजिए।

327.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

मूलाधारद बेर मेट्टि, भ्रूमंड्लवनेरिदे।

आचारद बेर हिडिदु ऐक्यद तुदियनेरिदे। वैराग्यद

सोपानदिंद श्रीगिरियनेरिदे। कैविडिदु दोगेत्तुकोल्ला,

चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

मूलाधार की जड़ को लाँघकर मैं भ्रूमंडल (आज्ञा चक्र) पर चढ़ गई हूँ। आचार की जड़ को पकड़कर मैं ऐक्य (परमात्मा से मिलन) की चोटी तक पहुँच गई हूँ। वैराग्य की सीढ़ियों से चढ़कर मैंने श्रीगिरि (कैलाश/इष्ट शिखर) को प्राप्त कर लिया है। हे चन्नमल्लिकार्जुन, मेरा हाथ पकड़कर मुझे अपनी शरण में स्वीकार कीजिए।

328.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

मोले बिड्डु, मुडि सदलि, गल्ल बत्ति, तोळु

कंदिदवळ एन्नेनके नोडुविरि एले अण्णगळिरा?

कुलवळिदु छलवळिदु भवगेट्टु भक्तयादवळ, एन्नेनके

नोडुविरि एले तन्देगळिरा? चन्नमल्लिकार्जुनन कूडी

कुलवळिदु छलवळिदवळनु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

स्तन लटक गए हैं, बाल बिखर गए हैं, गाल सूख गए हैं और भुजाएँ म्लान पड़ गई हैं—ऐसी इस दीन-हीन स्त्री को आप लोग क्यों देख रहे हैं, हे भाइयों? कुल-गोत्र और हठ का अहंकार छूट चुका है, संसार का मोह मिट चुका है और मैं एक सच्ची भक्त बन चुकी हूँ—ऐसी मुझे आप क्यों देख रहे हैं, हे पिताओं? मैंने चन्नमल्लिकार्जुन से मिलकर अपने सारे कुल और अभिमान को त्याग दिया है।

329.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

मोलेमुडियिद्दडेनु मूगिल्लदवळिंगे? तलेय मेळे

सेरगेतक्के सहजसंकल्पविल्लदवळिंगे? जलदोळगे हुट्टी

गुळळे जातिस्मरत्ववरिदित्तु। हलयवर हाडियोळु

हरिसुरर्गे निम्म नेलेय तोरिदे श्रीगिरि

चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

नाक के बिना स्त्री के होने पर स्तन और चोटी होने से क्या लाभ? बिना सहज संकल्प (आंतरिक शुद्धि) वाली स्त्री के सिर पर पल्लू (आँचल) होने का क्या अर्थ है? जल के भीतर उत्पन्न होने वाली बुलबुले को भी अपने मूल (जातिस्मृत्व) का ज्ञान हो जाता है। हे श्रीगिरि चन्नमल्लिकार्जुन, भक्तों और देवताओं के मार्ग में चलते हुए आपने अपने परम धाम (निवास) का दर्शन मुझे कराया है।

330.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

मोहवुळळल्लि मच्चुवन्तेमाडय्या। मोहवुळळल्लि

करळुव कोय्यय्या। मोहवुळळल्लि बेरळुव

कडियय्या। चन्नमल्लिकार्जुनदेवय्या, नोंदेनेन्दडे

मनकतमाडय्या।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जहाँ-जहाँ मोह हो, वहाँ प्रेम करना सिखा दीजिए। जहाँ मोह की आसक्ति हो, वहाँ कलेजा काट डालिए। जहाँ सांसारिक मोह उत्पन्न हो, वहाँ अंगुलियाँ काट दीजिए (संयम के लिए)। हे चन्नमल्लिकार्जुन देव, जब मैं दुःखी होकर पुकारूँ, तो मेरे इस मन को शांत और स्थिर कर दीजिए।

331.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

रत्नद संकोलेयादडे तोडरल्लवे? मुत्तिन

बलेयादडे बंधनवल्लवे? चिन्नद कत्तियल्लि

तलेहोयिदडे सायदिरप्रे? लोकद भजनेय

भक्तियल्लि सिलुकिदडे जननमरण बिडुवुदे

चन्नमल्लिकार्जुना ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

यदि जंजीर रत्नों की भी हो, तो क्या वह बंधन नहीं है? यदि जाल मोतियों का भी हो, तो क्या वह कैद नहीं है? यदि सोने की तलवार से भी सिर काटा जाए, तो क्या व्यक्ति की मृत्यु नहीं होगी? इसी प्रकार यदि कोई दिखावे और संसार की भजने वाली झूठी भक्ति में फँस जाए, तो क्या उसका जन्म-मरण का चक्र छूट सकता है, हे चन्नमल्लिकार्जुन?

332.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

लांछन सहित मनगे बन्दरडे, तत्कालवनरिदु प्रेमव

माददिरडे नीनिसिद मनेय तोत्तल्ल। तत्काल

प्रेमव माडुव०ँ एन्नमुद्द सलिंसया। अल्लडोडे

ओय्यय्या सिरिशैल चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

इष्टलिंग आदि लांछनों (चिह्नों) सहित घर में आने पर, यदि समय की नज़ाकत को समझकर प्रेम और सत्कार न किया जाए, तो वह आपके द्वारा बसाए गए घर की सच्ची दासी नहीं है। तुरंत प्रेम और भक्ति करने की मेरी इस मनोकामना को पूरा कीजिए, हे प्रभु। वरना हे श्रीशैल चन्नमल्लिकार्जुन, मुझे अपने साथ ले चलिए।

333.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

लिंगक्के रूप सलिसुवे, जंगमक्के रुचिय सलिसुवे,

कायक्के शुद्धप्रसादव कोम्बे। प्राणक्के सिद्धप्रसादव

कोम्बे। निम्म प्रसाददिंद धन्यळादेनु। काणा

चन्नमल्लिकार्जुनय्या।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

मैं इष्टलिंग को सुंदर रूप अर्पित करती हूँ, जंगम को प्रिय रुचि अर्पित करती हूँ, और अपने शरीर के लिए शुद्ध प्रसाद ग्रहण करती हूँ। अपने प्राणों के लिए मैं सिद्ध प्रसाद स्वीकार करती हूँ। हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, आपके ही प्रसाद से मैं धन्य हो गई हूँ, जान लो!

334.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

लिंगक्के शरणेंदु पूजिसि अर्पि िसबहुदल्ले, जंगमव

पूजिसि सर्वसुखवनर्पि िसि शरणेंनबारादु एले तन्दे।

आडबहुडु पाडबहुदल्ले, नुदिदंते नडेयलु

बारादु एले तन्दे। चन्नमल्लिकार्जुनदेवा, निम्म

शरणरु नुदिदंते नडेयलु बल्लरु एले तन्दे।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

इष्टलिंग को शरण मानकर उसकी पूजा की जा सकती है और सब कुछ अर्पित किया जा सकता है, किंतु जंगम की पूजा करके सारे सांसारिक सुख उसे अर्पित कर अपने को 'शरण' नहीं कहलाना चाहिए, हे पिता। केवल मुँह से बातें बनाना और गाना आसान है, किंतु जैसा कहा जाए वैसा आचरण करना कठिन है, हे पिता। हे चन्नमल्लिकार्जुन देव, आपके सच्चे शरण ही वे हैं जो जैसा कहते हैं, वैसा करके दिखाते हैं, हे पिता।

335.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

लिंगदिंदुदयिसि अंगविदिप्प पुरातनर

इंगितवनेंन्दु बेसगोम्बिरेय्या? अवर नडेये

आगम, अवर नडिये वेद; अवर

लोकदमानवरेंदेन्नबहुदे अय्या? अदेन्तेन्दडे,

साक्षी 'वृक्षद्भवति बीजं हि तद्वृक्षꣳ

रुद्रलोकं परित्यक्ता शिव शिवलोकꣳ ||

'एंदुदगि, अङ्कोलेयबीजंदायित्तु वृक्षवु; आ

वृक्ष मटळि आ बीजदोळडगिittu। आ प्रकारदल्लि

लिंगदळोगिंद पुरातनरुद्भविसि, मटळि आ पुरातनर

आ लिंगदळोगे बेरसिदरु नोडिरय्या। इंतप्प

पुरातनरिगे नानू शरणेंदु हुट्टुगेट्टेनेय्या

चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

लिंग से प्रकट होकर शरीर धारण करने वाले पुरातन शरणों के मंतव्य (इंगित) को तुम क्या समझ सकते हो, हे प्रभु? उनका चलना ही आगम है, उनका बोलना ही वेद है; क्या उन्हें इस संसार के साधारण मनुष्य कहा जा सकता है, हे प्रभु? जैसा कि साक्षी है—'वृक्षद्भवति बीजं हि तद्वृक्षै लीयते पुनः रुद्रलोकं परित्यक्ता शिव शिवलोके भविष्यति' (अर्थात् जैसे बीज से वृक्ष उत्पन्न होता है और अंत में वह वृक्ष फिर से उसी बीज में विलीन हो जाता है, वैसे ही...)—अंकोले के बीज से जैसे वृक्ष उगता है और वह वृक्ष फिर से उसी बीज में समा जाता है, उसी प्रकार लिंग से ही पुरातन शरणों का प्राकट्य हुआ और अंत में वे सभी पुरातन शरण उसी लिंग में विलीन हो गए, ज़रा देखिए! ऐसे महान पुरातन शरणों की शरण में आकर मैंने अपने जन्म-मरण के चक्र को हमेशा के लिए मिटा दिया है, हे चन्नमल्लिकार्जुना।

336.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

लिंगपूजकंके फलपदंगळल्ले लिंगविल्ल?

धर्मत्यागिके नरकवल्ले लिंगविल्ल वैराग्यसंपन्नेगे

मुक्तियल्ले लिंगविल्ल? ज्ञानिके परिभ्रमणवल्ले

लिंगविल्ल? इंतप्प भ्रान्तिनतिगळदु तनु थानाद

इरवेंतेन्दडे द्वैतवळिदु अद्वैतदिंद तन्न तानरिदडे

चन्नमल्लिकार्जुनलिंगवु ताने।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

क्या लिंगपूजक को केवल फल-पद की प्राप्ति होती है, लिंग की प्राप्ति नहीं? क्या धर्मत्यागी को नरक मिलता है, लिंग नहीं? क्या वैराग्यवान को केवल मुक्ति मिलती है, लिंग नहीं? क्या ज्ञानी को केवल भटकना मिलता है, लिंग नहीं? इस प्रकार के भ्रमों को पार करके जब शरीर और आत्मा एकरूप हो जाते हैं (इरवु), तो द्वैत समाप्त हो जाता है और अद्वैत भाव से अपने स्वरूप को जानने पर चन्नमल्लिकार्जुन लिंग स्वयं वही बन जाता है।

337.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

लिंगवनु पुरातनरनु अन्यर मनेयळयिके होगी

होगळुवरुन, तम्मदोंदुदर कारण। लिंगवु

पुरातनरू तल्लिगे बरबल्लरे? अन्यवने मरेदु निम्म

नेनेवर एनगोम्मे तोरा चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

लोग अपने पेट (उदर) की खातिर लिंग और पुरातन शरणों की महिमा दूसरों के घर जाकर गाते और प्रशंसा करते हैं। क्या वे पुरातन शरण ऐसे हैं जो हर किसी के घर चले जाएँ? दुनिया की सभी बातों को भुलाकर केवल आपका ही निरंतर स्मरण करने वाले भक्तों के मुझे दर्शन कराइए, हे चन्नमल्लिकार्जुन।

338.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

लिंगवेन्ने लिंगैक्ख्यवेन्ने, संगवेन्ने समरसवेन्ने। आयित्तेन्ने

आगदेन्ने, नीनेन्ने नानेन्ने। चन्नमल्लिकार्जुनय्या,

लिंगैक्ख्यवाड बळिक एनू एन्ने।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

न मैं लिंग कहूँगी, न लिंगैक्य कहूँगी; न संग कहूँगी, न समरस कहूँगी। न यह कहूँगी कि 'यह हो गया' या 'यह नहीं हुआ'; न 'तुम' कहूँगी, न 'मैं' कहूँगी। हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, जब जीवात्मा लिंग में पूरी तरह विलीन (लिंगैक्य) हो जाती है, तब कहने के लिए कुछ भी शेष नहीं रहता।

339.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

लिंगस्थलव बल्लेनेम्ब परब्रह्मिगळु नीवु केळिरे,

लिंगस्थल निःशून्यवायित्तु संगमदेवरबेन्निनल्लि।

जंगमस्थल बल्लेनेम्ब परब्रह्मिगळु नीवु केळिरे,

जंगमस्थल निःशून्यवायित्तु प्रभुदेवरबेन्निनल्लि।

भक्तिस्थलव बल्लेनेम्ब परब्रह्मिगळु नीवु केळिरे, भक्तिस्थल

निःशून्यवायित्तु संगमबसवरजदेवरबेन्निनल्लि।

प्राणलिंगीस्थलव बल्लेनेम्ब परब्रह्मिगळु नीवु केळिरे,

प्राणलिंगीस्थल निःशून्यवायित्तु

सिद्धरामेश्वरदेवरबेन्निनल्लि। प्रसादीस्थलव बल्लेनेम्ब

परब्रह्मिगळु नीवु केळिरे, प्रसादीस्थल निःशून्यवायित्तु

चिक्कदण्णायक रबेन्निनल्लि। ऐक्यस्थलव बल्लेनेम्ब

परब्रह्मिगळु नीवु केळिरे, ऐक्यस्थल निःशून्यवायित्तु

अजगण्णदेवरबेन्निनल्लि। इंतेन्न षट्स्थलंगळु ओब्बोब्बुर

बेन्निनल्लि निःशून्यवादवु एनगिन्नाव किंचितुस्थलवू

इल्लवय्या चन्नमल्लिकार्जुनय्या।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

हे ब्रह्मज्ञानी, जो यह कहते हैं कि हम 'लिंगस्थल' को जानते हैं, वे सुनें—लिंगस्थल तो संगमेश्वर प्रभु के चरणों (या शरण) में जाकर निःशून्य (पूर्ण) हो गया। जो कहते हैं कि हम 'जंगमस्थल' को जानते हैं, वे सुनें—जंगमस्थल प्रभुदेव के आश्रय में निःशून्य हो गया। जो 'भक्तिस्थल' के ज्ञाता हैं, वे सुनें—भक्तिस्थल संगम बसवेश्वर देव के सान्निध्य में निःशून्य हो गया। जो 'प्राणलिंगीस्थल' को जानने का दावा करते हैं, वे सुनें—यह स्थल सिद्धरामेश्वर देव के चरणों में निःशून्य हो गया। जो 'प्रसादीस्थल' के मर्मज्ञ हैं, वे सुनें—यह स्थल चिक्क द॰॰ायक के सान्निध्य में निःशून्य हो गया। और जो 'ऐक्यस्थल' को जानने वाले हैं, वे सुनें—वह ऐक्यस्थल अजग॰॰ देव के चरणों में निःशून्य हो गया। इस प्रकार मेरे छहों स्थल (षट्स्थल) अलग-अलग महान शरणों के सान्निध्य में पूर्ण हो चुके हैं; अब मेरे पास कोई दूसरा छोटा-बड़ा स्थल शेष नहीं बचा है, हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु।

340.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

लिंगांगसंगसमरससुखदल्लि मन वेद्यवायित्तु।

निम्म शरणर अनुभवसंगदिंद एन्न तनु मन प्राण

पदार्थव गुरुलिंगजंगमक्कित्तु,

शुद्धसिद्धप्रसिद्धप्रसादियादेनु। आ महाप्रसादद रूपु

रुचि तृप्तिय इष्ट प्राण भावलिंगदल्लि

सावधानदिंदर्पि॰सि महाघनप्रसादियादेनु। इंती

सर्वाचारसंपत्तु एन्न तनुमन वेद्यवायित्तु।

इन्नेल्लियय्या, एनगे निम्मल्लि निरवयवु?

इन्नेल्लियय्या निम्मल्लि कूडुवुदु? परमसुखद

परिणाम मनमेरेदप्पि नानू

चन्नमल्लिकार्जुन प्रभुवे?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

लिंग, अंग और संग के इस समरस सुख में मेरा मन पूरी तरह तल्लीन हो गया है। आपके शरणों के सत्संग के प्रभाव से मैंने अपने तन, मन और प्राण रूपी सर्वस्व को गुरु, लिंग और जंगम को अर्पित करके शुद्ध, सिद्ध और प्रसिद्ध प्रसादी पद प्राप्त कर लिया है। उस महाप्रसाद के रूप, रुचि और संतोष को अपने इष्ट, प्राण और भावलिंग में पूरी तरह समर्पित करके मैं महाघन प्रसादी बन गई हूँ। इस प्रकार का संपूर्ण आचार और संपदा मेरे तन-मन में अनुभव सिद्ध हो चुकी है। हे प्रभु, अब आपमें मेरा विलीन होना (निऽञ्ञयव) कहाँ बाकी रहा? अब आपमें और मुझमें मिलन कहाँ बचा है? परम सुख के इस अंतिम परिणाम को प्राप्त करके, मन की सीमाओं को लाँघकर मैं सत्य को प्राप्त करने का वह सच्चा स्थान पा लूँ, हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, मुझे इसका मार्ग बताइए!

341.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

लिंगानुभाव सिद्धियाद बळिक मत्तेकय्य कूटवेमगे

हेररोडने? हेळिरय्या, एन्नदेव चन्नमल्लिकार्जुननु

करुणिषिद बळिक।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

लिंग का अनुभव और सिद्धि प्राप्त हो जाने के बाद, अब दूसरों के साथ संयोग (कूट) की क्या आवश्यकता है? हे प्रभु, मेरे देव चन्नमल्लिकार्जुन द्वारा मुझ पर कृपा किए जाने के बाद मुझे और किसी की क्या चाह?

342.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

लेसु हासु, नोटवाभरण, आलिंगन वस्तु,

चुंबनवारोगणे, लल्लेवातु तांबूल, लवलविक॰ಯ

अनुलेपनेयनेगे। चन्नमल्लिकार्जुनन कूट

परमसुखवव्वा।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

श्रेष्ठता ही मेरी शैया (बिस्तर) है, प्रभु का दर्शन ही आभूषण है, आलिंगन ही मेरा वस्त्र है, चुंबन ही भोजन (आरोगण) है, प्रेमभरी बातें ही ताम्बूल (पान) हैं, और उत्साह या स्फूर्ति ही मेरा लेप (अनुलेपन) है। हे सखी, चन्नमल्लिकार्जुन के साथ मिलन ही परम सुख है।

343.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

लोकद चेष्टेगे रवि बीजवादन्ते, करणंगळ चेष्टेगे

मनवे बीज। एनगुळ्ळुदोंदु मन। आ मन निम्मल्लि

सिलुकिद बळिक एनगे भववुंटे चन्नमल्लिकार्जुना?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जैसे इस संसार की सभी गतिविधियों का मूल कारण सूर्य है, वैसे ही इंद्रियों और अंगों की गतिविधियों का मूल कारण मन है। मेरे पास केवल एक ही मन है। जब वह मन आपमें ही लीन (फँस) गया है, तो हे चन्नमल्लिकार्जुन, मुझे इस संसार-चक्र (भव) का बंधन कैसे हो सकता है?

344.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

लोकव हिडिदु लोकद संगदंतिप्पे। आकारविडिदु

साकारसहित नडेवे। ( )।

बेंदनुलियंते हुरिगुंददिप्पे। एन्न देव

चन्नमल्लिकार्जुनय्या, हत्तरोळगे हन्नोन्दागि

नीरतारेयंतिप्पे।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

इस संसार में रहते हुए भी मैं संसार के संग से परे हूँ। आकार धारण करके भी मैं निराकार भाव से साकार के साथ चलती हूँ। बाहर से साधारण प्रतीत होती हूँ, किंतु भीतर से प्रभु में छिपी रहती हूँ। जलाई हुई सुतली की तरह मेरी आंतरिक शक्ति कभी कम नहीं होती (हुरिगुंददिप्पे)। हे मेरे देव चन्नमल्लिकार्जुनय्या, मैं इन दस इंद्रियों के बीच ग्यारहवीं (आत्मा या चेतना) बनकर जल में कमल के फूल की भाँति निर्लिप्त रहती हूँ।

345.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

वटवृक्षदोळडगिदु समरस बीज बिन्नभावक्के बप्पुदे?

कंगळ नोट, करुविट्ट मनद सोवसु अनंगन

दाळिय गेलिदवु काणा। ई मरीचिकाजलदोळडगिदु

प्राणि व्याधन बलेगे सिलुकुवुदे? निम्म कैवशक्के

सिक्किहळेम्बुद मरेया मरुळे। चन्नमल्लिकार्जुननल्लद्रे

परपुरुष नमगागद मोरे नोडऽ्ऽ्ा।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

क्या वटवृक्ष के भीतर छिपा हुआ समरस बीज कभी भिन्न भाव (अलग रूप) को प्राप्त होता है? आँखों की दृष्टि और प्रेम से भरे मन का सौंदर्य कामदेव के आक्रमण पर विजय प्राप्त कर चुका है, जान लो! क्या इस मरीचिका (मृगतृष्णा) के जल में छिपा प्राणी बहेलिया के जाल में फँस सकता है? हे नासमझ, यह भूल जाओ कि मैं कभी तुम्हारे वश में आ सकती हूँ। हे भाई, ज़रा चेहरा उठाकर देखो—चन्नमल्लिकार्जुन के अलावा कोई भी अन्य पुरुष हमारे लिए स्वीकार्य नहीं हो सकता।

346.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

वनवेल्ला नीने, वनदोळगण देवतरुवेल्ला नीने,

तरुविनोळगाडुव खगमृगवेल्ला नीने।

चन्नमल्लिकार्जुना, सर्वभरितनागि एनगेके

मुखदोर्रे?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

सारा वन आप ही हैं, वन के भीतर के सभी कल्पवृक्ष (देवतरु) आप ही हैं, और उन पेड़ों के बीच विचरने वाले सभी पक्षी और पशु भी आप ही हैं। हे चन्नमल्लिकार्जुन, जब आप संपूर्ण ब्रह्मांड में व्याप्त हैं, तब आप मुझे अपने मुख के दर्शन क्यों नहीं दे रहे हैं?

347.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

वानरंगळिगे भैत्र तप्पिबन्दडे मुत्तु माणिक्य

नवरत्नद पेट्टिगळु सारिदवु। सारिदडे आ वानरंगळु

बल्लवे मुत्तिन रक्षेय? नवरत्नद पेट्टिय तेरदु

नोडि, केय्कोंडु, वानरंगळु मेद्दु नोडि,

हण्णल्लेन्दु बिट्टु कळदवु। लोकदोळगे शरण

सुळिदडे, आ शरणन नडे नुडि चारित्रव कर्मिगळेत्त

बल्लरु? चन्नमल्लिकार्जुनय्या, निम्म शरणर इरवनु

निम्म शरणरु बल्लरल्लदे आ वानरिनंतह मनुजरेत्त

बल्लरु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

यदि बंदरों के हाथ में संयोगवश मोतियों, माणिक्यों और नवरत्नों से भरी पेटियाँ आ जाएँ, तो क्या वे बंदर मोतियों की रक्षा या मूल्य को जान सकते हैं? वे तो नवरत्नों की पेटी खोलकर, उसे हाथ में लेकर

और चबाकर यही देखते हैं कि यह कोई खाने का फल है या नहीं; और फल न समझकर उसे फेंक देते हैं। इसी प्रकार, जब इस संसार में कोई शरण (भक्त) विचरता है, तो कर्मकांड में उलझे लोग उस शरण के आचरण, वणी और चरित्र को कैसे समझ सकते हैं? हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, आपके शरणों की वास्तविक स्थिति को केवल आपके अन्य शरण ही जानते हैं, इन बंदरों जैसे साधारण मनुष्य क्या जान सकते हैं?

348.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

विरक्ति विरक्ति एम्बुरु विरक्तिय परि एंतुंतु

हेळिरय्या। कट्टिड लिंगव कैयल्लि हिडिदद्दर विरक्तने?

हुट्टु केत्तुव डोम्बनाने बिट्टमंडेड केशव नुण्णिसी

बण्णिसी, एण्णंऽ ? कट्टुहरिद

पंनिनंते, बिट्टमंडेड कट्टदिरदद्दर विरक्तने?

हरदनंते हेसियागिरदद्दर विरक्तने? मूननंते

मातनाददिरदद्दर विरक्तने? होन्नु हेण्णु मण्णु बिट्टु

अडवियारण्यदल्लिर्दद्दर विरक्तने? अल्ल। विरक्तन

परियेन्तोडे ओडलन हुडिगुत्ति,

मृडनोळेडदेरहल्लिदिरबल्लडे विरक्तनप्पनु। अल्लदिरदद्दर

मैलारि मल्लि गोरवियल्लवे चन्नमल्लिकार्जुना?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

लोग 'विरक्ति-विरक्ति' कहते हैं, पर क्या आप बता सकते हैं कि विरक्ति का वास्तविक स्वरूप क्या है? क्या हाथ में इष्टलिंग पकड़ लेने मात्र से कोई विरक्त हो जाता है? बाजीगर की तरह बाल मुंडवाकर, सिर को चिकना करके, उस पर तेल की गाँठ लगाकर घूमने से क्या कोई विरक्त बन जाता है? टूटे हुए बाण या फटे पंख की तरह, सिर पर शिखा या वस्त्र न बाँधने मात्र से क्या कोई विरक्त होता है? पागल की तरह गंदा रहने से, मूक की तरह बिल्कुल बात न करने से, या सोना, स्त्री और मिट्टी का

त्याग करके जंगल में रहने से क्या कोई विरक्त हो जाता है? नहीं! विरक्ति का वास्तविक रूप यह है कि जो अपने शरीर के अहंकार को पूरी तरह कुचलकर, शिव (मृड) के चरणों से हर पल बिना किसी व्यवधान के जुड़ा रहता है, वही सच्चा विरक्त है। यदि ऐसा न हो, तो क्या वह मैलारी मल्लि के जोगिए (गोरव) जैसा ढोंगी भर नहीं है, हे चन्नमल्लिकार्जुना?

349.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

विरक्ति विरक्तियेम्बवरु विरक्तिय परियेन्तुतु

हेळिरय्या? कट्टिद्द लिंगव कैयल्लि हिडिदु

बत्तलेयिर्दद्दर विरक्तने? उट्टुड तोरद मत्ते कट्टिड

लिंगव कैयल्लि हिडियलेबेकु। उट्टुड तोरेयदे

कट्टिड लिंगव कैयल्लि हिडिद भ्रष्टरनेंबे

चन्नमल्लिकार्जुना?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जो लोग 'विरक्ति-विरक्ति' की रट लगाते हैं, क्या वे बता सकते हैं कि विरक्ति की असल रीति क्या है? क्या हाथ में इष्टलिंग पकड़कर और नग्न (दिगंबर) रहने मात्र से कोई विरक्त हो जाता है? अपने वस्त्रों (सांसारिक मोह) को छोड़े बिना केवल हाथ में लिंग थाम लेने से क्या बात बनती है? जो लोग अपने आंतरिक विकारों और आवरण को छोड़े बिना केवल हाथ में लिंग पकड़े रहते हैं, ऐसे भ्रष्ट लोगों को मैं क्या कहूँ, हे चन्नमल्लिकार्जुना?

350.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

विरक्तिये अविरक्ति, विरक्तनेन्नेदिरण्णा। नोटद करुळ

कोय्यदन्नक्कर, क्रीयद करबोनगळोडयदन्नक्कर,

अष्टमदादिगळेंबव होट्टुहुरियदन्नक्कर,

बेकुबेडाडयेन्दु परिब सर्वसंधेयहव हूळदन्नक्कर

विरक्त विरक्तनेन्नेदिरण्णा।

श्रीशैलचन्नमल्लिकार्जुनदेवनोंबने विरक्त काणिरण्णा।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

यही सच्ची अविरक्ति है, इसलिए किसी को भी 'विरक्त-विरक्त' मत कहो, हे भाई! जब तक आँख की आसक्ति रूपी कलेजे को न काटा जाए, जब तक कर्मों की आसक्तियों की बेड़ियाँ न तोड़ी जाएँ, जब तक अष्ट मदों (अहंकार आदि) के बीज को पूरी तरह से भूना (नष्ट) न जाए, और जब तक 'यह चाहिए, यह नहीं चाहिए' की चाह में भटकने वाले समस्त संदेहों को जमीन में दफनाया न जाए—तब तक किसी को भी विरक्त मत कहो, हे भाई। श्रीशैल के चन्नमल्लिकार्जुन देव ही एकमात्र सच्चे विरक्त हैं, जान लो!

351.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

विषयद सुख विषवेन्दरियाद मरुळे, विषयक्के

अंगविसदिरा। विषयदिंद केडने रावणनु

विषयदिंद केडने देवेन्द्रनु? विषयदिंदारु

केडरु मरुळे? विषय निर्विषयवायित्तेंने निन्नल्लि।

चन्नमल्लिकार्जुनंगे ओलिदवळ नीनप्पिहेनेन्दडे

ओनगिदु मरणप्पुव○○ँ काणा।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

हे नासमझ, जो यह नहीं जानता कि सांसारिक विषयों (भोगों) का सुख ही विष है, तू विषयों में अपना शरीर मत झोंक। क्या विषयों के कारण ही रावण का विनाश नहीं हुआ था? क्या विषयों के कारण ही देवेन्द्र का पतन नहीं हुआ था? विषयों के कारण और कौन बर्बाद नहीं हुआ, हे मूर्ख? किंतु हे प्रभु, आपमें मिलकर मेरे लिए सारे विषय 'निर्विष' (विषरहित) हो चुके हैं। यदि कोई यह सोचे कि वह चन्नमल्लिकार्जुन पर प्रेम रखने वाली मुझ स्त्री को जबरन अपना सकता है, तो यह ऐसा ही है जैसे कोई सूखे हुए मरे हुए पेड़ को आलिंगन में बाँध रहा हो।

352.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

वृषभन हिंदे पशुआनु बन्देनु; नंबि नच्चि

पशुआनुबन्देनु। साकि सलहिहनेन्दु सले नच्चि

बन्देनु। ओलिदह ओलिदहनेन्दु बळियल्लि बन्देनु।

चन्नमल्लिकार्जुनय्या, निम्म नंबि बन्द हेंगुस

हिन्दोब्बरेलदोयदरे एंतु सैरिसिदे हेळा, एन्न देवुरदेवा?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

मैं एक बेसहारा पशु की तरह वृषभ (नंदी/शिव) के पीछे-पीछे चली आई हूँ; विश्वास और भरोसे के साथ एक पशु की तरह आपके पीछे आई हूँ। यह सोचकर पूरी तरह आश्वस्त होकर आई हूँ कि आप मेरा पालन-पोषण करेंगे और रक्षा करेंगे। यह मानकर आपके पास आई हूँ कि आप मुझ पर स्नेह करेंगे। हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, आपकी शरण में विश्वास करके आई हुई इस अबला स्त्री को यदि कोई दूसरा व्यक्ति खींचकर ले जाए, तो मैं इसे कैसे सहन करूँगी—मुझे बताइए, हे मेरे देवों के देव?

353.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

वेद शास्त्र आगम पुराणगळेलवु कोट्टणव कुट्टिद

नुच्चु तौडु काणिभो। इव कुट्टल॰ॱॱ कुसुकल॰ॱॱ?

अत्तलित्त हरिब मनद शिरवनरिदडे बच्छबरिय (बच्छबरिय)

चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

वेद, शास्त्र, आगम और पुराण—ये सब ओखली में कूटकर निकाले गए भूसी और टूटे हुए चावल के टुकड़ों के समान हैं, जान लो! इन्हें बार-बार कूटने और छानने से क्या लाभ? इधर-उधर भटकने वाले इस मन के सिर (अहंकार) को यदि काट दिया जाए (शांत कर दिया जाए), तो केवल शुद्ध और परम शून्य (बच-बरिया) ही शेष रहता है, हे चन्नमल्लिकार्जुना।

354.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

शरणर मन नोय नुदिदेनागी, हरजन्मवळिदु

नरजन्मक्के बन्देनु। हरनट्टिड बेसन शिरदळोगांतोडे,

गिरिगळ भारवेनगादुदय्य। चन्नमल्लिकार्जुनन

धर्मदिंद संसार कर्मद होरेयनिळुहि,

नडुदोरेय हायिदु होदेनु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

शरणों का मन दुखाने वाले वचन बोलने के कारण, मेरा दिव्य जन्म (हरजन्म) छूट गया और मुझे फिर से इस नश्वर मनुष्य योनि (नरजन्म) में आना पड़ा। शिव द्वारा दी गई आज्ञा (भारा) को जब मैंने अपने सिर पर धारण किया, तो वह मुझे पर्वतों के भार के समान भारी प्रतीत हुई। हे चन्नमल्लिकार्जुन, आपकी कृपा और धर्म से मैंने इस संसार के कर्मों के भारी बोझ को उतार फेंका और जीवन रूपी इस बीच की नदी को सफलतापूर्वक पार कर लिया।

355.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

शिवंगे तप्पिद काल भस्मवादुदनरिया? शिवंगे तप्पिद

कामनुरिदुदुदनरिया? शिवंगे तप्पिद ब्रह्मण शिर

होदुदुदनरिया? चन्नमल्लिकार्जुनन पादक्के तप्पिदडे,

भवघोरनरकवेंद्रिया, मरुळे?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

क्या तू यह नहीं जानता कि शिव की आज्ञा या मर्यादा का उल्लंघन करने पर काल (यमराज) भी भस्म हो गया था? क्या तू नहीं जानता कि शिव के कोप का उल्लंघन करने पर कामदेव जलकर राख हो गया था? क्या तू नहीं जानता कि शिव के प्रति दुस्साहस करने पर ब्रह्मा का सिर कट गया था? हे नासमझ, यदि कोई चन्नमल्लिकार्जुन के चरणों से विमुख हो जाए, तो उसकी गति घोर नरक में होती है—क्या तू इस सत्य को नहीं जानता?

356.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

शिवगणंगळ मनेयंगळ वाराणसीयम्बुदु

हुसिये, पुरातनर मनेयंगल्दल्लि अष्टाषष्टि

तीर्थंगळु नेलेसिक्कवागि। अदेन्तेन्दडे दटक्के आगम

साक्षी 'केदारस्योदके पीते वाराणास्या मृते सती'

श्रीशैलशिखरे दृष्टे पुनर्जन्म न विद्यते || अळ एम्ब

शब्दक्कधिकवु। सुत्तिबरलु श्रीशैल, केलबलदल्लि केदार,

अल्लिंद वाराणसी। विरक्ति बेदेयागि, भक्ति

मोळेयागे, एन्न देव चन्नमल्लिकार्जुना निम्म भक्तार

मनेयंगळ प्रयागदिंद गुरुगंज्यधिक नोडा?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

क्या शिवगणों के घरों का आँगन ही वाराणसी होना झूठ है? नहीं, क्योंकि पुरातन शरणों के घरों के आंगनों में तो साठ-आठ (अष्टाषष्टि) तीर्थ स्वयं निवास करते हैं। जैसा कि इसके लिए आगम का साक्षी है—'केदारस्योदके पीते वाराणास्या मृते सती' और 'श्रीशैलशिखरे दृष्टे पुनर्जन्म न विद्यते' (अर्थात् केदार का जल पीने से, वाराणसी में मरने से और श्रीशैल के शिखर के दर्शन करने से पुनर्जन्म नहीं होता)। 'अळ' शब्द का अर्थ यहाँ विशिष्टता से है। परिक्रमा करने पर श्रीशैल है, पास ही केदार है, और उससे बाहर वाराणसी है। हे मेरे देव चन्नमल्लिकार्जुन, जब वैराग्य बीज बनता है और भक्ति अंकुरित होती है, तब आपके भक्तों के घर का आँगन प्रयाग से भी बढ़कर पवित्र और महान हो जाता है, क्या यह सच नहीं?

357.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

शिवनु ताने गुरुवागि बन्दु महाघनलिंगव

वेदिसिकोट्ट परियेन्तेन्दडे त आत्मगूडी

पंचभूतंगळने षडंगवेन्देनासि, आ अंगक्के कलेगळने

षडुशक्तिगळेनिसि, आ शक्तिगळिगे षड्विध भक्तियनळवडिसि, आ

भक्तिकळिगे भावज्ञानमनबुद्धिचित्त अहंगारगळने

हस्तंगळेंदेनासि, आ हस्तंगळिगे महालिंगवादियाद

पंचलिंगंगळने षड्विध लिंगंगळेंदेनासि, आ

मंत्रलिंगंगळिगे हृदयगूडी पंचेंद्रियंगळने

मुखंगळेंदेनासि, आ मुखंगळिगे तन्मात्रंगळने द्रव्य

पदार्थंगळेंदेनासि, आ द्रव्यपदार्थंगळु आया

मुखद लिंगंगळल्लि निरंतर सावधानदिंद

अर्पितवागि बीगलोळने अंगस्थलगळडगि, त्रिविध

लिंगांग स्थलगळुळिदु, कायगुरु, प्राणलिंग, ज्ञान

जंगम, गुरुविनल्लि शुद्ध प्रसाद लिंगदल्लि सिद्धप्रसाद

जंगमदल्लि प्रसिद्ध प्रसाद इंती त्रिविध प्रसाद

एकार्थवागि महाघन परिपूर्ण प्रसादवळवट्ट

शरण ज्ञानियल्ल, अज्ञानि मुन्नेव अल्ल, शून्यनल्ल,

निःशून्यनल्ल, द्वैतियल्ल, अद्वैतियल्ल. इंती उभयात्मक

तानेयागि इडु कारण, इधरगुगुगु

सकलसंबंधव चन्नमल्लिकार्जुनदेवा, निम्म शरणरे

बल्लरु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

शिव ने स्वयं गुरु बनकर महाघन लिंग का जो बोध कराया, उसकी रीति यह है—आत्मा से जुड़कर पंचभूतों को छह अंग (षडंग) बनाया, उन अंगों की कलाओं को छह शक्तियाँ (षडुशक्ति) बनाया, उन शक्तियों में षडविध भक्ति को समाहित किया, उन भक्तियों के लिए भाव, ज्ञान, मन, बुद्धि, चित्त और अहंकार को हाथ (हस्त) बनाया, उन हाथों के लिए महालिंग से आदि लेकर पंचलिंगों को षडविध लिंग बनाया, उन मंत्रिलिंगों से हृदय को जोड़कर पंचेंद्रियों को मुख बनाया, उन मुखों के लिए तन्मात्रों को द्रव्य पदार्थ बनाया, और वे द्रव्य पदार्थ जब अपने-अपने मुख के लिंगों में निरंतर सावधानी के साथ अर्पित होकर सुशोभित हुए, तब अंगस्थल विलीन हो गए। त्रिविध लिंगांग स्थल शेष रहे—काय गुरु, प्राण लिंग और ज्ञान जंगम। गुरु में शुद्ध प्रसाद, लिंग में सिद्ध प्रसाद और जंगम में प्रसिद्ध प्रसाद—इस प्रकार त्रिविध प्रसाद एकरूप होकर महाघन परिपूर्ण प्रसाद को प्राप्त करने वाला शरण न तो साधारण ज्ञानी है, न ही अज्ञान है; न वह शून्य है, न निःशून्य है; न वह द्वैती है, न अद्वैती है। इस प्रकार दोनों स्वरूपों से परे वह स्वयं वही रूप हो जाता है। यही कारण है कि इसके आने-जाने और संपूर्ण संबंधों को हे चन्नमल्लिकार्जुन देव, केवल आपके शरण ही जानते हैं।

358.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

शिवभक्तर रोमनोन्दडे, शिवनु नोव नोडा।

शिवभक्तार परिणमिसिद्दर, शिवनु परिणमिसुव

नोडा। भक्तदेहिकदेवनेन्दु श्रुति होगळुव कारण,

शिवभक्तर लेसु होल्लेह शिवन मुट्टुवुदु नोडा।

तायिनोन्दडे ओडलशिशु नोवतेरनन्ते, भक्तार

नोन्दडे ता नोव नोडा चन्नमल्लिकार्जुन।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

यदि शिवभक्त के शरीर का एक रोम भी दुःखी हो, तो शिव स्वयं पीड़ा महसूस करते हैं, ज़रा देखिए! यदि शिवभक्त का जीवन सफल और रूपांतरित हो जाए, तो शिव भी उसी रूप में परिणमित होते हैं, ज़रा देखिए! 'भक्त ही जिसका देह है, ऐसा देव शिव है'—वेदों (श्रुति) द्वारा इस प्रकार महिमा गाने का कारण यही है कि शिवभक्तों का सुख और दुख सीधे शिव को ही जा कर स्पर्श करता है। जैसे माता के कष्ट पाने पर गर्भ का शिशु भी पीड़ा सहता है, वैसे ही भक्तों के कष्ट पाने पर शिव स्वयं दुःखी होते हैं, हे चन्नमल्लिकार्जुन!

359.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

शिवशिवा, कर्मक्षयवादल्लि कर्मद मात

केळिसिदेय्य्या? पापलैपवळिदल्लि पापद मात

केळिसिदेल्लय्या? शिवशिवा, भवद बट्टेयनगलिल्लि?

बंधनद नुडियानाडिसिदेल्लय्या?

चन्नमल्लिकार्जुनय्या, नीने गण्डनेन्दिद्मल्लि,

परपुरुषर (परपुरुषर)?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

हे शिव-शिव, जब कर्मों का क्षय हो चुका है, तब मुख से कर्मों की बातें क्यों कहलवा रहे हैं? जब पाप का लेप मिट चुका है, तब पाप की चर्चा क्यों सुनाई जा रही है, हे प्रभु? हे शिव-शिव, जब संसार की राह को छोड़ चुका हूँ, तब बंधन की बातें क्यों कहलवाई जा रही हैं? हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, जब मैंने आपको ही अपना एकमात्र पति माना है, तब मुझसे अन्य पुरुषों की बातें क्यों कराई जा रही हैं, हे प्रभु?

360.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

शिवशिवा, श्रीगुरुलिंगय्यदेवरु तन्न करस्थलव तन्दु

एन्न शिरस्थलद मेलिरिसि बळिक एन्न भवम्

नास्तियायित्तु। एन्न तन्नेन्ते माडिड, तन्न एन्ते

माडिड; एन्नल्लि तन्नेन्ते थेरहिल्लडे मनक्के तोरिड। तन्न

करस्थलदळोगिद्द शिवलिंगदेवरनु एन्न करस्थलदळोगे

मूर्तिकोलिसिड। एन्न करस्थलदळोगिद्द

शिवलिंगदेवरनु एन्न तनुविन मेळे

मूर्तिकोलिसिड। एन्न तनुविन मेलण

शिवलिंगदेवरनु एन्न मनवेम्ब मंटपदळोगे

मूर्तिकोलिसिड। एन्न मनवेम्ब मंटपदळोगे

मूर्तिकोलिसिड शिवलिंगदेवरनु एन्न ज्ञानवेम्ब

मंटपदळोगे मूर्तिकोलिसिड। एन्न ज्ञानवेम्ब

मंटपदळोगण शिवलिंगदेवरनु महाघनदल्लि

मूर्तिकोलिसिड। कब्बिन तनिरसव कोन्दु सिप्पेय

बिडुवन्ते, मनद मेलण शिवलिंगदेवरिरलु तनुविन

मेलण शिवलिंगदेवरु होयित्तेंन्दु आत्मघातव

माडिकोम्ब ब्रह्मेति सूनेगारर नोडय्या,

चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

हे शिव-शिव, श्री गुरु लिंगय्य देव ने जब अपनी हथेली (करस्थल) पर स्थित लिंग को लाकर मेरे मस्तक पर स्थापित किया, तब मेरा भव-बंधन नष्ट हो गया। उन्होंने मुझे अपने जैसा बना दिया और खुद को मेरे जैसा बना लिया; मुझमें और अपने में बिना किसी अंतर के अपने आपको मेरे मन में प्रकट किया। अपनी हथेली के शिवलिंग को उन्होंने मेरी हथेली में मूर्तिरूप में स्थापित किया। मेरी हथेली के शिवलिंग को उन्होंने मेरे शरीर (तनु) पर प्रतिष्ठित किया। मेरे शरीर पर विराजमान शिवलिंग को उन्होंने मेरे 'मन' रूपी मंडप में मूर्तिरूप दिया। मन रूपी मंडप के शिवलिंग को उन्होंने मेरे 'ज्ञान' रूपी मंडप में स्थापित किया। और ज्ञान रूपी मंडप के उस शिवलिंग को उन्होंने 'महाघन' (परम ब्रह्म) में विलीन कर दिया। जैसे गन्ने का मीठा रस निचोड़कर उसकी खोई (सिप्पे) को फेंक दिया जाता है, वैसे ही मन पर विराजमान शिवलिंग के रहते हुए यह सोचकर कि शरीर पर विराजमान शिवलिंग चला गया है, जो लोग आत्महत्या जैसा मूर्खतापूर्ण कार्य करते हैं, उन झूठे और पाखंडी लोगों को देखिए, हे चन्नमल्लिकार्जुना।

361.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

शील शील एंतेम्बिरेय्या। शीलद नेलेय बल्लरे

हेळिरे? अरियदिरदड केळिरे। काम ओन्दनेय

भवि, क्रोध एरडनेय भवि, लोभ मूरनेय

भवि, मोह नालकनेय भवि। मद ऐदनेय

भवि, मत्सर आरनेय भवि, आमिष एलनेय

भवि। इंती एल भवि॥

लिंगविल्लदवन भवि भवि एम्बुरु तम्म

अंतरंगदल्लिद्द लिंगांगद सुद्धियनरियदे

अच्छप्रसादि निच्च प्रसादि समय प्रसादिगळेंन्दु जलक्के

कन्नवनिक्की उदकव तन्दु लिंगक्के मज्जनक्केरेव

हगलुगळळर मेच्चुवने नम्म चन्नमल्लिकार्जुन?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

'शील-शील' तुम क्या रटते हो, हे भाई? क्या तुम शील की वास्तविक स्थिति को जानते हो? यदि नहीं जानते तो सुनो। काम पहला भव (शत्रु/विकार) है, क्रोध दूसरा भव है, लोभ तीसरा भव है, मोह चौथा भव है, मद पाँचवा भव है, मत्सर छठा भव है, और आसक्ति (आमिष) सातवाँ भव है। इन सातों भवों को अपने भीतर छिपाकर रखने वाले लोग, जिनके पास इष्टलिंग नहीं है, उन्हें 'भव-भव' (संसारियों) कहते हैं; जबकि वे स्वयं अपने अंतरंग में स्थित लिंग और अंग के मिलन के रहस्य को नहीं जानते। शुद्ध प्रसादी, नित्य प्रसादी और समय प्रसादी होने का ढोंग करते हुए, पानी में छेद करके जल लाकर लिंग का अभिषेक करने वाले ऐसे दिन के चोर (पाखंडियों) को क्या हमारे चन्नमल्लिकार्जुन कभी पसंद करेंगे?

362.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

संगदिंदल्लदे अग्नि हुट्टदु, संगदिंदल्लदे बीज

मोळेदोरदु, संगदिंदल्लदे हूवागदु।

संगदिंदल्लदे सर्वसुखदोरदु।

चन्नमल्लिकार्जुनय्या, निम्म महानुभागिळ

संगदिंदलानु परमसुखियादेनेय्या।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

संग (संयोग/संपर्क) के बिना अग्नि उत्पन्न नहीं होती, संग के बिना बीज अंकुरित नहीं होता, और संग के बिना फूल नहीं खिलता। इसी प्रकार संग के बिना समस्त सुखों की प्राप्ति नहीं होती। हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, आपके महानुभाव (शरणों) के सत्संग से ही मैं परम सुखी हो गई हूँ।

363.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

संसारवेम्ब हगेयय्या एन्न तंदे। एन्न

वंशवंशदप्पदे अरसिकोंडु बुरुत्तियेय्या।

एन्नुवनरंसियरंसि हिडिदु कोलुत्तियेय्या। निन्न ना

मरेहोक्के कायय्या। एन्न बिन्नपवनवधरिसा,

चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

यह संसार ही मेरा सबसे बड़ा शत्रु है, हे मेरे पिता। यह पीढ़ी-दर-पीढ़ी मेरा पीछा करते हुए मुझे ढूंढता हुआ चला आ रहा है। यह मुझे खोज-खोज कर पकड़कर मार रहा है। हे प्रभु, मैंने आपकी शरण ली है, मेरी रक्षा कीजिए। मेरी इस विनती को स्वीकार कीजिए, हे चन्नमल्लिकार्जुना।

364.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

संसारसंगदल्लिर्द्रे नोडा नानू। संसार

निसारवेन्दु थोरदिनेनेगे श्रीगुरु। अंगविकारद

संगव निलिसि, लिंगवनंगद मेळे स्थाप्यव

माडिदिनेन्न गुरु, हिंदण जन्मव थोडेदु, मुन्दण

प थव थोरदिनेन्न तंदे। चन्नमल्लिकार्जुनन

थोरदिनेन्न गुरु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

देखिए, मैं इस संसार के बीच ही रहती हूँ, किंतु श्री गुरु ने मुझे यह समझा दिया कि यह संसार पूरी तरह निसार (सारहीन) है। मेरे गुरु ने शरीर के विकारों के संग को रोककर, मेरे अंग पर इष्टलिंग की स्थापना की है। मेरे पिता (गुरु) ने मेरे पिछले जन्म के कर्मों को मिटाकर मुझे आगे का सही मार्ग दिखाया है। मेरे गुरु ने मुझे चन्नमल्लिकार्जुन के परम सत्य का दर्शन कराया है।

365.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

सज्जनेयागि मज्जनक्केरेवे, शांतळागि पूजेमाडुवे,

समरतियिंद निम्म हाडुवे, चन्नमल्लिकार्जुनय्या,

निम्मनगलद पूजे अनुवायीत्तेनेगे।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

मैं पवित्र मन से (सज्जन होकर) अभिषेक (मज्जन) कराऊँगी, शांत चित्त होकर पूजा करूँगी, और समरसता के भाव से आपका गुणगान करूँगी। हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, आपसे कभी भी अलग न होने वाली यह अनन्य पूजा ही मेरे जीवन का सहज स्वभाव बन गई है।

366.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

सटेदितवेम्ब एरडुविडिदु नडेवुदी लोकवेल्लवु।

सटेदितवेम्ब एरडुविडिदु नुडिवुदी लोकवेल्लवु।

सटेदितवेम्ब एरडुविडिदु नडेवने शरणनु?

गुरुलिंगजंगमदल्लि सटेटय बालगिद्दडे अविनु त्रिविधक्के

द्रोही, अघोर नरकी। उम्बुदेल्ल किल्बिष, तिम्बुदेल्ल

अडगु, कुडिभुदेल्ल सुरे। हुसियेम्बुदे होले,

शिवभक्तंगे हुसियेम्बुदुंटे अय्या? हुसियनाडि

लिंगव पूजिसिद्दर होळळ बित्ति फलवनरसिवन्ते।

काणा चन्नमल्लिकार्जुनय्या।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

सत्य और असत्य—इन दोनों को थामकर ही यह सारा संसार चल रहा है। सत्य और असत्य—इन दोनों को लेकर ही यह सारा संसार बोल रहा है। किंतु क्या सत्य और असत्य दोनों का आचरण करने वाला व्यक्ति सच्चा शरण हो सकता है? गुरु, लिंग और जंगम के विषय में जो झूठ या कपट का सहारा लेता है, वह त्रिविध (त्रिगुण/त्रिस्थलों) का द्रोही और घोर नर्की है। उसका खाना सब पाप (किल्बिष) है, उसका सेवन करना सब दोष है, और उसका पीना मदिरा के समान है। झूठ बोलना ही अपवित्रता (होले) है; क्या शिवभक्त के जीवन में कभी झूठ का स्थान हो सकता है, हे प्रभु? झूठ बोलकर इष्टलिंग की पूजा करना ऐसा ही है जैसे बंजर खेत में बीज बोकर फल की तलाश करना। जान लो, हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु!

367.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

सति एम्बुडु माट, पतियेम्बुडु माट,

तनुवेम्बुडु माये, मनवेम्बुडु माये,

सुखवेम्बुडु माये, चन्नमल्लिकार्जुननेनेगे कैहिडिद

गण्डनलद्दे मिक्किनवरेल्लरु मूगिल्लद बण्णद

बोम्बेगळु काणय्या।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

पत्नी होना एक छलावा (नाटक/माट) है, पति होना एक ढोंग है; यह शरीर माया है, यह मन माया है, और यह सांसारिक सुख भी माया है। चन्नमल्लिकार्जुन ही मेरे एकमात्र हाथ थामने वाले पति (स्वामी) हैं; उनके अलावा बाक़ी के सभी लोग बिना नाक के रंग-बिरंगे पुतलों के समान हैं, जान लो!

368.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

सत्त हेण कूगिदुडुंतु, बैतिट्ट बायके करेदुडुंतु,

हेप्पिट्ट हालु गट्टिगोन्दु सिहियादुडुंतु। इड

निश्चैसि नोडि चन्नमल्लिकार्जुनदेविरल्लि।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

कभी-कभी मृत शव के भी पुकार उठने की बात सुनी जाती है, मन में दबी इच्छाओं के प्रकट होने का प्रसंग भी होता है, और जमाया हुआ दूध गाढ़ा होकर मीठा हो जाता है। इस रहस्य को श्री चन्नमल्लिकार्जुन देव में पूरी तरह निश्चय करके देखिए।

369.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

सत्तादडे शरीरं पोदडे पोगलि, लोकद

गण्डरनोलि; लोकद हेण्डिरु बेकादोडे

माडिकोल्लेलि; उरयदीरु उरयदीरु उरयदीरु।

चन्नमल्लिकार्जुननल्लद्दे लोकद गण्डरु एनेगे

नेनेय्लु बारदु, सोंकलि बारदु, अल्लद

मोरे केंडण्णा।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

भले ही यह शरीर नष्ट हो जाए और प्राण निकल जाएँ, फिर भी मैं इस संसार के (सांसारिक) पतियों को कभी स्वीकार नहीं करूँगी। यदि संसार के लोगों को पत्नियाँ चाहिए तो वे भले ही रख लें; तुम अंदर ही अंदर मत जलोग, मत जलो, मत जलो। चन्नमल्लिकार्जुन के अलावा संसार का कोई भी अन्य पुरुष मुझे न तो स्मरण करने योग्य है और न ही स्पर्श करने योग्य है; हे भाई, ऐसे अयोग्य लोगों का मुख देखना भी मुझे स्वीकार नहीं है।

370.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

सत्य सद्भक्तर संभाषणे नुडिगडणवेम्बुडु निच्चलोंडु

उपदेश मंत्रव कलितन्ते। बच्छबरिय भवियळ

संगदल्लिद्दर किच्चिनोळगे बिद्द कीडेयंतप्पुदय्या।

सुचित्तदिंद निम्म सद्भक्तर संगदल्लिरीसदिरद्दे नानिन्नेत्त

सारुवेनु हेळा चन्नमल्लिकार्जुना?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

सत्य और सद्गुणों वाले भक्तों की बातचीत और वचनों का समूह ऐसा है मानो प्रतिदिन कोई नया उपदेश मंत्र सीख रहा हो। इसके विपरीत, कोरे और अज्ञानी भवियों (संसारियों) के संग में रहना ऐसा है जैसे आग के बीच कोई कीड़ा गिरकर जल जाता है। यदि आप मुझे पवित्र मन से अपने सद् भक्तों के सत्संग में नहीं रखेंगे, तो हे चन्नमल्लिकार्जुना, मैं और कहाँ जाकर शरण लूँगी—मुझे बताइए?

371.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

सद्गुरु स्वामी शिष्यंने अनुग्रहव माडुवल्लि तच्छिष्यन

मस्तकद मेळे तन्न हस्तवनि रिसिद्दर लोहद मेळे

परुष बिद्दंतायित्तय्या। ओप्पुवु श्री विभूतीय

नरोसलिंगे पट्टवकट्टिद्दर मुक्तिराज्यद ओडतनक्के

पट्टवकट्टिदंतायित्तय्या। सद्योजात वामदेव

अघोर तत्पुरुष ईशानवेम्ब पंचकलशदभिषेकव

माडिसलु, शिवन करुणामृतद सोने

सुरिदंतायित्तय्या। नेरेद शिवगणंगळ मध्यदल्लि

महालिंगवनु करतलामतकवागि शिष्यन करस्थलक्के

इत्तु, अंगदल्लि प्रतिष्टिंसि, प्रणवपंचक्षरियुपदेशव

कर्णदल्लि हेळि, कंकनव कट्टिडल्लि, कायवे

कैलैसवयित्तु; प्राणवे पंचब्रह्ममयलिंगवयित्तु।

इंतु मुन्द थोरी हिंद बिडिसिड श्रीगुरुविन

सांनिध्यदिंदानु बदुकिदेनेय्या चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

सद्गुरु स्वामी जब शिष्य पर अनुग्रह करते हैं और उसके मस्तक पर अपना हाथ रखते हैं, तो वह ऐसा प्रतीत होता है जैसे लोहे के टुकड़े पर पारस मणि स्पर्श कर गई हो। उसके मस्तक पर पवित्र श्रीविभूति (भस्म) का पट्टा सजाना ऐसा है मानो उसे मुक्ति-राज्य के साम्राज्य का पट्टा बाँध दिया गया हो। सद्योजात, वामदेव, अघोर, तत्पुरुष और ईशान—इन पाँच कलशों से अभिषेक कराना शिव के करुणा-रूपी अमृत की वर्षा होने जैसा हो जाता है। एकत्र शिवगणों के बीच महालिंग को हथेली पर आँवले की तरह रखकर शिष्य की हथेली में प्रदान करना, उसे उसके अंग में प्रतिष्ठित करना, कान में प्रणव पंचक्षरी (ॐ नमः शिवाय) का उपदेश देना और कंकण बाँधना—इन सबके प्रभाव से यह शरीर ही कैलास बन जाता है और प्राण ही पंचब्रह्ममय लिंग बन जाते हैं। इस प्रकार आगे मार्ग दिखाकर पीछे के बंधनों को छुड़ाने वाले श्रीगुरु के सान्निध्य से ही मैं जीवित और धन्य हो गई हूँ, हे चन्नमल्लिकार्जुना।

372.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

सप्तधातुगळिंद बळसल्पट्ट ई शरीरवे शिवन

पट्टणवेन्दु हेळल्पट्टित्तु। ई पिण्डवेम्ब पट्टणदल्लि

सूक्ष्मवादंथधाराकाशदिंद मनोहरवागिद्द

हृदयकमलवे अंतःपुरवु। अल्लि

नित्यपरिपूर्णत्वदिंद सिद्धनागि सच्चिदानंदवे

कुरूहागुळळ परमशिववु जलदल्लि थोरत्तिर्द

आकाशदोपाधियल्लि प्रत्यक्षवागि प्रकाशवे

स्वरूपवागुळळातनागि इरुतिर्दनु। आ जलमध्यदल्लिया

आकाश बिंबदल्लिइरुतिर्द घटाकाशदोपाधियल्लि

[अ]खंडितनागिर्द चिद्रूपनाद शिवननु

भाविसुवुदय्या श्री चन्नमल्लिकार्जुनदेवा।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

साप्त धातुओं से निर्मित इस शरीर को ही शिव का नगर कहा गया है। इस देह रूपी नगर में सूक्ष्म धाराकाश से सुशोभित हृदय-कमल ही अंतःपुर (महल) है। वहाँ नित्यापरिपूर्णता से सिद्ध, सच्चिदानंद जिसका चिह्न है, ऐसे परमशिव जल में प्रतिविम्बित आकाश की भाँति प्रत्यक्ष रूप से अपने प्रकाश-स्वरूप में विराजमान रहते हैं। जल के मध्य स्थित आकाश के प्रतिबिंब में रहने वाले घटाकाश की भाँति जो अखंडित चिद्रूप हैं, ऐसे शिव का ध्यान और चिंतन करना चाहिए, हे श्री चन्नमल्लिकार्जुन देव।

373.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

सर्पन बाये कप्पे नोणक्के हारुवन्ते आप्यायन

बिडदु। कायवर्पितेवेम्ब हुसिय नोडा। नानू

भक्तळेम्ब नाचिकेन नोडा। नानू युक्तळेम्ब

हेसिकेन नोडा। ओगरविन्नागडु, प्रसाद मुन्निल्लि;

चन्नमल्लिकार्जुनय्य उपचारदर्पितवनवगडिसी कळेव।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

सर्प के मुँह मेंढक के कूदने की तरह (या मक्खी की तरह) आसक्ति की प्रवृत्ति छूटती नहीं है। यह झूठा दंभ देखना कि मेरा शरीर (काया) भगवान को समर्पित है! मेरा यह अहंकार देखना कि मैं एक सच्ची भक्त हूँ! और यह ढोंग देखना कि मैं नियम-संयम वाली (युक्त) हूँ! ऐसा भोजन अब किसी काम का नहीं, और न ही ऐसा कोई पूर्व प्रसाद शेष है; चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु ऐसे दिखावे और औपचारिक समर्पण (उपचारार्पित) को पूरी तरह अस्वीकार करके नष्ट कर देते हैं।

374.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

साक्षी सत्तिट्टु, पत्र बेन्दिट्टु, लेक्क तुम्बियित्तु, जीव

जीवितद आसे निन्दुडु, भाषे होयित्तु,

देशवेल्लारिये एन्न देव चन्नमल्लिकार्जुनन नंबि

हंबल मरेदेनागी।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जब मैंने सारे संसार के सामने अपने देव चन्नमल्लिकार्जुन पर अटूट विश्वास कर लिया, तब (कर्मों का) साक्षी नष्ट हो गया, (पापों का) पत्र जल गया, हिसाब पूरा हो गया, जीवन और संसार की सारी आशाएँ थम गईं, और सारे वादे-बंधन समाप्त हो गए—इस प्रकार मैंने अपने सारे मोह और हंबल को भुला दिया है।

375.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

साविरा (साविरा होन्निगे) सादकोंडु सुन्नव बेरसिनन्ते

माडिदेयय्या। मूरु लक्षद बेलेगे रत्नव कोन्दु

मडुविनल्लि इट्तन्ते माडिदेयय्या।

चन्नमल्लिकार्जुनय्या, एन्न मुट्टि पावनव माडि

कष्टसंसारिगोप्पिसुवन्ते माडिदेयय्या।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

हज़ारों स्वर्ण मुद्रों (होन) देकर उसमें सस्ता चूना मिलाने जैसा कार्य आपने मेरे साथ किया है। तीन लाख के मूल्य का बहुमूल्य रत्न खरीदकर उसे गंदे तालाब में फेंक देने जैसा आपने किया है। हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, मुझे अपने स्पर्श से पवित्र बनाकर वापस इस कष्टदायक संसार के हवाले करने जैसा कार्य आपने क्यों कर दिया है?

376.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

साविल्लद केडिल्लद रूहिल्लद चेलुवंगे नानोलिदे।

एडेयिल्लद कडेयिल्लद थेरहिल्लद कुरूहिल्लद चेलुवंगे

नानोलिदे एळे अव्वगळिरा? भवविल्लद भयविल्लद

निर्भय चेलुवंगोलिदे नानू। सीमेयिल्लद

निस्सीमंगोलिदे नानू। चन्नमल्लिकार्जुननेम्ब गण्डंगे

मिगे मिगे ओलिदे एळे अव्वगळिरा।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

न कभी मरने वाले, न कभी क्षीण होने वाले और रूप-रंग से रहित ऐसे सुंदर प्रभु पर मैं अनुरक्त हो गई हूँ। हे सखियों (अव्वगळिरा), जिसका न कोई आदि है, न अंत है, न कोई अंतराल है और न ही कोई दृश्य चिह्न है, ऐसे अद्भुत सुंदर पर मैं मुग्ध हूँ। संसार-बंधन (भव) और भय से रहित, उस निर्भय सौंदर्य पर मेरा प्रेम है। जिसकी कोई सीमा नहीं, ऐसे असीम पर मैं रीझ गई हूँ। हे सखियों, चन्नमल्लिकार्जुन नामक स्वामी से मेरा प्रेम दिन-प्रतिदिन अत्यधिक गहरा होता गया है।

377.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

सुखद सुखिगळ संभाषणैयिंद दुःक्खक्के

विश्रामवायित्तु। भावक्के तार्कणेयादल्ले, नेनेहक्के

विश्रामवायित्तु। बेच्चु बेरसलोळने मच्चु

ओळकोंदित्तय्या, चन्नमल्लिकार्जुनय्या निम्म शर्तर संगदिंद।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

सुखियों और संतों की आपसी बातचीत (संभाषण) मात्र से सारे दुःखों को विश्राम मिल गया है। जब मन का भाव सही दिशा में जुड़ गया, तो मानसिक स्मृतियों को भी शांति मिल गई। हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, आपके शरणों के सत्संग से जैसे ही हमारा मिलन हुआ, भीतर गाढ़ा प्रेम और आनंद समा गया।

378.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

सुखसाराय सुशीलारनुव सुखसारायरे बल्लरु।

निस्सीमरु निस्सीमरु नेरेवल्लि परमसुखिगळ बल्लरु।

एन्न देव चन्नमल्लिकार्जुनय्या निम्म लिंगैक्यरनुव

लिंगैक्यरे बल्लरु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

परम सुख और सार के मार्ग को केवल वे ही लोग जानते हैं जो स्वयं उत्तम शील वाले और सुख-सारज्ञ हैं। असीम और महान आत्माएं जब आपस में मिलती हैं, तब वे ही परम सुख के रहस्य को जानती हैं। हे मेरे देव चन्नमल्लिकार्जुन, आपके लिंगैक्यों (शिव में लीन भक्तों) की वास्तविक स्थिति को केवल अन्य लिंगैक्य ही समझ सकते हैं।

379.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

सुट्ट बूदियोळगोंदु सुडद बूदिय कंडे, आ

सुडद बूदिय बेट्टव माडिदातनु गुट्टनारु

कंडुदुदिल्ला। नानू आतननरिदु शरतेंदु बदुकिदे। आ

बेट्टद मेळे अनेके वस्तूगळ कंडे चरिस्तुत्तेने

चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जली हुई राख के बीच मैंने एक न जलने वाली (दिव्य) राख को देखा है। उस न जलने वाली राख का पर्वत बना डालने वाले परमेश्वर के रहस्य को कोई नहीं जान पाया है। मैंने उन्हें पहचानकर, उनकी शरण लेकर जीवन पाया है। हे चन्नमल्लिकार्जुना, उस आध्यात्मिक पर्वत के ऊपर अनगिनत दिव्य वस्तुओं के दर्शन करते हुए मैं विचर रही हूँ।

380.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

सूर्यरप्रकाश आकाशद विस्तर्णि, वायुविन

चलनेयेल्ला हगलिन पूजे। चंद्रप्रकाश नक्षत्र

अग्निविद्युत्तादी दीप्तिमयवेनिसिप्पवेल्ला इरुळिन पूजे।

निन्न प्रकाशदल्लि एन्न मरदिप्पेनेय्या चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (Kannada Text):

सूर्य का प्रकाश, आकाश का विस्तार और वायु की गति—यह सब मानो दिन की पूजा है। चंद्रमा का प्रकाश, नक्षत्र और अग्नि-बिजली आदि से जगमगाता दीप्तिमान संसार—यह सब रात्रि की पूजा है। हे चन्नमल्लिकार्जुना, आपके इस विराट प्रकाश के आगे मैं स्वयं को भूलकर आपमें ही विलीन रहती हूँ।

381.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

सेज्जेयनुप्परिसि शिवलिंग करस्थलक्के बरलु, प्रज्वलिसि

तोलतोलगी बेळगुत्तिह कांतियोळु प्रज्वलिसि, दृष्टिनट्टु

ओज्ज०३ (ओज्ज०३) सुरिव अश्रुजल शिवसुख सारायनाल्लि

सज्जनसतिय रतिरोडगूडी लज्जेगेट्टु निम्म नेरेदेनु

चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

शय्या को सजाकर जब इष्टलिंग मेरी हथेली पर आ विराजा, तब प्रज्वलित होकर चमकती हुई उस दिव्य कांति को देखते हुए और अपनी दृष्टि को उसी में टिकाकर, आँखों से प्रेमाश्रुओं की धारा बहने लगी। शिव-सुख के उस सार में डूबकर, एक सती और पति की पवित्र प्रीति की भाँति, मैं अपनी सारी लज्जा छोड़कर हे चन्नमल्लिकार्जुना, पूरी तरह से आपमें समा गई।

382.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

स्थानभेद संशय आधार स्वाधिष्ठ मणिपूरक अनाहत

विशुद्धि आज्ञा एम्ब षट्चक्रंगळ वर्तनिय नुडिदडैनू?

आदि अनादिय केळिदडैनू? तन्नल्लित्तुड

तानरियदन्नक्क उन्मनीय रभसद सिंहासनद मेळे

चन्नमल्लिकार्जुनन भेदिस्थलरियुरु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

मूलाधार, स्वाधिष्ठान, मणिपूरक, अनाहत, विशुद्धि और आज्ञा—इन छह चक्रों की स्थिति और वर्तन की चर्चा करने से क्या लाभ? आदि और अनादि के विषय में पूछने से क्या मिलेगा? जब तक मनुष्य अपने भीतर स्थित सत्य को ही नहीं पहचानता, तब तक वह उन्मनी अवस्था के तीव्र वेग वाले सिंहासन पर विराजमान चन्नमल्लिकार्जुन के भेद को कभी नहीं जान सकता।

383.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

हंदीयू मडकऱीयू ओंदे दारियल्लि संधिसिदडे

हंदिगंजी मडकरि केलक्के सारिदडे ई हंदियदु

केसरियप्पुदे चन्नमल्लिकार्जुना?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

यदि सूअर और एक विशाल हाथी (मदकरी) एक ही मार्ग पर आमने-सामने आ जाएँ, और हाथी सूअर से डरकर थोड़ा किनारे हट जाए, तो क्या इससे वह सूअर कोई सिंह (केसरी) बन जाएगा, हे चन्नमल्लिकार्जुना? (अर्थात स्थिति बदलने से मूल स्वभाव या महानता नहीं बदलती।)

384.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

इंबरिदु हत्तिदे। कनसिनल्लि मनसंगवागि

मैमरेदिर्दे; मनस्सिनल्लि मैमरेदु ओरगिदे।

चन्नमल्लिकार्जुनन कंडु कण्टेरेदे।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

सही स्थान और मार्ग को जानकर मैं आगे बढ़ी हूँ। स्वप्न में मन का मिलन होने से मैं अपनी सुध-बुध खो बैठी; मन में ही तल्लीन होकर विश्राम करने लगी। और जब मैंने चन्नमल्लिकार्जुन के दर्शन किए, तब मेरी वास्तविक आँखें (ज्ञान चक्षु) खुलीं।

385.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

हगलु नालकुजाव अशनक्के कुदिवरु। इरुळु

नालकुजाव व्यसनक्के कुदिवरु। अगस नीरोळगिर्दु

बायारि सत्तन्ते, ತಮ್ಮೊಳಗಿರ್ದು (तम्मोळगिर्दु) महाघनवनरियरु

चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

लोग दिन के चारों पहर केवल खाने-पीने की चिंताओं (अशन) में तड़पते रहते हैं, और रात के चारों पहर सांसारिक दुखों या व्यसनों में सुलगते रहते हैं। जैसे धोबी पानी के बीच में रहते हुए भी प्यासा ही मर जाए, वैसे ही लोग अपने ही भीतर निवास करने वाले उस 'महाघन' (परमेश्वर) को नहीं पहचानते, हे चन्नमल्लिकार्जुना।

386.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

हगलु नालकुजाव निम्म कवळदल्लिप्पेनु। इरुळु

नालकुजाव लिंगद विकळावस्थेयल्लिप्पेनु। हगलिरुळु

निम्म हंबलदल्लि मैमरेदोरगिप्पेनु।

चन्नमल्लिकार्जुनय्या, निम्म ओलुमे नट्टु हसिवु तृषे

निद्रेय तोरेदेनेय्या।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

दिन के चारों पहर मैं आपकी ही चिंता और तड़प में डूबी रहती हूँ। रात के चारों पहर मैं इष्टलिंग की विरहावस्था (विकलावस्था) में रहती हूँ। दिन-रात आपके ही प्रगाढ़ प्रेम और स्मरण में अपनी सुध-बुध खोकर पड़ी रहती हूँ। हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, आपके प्रेम में ऐसा अनुराग हुआ है कि मैंने भूख, प्यास और नींद तक को त्याग दिया है।

388.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

हण्ण मेद्दु बळिक आ मरननाहरु तरिदडैनू? हेण्णु बिट्ट

बळिक आकेयनाहरु कूदिडडैनू? मण्णु बिट्ट बळिक आ

केय्यनाहरु उत्तडैनू? चन्न मल्लिकार्जुननरियद

बळिक आ कायव नायि तिन्दिडडैनू, नीरु

कुदिडडैनू?

Hindi Meaning (Hindi Meaning - हिंदी अर्थ):

फल खा लेने के बाद उस पेड़ को कोई काट दे तो क्या फर्क पड़ता है? स्त्री का मोह छूट जाने के बाद कोई उसके पास जाए या न जाए इससे क्या? बंजर या त्यागी गई भूमि को कोई जोते या न जोते इससे क्या? जब तक मनुष्य चन्नमल्लिकार्जुन को नहीं जानता, तब तक इस शरीर को चाहे कुत्ता खा ले या कोई पानी पी ले, इससे क्या अंतर पड़ता है? (अर्थात प्रभु-ज्ञान के बिना शरीर व्यर्थ है।)

389.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

हरने नेनेनेगे गण्डनागबेकेन्दु अनंतकाल तपस्सिद्दे

नोडा। हसेयमेलण मात बेसनगोललट्टिदडे,

शशिधरन हत्तिरके कडुदिरेम्ववरु। भस्मवने हूसी,

कंकणवने कट्टिडरु चन्नमल्लिकार्जुन तनिगे

नानागबेकेन्द।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

मैंने अनंतकाल तक यह तपस्या की थी कि केवल शिव ही मेरे पति बनें, देखिए! जब विवाह की वेदी (हसे) की बात पक्की करने की बारी आई, तो हमारे परिजनों ने मुझे शशिधर (शिव) के पास ही भेज दिया। उन्होंने मेरे शरीर पर भस्म लगाई और हाथ में कंकण (कंगन) बाँध दिया, क्योंकि चन्नमल्लिकार्जुन यह चाहते थे कि मैं पूरी तरह उन्हीं की हो जाऊँ।

390.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

हरिय नुंगित्तु माये, अजैन नुंगित्तु माये

इंद्रन नुंगित्तु माये, चंद्रन नुंगित्तु माये

बल्लेनेम्ब बलुगैयर नुंगित्तु माये, अरियेनेम्ब

अज्ञानिगल नुंगित्तु माये,

ईरेलुभुवनवनारडिगोंडित्तु माये,

चन्नमल्लिकार्जुनय्या, एन्न मायव मानिसा करुणी।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

माया ने भगवान विष्णु को भी निगल लिया, माया ने ब्रह्मा (अज) को भी अपने वध में कर लिया; माया ने इंद्र को भी जकड़ लिया, चंद्र को भी ग्रस लिया। 'हम सब कुछ जानते हैं' ऐसा अभिमान करने वाले बलवानों को भी माया ने खा लिया, और 'हम कुछ नहीं जानते' ऐसे अज्ञानियों को भी माया ने निगल लिया। इस चौदह भुवन के ब्रह्मांड को माया ने अपने पैरों तले रौंद रखा है। हे करुणानिधि चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, मेरी इस माया (मोह) को दूर कर दीजिए।

391.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

हसीवादडे ऊरोळगे भिक्षांनगळु॰॰ಱ॥ तृषेयादडे केरे

हळळ बाविगळु॰॰ಱ॥ अंगशीतक्के बीसाट अरिवेगळु॰॰ಱ॥

शयनक्के हाळु देगुळगळु॰॰ಱ॥ चन्नमल्लिकार्जुनय्या,

आत्मसंगातक्के नेनेनगु॰॰ಱ॥

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

यदि भूख लगे तो नगर में भिक्षा का अन्न उपलब्ध है। यदि प्यास लगे तो तालाब, झरने और कुएँ हैं। शरीर की ठंडक या रक्षा के लिए साधारण वस्त्र हैं। और सोने के लिए सूने देवालय (खंडहर) मौजूद हैं। हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, मेरी आत्मा के संगी और साथी तो केवल आप ही हैं।

392.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

हसिवु तृषेयादिगळु एन्नोळगाद बळिक, विषय

विकारवेन्ननिरीसी होदरु काणा तन्दे। अदे कारण

नीवु अरसिकोंडु बन्दिठ಼ಂ (बन्दि ಿरण ಂ ಂ)। नीवु अरसुव अरके –

एन्नोळगायित्तु। एन्न देव चन्नमल्लिकार्जुन

तन्नोळगेन्ननिंबिट्टुकोंडनागी इन्न निन्ने तन्दे

तायितनवनोल्ले नानू।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

जब से मेरे भीतर भूख, प्यास आदि सहज रूप से शांत हो गईं, तब से सारे विषय-विकार मेरे पास से भाग खड़े हुए, जान लो हे पिता! यही कारण है कि आप मुझे ढूँढते हुए यहाँ आए हैं। और आप जिसकी तलाश कर रहे थे, वह खोज तो स्वयं मेरे भीतर ही पूरी हो गई। मेरे देव चन्नमल्लिकार्जुन ने जब मुझे अपने ही भीतर स्थान (आस्रय) दे दिया है, तब से मुझे अब इस संसार के किसी अन्य माता-पिता की कोई चाह नहीं है।

393.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

हसिवे नीनु निल्लु निल्लु तृषेये नीनु निल्लु निल्लु

निद्रेये नीनु निल्लु निल्लु कामवे नीनु निल्लु निल्लु

क्रोधवे नीनु निल्लु निल्लु मोहवे नीनु निल्लु निल्लु

लोभवे नीनु निल्लु निल्लु मदवे नीनु निल्लु निल्लु

मच्चरवे नीनु निल्लु निल्लु सचाराचरवे नीनु निल्लु

निल्लु नानू चन्नमल्लिकार्जुनदेवर अवसरद

ओलैयनोय्युत्तलिद्देने शरनार्थि।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

हे भूख, तू थम जा! हे प्यास, तू रुक जा! हे नींद, तू रुक जा! हे काम, तू ठहर जा! हे क्रोध, तू थम जा! हे मोह, तू रुक जा! हे लोभ, तू ठहर जा! हे मद, तू रुक जा! हे मत्सर (ईर्ष्या), तू रुक जा! हे संपूर्ण

सचराचर जगत, तुम सब थम जाओ! मैं इस समय चन्नमल्लिकार्जुन देव के विशेष संदेश (अवसर की ओली) को लेकर जा रही हूँ, अतः मुझे प्रणाम है (शरणार्थी हूँ)।

394.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

हसे हंदरवनिक्की, तोंडिल बासिगव कट्टी,

मदुवेयादेनेल्ला नानू मच्चि मदुवेयादेनेल्ला

नानू। गण्डने, निंगोतु कैविडिदवळनु मत्तोब्बुरु

कैविडिदरे निन्नाभिमानव पररेलदोयिदन्ते काणा

चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

विवाह का मंडप सजाकर, माथे पर बासिग बाँधकर, मैंने प्रेम से यह विवाह रचा लिया है, हाँ, मैंने पूरी तरह मुग्ध होकर विवाह किया है। हे स्वामी, यदि आपके द्वारा हाथ थामी गई इस स्त्री का हाथ कोई दूसरा पकड़ ले, तो यह ऐसा ही होगा जैसे कोई आपकी आन-बान और अभिमान को खींचकर ले जा रहा हो, जान लो हे चन्नमल्लिकार्जुना!

395.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

हालहिडिदु बेण्णेयनरसलुंट्रे? लिंगवहिडिदु

पुण्यतीर्थक्के पोगलुंट्रे? लिंगद पादतीर्थ

प्रसादव कोन्दु अन्यबोधे अन्यशास्त्रक्के हारैसलैतत्के?

इष्टलिंगविद्वान्ते स्थावरलिंगक्के शरणेंदेनादडे

तडदे हुट्टिसुवुनु श्वानेन गर्भदल्लि। अदेन्तेन्दडे

शिवधर्मपुराणदल्लि 'इष्टलिंगमविश्वस्य तीर्थलिंगस्य

पूजकः श्वानयोनिगत्व चांडालागृगमाचरेत' ||

एंन्दुद०१ि, इदनरिदु गुरु कोट्ट लिंगदल्लिले एल्ला

तीर्थंगळू एल्ला क्षेत्रंगळू इद्दावेन्दु भाविसि

मुक्तारप्पुदय्या। इंतल्लदे गुरु कोट्ट लिंगव

किरिदुमाडि, तीर्थलिंगव हिरिदुमाडि होदातंके

अघोर नरक तप्पदु काणा चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

हाथ में दूध होते हुए क्या मक्खन की तलाश की जाती है? इष्टलिंग के रहते हुए क्या किसी अन्य पुण्य तीर्थ में जाने की आवश्यकता है? इष्टलिंग का पादतीर्थ और प्रसाद प्राप्त कर लेने के बाद अन्य ज्ञान या दूसरे शास्त्रों की चाह क्यों की जाए? इष्टलिंग के रहते हुए यदि कोई स्थावर लिंग (मंदिर की मूर्ति) को प्रणाम करने लगे, तो उसका जन्म कुत्ते की योनि में होना निश्चित है। जैसा कि शिवधर्म पुराण में कहा गया है—'इष्टलिंगमविश्वस्य तीर्थलिंगस्य पूजकः श्वानयोनिगत्व चांडालागृगमाचरेत'। इस सत्य को जानकर, गुरु द्वारा दिए गए इष्टलिंग में ही समस्त तीर्थ और समस्त क्षेत्र समाहित हैं—ऐसा मानकर जो लोग साधना करते हैं, वे ही मुक्त होते हैं। इसके विपरीत, गुरु द्वारा दिए गए लिंग को छोटा मानकर और बाहरी तीर्थ-लिंग को बड़ा मानकर भटकने वाले को अघोर नरक मिलना तय है, जान लो हे चन्नमल्लिकार्जुना।

396.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

हालु तुप्पव नुंगि बेरागबल्लुडे? सूर्यकॉन्तद

अग्नियनारु भेदिसाबल्लरु? अपारमहिम

चन्नमल्लिकार्जुना, नीनेन्नोळडगिप्प परिय बेरील्लदे

कंडु कण्टेरेदेनु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

क्या दूध घी को निगलकर उससे अलग हो सकता है? सूर्यकांत मणि की अग्नि को कौन भेद सकता है? हे अपार महिमा वाले चन्नमल्लिकार्जुना, आपने जिस प्रकार मुझमें ही समाकर निवास किया है, उस रहस्य को बिना किसी अन्य भेद के मैंने प्रत्यक्ष देखकर अपनी ज्ञान-आँखें खोल ली हैं।

397.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

हाविन हल्ल कळेदु हाविनाडिसाबल्लडे हाविन संगवे

लेसु कंडय्या। कायद संगव विवरिसाबल्लडे

कायद संगवे लेसु कंडय्या। तायि रक्कसियादन्ते

कायविकारवु। चन्नमल्लिकार्जुनय्या, नीनोलिदवरु

कायगोंडित्तरेनबेड।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

यदि साँप के विषदंत तोड़कर उसे नचाया जा सके, तो साँप का संग भी अच्छा होता है, जान लो। यदि शरीर (काया) के संग के रहस्य को समझा जा सके, तो शरीर का संग भी ठीक है। अन्यथा, शरीर के विकार ऐसे होते हैं जैसे अपनी ही माँ राक्षसी बन जाए। हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, जो लोग आप पर प्रेम रखते हैं, उनके विषय में यह मत कहिए कि वे केवल शरीर में उलझे हुए हैं।

398.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

हिंडनगलि हिडिबडेद कुंजर तन्न विंध्यव नेनेवन्ते

नेनेवेनेय्या। बंधनक्के बन्द गिळि तन्न बन्धुव

नेनेवन्ते नेनेवेनेय्या कंढा, नीनित्त बा एन्दु नीवु

निम्मन्दव थोरय्या, चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

झुंड से बिछुड़कर अकेला पड़ गया हाथी जैसे अपने विंध्य पर्वत को याद करता है, वैसे ही मैं आपको याद करती हूँ, हे प्रभु! पिंजरे में कैद तोता जैसे अपने बंधु-बांधवों को याद करता है, वैसे ही मैं आपको स्मरण करती हूँ। हे मेरे प्यारे, 'इधर आओ' कहकर अपना स्वरूप मुझे दर्शन दीजिए, हे चन्नमल्लिकार्जुना।

399.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

हिंदण हळळ, मुन्दण तोरे, सत्थुव परियेन्तु

हेळा? हिंदण केरे, मुन्दण बले,

हदुळविन्नेल्लियदु हेळा? नीनिक्किड माये

कोलुत्तिप्पुदु कायय्या, कायय्या

चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

पीछे नाला है और आगे तेज धारा (नदी) है, ऐसी स्थिति में सही ढंग से पार उतरने की रीति क्या है, मुझे बताइए? पीछे तालाब है और आगे जाल बिछा है, ऐसे में सुख-चैन या सुविधा अब कहाँ मिलेगी, बताइए? आपके द्वारा रची गई यह माया मुझे मार रही है; हे चन्नमल्लिकार्जुना, मेरी रक्षा कीजिए, मेरी रक्षा कीजिए!

400.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

हिडिदिरु तडेयिरु बिडुबिडु कैयसेरग। भाषीय

बरेदिकोट्ट सत्यक्के तप्पिदडे अघोर नरकवेन्देरिया?

चन्नमल्लिकार्जुनन कैविडिद सतिय मुट्टिदडे केडुवे

काणा मरुळे।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

मेरा आँचल मत पकड़ो, मुझे मत रोको, मेरा हाथ छोड़ दो! वचन और सत्य का जो अनुबंध किया गया है, यदि उससे मुकर जाए तो उसका परिणाम अघोर नरक है—क्या तुम यह नहीं जानते? हे मूर्ख, चन्नमल्लिकार्जुन का हाथ थामने वाली इस सती को यदि कोई हाथ लगाएगा तो वह स्वतः नष्ट हो जाएगा, जान लो।

401.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

हिडिबेनेन्दडे हिडिगे बारनव्वा। तडिबेनेन्दडे मीरी

होहनव्वा। ओप्पच्चि अगलिदडे कवळगोंडे।

चन्नमल्लिकार्जुनन कांडे आनारेन्दरिये केळा,

ताये।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

यदि मैं उन्हें पकड़ना चाहूँ तो वे हाथ में नहीं आते, हे अम्मा! यदि रोकना चाहूँ तो वे लांघकर आगे निकल जाते हैं। अचानक उनके बिछुड़ जाने से मैं बेहद व्याकुल और चिंतित हो गई हूँ। हे माता, चन्नमल्लिकार्जुन के दर्शन के बिना अब मैं कौन हूँ, यह भी मैं नहीं जानती, ज़रा सुनो!

402.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

हितविदे सकललोकद जनक्के, मतविदे

श्रुतिपुराणागमद, गतियिदे, भकुतिय

बेलगिनुन्नतियिदे। श्री विभूतीय धरिदडे भवव

परिवुडु दुरितसंकुळवनोरसुवुडु हरन सालोक्य

सामीप्य सारूप्य सायुज्यदल्लि रिसवुडु। निरुतविदु

नंबु मनुजा, जननभीति ई विभूति।

मरणभयदिंद अगस्त्य काश्यप जमदग्निगळु

धरिददरन्दु नोडा। श्रीशैल चन्नमल्लिकार्जुनन

ओलिब विभूति।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

संसार के सभी जनों के लिए यही हितकारी है, यही श्रुति, पुराण और आगमों का मत है, यही मुक्ति की गति है, और यही भक्ति के प्रकाश की सर्वोच्च उन्नति है। पवित्र श्रीविभूति (भस्म) धारण करने से संसार के सारे भव-बंधन कट जाते हैं, पापों का समूह धुल जाता है, और वह मनुष्य शिव के सालोक्य, सामीप्य, सारूप्य और सायुज्य पद को प्राप्त कर लेता है। हे मनुष्य, इस निरंतर सत्य को मानो—यह विभूती जन्म के भय का नाश करने वाली है। मृत्यु के भय से ही प्राचीन काल में अगस्त्य, काश्यप और जमदग्नि ऋषियों ने इसे धारण किया था, ज़रा देखिए। यह श्रीशैल के चन्नमल्लिकार्जुन की परम कृपा-प्रसाद रूपी विभूति है।

403.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

हुट्टद योनियल्लि हुट्टिसी, बारद भवंगळल्लि बारिसी,

उण्णद ऊटवनुणिसी विधियोगळारिसुवु केळिर೧ ೦ (केळिर೧ ೦)।

तन्नवरेन्दडे मन्निसुवने हत्थरिद्द भृंगिय चर्मव

किट्टीडाडीसिदवनु मत्ते केलंबर बल्लने? इदनरितु

बिडदिरु बिडदिरु। चन्नमल्लिकार्जुननिन्थ सितगनव्वा।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

असंभव योनियों में जन्म देकर, न आने योग्य सांसारिक बंधनों में उलझाकर, और न खाने योग्य कर्मों का भोजन कराकर जो विधाता के अधीन कर देता है, उसकी लीला सुनो, हे भाई। क्या वह अपने कहलाने वालों पर कभी सच्ची दया करेगा? जिसने अपने पास रहने वाले भृंगी (या शिवभक्त) की

खाल तक खिंचवाकर फिंकवा दी थी, क्या वह दूसरों को माफ करने वाला है? इस रहस्य को जानकर कभी भी उसका साथ मत छोड़ना। चन्नमल्लिकार्जुन का स्वभाव ही ऐसा विचित्र है, हे अम्मा!

404.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

हुट्टिडे श्रीगुरुविन हस्तदल्लि, बेळेडेनु असंख्यतर

करुंदोळगे। भाववेम्ब हालु, सुज्ञानवेम्ब तुप्प,

परमार्थवेम्ब सक्करेयनिद्दरु नोडा। इन्थप्प

त्रिविधामृतवनु दणियलेरेदु सलहिविरेन्ने। विवाहव

माडिदिरी, सयवप्प गण्डंगे कोट्टिरी, कोट्ट मनेगे

कळुहलेन्दु असंख्यतरेल्लरु नेरेदु बन्दिरी।

शरणरु मेच्चलु ओगेतनव माडुवे चन्नमल्लिकार्जुनन

कैविडिदु निम्म तलेस हूव तहनेलल्ले हुल्ल तारेनु।

अवधऽ (अवधऽ), निम्बडिगळेल्लरु मऱळी बियंगैवुडु,

शरणार्थी।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

मेरा जन्म श्रीगुरु की हथेली में हुआ है, और मैं असंख्य भक्तों की करुणा के छाँव में पली-बढ़ी हूँ। उन्होंने मेरे लिए 'भाव' रूपी दूध, 'सुज्ञान' रूपी घी, और 'परमार्थ' रूपी शक्कर मिलाकर मुझे तृप्त किया, देखिए। इस प्रकार त्रिविध अमृत से मुझे सींचकर उन्होंने मेरा पालन-पोषण किया है। आपने मेरा विवाह कराया, योग्य पति को मुझे सौंपा, और उस नए घर (पतिगृह) को भेजने के लिए आप सभी असंख्य शरणजन यहाँ एकत्र होकर आए हैं। शरणों को प्रसन्न करने के लिए मैं चन्नमल्लिकार्जुन का हाथ थामकर अपने जीवन को सफल करूँगी और आपके मस्तक पर फूलों की माला (फूल) चढ़ाऊँगी, घास नहीं। मेरी इस विनती को स्वीकार करें और आप सभी अब अपने घरों को आनंदपूर्वक लौट जाएँ, शरणार्थी!

405.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

हुट्टु होरेय कट्टळय कळेदनव्वा। होन्नु मण्णिन

मायेय माणिसीदनव्वा। एन्न तनुविन लज्जेयनिळुहि,

एन्न मनद कत्तलेय कळेद

चन्नमल्लिकार्जुनय्यनळोगादवळ एनेन्दु

नुडुसुविरव्वा?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

उन्होंने मेरे जन्म-मरण के बोझ और बंधनों को हमेशा के लिए समाप्त कर दिया है, हे अम्मा! सोना और मिट्टी (धन और प्रपंच) की माया को उन्होंने मुझसे दूर कर दिया है। मेरे शरीर की लज्जा को मिटाकर और मेरे मन के अंधकार को दूर करके, जो चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु में पूरी तरह समा गई है, उस स्त्री के बारे में आप लोग क्या कहकर पुकारेंगे, हे अम्मा?

406.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

हूवु कंदिदल्लि परिमळवनरसुवरे? कंदनल्लि

कुंदनरसुवरे? एळे देव, स्नेहविद्द ठाविनोळु

द्रोहवाद बळिक मऱळी सद्गुणवनरसुवरे? एळे

देव, बेन्द हुण्णिगे बेगेयनिद्थुवरे? केळय्या,

श्रीशैल चन्नमल्लिकार्जुना होळेयिळिद बळिक

अंबिगंगेनु○○ಱ?

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

क्या मुरझाए हुए फूल में कोई उसकी सुगंध की तलाश करता है? क्या निष्कलंक बच्चे में कोई दोष ढूँढता है? हे देव, जहाँ प्रेम और स्नेह था, वहाँ द्रोह हो जाने के बाद क्या कोई दोबारा सद्गुणों की उम्मीद करता है? हे देव, क्या जले हुए घाव पर कोई और जलन पैदा करने वाली चीज़ डालता है?

ज़रा सुनिए, हे श्रीशैल चन्नमल्लिकार्जुना, एक बार जब नदी पार कर ली जाती है, तब नाविक (अंबिगर) से फिर क्या काम रहता है?

407.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

हेण्णु हेण्णादडे गण्डिनसूतक। गंडु गंडादडे

हेण्णिनसूतक। मनदसूतक हिंडिदडे तनुविन सूतकक्के

थेरहुंटे? अय्या, पहिल्याद सूतकक्के मरुळायित्तु

जगवेल्ला। एन्न देव चन्नमल्लिकार्जुननेम्ब गरुवंगे

जगवेल्ला हेण्णु नोडा अय्या।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

स्त्री के जन्म लेने पर पुरुष का सूतक माना जाता है, और पुरुष के जन्म लेने पर स्त्री का सूतक होता है। किंतु जब मन का सूतक ही समाप्त हो जाए, तब शरीर के सूतक का कोई स्थान रह जाता है क्या? हे प्रभु, इस मूलहीन और झूठे सूतक के भ्रम में सारा संसार पागल हो गया है। मेरे देव चन्नमल्लिकार्जुन जो कि सर्वोच्च पुरुष (गहरू) हैं, उनकी दृष्टि में तो यह संपूर्ण संसार ही एक स्त्री के समान है, ज़रा देखिए!

408.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

हेदरदिरु मनवे, बेदरदिरु तनुवे, निजवनरितु

निश्चिन्तानागिरु। फलवाद मरन कल्ललि इडुवदोंदु

कोटी, एलवदमरन इडुवरोब्बर काणे।

भक्तियुळ्ळवर बाइवरोंदुकोटी, भक्तियिल्लदवर

बाइबरोब्बर काणे। निम्म शर्तर नुडिये एनेगे गति,

सोपान, चन्नमल्लिकार्जुना।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

हे मन, डरो मत! हे शरीर, भयभीत मत होओ! सत्य को पहचानकर पूरी तरह निश्चिंत हो जाओ। जिस पेड़ पर अच्छे फल लगे होते हैं, उसी को लोग पत्थर मारते हैं—यह दुनिया का दस्तूर है, किंतु फलहीन पेड़ को कोई पत्थर नहीं मारता। इसी प्रकार सच्ची भक्ति करने वालों की निंदा करने वाले करोड़ों मिल जाएंगे, पर बिना भक्ति वालों की निंदा करने वाला कोई एक भी नहीं दिखाई देता। हे चन्नमल्लिकार्जुना, आपके शरणों के वचन ही मेरे लिए एकमात्र गति और सीढ़ी (सोपान) हैं।

409.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

होन्नु मुरिदडे बेसेसबहुदल्ल्दे, मुत्तु ओडेदडे

बेसेसबहुदे? मन मुरिदडे मनकोब्बरोडेयरुंट्रे?

चन्नमल्लिकार्जुन साक्षियागि बेटवुळळल्लि बेरेसे घन।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

सोना टूट जाए तो उसे फिर से जोड़ा जा सकता है, किंतु क्या टूटा हुआ मोती कभी जोड़ा जा सकता है? यदि मन टूट जाए तो क्या मन को जोड़ने वाला कोई दूसरा स्वामी हो सकता है?
चन्नमल्लिकार्जुन को साक्षी मानकर जहाँ सच्चा प्रेम और मेल होता है, वही वास्तविक महानता है।

410.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

होळे केंजेडिय मेळे एळेवेळदिंगळ, फणिमणि

कर्णकुंडुल नोडव्वा; रुंडमालेय कोळळवन

कंडडे ओम्मे बरहेळव्ववा? गोविन्दन नयन

उंगुटद मेळिप्पुडु, चन्नमल्लिकार्जुनदेवन

कुरूहव्ववा।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

उनकी चमकती हुई लाल जटाओं पर बाल चंद्रमा सुशोभित है, कानों में सर्प-मणि के कुंडल झिलमिला रहे हैं, ज़रा देखिए! मुंडों की माला गले में धारण करने वाले ऐसे प्रभु के दर्शन यदि हों, तो उन्हें एक बार यहाँ आने के लिए कहना, अम्मा! गोविंद (विष्णु) की आँख जिनके अंगूठे पर स्थित है, वे हमारे चन्नमल्लिकार्जुन देव का ही विशेष चिह्न हैं, जान लो।

411.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

होळेव केंजेडेगळ, मणिमकुटद, ओप्पुवु सुलिपल्गळ,

नगेमोगद, कंगळ कांतिय, ईरेलुभुवनव बेळगुव

दिव्यस्वरूपन कंडे नानू। कंडेन्य कंगळ बर

हिंडित्तनेगे। गंडगंडरेल्लार हेण्डिरागि आळुव गरुवन

कंडे नानू। जगदादि शक्तियोळु बेरेसि मात्राडुव

परमगुरु चन्नमल्लिकार्जुनन निलव कन्दु

बदुकिदेनु।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

चमकती हुई लाल जटाओं वाले, मणियों के मुकुट से सुशोभित, सुंदर सुडौल दांतों वाले, मुस्कराते चेहरे और आँखों की कांति से चौदह भुवनों को प्रकाशित करने वाले उस दिव्य स्वरूप के मैंने दर्शन कर लिए हैं। उनके दर्शन मात्र से मेरी आँखों की देखने की प्यास और भूख हमेशा के लिए शांत हो गई है। समस्त पतियों के भी पति और स्वामी बनकर शासन करने वाले उस महान परमेश्वर को मैंने पा लिया है। जगत् की आदि शक्ति के साथ मिलकर संवाद करने वाले परम गुरु चन्नमल्लिकार्जुन की इस महान स्थिति को पहचानकर मैं धन्य हो गई हूँ।

412.

Hindi Transliteration (Kannada Text in Devanagari Script):

होदेनेनूरिके, इद्दे नानल्लि, होदडे मऱळीत्थ

बारेनव्वा। ऐवरु भावदिरु, ऐवरु नगेवेण्णु ई

ऐवरु कूडि एन्न काडुवरु बैवरु होय्वरु मिगे

केडनुडुवरु। इवरैवर काटक्के नानिन्ना रे कंडव्ववा।

अत्ते माव मैदुन नगेवेण्णु, चित्तवनोरेडु नोडुव

गण्डा। कत्तलेयादडे करेदन्ना नीडव्ववा, अत्तिगे हत्तेन्ट

नुडिवळम्मम्म ताये। उपमातीतरु

बंधुबळगंगळु। श्रीशैल चन्नमल्लिकार्जुन ओलिदडे

मऱळी बारेनम्म ताये।

Hindi Meaning (हिंदी अर्थ):

मैं ससुराल (उस नए नगर) को गई और वहीं रहने लगी, किंतु एक बार जाने के बाद अब वहाँ से वापस लौटना संभव नहीं है, हे अम्मा! पाँच भाई (इंद्रियाँ) और पाँच ननदें (विषय)—ये दसों मिलकर मुझे बहुत सताते हैं, गालियाँ देते हैं, मारते हैं और बुरी-बुरी बातें कहते हैं। इन सबके कष्ट से मैं अब कहाँ जाऊँ, हे अम्मा! घर में सास, ससरे, देवर और ननद हैं, और मन के भावों को ताड़कर देखने वाले मेरे स्वामी (पति) हैं। जब रात हो जाती है, तब भोजन कौन लाकर देगा? मेरी अत्तित (जिठानी/सास) तो ताने पर ताने मारती रहती है, हे अम्मा! यहाँ के सभी बंधु-बांधव और रिश्तेदार इस संसार की उपमाओं से परे हैं। जब श्रीशैल के चन्नमल्लिकार्जुन अपनी कृपा मुझ पर बरसाएंगे, तभी मैं इस संसार से मुक्त होकर वापस अपने मूल घर लौट सकूँगी, हे मेरी अम्मा!